THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

पंजाब में हिंदी बोलने पर बिहार के छात्रों पर हमला

दरभंगा, 22 मार्च (एजेंसियां)। पंजाब की गुरु काशी यूनिवर्सिटी में बिहार के छात्रों के साथ मारपीट हुई है। एक स्टूडेंट्स ने 21 मार्च को एक्स पर वीडियो शेयर कर मदद की गुहार लगाई है। छात्र का नाम अली अंजार है। वो दरभंगा जिले के कमतौल प्रखंड के बहुआरा गांव का रहने वाला है। गुरु काशी यूनिवर्सिटी से अली बीटेक कर रहा है।

वीडियो में अली अंजार कह रहा है, यहां के लोकल छात्र और लोग हम पर हमले कर रहे हैं। तलवार लेकर घुस जाते हैं। सिर फाड़ दिया है कई लोगों का। गार्ड भी नहीं सुनता है। पुलिस और प्रशासन हमारी नहीं सुन रहा है। बिहार के ज्यादातर स्टूडेंट्स से मारपीट हुई है। पूरा दिन हॉस्टल के अंदर रहते हैं।

वर्ष-29 अंक : 360 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) **चैत्र कृ.9 2081 रविवार, 23 मार्च-2025**

प्रधान संपादक - **डॉ. गिरीश कुमार संघी** हैदराबाद नगर ✲ **पृष्ठ : 16+32 मूल्य : 8 रुपये**

दक्षिण जनसंख्या आधारित परिसीमन को स्वीकार नहीं करेगा : रेवंत रेड्डी

सीएम ने फेयर डिलिमिटेशन-फर्स्ट ज्वाइंट एक्शन कमेटी की

चेन्नई/हैदराबाद, 22 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने इस बात पर जोर दिया है कि दक्षिण भारतीय राज्य जनसंख्या आधारित परिसीमन को अस्वीकार करेंगे। उन्होंने कहा, यदि केंद्र में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार जनसंख्या के आधार पर परिसीमन करती है, तो इससे दक्षिणी राज्यों का राजनीतिक प्रतिनिधित्व कम हो जाएगा, जिससे वे प्रभावी रूप से दोयम दर्जे के नागरिक बन जाएंगे और उत्तर भारत को फायदा होगा। यहां आम सहमति है कि हम जनसंख्या आधारित परिसीमन को स्वीकार नहीं कर सकते क्योंकि इससे उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश और राजस्थान जैसे राज्य देश के बाकी हिस्सों पर हावी हो जाएंगे। हमें हर कीमत पर इसके खिलाफ मजबूती से खड़ा होना चाहिए। शनिवार को चेन्नई में फेयर डिलिमिटेशन-फर्स्ट ज्वाइंट एक्शन कमेटी (जेएसी) की बैठक में बोलते हुए मुख्यमंत्री ने दक्षिण भारत के लोगों, राजनीतिक दलों और नेताओं से भाजपा के परिसीमन एजेंडे का विरोध करने के लिए एकजुट होने का आह्वान किया। रेवंत रेड्डी ने यह भी टिप्पणी की कि दक्षिणी राज्य प्रो रेटा फॉर्मूला को अस्वीकार कर देंगे, क्योंकि यह उन पर नकारात्मक प्रभाव डालेगा और सत्ता असंतुलन को बढ़ाएगा। 2001 में, अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार ने सीटों की संख्या बढ़ाए बिना विभिन्न राज्यों में परिसीमन किया था।

>14

परिसीमन पर दक्षिणी राज्यों के सीएम की बैठक

स्टालिन बोले- हमारी पहचान खतरे में पड़ जाएगी, संसद में सीटें कम नहीं होनी चाहिए

चेन्नई, 22 मार्च (एजेंसियां)। राज्यों में लोकसभा सीटों के परिसीमन को लेकर शनिवार को 5 राज्यों के मुख्यमंत्रियों और डिप्टी सीएम की बैठक चेन्नई में हुई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने चेन्नई में ये मीटिंग बुलाई, जिसमें 5 राज्यों के 14 नेता शामिल हुए। बीजेडी प्रमुख नवीन पटनायक और टीएमसी भी इसमें शामिल हुई।

इस दौरान स्टालिन के नेतृत्व में एक जॉइंट एक्शन कमेटी बनाई गई। जिसने परिसीमन पर प्रस्ताव पारित किया कि 19%1 की जनगणना जनसंख्या के आधार पर संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों पर रोक को अगले 25 साल तक बढ़ाया जाए। साथ ही कहा कि जिन राज्यों ने जनसंख्या नियंत्रण कार्यक्रम प्रभावी ढंग से लागू किया है, वहां संवैधानिक संशोधन लागू किए जाएं। निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन पर अगली बैठक हैदराबाद में होगी।

किसने क्या कहा

तमिलनाडु सीएम एमके स्टालिन: परिसीमन के मुद्दे पर हमें एकजुट रहना होगा। वर्ना हमारी पहचान खतरे में पड़ जाएगी। संसद में हमारा प्रतिनिधित्व कम नहीं होना चाहिए। हमें इस राजनीतिक लड़ाई को आगे बढ़ाने के लिए कानूनी पहलुओं पर भी विचार करना होगा। हम परिसीमन के खिलाफ नहीं, निष्पक्ष परिसीमन के पक्ष में हैं।

केरल सीएण पिनराई विजयन : लोकसभा सीटों का परिसीमन तलवार की तरह लटक रहा है। भाजपा सरकार इस मामले पर बिना किसी परामर्श के आगे बढ़ रही है। दक्षिण के सीटों में कटौती और उत्तर में बढ़ोतरी भाजपा के लिए फायदेमंद होगी। उत्तर में उनका प्रभाव है।

ओडिशा पूर्व सीएम नवीन पटनायक: संसद में सीटों की संख्या निर्धारित करने के लिए जनसंख्या ही एकमात्र मानदंड नहीं होना चाहिए। परिसीमन प्रक्रिया शुरू करने से पहले सभी दलों के साथ चर्चा होनी चाहिए। हम ओडिशा के लोगों के हितों की रक्षा के लिए हर संभव कोशिश करेंगे।

कर्नाटक डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार : भारतीय इतिहास के महत्वपूर्ण आंदोलन में शामिल हुए, लोकतंत्र और संघवाद की नींव जो खतरे में है। इसलिए एक अच्छी शुरुआत हुई है कि यहां एक निष्पक्ष जॉइंट एक्शन कमेटी बनाई गई है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के जॉइन्ट जनरल सेक्रेटरी अरुण कुमार ने शनिवार को परिसीमन पर बैठक कर रहे राजनीतिक दलों की चर्चा पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि जो लोग इस चर्चा में भाग ले रहे हैं, उन्हें आत्ममंथन करना चाहिए कि यह उनका राजनीतिक एजेंडा है या वे अपने क्षेत्र के हितों के बारे में ईमानदारी से सोच रहे हैं।

आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चिट्ठी लिखी। जगन ने पीएम से अपील करते हुए लिखा- परिसीमन प्रक्रिया इस तरह से हो कि किसी भी राज्य की लोकसभा या राज्यसभा में प्रतिनिधित्व में कोई कमी न आए, खासकर सदन में कुल सीटों की संख्या के मामले में।

भारत न्यूजीलैंड का महत्वपूर्ण सहयोगी

पीएम मोदी के साथ समय बीतना मेरे लिए खुशी की बात : पीएम लक्सन

वेलिंगटन, 22 मार्च (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन ने शनिवार को कहा कि भारत न्यूजीलैंड का एक सबसे 'महत्वपूर्ण साझेदार' बनता जा रहा है है। उन्होंने कहा कि इस सप्ताह के शुरू में नई दिल्ली और मुंबई की उनकी पांच दिवसीय यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच साझेदारी 'काफी मजबूत हुई।

16-20 मार्च तक भारत की आधिकारिक यात्रा से स्वदेश लौटने के बाद लक्सन ने कहा, विश्व का सबसे अधिक जनसंख्या वाला देश भारत, न्यूजीलैंड के लिए एक महत्वपूर्ण साझेदार बनता जा रहा है। इस सप्ताह मेरी यात्रा के दौरान यह साझेदारी और भी मजबूत हुई।

न्यूजीलैंड के पीएम ने कहा, इस सप्ताह भारत जाना और हमारे देशों के बीच संबंधों को मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ समय बिताना मेरे लिए खुशी की बात थी। मुझे खुशी है कि व्यापक मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर बातचीत अब शुरू हो गई है।

यह लक्सन की वर्तमान क्षमता में पहली भारत यात्रा थी- साथ ही अक्टूबर 2016 के बाद से न्यूजीलैंड के किसी प्रधानमंत्री की भी पहली यात्रा थी। दोनों प्रधानमंत्रियों ने अपनी चर्चाओं के दौरान, गहन आर्थिक एकीकरण प्राप्त करने के लिए एक संतुलित, महत्वाकांक्षी, व्यापक और पारस्परिक रूप से लाभकारी व्यापार समझौते के लिए एफटीए वार्ता की शुरूआत का स्वागत किया।

सुप्रीम कोर्ट के जजों की टीम मणिपुर में विस्थापित लोगों से मिली

कानूनी सेवा शिविर का हुआ उद्घाटन

इंफाल (मणिपुर), 22 मार्च (एजेंसियां)। न्यायमूर्ति बीआर गवई की अध्यक्षता में सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों की एक टीम ने शनिवार को जातीय संघर्ष प्रभावित मणिपुर के चुराचांदपुर जिले का दौरा किया और आंतरिक रूप से विस्थापित लोगों से मुलाकात की।

उन्होंने जिले के लामका स्थित मिनी सचिवालय से एक विधिक सेवा शिविर, एक चिकित्सा शिविर और एक विधिक सहायता क्लिनिक का भी वर्चुअल माध्यम से उद्घाटन किया।

जजों की टीम ने सद्भावना मंडप राहत केंद्र का दौरा किया और आंतरिक रूप से विस्थापित व्यक्तियों से बातचीत की। न्यायमूर्ति गवई के अलावा, टीम में सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश विक्रम नाथ, एमएम सुंदरेश और केवी विश्वनाथन शामिल थे। टीम के साथ मणिपुर उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति डी कृष्णकुमार और न्यायमूर्ति गोलमेई गैफुलशिलू भी उपस्थित थे। इससे पहले दिन में, शीर्ष अदालत के प्रतिनिधिमंडल का इम्फाल हवाई अड्डे पर राज्य के वकील समुदाय की ओर से गर्मजोशी से स्वागत किया गया।

न्यायमूर्ति बीआर गवई शनिवार को मणिपुर का दौरा करने वाले सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया। उन्होंने जातीय संघर्ष से ग्रस्त राज्य के लोगों से शांति और सद्भाव बहाल करने के लिए मिलकर काम करने की अपील की।

अधिकारियों ने बताया कि गवई ने उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश विक्रम नाथ, एम.एम. सुंदरेश और के.वी. विश्वनाथन के साथ चुराचांदपुर जिले में एक राहत शिविर का दौरा किया और आंतरिक रूप से विस्थापित लोगों से मुलाकात की। उन्होंने बताया कि उन्होंने जिले के लामका स्थित मिनी सचिवालय से एक कानूनी सेवा शिविर, एक चिकित्सा शिविर और एक कानूनी सहायता किनिक का भी वर्चुअल उद्घाटन किया।

मणिपुर उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति डी कृष्णकुमार और न्यायमूर्ति गोलमेई गैफुलशिलू भी उपस्थित थे। सभा को संबोधित करते हुए न्यायमूर्ति गवई ने कहा, भारत का संविधान देश के सभी नागरिकों को समान अधिकारों की गारंटी देता है। मणिपुर में हिंदू मैतेई और आदिवासी कुकी (जो ईसाई हैं) के बीच हिंसा 3 मई, 2023 को ऑल ट्राइबल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ मणिपुर की एक रैली के बाद भड़की थी।

नागपुर हिंसा में बुलडोजर एक्शन संग प्रॉपर्टी जब्त?

फडणवीस बोले- दंगाइयों को अभी नहीं सुधारा तो उन्हें आदत हो जाएगी

नागपुर, 22 मार्च (एजेंसियां)। नागपुर हिंसा में हुए नुकसान की भरपाई दंगाइयों से की जाएगी। मुख्यमंत्री और गृहमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने नागपुर में एक संवाददाता सम्मेलन में बताया कि अगर वे (दंगाई) मुआवजा नहीं देते हैं तो उनकी संपत्तियां बेचकर मुआवजा लिया जाएगा। फडणवीस ने चेतावनी दी कि दंगाइयों के खिलाफ कार्रवाई करते समय कोई दया नहीं दिखाई जाएगी। उन्होंने कहा कि 1992 के बाद से नागपुर में दंगों जैसी बड़ी घटना कभी नहीं हुई। अगर दंगाइयों को अभी नहीं सुधारा गया तो उन्हें इसकी आदत हो जाएगी। पुलिस पर हमला करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। फडणवीस ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि दंगाइयों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। दंगों के सिलसिले में पहली बार नागपुर आए फडणवीस ने वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक की।

कोमटि रेड्डी की टिप्पणी के बाद बीआरएस ने किया वॉकआउट

हैदराबाद, 22 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। विपक्षी दलों के प्रति सत्ता पक्ष के रवैये के खिलाफ विरोध जताते हुए बीआरएस सदस्यों ने शनिवार को विधानसभा से वाकआउट किया। प्रश्नकाल के दौरान पूर्व सड़क एवं भवन मंत्री वी. प्रशांत रेड्डी और सड़क एवं भवन मंत्री कोमटि रेड्डी वेंकट रेड्डी के बीच राज्य में सड़क अवसंरचना विकास को लेकर मौखिक बहस हुई। प्रशांत रेड्डी ने कहा कि बीआरएस शासन के दौरान लगभग 22,000 करोड़ रुपये की लागत से 8672 किलोमीटर डबल लेन सड़कें और 669 किलोमीटर फोर लेन सड़कें विकसित की गईं।

उन्होंने वित्त मंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क के बजट भाषण का हवाला देते हुए कहा कि इसके विपरीत, कांग्रेस सरकार ने पिछले 10 महीनों में लक्षित 769

किलोमीटर में से केवल 55 किलोमीटर का ही विकास किया है।

उन्होंने प्रस्तावित हाइब्रिड एन्युटी मॉडल (एचएएम) के तहत सड़कों के विकास पर भी सड़क एवं भवन मंत्री से जवाब मांगा। प्रशांत रेड्डी को जवाब देते हुए कोमटि रेड्डी वेंकट रेड्डी ने कहा कि बीआरएस सरकार ने पिछले 10 सालों में उप्पल फ्लाईओवर का काम पूरा नहीं किया। इस तथ्य से अनजान रहते हुए कि यह एक राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजना थी, उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार काम में तेजी ला रही है और यह 18 महीनों में पूरा हो जाएगा।

कोमटि रेड्डी वेंकट रेड्डी ने कहा कि प्रशांत रेड्डी पूजा-पाठ, यज्ञ और सचिवालय के निर्माण में व्यस्त थे, इसके अलावा वे प्रगति भवन में भी व्यस्त थे। तत्काल ही पूर्व मंत्री ने पलटवार करते हुए कहा कि अध्यक्ष महोदय, मैं पूजा-पाठ और यज्ञ करता हूं, क्योंकि मैं आध्यात्मिक हूं और ईश्वर में विश्वास करता हूं। इसमें गलत क्या है?

उन्होंने कहा कि मैंने आरएंडबी मंत्री से सीधा सवाल पूछा कि सरकार एचएएम मॉडल में अपने 40 प्रतिशत हिस्से के लिए 11,200 करोड़ रुपये कैसे जुटाएगी और ठेकेदारों को एचएएम कार्यों में 60 प्रतिशत हिस्सा कैसे चुकाएगी। इन सवालों का जवाब दिए बिना मंत्री मेरी मान्यताओं में खामियां ढूंढ रहे हैं। जवाब में मंत्री ने दावा किया कि उन्होंने पूर्व मंत्री के बारे में एक सामान्य टिप्पणी की थी कि वे सचिवालय निर्माण के अलावा पूजा-पाठ और यज्ञ में व्यस्त हैं। मंत्री के रवैये का विरोध करते हुए बीआरएस सदस्यों ने सदन से वॉकआउट कर दिया।

'मुझे गलत तरीके से छुआ, मेरी गर्दन पकड़ी', यौन उत्पीड़न के आरोप में एनआईटी प्रोफेसर गिरफ्तार

सिलचर,22 मार्च (एजेंसियां)। असम के सिलचर में स्थित राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) के एक प्रोफेसर को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। प्रोफेसर पर संस्थान की एक छात्रा के यौन उत्पीड़न का आरोप है। चाचर जिले के एसपी ने बताया कि एनआईटी सिलचर के असिस्टेंट प्रोफेसर कोटेश्वर राजू धेनुकोंडा को गिरफ्तार किया गया है। प्रोफेसर को संस्थान परिसर स्थित उसके आवास से गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने पीड़िता छात्रा और उसके परिवार की शिकायत पर यह कार्रवाई की। आरोपी प्रोफेसर को संस्थान की तरफ से निलंबित कर दिया गया है। पुलिस ने बताया कि शुरुआत में आरोपी प्रोफेसर ने खुद को छिपाने की कोशिश की और खुद को अपने आवास में बंद कर लिया। हालांकि कुछ देर बाद पुलिस ने उन्हें पकड़ लिया।

दिल्ली-एनसीआर, यूपी और हरियाणा में चढ़ेगा पारा

झुलसाएगी गर्मी, कहां-कहां है बारिश का अलर्ट?

नई दिल्ली,22 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली-एनसीआर, हरियाणा, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश समेत कई राज्यों में अब धीरे-धीरे गर्मी बढ़ने लगी है। अगले चार दिनों के दौरान इन क्षेत्रों में मौसम का मिजाज अलग-अलग रहेगा, जिसमें गर्मी, हल्की नमी और कुछ जगहों पर बादल छाए रहने की संभावना है। साथ ही कुछ जगहों पर हल्की बारिश का भी अनुमान है।

मंगलवार को दिल्ली-एनसीआर में छाए रहेंगे बादल

मौसम विभाग के मुताबिक, दिल्ली-एनसीआर में रविवार और सोमवार (23 और 24 मार्च) को भी मौसम शुष्क रहेगा, हालांकि दिन में तेज धूप के कारण गर्मी का अहसास बढ़ेगा। दिल्ली-एनसीआर में मंगलवार (25 मार्च) को हल्के बादल छा सकते हैं, लेकिन तापमान में खास बदलाव नहीं होगा। बारिश का भी कोई अनुमान नहीं है। इस दौरान हवा की गति 10-15 किमी/घंटा रहने की संभावना है।

हरियाणा का अगले 4 दिन का मौसम?

हरियाणा में अगले चार दिनों तक मौसम ज्यादातर साफ और शुष्क रहेगा। शनिवार को अधिकतम तापमान 33 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 15 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहेगा। रविवार को कुछ इलाकों में हल्के बादल देखे जा सकते हैं, लेकिन बारिश की कोई संभावना नहीं है। सोमवार और मंगलवार को तापमान में मामूली बढ़ोतरी हो सकती है, जिससे गर्मी का प्रभाव बढ़ेगा।

यूपी के कई जिलो में 24 मार्च को छाए रहेंगे बादल

उत्तर प्रदेश में मौसम का हाल क्षेत्र के हिसाब से थोड़ा अलग रहेगा। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में शनिवार और रविवार को मौसम साफ रहेगा। अधिकतम तापमान 32-34 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 14-16 डिग्री सेल्सियस रहने की उम्मीद है। पूर्वी उत्तर प्रदेश में सोमवार (24 मार्च) को हल्के बादल छा सकते हैं, लेकिन बारिश की संभावना कम है। मंगलवार (25 मार्च) को पूरे राज्य में मौसम शुष्क रहेगा, हालांकि दिन का तापमान 35 डिग्री तक पहुंच सकता है। मौसम विभाग ने तेज हवाओं (20-25 किमी/घंटा) का अलर्ट भी जारी किया है।

मध्य प्रदेश के इन जिलों में बारिश का अलर्ट

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने बताया कि मध्य प्रदेश में अगले चार दिनों में मौसम में कुछ उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है। शनिवार को अधिकतम तापमान 34-36 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 16-18 डिग्री सेल्सियस रहेगा। रविवार (23 मार्च) मध्य प्रदेश के कुछ इलाकों में हल्के बादल छाए रह सकते हैं। सोमवार और मंगलवार (24 और 25 मार्च) को मौसम विभाग ने मध्य और उत्तरी मध्य प्रदेश में हल्की बारिश या बूंदाबांदी की संभावना जताई है, खासकर भोपाल, ग्वालियर और आसपास के क्षेत्रों में बारिश का अनुमान है। इस दौरान तापमान में 1-2 डिग्री की गिरावट हो सकती है। हवा की गति 15-20 किमी/घंटा रहने की उम्मीद है।

तेलंगाना में भी बारिश का अलर्ट

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने तेलंगाना के कई जिलों के लिए और 'येलो' अलर्ट जारी किया है। इसके तहत वहां सोमवार की सुबह तक आंधी, ओलावृष्टि और तेज हवाएं चलने की चेतावनी दी गई है। आईएमडी सोमवार सुबह 8.30 बजे के बीच तेलंगाना में अलग-अलग स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश या गरज के साथ छींटे पड़ने का भी पूर्वानुमान जताया है।

कुरुक्षेत्र के महायज्ञ में फायरिंग

ब्राह्मणों को खाना परोसने को लेकर विवाद एक को लगी गोली; स्थिति तनावपूर्ण

कुरुक्षेत्र,22 मार्च (एजेंसियां)। कुरुक्षेत्र के केशव पार्क में चल रहे 1000 कुंडीय महायज्ञ में शनिवार को खाने को लेकर विवाद इतना बढ़ गया कि माहौल तनावपूर्ण हो गया। आरोप है कि ब्राह्मणों को बासी खाना परोसने को लेकर कहासुनी हो गई, जिसके बाद स्थिति बिगड़ गई। विवाद के दौरान एक सुरक्षाकर्मी ने गोली चला दी, जो आशीष तिवारी नामक ब्राह्मण को लगी। उन्हें गंभीर हालत में लोकनायक जयप्रकाश नागरिक अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। इस घटना से नाराज ब्राह्मणों ने महायज्ञ स्थल के बाहर कुरुक्षेत्र-कैथल रोड जाम कर दिया। प्रदर्शनकारियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए पुलिस ने सख्ती दिखाई और जाम खुलवाने का प्रयास किया। फिलहाल मौके पर भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया है और स्थिति को नियंत्रण में रखने की कोशिश की जा रही है। हालांकि, माहौल अभी भी तनावपूर्ण बना हुआ है। पुलिस प्रशासन ने लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की है और घटना की जांच शुरू कर दी गई है।

पिता ने कहा- साहब! मेरी बेटी अपने दोस्त के साथ जेवर और कैश लेकर भाग गई, लगाए गंभीर आरोप

हल्द्वानी,22 मार्च (एजेंसियां)। हल्द्वानी शहर के मुखानी के बिठौरिया नंबर दो निवासी एक पिता ने अपनी ही बेटी और उसके दोस्त के खिलाफ गहने और नकदी चुरा ले जाने की एफआईआर दर्ज कराई है। आरोप लगाया कि बेटी दूसरे समुदाय के युवक के साथ यूसीसी में पंजीकरण कराए बिना रह रही है। बिठौरिया नंबर दो निवासी व्यक्ति की बेटी कुछ माह पहले परिवार छोड़कर चली गई।

एयर इंडिया के उड़ान में देरी पर भड़कीं सुप्रिया सुले

एयरलाइन ने कहा- ये हमारे बस में नहीं

मुंबई,22 मार्च (एजेंसियां)। एनसीपी एसपी सांसद सुप्रिया सुले ने उड़ान में देरी को लेकर एयर इंडिया की तीखी आलोचना की है। उन्होंने केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू से अपील की कि वे एयरलाइंस को जवाबदेय बनाने के लिए कड़े नियम कानून लागू करें। सुप्रिया सुले ने बताया कि उनकी फ्लाइट करीब एक घंटे 19 मिनट देर हुई। उन्होंने कहा कि ये लगातार देखा जा रहा है कि फ्लाइट्स में देरी हो रही है और इससे यात्री परेशान हो रहे हैं। सुप्रिया सुले ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि 'मैं एयर इंडिया की फ्लाइट एआई0508 से यात्रा कर रही थी, लेकिन यह एक घंटा 19 मिनट देरी से उड़ी।

यह लगातार देखा जा रहा है और इससे यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। यह अस्वीकार्य है। नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडु से अपील है कि वे कड़े नियम लागू करें ताकि एयरलाइंस जैसे एयर इंडिया को लगातार हो रही देरी के लिए जवाबदेय ठहराया जा सके और यात्रियों के लिए बेहतर सर्विस स्टैंडर्ड सुनिश्चित किए जाएं।' एक अन्य पोस्ट में सुले ने लिखा कि 'एयर इंडिया की उड़ानें लगातार देरी से उड़ती हैं। यह अस्वीकार्य है। हम प्रीमियम किराया देते हैं, लेकिन उसके बाद भी उड़ानें कभी टाइम पर नहीं होतीं। बच्चे, बुजुर्ग और कामकाजी लोग, सभी इस कुप्रबंधन से प्रभावित होते हैं।'

एयर इंडिया दी सफाई

सुप्रिया सुले के सोशल मीडिया पोस्ट पर एयर इंडिया ने प्रतिक्रिया दी है। एयर इंडिया ने लिखा कि 'मैम, हम मानते हैं कि देरी बहुत परेशान करने वाली हो सकती है। हालांकि कई बार संचालन संबंधी मुद्दों की वजह से देरी हो जाती है, जिनकी वजह से उड़ानों को फिर से शेड्यूल करना पड़ता है, लेकिन ये हमारे बस में नहीं हैं। आपकी मुंबई जाने वाली उड़ान एक घंटा देरी से उड़ी, उसकी वजह भी ऐसी ही एक समस्या थी।'

दिल्ली के शाहीन बाग में जूतों के शोरूम में लगी भीषण आग

नई दिल्ली,22 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली के शाहीन बाग इलाके में शनिवार सुबह जूतों के एक शोरूम में आग लग गई। दिल्ली अग्निशमन सेवा के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि आग लगने की सूचना पूर्वाह्न 11 बजकर 17 मिनट पर मिली। जूते के शो रूम से आग की लपटें निकल रह थीं। अग्निशमन के अधिकारी ने कहा, 'दमकल की 11 गाड़ियों को मौके पर तुरंत भेजा गया और दमकलकर्मी आग पर काबू पाने की कोशिश कर रहे हैं।' अधिकारी ने बताया कि अभी किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। आग बुझाने के अभियान के कारण इलाके में यातायात बाधित हो गया।

मनसे के गुड़ी पड़वा सम्मेलन का रास्ता साफ शिवाजी पार्क में 30 मार्च को होगी जनसभा

मुंबई,22 मार्च (एजेंसियां)। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के प्रमुख राज ठाकरे का गुड़ी पड़वा सम्मेलन 30 मार्च को मुंबई के शिवाजी पार्क में आयोजित होगा। मुंबई नगर निगम और पुलिस प्रशासन ने इस सम्मेलन को मंजूरी दे दी है। राज्य भर से मनसे कार्यकर्ता इस जनसभा में शामिल होंगे। ठाकरे इस सम्मेलन में पार्टी संगठन और महाराष्ट्र की राजनीति पर अपनी बात रख सकते हैं। इस विशाल जनसभा में भारी भीड़ जुटने की उम्मीद है। मुंबई के शिवाजी पार्क में राज ठाकरे की इस सभा में भारी भीड़ जुटने की संभावना है। हर साल यहां गुड़ी पड़वा के मौके पर सभा का आयोजन किया जाता है। नागपुर हिंसा और महाराष्ट्र एमएलसी चुनावों पर भी राज ठाकरे बोल सकते हैं। इस कार्यक्रम को लेकर असमंजस की स्थिति बनी हुई थी, कि आयोजित किया जाएगा या फिर नहीं। हालांकि आखिर समय में प्रशासन ने अनुमति दे दी है। अब इसको बड़े लेवल पर तैयारियां की जाएंगी। मनसे हर साल मराठी नववर्ष के अवसर पर पड़वा मेला आयोजित करती है। यह मेला मनसे कार्यकर्ताओं का मुख्य आकर्षण होता है और इसे आगामी नगर निगम चुनावों की पृष्ठभूमि में देखा जा रहा है।

इस साल कब है गुड़ी पड़वा?

हिंदू पंचांग के अनुसार, इस साल चैत्र माह की शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि की शुरुआत 29 मार्च को शाम 4 बजकर 27 मिनट पर शुरू हो रही है। वहीं इस तिथि का समापन अगले दिन यानी 30 मार्च को दोपहर 12 बजकर 49 मिनट पर खत्म हो जाएगी।

आंखों के सामने बदली ज्वेलरी, बदमाशों ने ज्वेलर्स को लगाया तीन लाख का चूना, अब पुलिस कर रही तलाश

मंदसौर,22 मार्च (एजेंसियां)। मंदसौर जिले के गरोठ में ज्वेलर्स की दुकान पर आई महिला सहित दो बदमाशों ने ज्वेलर्स की आंखों के सामने असली ज्वेलरी बदलकर नकली थमा दी। बदमाश ज्वेलर्स को तीन लाख की चपत लगाकर फरार हो गए। शंका होने पर ज्वेलर्स ने जांच की तो उसे अपने साथ हुई धोखाधड़ी का खुलासा हुआ। इसके बाद व्यापारी थाने पहुंचा और पुलिस को शिकायत दी। पुलिस ने मामले में जांच शुरू कर दी है। यह पूरी घटना दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में भी कैद हुई है। जानकारी के अनुसार, मंदसौर जिले के गरोठ बस स्टैंड स्थित सांवलिया ज्वेलर्स पर एक महिला दो युवकों के साथ पहुंची। उन्होंने सोने-चांदी के जेवर दिखाकर कहा कि पैसों की सख्त जरूरत है। दुकानदार ने जेवर चेक कर 3 लाख रुपए दे दिए। इस दौरान बदमाश असली जेवर अपने पास रखकर नकली जेवर दुकानदार को थमा गए।

मुरैना में वन विभाग की टीम पर हमले को लेकर मंत्री ऐदल कंसाना का बयान

कहा 'रेत माफिया नहीं पेट माफिया' की करतूत'

मुरैना,22 मार्च (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के मुरैना के अंबाह में रेत माफिया की ओर से वन विभाग की टीम पर हमला होने के बाद राज्य के कृषि मंत्री एदल सिंह कंसाना ने विवादित बयान दिया है, उन्होंने रेत माफिया को 'पेट माफिया' बताया है। मीडिया से बात करते हुए मंत्री कंसाना ने कहा कि ये लोग पेट पालने के लिए काम कर रहे हैं। हाल ही में मुरैना जिले के अंबाह में रेत माफिया ने वन विभाग की टीम पर हमला कर दिया था। इस घटना के बारे में पूछे जाने पर मंत्री ने कहा, "रेत माफिया कहां हैं, वे रेत माफिया नहीं, पेट माफिया हैं "। उन्होंने कहा, "वे पेट पालने के लिए काम कर रहे हैं। रेत माफिया उसे कहते हैं जो किसी एक व्यक्ति के लिए काम करें।"

'सरकारी कर्मचारी पर हमला हुआ तो उसकी जांच होगी'

मंत्री ने आगे कहा, "हम पूरी घटना की जानकारी लेंगे, कानून अपना काम करेगा और अगर किसी सरकारी कर्मचारी पर हमला हुआ है तो उसकी जांच होगी।"बता दें कि अंबाह में रेत माफिया ने बाइक गिराकर वन विभाग की ओर से जब्त किए ट्रैक्टर रुकवाया था, इसके बाद वन विभाग की टीम के कब्जे से ट्रैक्टर लेकर भाग गए थे, बदमाशों ने वन अमले को धमकी दी थी कि लाठी लगी तो गोली मार दूंगा।

सरकार माफिया को संरक्षण दे रही है- कांग्रेस

कांग्रेस ने एंदल सिंह कंसाना की बयान को आड़े हाथों लेते हुए सरकार की जमकर आलोचना की है। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि सरकार माफिया को संरक्षण दे रही है।

'तुम्हारा गला घोंट दूंगा'

बीजेपी नेता दिलीप घोष की बदजुबानी, महिलाओं को 'टीएमसी का कुत्ता' कहा

खड़गपुर,22 मार्च (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल बीजेपी के पूर्व अध्यक्ष दिलीप घोष ने एक महिला प्रदर्शनकारी का गला घोंटने की धमकी दी। उनका यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। जोकि खड़गपुर का है। वीडियो वायरल होने के बाद टीएमसी ने उनकी आलोचना की है। घटना शुक्रवार की है, जब दिलीप घोष खड़गपुर में एक सड़क का उद्घाटन करने गए थे। इस दौरान कुछ महिलाओं ने उनका विरोध किया। महिलाओं बतौर सांसद क्षेत्र में सक्रिय नहीं होने का विरोध किया। उन्होंने कहा कि जब वे सांसद थे तो अपने क्षेत्र में कभी नहीं आते थे। इस पर बीजेपी नेता दिलीप घोष भड़क गए। एक महिला ने कहा कि आप इतने समय से कहां थे? जब आप सांसद थे तो हमने आपको एक दिन भी नहीं देखा। अब जब हमारे पार्षद ने यहां सड़क बनाई है तो आप यहां पर क्या कर रहे हैं? बता दें कि टीएमसी के प्रदीप सरकार वर्तमान में वार्ड नंबर 6 से पार्षद हैं। इस दौरान बीजेपी नेता ने महिला प्रदर्शनकारियों को टीएमसी वर्कर बताया। बीजेपी नेता ने कहा कि इस सड़क को मैंने अपने पैसे से बनवाया है न कि तुम्हारे पैसों से। जाकर प्रदीप सरकार से पूछो।

मामला और बिगड़ गया जब घोष ने कहा कि मैं तुम्हारी चौदह पीढ़ियों को पाल दूंगा। चिल्लाओ मत। मै तुम्हारा गला घोंट दूंगा। इतना ही नहीं घोष ने महिला प्रदर्शनकारियों को तृणमुल का कुत्ता भी कहा। इस बहस के बाद इलाके में तनाव फैल गया। इसके बाद खडगपुर टाउन पुलिस की एक टीम मौके पर पहुंची और बीच बचाव किया।

टीएमसी ने की आलोचना

बीजेपी नेता के इस बर्ताव की टीएमसी ने आलोचना की है। उन्होंने कहा कि जिस भाषा का इस्तेमाल किया गया वह एक पूर्व सांसद के लिए अनुचित है। उन्होंने कहा कि अब जब घोष सांसद नहीं है तो वे सड़क का उद्घाटन करने क्यों गए? वहीं इस मामले में पार्षद ने कहा कि वे वहां गए और गुस्सा हो गए। उन्होंने महिलाओं को 500 रुपये का कर्मचारी कहा। उन्हें माफी मांगनी चाहिए।

एससी-एसटी वर्ग की गेस्ट फैकल्टी को एटसी से राहत

भर्ती के समय आयु सीमा में मिलेगी पांच साल की अतिरिक्त छूट

जबलपुर,22 मार्च (एजेंसियां)। असिस्टेंट प्रोफेसर परीक्षा में गेस्ट फैकल्टी को एससी-एसटी वर्ग के तहत मिलने वाली आयु सीमा छूट का लाभ नहीं दिए जाने के खिलाफ जबलपुर हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई थी। याचिका पर सुनवाई के बाद हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस सुरेश कुमार कैत और जस्टिस विवेक जैन की युगलपीठ ने एससी-एसटी वर्ग को 5 साल की अतिरिक्त आयु सीमा छूट का लाभ प्रदान करने के आदेश जारी किए हैं। युगलपीठ ने यह भी निर्देश दिया है कि चयन सूची और परीक्षा परिणाम न्यायालय की अनुमति के बिना घोषित नहीं किए जाएं। दरअसल, दमोह निवासी छोटे लाल अहिरवार की ओर से दायर याचिका में कहा गया था कि वह गेस्ट फैकल्टी के रूप में कार्यरत हैं। असिस्टेंट प्रोफेसर और खेल अधिकारी के लिए एमपीपीएससी के माध्यम से परीक्षा का आयोजन किया गया है, जिसके फार्म भरने की अंतिम तिथि 26 मार्च है। सेवा में कार्यरत होने के कारण सभी गेस्ट फैकल्टी को आयु सीमा में रियायत प्रदान करते हुए अधिकतम उम्र सीमा 45 वर्ष निर्धारित की गई है।

याचिका में यह भी कहा गया था कि याचिकाकर्ता एसटी वर्ग का है और आरक्षित श्रेणी में आने के कारण एससी-एसटी वर्ग को अतिरिक्त 5 साल की आयु सीमा छूट मिलती है। चूंकि, गेस्ट फैकल्टी को सेवारत होने के कारण आयु सीमा में छूट दी गई है, इसलिए एससी-एसटी वर्ग के गेस्ट फैकल्टी को संविधान द्वारा प्रदत्त अतिरिक्त छूट के लाभ से वंचित नहीं किया जा सकता।

नागपुर हिंसा में पहली मौत

आईसीयू में भर्ती इरफान अंसारी ने तोड़ा दम

नागपुर,22 मार्च (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के नागपुर में हाल ही में हुई हिंसा के बाद भारी तनाव देखने को मिला था, इस हिंसा में कई लोग घायल भी हुए थे। शहर में शांति बहाल करने के लिए पुलिस ने करीब 11 इलाकों में कर्फ्यू लगाया गया था, घटना के 6 दिन बाद भी 9 इलाकों में अभी भी कर्फ्यू लगा हुआ है। इसी हिंसा के दौरान घायल हुए इरफान अंसारी की हुई मौत हो चुकी है। इरफान 17 तारीख को हुई हिंसा में गंभीर रूप से घायल हो गए थे, जिनका नागपुर के मेयो अस्पताल में इलाज चल रहा था। घटना के दिन से ही उनकी हालत को देखते हुए आईसीयू में रखा गया था। हिंसा की घटना के बाद आज छठे दिन भी नागपुर शहर के नौ थाना क्षेत्रों में कर्फ्यू लगा हुआ है। सोमवार रात भड़के दंगों के बाद नागपुर शहर के 11 पुलिस थाना क्षेत्रों में कर्फ्यू लगा दिया गया था, इनमें से दो थाना क्षेत्रों से कर्फ्यू गुरुवार को नागपुर पुलिस कमिश्नर ने एक आदेश के जरिए हटा लिया गया है।

हालांकि, बचे हुए नौ थाना क्षेत्रों में आज छठे दिन भी कर्फ्यू बरकरार रखा गया है। इनमें गणेशपेठ, कोतवाली, तहसील, लकड़गंज, पचपावली, शांतिनगर, सक्करदरा, इमामवाड़ा और यशोधरानगर पुलिस थाना क्षेत्रों में कर्फ्यू लगाया गया है।

हिंसा के बाद पहली बार नागपुर पहुंचे सीएम

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस हिंसा के बाद पहली बार नागपुर पहुंच गए हैं। सीएम फडणवीस नागपुर में हुए दंगे को लेकर भी वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों से मिलें। इस दौरान सीएम ने कहा कि पुलिस ने घटना के 4 -5 घंटे में इस दंगे पर काबू पा लिया था। पूरी हिंसा के दौरान कई पुलिसकर्मी भी घायल हुए हैं। उन्होंने बताया कि सीसीटीवी फुटेज और लोगों के दिये वीडियो को एनालाइज करने के बाद 104 लोगों की अब तक पहचान की गई है, जिनमें से 92 लोगों को अरेस्ट किया गया है। जिनमें 10 किशोर भी शामिल हैं।

इंटरनेशनल बॉक्सर स्वीटी बूरा को पुलिस ने थाने में तलब किया, पति ने लगाया मारपीट का आरोप

हिसार,22 मार्च (एजेंसियां)। इंटरनेशनल बॉक्सर स्वीटी बूरा को उनके पति दीपक हुड्डा द्वारा दर्ज कराए गए मारपीट के मामले में पुलिस ने महिला थाने में तलब किया। पुलिस ने उनसे पूछताछ की और मामले की जांच को आगे बढ़ाया। स्वीटी बूरा और उनके पति दीपक हुड्डा के बीच काफी समय से विवाद चल रहा है। स्वीटी बूरा ने पति और उनकी बहन के खिलाफ दहेज प्रताड़ना व मारपीट का केस दर्ज कराया था, जबकि दीपक हुड्डा ने रोहतक में स्वीटी बूरा के खिलाफ मारपीट का मामला दर्ज कराया। पिछले सप्ताह महिला थाना पुलिस ने दोनों को काउंसिलिंग के लिए बुलाया था, लेकिन बातचीत के दौरान फिर से विवाद हो गया। इस दौरान स्वीटी बूरा बेहोश हो गईं, जिसके बाद उन्हें नागरिक अस्पताल ले जाना पड़ा। इसके बाद दीपक हुड्डा ने स्वीटी बूरा, उनके ससुर महेंद्र सिंह और मामा ससुर सत्यवान पर हमला करने का आरोप लगाया और पुलिस में शिकायत दी।

दीपक की शिकायत के आधार पर पुलिस ने स्वीटी बूरा समेत तीन लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया और जांच के लिए स्वीटी बूरा को थाने में बुलाया। पुलिस पूरे प्रकरण की गहराई से जांच कर रही है, ताकि सच्चाई सामने आ सके।

मंदिर में खास वर्ग के लोगों की एंट्री बैन

इजाजत के लिए खटखटाया कोर्ट का दरवाजा मिला ये आदेश

सागर, 22 मार्च (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के एक मंदिर में सिर्फ ऊंची जाती के लोगों को ही प्रवेश मिलता है। गौरझामर गांव के मंदिर में एससी-एसटी और ओबीसी समुदाय के लोगों को जाने पर रोक है। ऐसे में ये मामला एमपी हाईकोर्ट पहुंचा है। मंदिर में जातिगत भेदभाव को लेकर लगाई गई एक जनहित याचिका का हाई कोर्ट की चीफ जस्टिस सुरेश कुमार केत और जस्टिस विवेक जैन डिवीजन बेंच ने सुनवाई करते हुए निराकरण कर दिया है। याचिका सागर जिले की देवरी तहसील के ग्राम गौरझामर निवासी उत्तम सिंह लोधी द्वारा दायर की गई थी। याचिकाकर्ता का आरोप था कि गांव में स्थित श्री दत्तात्रेय मंदिर में केवल ऊंची जातियों के लोगों को प्रवेश दिया जा रहा है, जबकि एससी-एसटी और ओबीसी वर्ग के लोगों को मंदिर में प्रवेश से रोका जा रहा है। याचिकाकर्ता ने यह भी आरोप लगाया कि मंदिर पर भू-माफियाओं का कब्जा है, जो इस भेदभावपूर्ण नीति को लागू कर रहे हैं। उत्तम सिंह लोधी ने यह भी दावा किया कि स्थानीय प्रशासन ने वहां पुलिस बल तैनात कर दिया है, जिससे पिछड़ी जातियों के लोगों की धार्मिक भावनाएं आहत हो रही हैं।

मंदिरों में जातिगत भेदभाव को लेकर विवाद

हाईकोर्ट ने सुनवाई के दौरान पाया कि पूर्व में इस मामले में यथास्थिति बनाए रखने का आदेश दिया गया था। ऐसे में कोर्ट ने याचिका का निराकरण करते हुए यह स्पष्ट कर दिया कि यदि यथास्थिति के आदेश का उल्लंघन होता है, तो याचिकाकर्ता को अवमानना याचिका दायर करने की स्वतंत्रता होगी। मध्यप्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में मंदिरों में जातिगत भेदभाव को लेकर पहले भी विवाद सामने आते रहे हैं। इस मामले में याचिकाकर्ता ने दावा किया था कि मंदिर को कुछ प्रभावशाली लोगों ने अपने कब्जे में ले लिया है और वहां सामाजिक समरसता का उल्लंघन किया जा रहा है। मामला संविधान में प्रदत्त समानता के अधिकार (अनुच्छेद 14) और धार्मिक स्वतंत्रता (अनुच्छेद 25) के उल्लंघन से जुड़ा हुआ है।

याचिका पर नहीं किया सीधा हस्तक्षेप

हालांकि, हाईकोर्ट ने इस याचिका पर सीधा हस्तक्षेप करने के बजाय पहले से दिए गए यथास्थिति के आदेश को ही प्रभावी रखने का फैसला लिया। ऐसे में अब अगर मंदिर में किसी भी समुदाय के लोगों के प्रवेश पर रोक जारी रहती है, तो याचिकाकर्ता अदालत में अवमानना याचिका दायर कर सकता है। इस मामले में याचिकाकर्ता की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता रामेश्वर सिंह ठाकुर और अधिवक्ता विनायक शाह ने पक्ष रखा, जबकि राज्य सरकार की ओर से अतिरिक्त महाधिवक्ता हरप्रीत रूपराह और निजी अनावेदकों की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता किशोर श्रीवास्तव ने अपनी दलीलें प्रस्तुत की। कोर्ट के फैसले से यह स्पष्ट होता है कि हाईकोर्ट ने सीधे हस्तक्षेप करने के बजाय पहले से पारित आदेशों को लागू करने पर जोर दिया है। यह मामला धार्मिक स्थलों में जातिगत भेदभाव और सामाजिक समानता जैसे गंभीर मुद्दों को उठाता है,

सु
वि
चा
र
वक्त का तक़ाज़ा ऐसा
है आज किसका है
कल किसका होगा
किसे नहीं पता ।

विश्वास पैदा करने के लिए अधिक सजा दिलाने की आवश्यकता : मोहंती

हैदराबाद, 22 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद के पुलिस आयुक्त ने साइबराबाद पुलिस कार्यालय के मुख्य सम्मेलन कक्ष, सी.पी. कार्यालय, गच्चीबोवली में साइबराबाद शहर के सभी पी.पी./अतिरिक्त पी.पी., आई.ओ., एस.एच.ओ., संपर्क अधिकारी और सीडीओ के साथ वर्ष 2024-2025 के लिए पुरस्कार मेला आयोजित किया। साक्षी को जानकारी देने और लोक अभियोजकों के साथ समन्वय में साक्ष्यों की सुरक्षा करने की पूरी प्रक्रिया का विश्लेषण किया गया। पुलिस आयुक्त ने सात वर्ष और उससे अधिक सजा वाले कुल (44) मामलों में (16) पी.पी./ए.पी.पी., (35) आई.ओ. और (33) न्यायालय ड्यूटी अधिकारियों कुल (84)) की सराहना की और उन्हें पुरस्कृत किया। साइबराबाद के पुलिस आयुक्त अविनाश मोहंती ने आपराधिक मामलों में सजा प्राप्त करने के लिए सभी सीडीओ, आईओ, एपीपी और पीपी की सराहना की और पोक्सो, हत्या, आर्थिक अपराध, डकैती, चेन स्नैचिंग और डकैती से संबंधित मामलों में सजा दर बढ़ाने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि जोनल डीसीपी को सजा दर में सुधार की दिशा में काम करने के लिए सरकारी अभियोजकों (पीपी) और अतिरिक्त सरकारी अभियोजकों (एडल पीपी) के साथ मासिक समीक्षा बैठकें करनी चाहिए। सीपी ने उच्च प्रभाव वाले मामलों पर सावधानीपूर्वक जांच और नियमित अनुवर्ती कार्रवाई की आवश्यकता पर बल दिया। सीपी मोहंती ने सजा दर बढ़ाने में उनके उत्कृष्ट प्रयासों के लिए पीपी/एडल पीपी, एपीपी, आईओ, एसएचओ, संपर्क अधिकारी और सीडीओ सहित प्रमुख योगदानकर्ताओं को प्रशंसा और पुरस्कार प्रदान किए, खासकर आजीवन कारावास के मामलों में। उन्होंने नागरिकों के बीच विश्वास पैदा करने के लिए आर्थिक अपराध के मामलों में अधिक से अधिक सजा दिलाने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। संवहन प्रक्रिया जटिल और समय लेने वाली होती है। यहां तक कि एक छोटी सी गलती भी त्रुटियों को जन्म दे सकती है, इसलिए प्रक्रिया का सावधानीपूर्वक पालन करना महत्वपूर्ण है। विशेष रूप से आजीवन कारावास के मामलों में कड़ी मेहनत करें। चाहे वह 20 साल, 10 साल या कोई भी अवधि हो, इसका श्रेय आपको ही जाता है। जनता का विश्वास बनाने के लिए आर्थिक अपराध के मामलों में अधिक से अधिक सजा और सख्त सजा दिलाने पर ध्यान दें। संयुक्त पुलिस आयुक्त, यातायात, डॉ. गजराव भूपाल,श ने कहा कि बैठक का मुख्य उद्देश्य पुलिस और अभियोजन अधिकारियों के समन्वय से दोषसिद्धि दर को बढ़ाना और बरी होने की दर को कम करना है। उन्होंने कहा कि गंभीर मामलों में दोषसिद्धि बढ़ाने के लिए हर स्तर पर पीपी/एपीपी के साथ समन्वय करें, क्योंकि इसका समाज पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। उप अभियोजन निदेशक, श्रीमती पी. मंजुला देवी ने कहा कि इस तरह के पुरस्कार मेले और प्रशंसा पत्र प्रेरणा प्रदान करते हैं और दोषसिद्धि दर को बढ़ाने का लक्ष्य रखते हैं। कानून प्रवर्तन अधिकारियों के प्रयासों को मान्यता देने से न केवल मनोबल बढ़ता है बल्कि उन्हें न्याय सुनिश्चित करने की दिशा में लगन से काम करने के लिए प्रोत्साहन भी मिलता है। न्याय सुनिश्चित करने में पीपी/एपीपी और सीडीओ की भूमिका महत्वपूर्ण है। मजबूत टीम वर्क के माध्यम से, वे दोषसिद्धि और उचित दंड सुनिश्चित करने के लिए लगन से काम करते हैं। कार्यक्रम में भाग लेने वाले पुलिस आयुक्त, साइबराबाद अविनाश मोहंती, संयुक्त सीपी ट्रैफिक डॉ. गजराव भूपाल, अभियोजन उप-निदेशक पी. मंजुला देवी, सरकारी अभियोजक डी. रघु (एलबी नगर कोर्ट), पीपीएस/एपीपी, एलसी नाइक (डीसीपी अपराध), माधापुर डीसीपी डॉ.जी विनीत, मेडचल डीसीपी एन कोटि रेड्डी, आईपीएस, बालानगर डीसीपी के. सुरेश कुमार, राजेंद्रनगर डीसीपी श्रीनिवास, शमशाबाद डीसीपी बी. राजेश, ईओडब्ल्यू डीसीपी प्रसाद, साइबराबाद डीसीपी साइबर अपराध बालादेवी, डीसीपी विशेष शाखा बी. साई श्री, महिला एवं बाल सुरक्षा डीसीपी सृजना कर्णम, मुख्यालय डीसीपी संजीव, एडिशनल डीसीएसपी, एसीएसपी, एसएचओ, आईओ, सीडीओ और राचकोंडा और हैदराबाद पुलिस के संपर्क अधिकारी उपस्थित थे।

एमएलसी कविता ने पूर्व विधायक कोरूकांति चंद्र के साथ एकजुटता व्यक्त की

हैदराबाद, 22 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस पार्टी एमएलसी के. कविता ने आज पूर्व विधायक कोरूकांति चंद्र के साथ अपनी एकजुटता व्यक्त की, जिन्होंने पानी के लिए पदयात्रा शुरू की। उन्होंने इस बात पर गुस्सा जताया कि कांग्रेस और भाजपा पार्टियों ने मेडिगड्डा बैराज के बारे में साजिश रची और दावा किया कि दोनों परियोजनाएं उनकी पार्टी के घटिया काम के कारण क्षतिग्रस्त हुई हैं। उन्होंने बताया कि कांग्रेस ने बैराज को विफल बताया और कहा कि अगले ही दिन केंद्र की भाजपा सरकार ने एनडीएसए भेजा। उन्होंने सवाल किया कि एसएलबीसी सुरंग दुर्घटना के एक महीने बाद भी एनडीएसए के अधिकारी क्यों नहीं आए। उन्होंने जनता से इसके पीछे की साजिश को नोटिस करने का आग्रह किया। उन्होंने कांग्रेस नेताओं की आलोचना की कि वे किसानों के संघर्ष की परवाह किए बिना निष्क्रिय बैठे हैं, जबकि लाखों एकड़ जमीन सूख रही है। उन्होंने कहा कि अतीत में कांग्रेस पार्टी के खिलाफ संघर्ष के कारण ही तेलंगाना का गठन हुआ और कहा कि अब कांग्रेस के खिलाफ मजबूत लड़ाई के माध्यम से ही खेतों तक पानी पहुंच पाएगा। पूर्व विधायक कोरुकंती चंद्र के प्रयासों की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा कि सूखे मौसम में भी केसीआर ने गोदावरी नदी के पानी का प्रभावी ढंग से उपयोग कर टैंकों को भरा है।

विधानसभा में फीस प्रतिपूर्ति के बकाए को लेकर गरमागरम बहस

हैदराबाद, 22 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। विधानसभा में बीआरएस, भाजपा और सीपीआई विधायकों और पंचायत राज मंत्री सीतक्का के बीच बकाया फीस प्रतिपूर्ति भुगतान को लेकर गरमागरम बहस हुई। बीआरएस के सदस्य हरीश राव ने इस बात पर जोर दिया कि इन बकाए का भुगतान न किए जाने के कारण तेलंगाना भर में जूनियर और डिग्री कॉलेज बंद हो गए हैं। उन्होंने कहा, अंतिम वर्ष के छात्रों को उनके प्रमाण पत्र जारी न किए जाने के कारण एक शैक्षणिक वर्ष बर्बाद होने का खतरा है। बकाया भुगतान करोड़ों रुपये का है। हजारों छात्रों और शैक्षणिक संस्थानों के भविष्य की सुरक्षा के लिए, यह महत्वपूर्ण है कि उनकी कठिनाइयों को कम करने के लिए इस महीने के अंत तक कम से कम 2,000 करोड़ रुपये वितरित किए जाएं। बीआरएस के एक अन्य विधायक पल्ला राजेश्वर रेड्डी, सीपीआई विधायक कुनामनेनी संबाशिव राव और भाजपा विधायक पलवई हरि बाबू ने फीस प्रतिपूर्ति के भुगतान में हो रही देरी पर चिंता जताई है और मांग की है कि राज्य सरकार तुरंत सभी बकाया राशि जारी करे। जवाब में, मंत्री सीतक्का ने फीस प्रतिपूर्ति के संबंध में सदस्यों द्वारा उठाई गई चिंताओं को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार ने अब तक 8,029 करोड़ रुपये से अधिक का वित्त पोषण प्रदान किया है और स्पष्ट किया कि राज्य पर अभी भी 5,520.60 करोड़ रुपये का बकाया है। सीतक्का ने कहा कि पिछली बीआरएस सरकार ने कुल 4,341 करोड़ रुपये की फीस प्रतिपूर्ति बकाया छोड़ दी थी, जिससे छात्रों को काफी मुश्किलें हुई थीं। उन्होंने उल्लेख किया कि ये बकाया राशि धीरे-धीरे वितरित की जा रही है। सीतक्का ने कॉलेज प्रशासन से छात्रों को प्रमाण पत्र जारी करना जारी रखने की अपील की। उन्होंने कहा, सभी कॉलेज प्रबंधन को बकाया भुगतान के बारे में आश्वस्त किया जा रहा है। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने पहले ही इस मुद्दे पर उनके साथ चर्चा की है। मंत्री ने बताया कि फसल ऋण माफी योजना जैसी पहलों के लिए धन का आवंटन वर्तमान में अन्य विभागों पर थोड़ा दबाव डाल रहा है। सीतक्का ने कहा, लगभग 1,200 करोड़ रुपये के लिए टोकन तैयार किए गए हैं। बिलों की प्रोसेसिंग जारी है और भुगतान चरणों में किया जाएगा।

कुछ जातियों के नाम बदलने की अपील

हैदराबाद, 22 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना पिछड़ा वर्ग आयोग को कुछ जातियों के नाम बदलने के लिए कई अनुरोध प्राप्त हुए हैं। इसके तहत आयोग इन जातियों की सामाजिक जीवन स्थितियों और आवासीय क्षेत्रों का अध्ययन करेगा। आयोग के अध्यक्ष जी. निरंजन और सदस्य रापोलू जयप्रकाश, तिरुमालागिरी सुरेंदर और रंगू बाला लक्ष्मी 26 मार्च को वेमुलावाड़ा और सिरसिल्ला का दौरा करेंगे और वंशराज व डोमरा समुदायों के आवासीय क्षेत्रों का अध्ययन करेंगे। इसी तरह, 27 मार्च को वे वंशराज, डोमरा और वीरभद्रिया समुदायों का अध्ययन करने के लिए जगित्याल और धर्मपुरी का दौरा करेंगे।

बंजारा हिल्स में महापौर ने 1.71 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का शिलान्यास किया

हैदराबाद, 22 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। शहर की मेयर गदवाल विजयलक्ष्मी ने कहा कि राज्य सरकार शहर के विकास पर ध्यान केंद्रित कर रही है और लोगों के लिए सभी आवश्यक बुनियादी ढांचे बनाने के लिए काम कर रही है। शनिवार को बंजारा हिल्स डिवीजन के एमएलए कॉलोनी में 100,000 रुपये की बिक्री हुई। महापौर ने 1.71 करोड़ रुपये की लागत से होने वाले विभिन्न विकास कार्यों की आधारशिला रखी। महापौर ने ओमेगा अस्पताल के पास 1.21 करोड़ रुपये की लागत से सीवेज पाइपलाइन का पुनर्निर्माण, सीवेज रिसाव और ओवरफ्लो को रोकने के लिए एमएलए कॉलोनी में जीएचएमसी पार्क से एमएलए कॉलोनी रोड 12 तक मुख्य सीवरेज पाइपलाइन के निर्माण के लिए 22 लाख रुपये, विधायक कॉलोनी फ्लैट नंबर 11बी से 2बी तक सीवरेज के स्थान पर सीवरेज को रुकने से रोकने के लिए 28 लाख रुपये की लागत से 300 एमएम आरसीसी एनपीएस सीवरेज लाइन के निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। इस अवसर पर महापौर ने कहा कि सीवेज समस्या के समाधान के लिए विशेष उपाय किए गए हैं। उन्होंने कहा कि सीवेज जमाव, ओवरफ्लो और लीकेज की समस्याओं के समाधान तथा जनता को बेहतर सीवेज व्यवस्था उपलब्ध करवाने के लिए समय-समय पर कदम उठाए जा रहे हैं। संबंधित अधिकारियों को जल्द से जल्द कार्य पूरा करने के निर्देश दिए गए। कार्यक्रम में जलकल महाप्रबंधक हरिशंकर, प्रबंधक रामबाबू, जीएचएमसी के ईई विजय कुमार, स्थानीय लोग व अन्य लोग शामिल हुए।

एमआईएम विधायक ने सरकार से पुराने शहर में बिजली बहाल करने की मांग की

हैदराबाद, 22 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। याकूतपुरा विधानसभा सीट से एआईएमआईएम पार्टी के विधायक जाफर हुसैन मेराज ने आज तेलंगाना विधानसभा में पुराने शहर के विभिन्न इलाकों में शुक्रवार रात से बिजली न आने का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि रात में हल्की बारिश के कारण पुराने शहर और नए शहर में शुक्रवार रात 12 बजे बिजली चली गई, लेकिन अभी तक नहीं आई है। उन्होंने कहा कि रमजान के पवित्र महीने में रोजा रखने वालों को रात में बिजली न आने की वजह से दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

विधायक जाफर हुसैन मेराज ने पूछा, हल्की बारिश के कारण ऐसी समस्या कैसे पैदा हो सकती है? क्या सरकार के पास तुरंत बिजली बहाल करने के लिए सही व्यवस्था है। उन्होंने मांग की कि राज्य सरकार तत्काल कदम उठाए और जल्द से जल्द बिजली सेवा बहाल करे।

बीआरएस पार्टी ने मंत्री कोमटि रेड्डी के खिलाफ विशेषाधिकार नोटिस मांगा

हैदराबाद, 22 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। विपक्षी बीआरएस पार्टी ने विधानसभा के विशेषाधिकारों के उल्लंघन के लिए मंत्री कोमटि रेड्डी वेंकट रेड्डी को नोटिस जारी किया है। पूर्व मंत्री हरीश राव और बीआरएस पार्टी के अन्य विधायकों ने विधानसभा अध्यक्ष गड्डाम प्रसाद कुमार को कोमटिरेड्डी के खिलाफ विशेषाधिकार नोटिस सौंपा। अपने नोटिस में, उन्होंने स्पीकर से कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी के खिलाफ कार्रवाई करने का अनुरोध किया क्योंकि उन्होंने विधानसभा में सड़क विकास के बारे में गलत बयान दिया था। उन्होंने स्पीकर को सूचित किया कि विधान सभा प्रश्नकाल के दौरान सड़क और भवन विभाग से संबंधित प्रश्नों के बारे में कोमटिरेड्डी द्वारा दिया गया उत्तर भ्रामक था। उन्होंने दावा किया कि बीआरएस सरकार के तहत कोई सीआरएस फंड जारी नहीं किया गया था और कहा कि नलगोंडा निर्वाचन क्षेत्र में सड़कों के लिए धन आवंटित नहीं किया गया था, जबकि उन्होंने कहा कि उप्पल एलिवेटेड कॉरिडोर के लिए कोई एस्क्रो खाता नहीं खोला गया था। उन्होंने इस संबंध में स्पीकर को सबूत पेश किए और कोमटिरेड्डी के खिलाफ विधानसभा विशेषाधिकारों के उल्लंघन के नोटिस के लिए तत्काल मंजूरी का अनुरोध किया। गौरतलब है कि मंत्री कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने विधानसभा में राज्य में सड़क निर्माण के बारे में कई जानकारियां दी। उन्होंने विधानसभा में पूर्व मंत्री हरीश राव द्वारा पूछे गए सवालों का भी जवाब दिया। बीआरएस कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी द्वारा दिए गए जवाब पर आपत्ति जता रहा है।

अवैध रूप से टिकट बेचने के आरोप में एक गिरफ्तार

हैदराबाद, 22 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। राचकोंडा पुलिस की विशेष अभियान टीम ने शनिवार को उप्पल स्टेडियम में अवैध रूप से आईपीएल मैच के टिकट बेचते हुए एक व्यक्ति को पकड़ा। भारद्वाज नामक व्यक्ति के पास कल उप्पल स्टेडियम में होने वाले सनराइजर्स हैदराबाद और राजस्थान रॉयल्स के बीच मैच के कुछ टिकट पाए गए। पुलिस ने बताया कि भारद्वाज ने कुछ स्रोतों से टिकट खरीदे थे और उन्हें ऊंचे दामों पर बेच रहा था, तभी सूचना मिलने पर एसओटी टीम ने उसे पकड़ लिया। उसे उप्पल पुलिस थाने के हवाले कर दिया गया।

श्रीवारी दर्शन के लिए तेलंगाना के विधायकों के पत्र 24 मार्च से मान्य

25 और 30 मार्च को वीआईपी ब्रेक दर्शन नहीं

तिरुमला, 22 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री नारा चंद्रबाबू नायुडू के निर्देशानुसार, तेलंगाना राज्य के जनप्रतिनिधियों के अनुशंसा पत्र सोमवार, 24 मार्च से प्रभावी होंगे। इस प्रकार, अनुशंसा पत्र रविवार, 23 मार्च को प्राप्त किए जाएंगे। जैसा कि टीटीडी ने पहले ही घोषणा की है, 25 और 30 मार्च को कोइल अलवर तिरुमंजनम और श्री विश्वसु नाम संवत्सर तेलुगु उगादि स्थानम के मद्देनजर कोई वीआईपी ब्रेक दर्शन नहीं होगा। इस कारण से, भक्तों की स्पष्टता के लिए एक बार फिर सूचित किया जाता है कि 25 मार्च को वीआईपी ब्रेक दर्शन के लिए 24 मार्च को तथा 30 मार्च को दर्शन के लिए 29 मार्च को कोई भी सिफारिशी पत्र स्वीकार नहीं किया जाएगा। इसी प्रकार, टीटीडी ने भी पिछले दिनों स्पष्ट किया था कि सोमवार को वीआईपी ब्रेक दर्शन के लिए रविवार को आंध्र के जनप्रतिनिधियों से प्राप्त सिफारिशी पत्र रविवार को वीआईपी ब्रेक दर्शन के लिए शनिवार को स्वीकार किए जाएंगे।

सत्ता फिर से बीआरएस के पास लौटेगी : केसीआर

हैदराबाद, 22 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस पार्टी के नेता और तेलंगाना के पहले मुख्यमंत्री कलवकुंतला चंद्रशेखर राव ने घोषणा की है कि आने वाले दिनों में सत्ता एक बार फिर बीआरएस पार्टी के पास होगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि वे राज्य में अकेले सत्ता में लौटेंगे। 'गोदावरी कन्निति गोसा' नाम से पूर्व विधायक कोरुकंती चंद्रा ने गोदावरी नदी से कोंडा पोचम्मा सागर तक पदयात्रा की और शनिवार दोपहर को एरावेली में केसीआर के कृषि क्षेत्र में पहुंचे। केसीआर ने कृषि क्षेत्र में कोरुकंती चंद्र की पदयात्रा टीम से मुलाकात की। इस अवसर पर केसीआर ने महत्वपूर्ण टिप्पणियां कीं। उन्होंने स्पष्ट किया कि जहां चीनी होती है, वहां मक्खियां आती हैं। केसीआर ने कहा, कुछ लोग तेलंगाना को लूटने के लिए तैयार हैं। दस साल से तेलंगाना में कोई समस्या नहीं है। तेलंगाना अब समस्याओं के जाल में फंस गया है। केवल बीआरएस पार्टी ही किसी भी समय तेलंगाना के लिए लड़ेगी। हमें तेलंगाना के अधिकारों के लिए लड़ना चाहिए। उन्होंने सभी से केसीआर की तरह तैयार रहने का आह्वान किया। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस अपने मुंह से निकले वादे करके सत्ता में आई।

लेकिन उन्होंने एक भी वादा पूरा नहीं किया। केसीआर ने सुझाव दिया कि रैतु बंधु योजना और कल्याण लक्ष्मी का श्रेय बीआरएस पार्टी को जाता है, जिसे घोषणापत्र में शामिल किया जाएगा और कहा कि कांग्रेस सरकार की विफलताओं को उजागर किया जाना चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि आंध्र प्रदेश में गठबंधन के बिना चंद्रबाबू जीत नहीं सकते। उन्होंने आंध्र में हमें जबरन एकजुट किया। इस भूमि पर कोई भी स्थायी नहीं है। उस समय मोदी ने मेरी गर्दन पर चाकू रखा था मैंने कभी तेलंगाना के लिए एक कदम पीछे नहीं हटाया। केवल बीआरएस ही किसी भी समय तेलंगाना के लिए लड़ेगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि आंध्र प्रदेश में गठबंधन के बिना चंद्रबाबू जीत नहीं सकते। उन्होंने कहा कि इस भूमि पर कोई भी स्थायी नहीं है और कहा कि पार्टी नेताओं को तेलंगाना के अधिकारों के लिए लड़ना चाहिए। उन्होंने याद दिलाया कि बीआरएस शासन के दौरान दस वर्षों तक तेलंगाना में कोई समस्या नहीं रही।

बंडी ने परिसीमन पर हुई बैठक को बताया चोरों का जमावड़ा

करीमनगर, 22 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार ने शनिवार को चेन्नई में दक्षिणी राज्यों के संयुक्त कार्रवाई परिषद परिसीमन सम्मेलन को 'चोरों के गिरोह' की बैठक बताया। शनिवार को यहां पत्रकारों से बात करते हुए केंद्रीय मंत्री ने आरोप लगाया कि डीएमके के नेतृत्व वाली तमिलनाडु सरकार अन्य घोटालों के अलावा 1000 करोड़ रुपये के शराब घोटाले में शामिल है। उन्होंने आरोप लगाया कि जनता ने अगले विधानसभा चुनाव में डीएमके को हराने का फैसला कर लिया है, इसलिए पार्टी परिसीमन के नाम पर नाटक कर रही है।

चेन्नई में आयोजित जेएसी की बैठक परिसीमन विरोधी बैठक नहीं बल्कि 'चंबल चोरों' की बैठक थी। केंद्रीय मंत्री ने आरोप लगाया कि अवैध तरीकों से जमा किए गए धन की रक्षा करने और घोटालों से बचने के लिए परिसीमन विरोधी बैठक आयोजित की गई थी। उन्होंने यह भी दावा किया कि परिसीमन के कारण दक्षिणी राज्यों में सीटों की संख्या में कमी नहीं आएगी। उन्होंने कहा कि परिसीमन के दिशानिर्देश अभी जारी नहीं हुए हैं, लेकिन विपक्षी दल अनावश्यक हंगामा कर रहे हैं।

दक्षिण मध्य रेलवे
हमें @SCRailwayIndia पर फॉलो करें
द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in

ई-निविदा सूचना सं.09-2025 दि.21/03/2025

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से, वरिष्ठ विभागीय अभियंता/को-आर्ड./गुंटकल द्वारा निम्न कार्यो हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

बंद करने की तिथि व समयः 17-04-2025 के 15.00 बजे

क्रम सं.01 निविदा सं. -इनजीजी-जीटीएल-पश्चिम-1796, कार्य विवरणः गुंटकल डिवीजनः डीएमएम-जीवाय सेक्शन(अप/डाउन) -डीइएन/पश्चिम क्षेत्राधिकार के तहत एडीइएन/एटीपी सब-डिवीजन के एसएसइ/पी.वे/एटीपी एण्ड केएलयु सेक्शन में प्रस्तावित स्टेशन यार्ड लाइन्स सहित सुरक्षा संबंधित ट्रैक रखरखाव कार्य। विज्ञापित मूल्यः रु.34057170.95, पूर्व धरोहर राशि(पूधरा) रु.320300.00

क्रम सं.02, निविदा सं. -इनजीजी-जीटीएल-पश्चिम-1797, कार्य विवरणः गुंटकल डिवीजनः डीएमएम-पीएके सेक्शन(एसएल) -डीइएन/पश्चिम क्षेत्राधिकार के तहत एडीइएन/एमपीएल सब-डिवीजन के एसएसइ/पी.वे/केआरवाय,एमपीएल एण्ड केसाआय सेक्शन में प्रस्तावित स्टेशन यार्ड लाइन्स सहित सुरक्षा संबंधित ट्रैक रखरखाव कार्य। विज्ञापित मूल्यः रु.33397479.34, पूर्व धरोहर राशि(पूधरा) रु.317000.00

क्रम सं.03, निविदा सं. -इनजीजी-जीटीएल-पश्चिम-1798, कार्य विवरणः गुंटकल डिवीजनः केपीडी-टीपीटीवाय (एसएल) एण्ड आरयु-टीपीटीवाय(अप/डाउन) सेक्शन्स -डीइएन/पश्चिम क्षेत्राधिकार के तहत एडीइएन/टीपीटीवाय सब-डिवीजन के एसएसइ/पी.वे/पीएके एण्ड सीटीओ सेक्शन्स में प्रस्तावित स्टेशन यार्ड लाइन्स सहित सुरक्षा संबंधित ट्रैक रखरखाव कार्य। विज्ञापित मूल्यः रु.28953779.58, पूर्व धरोहर राशि(पूधरा) रु.294800.00

क्रम सं.04, निविदा सं. -इनजीजी-जीटीएल-दक्षिण-1799, कार्य विवरणः गुंटकल डिवीजनः आगामी बरसात या आनकमिंग मानसून(वर्ष 2024-2025) में डीइएन/वेस्ट/जीटीएल क्षेत्राधिकार के तहत प्रस्तावित आरयुबी पर डीवाटरिंग/ कार्य। विज्ञापित मूल्यः रु.8470060.50, पूर्व धरोहर राशि(पूधरा) रु.169400.00

क्रम सं.05, निविदा सं. -इनजीजी-जीटीएल-पश्चिम-1800, कार्य विवरणः गुंटकल डिवीजनः धर्मावरम स्टेशन पर कोच वाटरिंग व्यवस्थाओं में वृध्दि एवं जल्द वाटरिंग सुविधाएं। विज्ञापित मूल्यः रु.90095470.39, पूर्व धरोहर राशि(पूधरा) रु.600500.00

क्रम सं.06, निविदा सं. -इनजीजी-जीटीएल-पश्चिम-1801, कार्य विवरणः गुंटकल डिवीजनःएडीइएन/एमपीएल सब-डिवीजन के तहत (एसडब्ल्यू-।) डीएमएम-पीएके सेक्शन- सीओपी वैली गट्टर्स की मरम्मत तथा एमजीबी,केसीएम,एनसीयु,टीकेयु,एमसीयु,टीएटी,केबीए, वीएलडी एवं केसीआय स्टेशनों पर शेल्टर्स की पेंटिंग या रंगाई पुताई करना (एसडब्ल्यू-।।) डीएमएम-पीएके सेक्शन--एडीइएन/एमपीएल सब-डिवीजन के प्लाटफार्म्स पर स्टैण्डर्ड स्टेशन नेम बोर्ड्स की मरम्मत/प्रावधान। विज्ञापित मूल्यः रु.9960053.25, पूर्व धरोहर राशि(पूधरा) रु. 199200.00

किसी भी शुध्दिपत्रों को आनलाइन पर ही जारी किया जायेगा।

विभागीय रेल प्रबंधक/कार्य/गुन्टकल

PUB/0292

ई-निविदा सूचना सं.-एसएण्डटी/04/2025 दि.21/03/2025

भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, वरिष्ठ विभागीय सिग्नल व दूर संचार अभियंता(रखरखाव), दक्षिण मध्य रेलवे, गुंटकल द्वारा निम्न कार्यों हेतु दि.15.04.2025 के 15.00 बजे तक ई-निविदाएं(खुली) आमंत्रित हैं।

निविदा सं.- 01 -एसएनटी-04-2025, कार्य विवरण (सिग्नल व दूरसंचार कार्य)- 1)गुंटकल डिवीजन के राचगुन्नेरी स्टेशन पर इंडोर एण्ड आउटडोर गेयर्स का प्रतिस्थापन या रिप्लेसमेंट करना 2) आरसीजी स्टेशन पर शंटिंग नेक के प्रावधान से जुडी सिग्नलिंग व दूरसंचार व्यवस्थाएं एवं कामन लूप लाइन सुविधाएं।

विज्ञापित निविदा कार्य का मूल्यःरु. 68964793.33, पूर्व धरोहर राशि(पूधरा)- रु. 494800.00, पूरा करने की अवधिः 12 महिने

आफर की वैधता, खोलने की तिथि से लेकर 60 दिनों तक होनी चाहिए। यदि आवश्यक होने पर, उपरोक्त निविदा सूचना के प्रति शुध्दिपत्र को, केवल आनलाइन पर ही जारी किया जायेगा।

वरिष्ठ विभागीय सिग्नल व दूरसंचार अभियंता /एम/गुंटकल

PUB/0293

निविदा सं. जीटीएल-इएम-50-2024-25 दि.21.03.2025

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता/रखरखाव/गुंटकल द्वारा निम्न कार्यो हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

क्रम सं.- जीटीएल-इएम-50-2024-25, कार्य विवरणः गुंटकल डिवीजनः गुंटकल डिवीजन में मानवीय सुरक्षा के मध्देनजर विभिन्न स्टेशनों/सर्विस बिल्डिंग्स/रेलवे रेसिडेंशियल क्वार्टर्स पर लीकेज करेन्ट एवं एर्थिंग के विरुध्द प्रोटेक्शन या बचाव के लिए आरसीबीओज/आरसीसीबीज का प्रावधान।

अनुमानित लागतः रु.69,23,735.99

बंद करने की तिथि व समयः 14-04-2025 के 15.00 बजे

टेन्डर बिड्डिंग अथवा निविदा बोली एवं अन्य जानकारी हेतु http://www.ireps.gov.in पर लागिन करें। निविदा का शुध्दिपत्र, यदि कोई होने पर, उसे आनलाइन पर ही जारी किया जायेगा। निविदाकर्ता, निविदा दस्तावेज को, मुफ्त रूप में, http://www.ireps.gov.in से डाउनलोड कर सकते हैं।

टिप्पणीः इस ई-निविदा में सहभागिता/बोली में भाग लेने हेतु, निविदाकर्ता के पास वैध डीएससी(डिजीटल सिग्निचर सर्टिफिकेट) प्रमाणपत्र होना चाहिए।

वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता, रखरखाव, गुंटकल

PUB/0294

निविदा सूचना सं.-29-एमइसीएच-बेर्थ-टीपीटीवाय-24-25 दि.21.03.2025

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, डीवाय.सीएमइ/सीआरएस/टीपीटीवाय द्वारा तत्संबंधित अधोलिखित निविदा संख्या, बंद करने की तिथि के सु.11.00 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित हैं। बोलीदाताओं द्वारा अपने मूल/संशोधित बोलियों को तत्संबंधित बंद करने की तिथि व समय तक ही प्रस्तुत कर सकते हैं, इस निविदा के प्रति मैन्युएल आफर्स अमान्य हैं एवं इस बारे में मैन्युएल आफर्स के प्राप्त होने पर उसे नजरअंदाज किया जायेगा।

क्रम सं.-01, कार्य विवरणः निविदा सं.29-एमइसीएच-बेर्थ-टीपीटीवाय-24-25 दि.21.03.2025, कैरेज रिपेयर शाप, तिरुपति पर जीएस,एससीएन,एसएलआर/ एसएलआरडी/ एसआरडी एण्ड मेमु कोचेस में स्ट्रीप्पिंग, अलदान या अनलोडिंग, मरम्मत तथा पेन्टिंग(बेर्थ फ्रेम्स), ट्रिम्मिंग, लदान या लोडिंग एवं सीट्स व बेर्थ्स की फिटमेंट करना।

अनुमानित मूल्यःरु. 2,32,18,504.32, बोली सुरक्षा राशिःरु. 2,66,100.00, पूरा करने की अवधिः 24 महिने, बंद करने की अवधि 12-04-2025 के सु.11.00 बजे

वेबसाइट विवरणः www.ireps.gov.in

निविदा के विस्तृत विवरण से जुडा नोटिस बोर्ड स्थानः चीफ वर्कशाप मैनेजर का कार्यालय, कैरेज रिपेयर शाप, तिरुपति

उप मुख्य यांत्रिक अभियंता, सीआरएस, तिरुपति

PUB/0295

ई-निविदा सूचना सं. डीआरएम/वर्क्स/बीजेडए/07/ 2025 दि.17-03-2025

भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यों हेतु प्रत्येक के प्रति विवरित तिथिनुसार 15.00 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

क्रम सं.01, निविदा सं.-इ-05-ब्रिजेस-बीजेडए-2025, कार्य विवरणः एसएसइ/बीआर/एनएलआर सेक्शन में पीएससी गिर्डर पुलों पर पायर्स/अबटमेन्ट्स के चहुं ओर इंसपेक्शन प्लाटफार्म का प्रावधान। निविदा मूल्यःरु.2,51,40, 748.00, पूर्व धरोहर राशि(पूधरा)रु.275700.00, पूरा करने की अवधिः 12(बारह महिने), बंद करने की तिथिः 27-03-2025

क्रम सं.02, निविदा सं.-इ-12-इस्ट-बीजेडए-2025, कार्य विवरणः बीजेडए डिवीजनः जीडीआर-बीजेडए एण्ड बीजेडए-वीएसकेपी सेक्शनों द्वारा उपलब्ध पीएससी स्पेशल स्लीपर्स 8 सेट्स सहित रि-रेलिंग रैम्प्स की व्यवस्था। निविदा मूल्यःरु..38,72,679.00, पूर्व धरोहर राशि(पूधरा)रु. 77,500.00, पूरा करने की अवधिः-4(चार महिने), बंद करने की तिथिः 01-04-2025

क्रम सं.03, निविदा सं.-इ-13-इस्ट-बीजेडए-2025, कार्य विवरणः बीजेडए-बीजेडए स्टेशन पर गुंटूर कुएं से जलापूर्ति से संबंधित पाइपलाइन की मरम्मत एवं तत्संबंधित पम्पिंग व्यवस्थाएं। निविदा मूल्यःरु..26,61,100.00, पूर्व धरोहर राशि(पूधरा)रु. 53,200.00, पूरा करने की अवधिः-4(चार महिने), बंद करने की तिथिः 01-04-2025

क्रम सं.04, निविदा सं.-इ-14-इस्ट-बीजेडए-2025, कार्य विवरणः डीएलएस-बीजेडए- ओपन लाइन सिविल पोर्शन में डिजास्टर मैनेजमेंट रोलिंग स्टाक सुविधाओं का अद्यतन या अपग्रेडेशन/वृध्दि/सृजन या क्रियेशन तथा बीजेडए-स्पार्ट(एसपीएआरटी) एवं 140 टी क्रेन स्टाफ या कर्मचारियों के लिए स्टोर व आफिस बिल्डिंग का निर्माण करना।निविदा मूल्यःरु.1,04,22,3%1.00, पूर्व धरोहर राशि(पूधरा)रु.2,02,100.00, पूरा करने की अवधिः-12(बारह महिने), बंद करने की तिथिः 01-04-2025

भावी निविदादाताओं को सलाह दी जाती है कि, किसी भी निविदा के, कोई भी परिवर्तनों/शुध्दिपत्रों को, नोट करने के लिए, निविदा बंद करने की तिथि से पहले, वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जाएं।

विभागीय रेल प्रबंधक (कार्य), विजयवाडा

PUB/0298

A0363

निविदा शर्तों/ तत्संबंधित अधिक जानकारी तथा निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग हेतु कृपया वेबसाइट्सः https://www.ireps.gov.in या www.scr.indianrailways.gov.in देखें।

बिहार दिवस पर पीएम मोदी ने दिया बड़ा संदेश

राष्ट्रपति से लेकर अमित शाह तक ने दी बधाई, किसने क्या कहा?

पटना, 22 मार्च (एजेंसियां)। बिहार अपना 113वां स्थापना दिवस मना रहा है। स्थापना दिवस पर तमाम बड़े नेताओं की ओर से बिहारवासियों को बधाई दी जा रही है। इसी कड़ी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी बड़ा मैसेज दिया है। उन्होंने शनिवार (22 मार्च, 2025) को एक्स पर पोस्ट कर लिखा, वीरों और महान विभूतियों की पावन धरती बिहार के अपने सभी भाई-बहनों को बिहार दिवस की ढेरों शुभकामनाएं। प्रधानमंत्री ने आगे लिखा, भारतीय इतिहास को गौरवान्वित करने वाला हमारा यह प्रदेश आज अपनी विकास यात्रा के जिस महत्वपूर्ण दौर से गुजर रहा है, उसमें यहां के परिश्रमी और प्रतिभाशाली बिहारवासियों की अहम भागीदारी है। हमारी संस्कृति और परंपरा के केंद्र-बिंदु रहे अपने इस राज्य के चौतरफा विकास के लिए हम कोई कोर-कसर नहीं छोड़ेंगे।

'बिहार की धरती ज्ञान और विकास का केंद्र'

देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा, बिहार दिवस पर राज्य के सभी निवासियों को मैं हार्दिक बधाई देती हूं। बिहार की धरती प्राचीन काल से ही ज्ञान और विकास का केंद्र रही है। मेरा विश्वास है कि बिहार के निवासी अपनी प्रतिभा, दृढ़ संकल्प तथा परिश्रम के बल पर विकसित बिहार और विकसित भारत के निर्माण में अपना भरपूर योगदान देते रहेंगे।

'बिहार ने हर क्षेत्र में अपनी अमिट छाप छोड़ी है'

गृहमंत्री अमित शाह ने भी सभी बिहारवासियों को 'बिहार दिवस' की शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने एक्स पर लिखा, ज्ञान, परंपरा और सांस्कृतिक विरासत की भूमि बिहार ने हमेशा देश को नेतृत्व और नई ऊर्जा प्रदान की है। इतिहास के गौरवशाली अध्यायों से लेकर आधुनिक भारत के निर्माण तक, बिहार ने हर क्षेत्र में अपनी अमिट छाप छोड़ी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में एनडीए सरकार बिहार को प्रगति, समृद्धि और आत्मनिर्भरता की नई ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए प्रतिबद्ध है। प्रदेशवासियों की सुख, शांति और उन्नति की कामना करता हूं।

'प्रदेश निरंतर खुशहाली और प्रगति के पथ पर आगे बढ़े'

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने भी बिहार दिवस की शुभकामना दी है। उन्होंने एक्स पर पोस्ट कर लिखा है, संस्कृति, ज्ञान और सभ्यता की महान धरा बिहार के स्थापना दिवस पर राज्य के सभी वासियों को हार्दिक शुभकामनाएं। मेरी अभिलाषा है कि यह उर्वर प्रदेश निरंतर खुशहाली और प्रगति के पथ पर आगे बढ़ें।

'परिश्रमी भाई-बहनों का अमूल्य योगदान प्रणम्य'

बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा, समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, अतुल्य परंपरा, शौर्य एवं ज्ञान की भूमि बिहार के स्थापना दिवस पर समस्त प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई व अनंत शुभकामनाएं देता हूं। भगवान बुद्ध और महावीर की तपोस्थली बिहार ने अपने ज्ञान, दर्शन और अध्यात्म के प्रकाश से सदैव संपूर्ण विश्व को आलोकित किया है। पीएम मोदी के मार्गदर्शन में एनडीए सरकार बिहार के चहुंमुखी विकास और जनकल्याण के लिए कृत-संकल्पित है। विकसित भारत के निर्माण में प्रदेश के प्रतिभासंपन्न व परिश्रमी भाई-बहनों का अमूल्य योगदान प्रणम्य है।

'इन्वेस्ट यूपी से लेकर थानों तक में भ्रष्टाचार।'

अखिलेश बोले-सत्ता संरक्षण में चल रहा लूट का गिरोह

लखनऊ, 22 मार्च (एजेंसियां)। राजधानी लखनऊ में इन्वेस्ट यूपी में उगाही के मामले को लेकर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में भ्रष्टाचार चरम पर है। इन्वेस्ट यूपी से लेकर थाने, तहसील तक फैले भ्रष्टाचार से आम जनता त्रस्त है। सत्ता संरक्षण में वसूली और लूट का पूरा गिरोह चल रहा है। हर विभाग में लूट मची है। इस वसूली और भ्रष्टाचार में सरकार के कई अफसरों की भी साठगांठ है। अखिलेश ने जारी बयान में कहा कि औद्योगिक विकास और निवेश के नाम पर संगठित भ्रष्टाचार हो रहा है। खुलेआम कमीशनखोरी चल रही है। जब वसूली का खुलासा हो गया तो निलंबन का नाटक रचा जा रहा है। इस भ्रष्टाचार का अंतिम पड़ाव अधिकारी नहीं, कोई और है। इस खेल में बड़े-बड़े शामिल हैं।

हर काम में लूट हो रही है-अखिलेश

सपा अध्यक्ष ने कहा कि जब बंटवारा सही नहीं हो पाता तो मामला उजागर होता है। भाजपा के नेता और पदाधिकारी स्वयं स्वीकार करते हैं कि उन्होंने इतना भ्रष्टाचार पहले कभी नहीं देखा। भाजपा सरकार में एक्सप्रेस-वे परियोजनाओं से लेकर सड़कों के निर्माण कार्यों तक में हर जगह लूट हो रही है।

जेल में बंद कैदी को 5 वक्त नमाज पढ़ने दें-एचसी

कुरआन भी साथ रखने दें, हाईकोर्ट ने कहा-जेल मैनुअल के अनुसार जारी रहेगी सुरक्षा

प्रयागराज, 22 मार्च (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने इटावा सेंट्रल जेल में बंद कैदी को रमजान के दौरान पांचों वक्त नमाज पढ़ने की इजाजत देने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने कहा है कि इस दौरान कैदी को अपने साथ कुरआन रखने की भी अनुमति दी जाए। कोर्ट ने जेल अधिकारियों को कानून के हिसाब से सुरक्षा उपाय भी जारी रखने के लिए कहा है। हत्या के मामले में आजीवन कारावास की सजा भुगत रहे कैदी की पत्नी उजमा आबिद की याचिका पर सुनवाई करते हुए यह आदेश न्यायमूर्ति अश्वनी कुमार मिश्रा और न्यायमूर्ति नंद प्रभा शुक्ला की खंडपीठ ने दिया है। उजमा आबिद ने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल कर कहा कि उसका पति इटावा सेंट्रल जेल में बंद है। रमजान के दौरान जेल अधिकारी उसे पांचों वक्त की नमाज पढ़ने की अनुमति नहीं दे रहे हैं। कुरान भी उससे ले ली गई है। कैदी 2005 में हुई हत्या के एक मामले में उम्र कैद की सजा भुगत रहा है। सरकारी वकील ने कोर्ट को बताया कि जेल अधिकारी याची की शिकायतों का कानून के अनुसार निवारण करेंगे। कोर्ट ने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि याची के पति को धार्मिक मान्यताओं को मानने की आजादी मिले और रमजान के दौरान वह पांच वक्त नमाज पढ़ सके। तथा उसे कुरान रखने की इजाजत दी जाए। इस दौरान जेल में कानून के अनुसार नियमित सुरक्षा उपाय भी जारी रखे जाएंगे।

आज कानपुर आएंगे सीएम योगी

चार घंटे तक रुकेंगे, विकास योजनाओं की समीक्षा के साथ करेंगे बिठूर महोत्सव का समापन

कानपुर, 22 मार्च (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 23 मार्च को कानपुर शहर में कई कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे। सबसे पहले वह चुन्नीगंज में मेट्रो स्टेशन और कन्वेंशन सेंटर का निरीक्षण करेंगे। इसके बाद सर्किट हाउस स्थित प्रेसीडेंसियल सुइट निर्माण को देखने जाएंगे। फिर सरसैया घाट स्थित नवीन सभागार में मंडलीय समीक्षा बैठक में मंधना-अनवरगंज एलीवेटेड रेलवे ट्रैक, यातायात, जयपुरिया व दादानगर क्रासिंग ओवरब्रिज समेत दूसरी योजनाओं पर चर्चा करेंगे। वह शहर में इस दौरान गंगा रिवर फ्रंट, उसे बिठूर के परियर पुल तक गंगा पथ के रूप में जोड़ने पर भी चर्चा हो सकती है। इस मौके पर सभी जनप्रतिनिधि भी मौजूद रहेंगे। इसके बाद मुख्यमंत्री बिठूर महोत्सव में के समापन समारोह में हिस्सा लेने जाएंगे। सीएम के आगमन को लेकर नगर निगम की ओर से वर्तमान में शहर में सफाई कार्य तेज कर दिया गया है। शुक्रवार को 320 सफाई कर्मचारी लगाकर मुख्यमंत्री के रूट पर काम कराया गया। लाल इमली के पास नगर निगम के कर्मचारी लाइटें ठीक करते रहे। देर शाम मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर जिला प्रशासन ने तैयारियों संबंधी समीक्षा किया।

तनिष्क लूट कांड का आरोपी चुनमुन झा एनकाउंटर में ढेर, पुलिस के 5 जवान भी घायल

अररिया, 22 मार्च (एजेंसियां)। बिहार के अररिया जिले में बिहार एसटीएफ और अररिया पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए कुख्यात अपराधी चुनमुन झा को एनकाउंटर में ढेर कर दिया। चुनमुन झा आरा तनिष्क शो रूम कांड की लूट में शामिल था। इस शोरूम से 10 करोड़ रुपये की लूट हुई थी। इसके साथ ही करीब डेढ़ साल पहले पूर्णिया में तनिष्क शो रूम के लूटकांड का आरोपी भी यही शख्स था। इस एनकाउंटर में STF और अररिया पुलिस के 5 जवान घायल हुए हैं। पुलिस के मुताबिक चुनमुन झा अपने दो सहयोगियों के साथ भाग रहा था। एसटीएफ और अररिया पुलिस की टीम उनका पीछा कर रही थी। अपराधियों ने नरपतगंज थानाक्षेत्र के थाल्हा नहर के पास पुलिस पर फायरिंग कर दी, जिसके बाद एसटीएफ और पुलिस ने भी जवाबी फायरिंग की।

मायावती का बड़ा ऐलान

बीएसपी में 13 साल बाद भाईचारा कमेटी की वापसी

लखनऊ, 22 मार्च (एजेंसियां)। बसपा सुप्रीमो मायावती ने 13 साल बाद भाईचारा कमेटियां फिर से गठित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। पहले चरण में अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी), अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) और मुस्लिमों को इन कमेटियों में शामिल किया जा रहा है। भविष्य में ब्राह्मण और अन्य जातियों को भी इन कमेटियों से जोड़ा जाएगा। इस बार जिला स्तर की बजाय विधानसभावार भाईचारा कमेटियां बनाई जाएंगी। जिलाध्यक्षों से जिलेवार नाम मांगे गए थे, जिनके आधार पर कमेटी गठन का काम शुरू किया गया है। लखनऊ मंडल की कमेटी में सभी जिलों के जिलाध्यक्ष शामिल किए गए हैं। लखनऊ मंडल में शैलेंद्र गौतम (लखनऊ), राजेश कुमार फौजी (रायबरेली), दिनेश गौतम (उन्नाव), सुरेश चौधरी (हरदोई), विपिन कुमार गौतम (लखीमपुर खीरी) और विकास राजवंशी (सीतापुर) को जिलाध्यक्ष बनाया गया है। भाईचारा कमेटियां बसपा के लिए विधानसभा चुनाव 2007 में काफी प्रभावी साबित हुई थीं। इन कमेटियों की बदौलत बसपा को बड़ी जीत मिली थी। हालांकि, 2012 के चुनावों में खराब परिणाम के बाद इन्हें भंग कर दिया गया था। अब 13 साल बाद इनका गठन दोबारा शुरू किया गया है। भाईचारा संगठन के अंतर्गत राकेश कुमार गौतम और विनय कश्यप को रखा गया है।

देवताओं पर सिपाही ने की अभद्र टिप्पणी, एसएसपी ने किया निलंबित

गोरखपुर, 22 मार्च (एजेंसियां)। देवताओं पर अभद्र टिप्पणी करने वाले गुलरिहा थाने के सिपाही शिवजी प्रसाद को निलंबित कर दिया गया है। इंटरनेट मीडिया पर तीन दिन से सिपाही की बातचीत का आडियो तेजी से प्रसारित हो रहा था, जिसमें वह राम, राम मंदिर और भगवान कृष्ण को लेकर आपत्तिजनक भाषा का प्रयोग कर रहा था। मामला संज्ञान में आने पर एसएसपी डा। गौरव ग्रोवर ने जांच कराई। आरोप सही पाए जाने पर सिपाही को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया और विभागीय कार्रवाई के आदेश भी दिए गए। तीन दिन पहले इंटरनेट मीडिया पर एक 1 मिनट 18 सेकंड का एक आडियो क्लिप सामने आया, जिसमें कुछ लोग राम, राम मंदिर और भगवान कृष्ण को लेकर बातचीत कर रहे थे। एक व्यक्ति देवताओं पर अभद्र टिप्पणी कर रहा था। छानबीन करने पर पता चला कि यह गुलरिहा थाने मेडिकल कालेज पुलिस चौकी पर तैनात सिपाही शिवजी है।

बिहार में बालिका गृह से 13 लड़कियां गायब! पुलिस-प्रशासन सन्न

सीवान, 22 मार्च (एजेंसियां)। सीवान जिले के जीरादेई प्रखंड स्थित भैंसखाल में स्थित बालिका गृह से 13 लड़कियों के फरार होने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि ये लड़कियां वार्डन और गार्ड को चकमा देकर बीती रात अंधेरे का फायदा उठाते हुए एक-एक कर फरार हो गईं। इस बालिका गृह में आर्केस्ट्रा और अन्य मामलों से मुक्त करवाई गईं नाबालिग लड़कियां रहती हैं। इधर, जैसे ही इस घटना की सूचना प्रशासन को मिली, अधिकारियों के होश उड़ गए। लड़कियों के परिजनों को जब इस घटना की जानकारी मिली, तो कुछ परिजन बालिका गृह पहुंचे और वार्डन और गार्ड की मिलीभगत का आरोप लगाया। बताया जा रहा है कि इन लड़कियों में ज्यादातर सारण और गोपालगंज जिलों की रहने वाली हैं।

सीएम नीतीश के स्वास्थ्य पर सवाल, चुनाव से पहले सियासी बवाल! 2025 में किसे फायदा?

पटना, 22 मार्च (एजेंसियां)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की कुछ गतिविधियों को देखकर विपक्ष लगातार यह सवाल उठा रहा है कि सीएम का स्वास्थ्य अब ठीक नहीं है। आरजेडी के विधायक भाई वीरेंद्र ने तो यहां तक कह दिया है कि नीतीश कुमार को खाने में कुछ मिलाकर दिया जा रहा है। इसकी जांच होनी चाहिए। इन सबके बीच जब कुछ ही महीनों के भीतर बिहार में विधानसभा चुनाव है और विपक्ष इस तरह की बातों से नीतीश कुमार को घेर रहा है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि क्या विपक्ष की ओर से इसे भी मुद्दा बनाया जाएगा? दूसरी ओर पटना में शनिवार (22 मार्च, 2025) को एक पोस्टर भी देखने को मिला जो नीतीश कुमार को लेकर लगाया गया है। आरजेडी की ओर से इसे राबड़ी आवास के पास लगाया गया है। लिखा गया है, 'नायक नहीं खलनायक हूं मैं'। हां मैंने किया है महिलाओं का अपमान, गांधी जी का किया है अपमान, अब हो गया है राष्ट्रगान का अपमान, जी हां मैं हूं खलनायक। इस तरह के पोस्टर से भी अब निशाना साधा जा रहा है।

नीतीश कुमार के पास आज भी जनाधार

बातचीत में आगे कहा कि इससे भी इनकार नहीं किया जा सकता है कि बिहार में जातिगत राजनीति होती है और नीतीश मतलब पिछड़ों का वोट बैंक, जिसे बीजेपी अपने पाले में करने के लिए नीतीश से दूरी नहीं बनाएगी। नीतीश कुमार के पास आज भी जनाधार है, लेकिन उनके स्वास्थ्य को लेकर सवाल उठेगा तो सीएम के चेहरे पर बीजेपी अपना कदम बढ़ाएगी। जातिगत राजनीति में अभी एनडीए पूरी तरह मजबूत स्थिति में है। चिराग पासवान, जीतन राम मांझी भी एनडीए के साथ हैं। ऐसे में बहुत बड़ा नुकसान एनडीए को नहीं होगा। बीजेपी की रणनीति है कि यादव-मुस्लिम को छोड़कर सभी जातियों को एक जुट करें।

विपक्ष को मिला बैठे-बिठाए मुद्दा

राजनीतिक जानकार अरुण कुमार पांडेय कहते हैं कि निश्चित तौर पर जिस तरह से नीतीश कुमार इन दिनों हरकत कर रहे हैं उससे विपक्ष को बैठे-बिठाए बड़ा मुद्दा मिल गया है। सिर्फ 20 मार्च (राष्ट्रगान के दिन का मामला) की ही बात नहीं है, इससे पहले भी कई चीजें उन्होंने (नीतीश) की हैं जिससे अब उनके स्वास्थ्य पर सवाल उठने लगा है। निश्चित तौर पर आगामी बिहार विधानसभा चुनाव में नीतीश कुमार का स्वास्थ्य भी एक बड़ा मुद्दा बनेगा। क्योंकि एक मुख्यमंत्री जब स्वस्थ नहीं है तो उनको उस पद पर बने रहने का हक नहीं है। अरुण कुमार पांडेय ने कहा कि इसका लाभ किसे मिलेगा यह आने वाला वक्त में देखा जाएगा। क्योंकि बीजेपी अभी चुप है और चुनाव के लिए अपनी अलग-अलग नीति तय कर रही है। 29 और 30 मार्च को अमित शाह आने वाले हैं तो अप्रैल महीने में पीएम मोदी का भी कार्यक्रम होने वाला है। बीजेपी यह पहले ऐलान कर चुकी है कि पीएम मोदी के नाम और नीतीश के काम पर चुनाव लड़ा जाएगा।

5 लाख में बेचे गए मासूम बच्चे आंध्र प्रदेश से बरामद, 2 महिलाएं गिरफ्तार

हरदोई, 22 मार्च (एजेंसियां)। हरदोई जिले की पुलिस ने सीतापुर में ह्यूमन ट्रैफिकिंग का शिकार हुए एक 3 साल के मासूम बच्चे को आंध्र प्रदेश राज्य से बरामद किया है। जिसे ह्यूमन ट्रैफिकिंग गिरोह के जरिए पांच लाख रुपए में बेचा गया था। ह्यूमन ट्रैफिकिंग गिरोह ने 10 फरवरी को मासूम को सीतापुर जिले से अगवा किया था, जिसे करीब एक महीने बाद बरामद किया गया है। इस मामले में पुलिस ने दो महिलाओं को गिरफ्तार किया है। जबकि मास्टरमाइंड की तलाश की जा रही है। पूछताछ के दौरान इन महिलाओं ने बताया कि बच्चे को अगवा करने के बाद उसकी फोटो दिखाकर बच्चों की कीमत तय की जाती थी। हरदोई की अतरौली थाना पुलिस की हिरासत में खड़ी पठान मुमताज उर्फ हसीना निवासी अजीत सिंह नगर न्यू राजेश्वरी पेटा थाना अजीत सिंह नगर जिला विजयवाड़ा आन्ध्रप्रदेश व बिक्कोल बिजली निवासी 158 वाटर टैंक वैदेही ईस्ट गोदावरी गड़ाला आन्ध्रप्रदेश की रहने वाली है। अतरौली पुलिस ने उनको अतरौली थाना क्षेत्र के गोरी कला गांव से 20 फरवरी को लापता हुए 3 साल के मासूम रितिक को अगवा करके दूसरे राज्य में बेचने के आरोप में गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने तेलंगाना से ऋतिक को बरामद किया था

जिनके पास से सीतापुर के अटरिया थाना क्षेत्र से एक शादी समारोह से 3 साल के आर्यन को बरामद किया गया है। पुलिस के मुताबिक गौरी कला गांव में रितिक अपनी मां गुड़िया के साथ अपने मामा शशिकांत के यहां तिलक समारोह में शामिल होने आया था। 20 फरवरी की रात 8 बजे जब परिवार के लोग कार्यक्रम में व्यस्त थे, तभी ऋतिक लापता हो गया था। इस मामले में अपर पुलिस अधीक्षक पूर्वी नृपेंद्र कुमार की अगुवाई में अलग-अलग कई टीमें बनाई गई थी। पुलिस ने तेलंगाना से ऋतिक को बरामद कर लिया था। इस मामले में पुलिस टीम के आने की भनक लगते ही मूड़ावती शारदा, पठान मुमताज उर्फ़ हसीना व विक्कोल बिजली फरार हो गई थी। पुलिस टीम द्वारा बरामद ऋतिक को सकुशल हरदोई लाया गया था, जबकि सीतापुर के बच्चों की बरामदगी के लिए टीम वहां पर लगी हुई थी। इसी कड़ी में अब पुलिस ने आर्यन को बरामद कर दोनों महिलाओं को गिरफ्तार कर लिया है।

एक महीने पहले की लव मैरिज; अब एक ही दुपट्टे से फंदे पर लटके मिले

सीतापुर, 22 मार्च (एजेंसियां)। यूपी के सीतापुर में एक महीने लव मैरिज करने वाले दंपती के शव फंदे से लटके मिले। कमरे में फंदे पर लाशों को लटका देखा तो घरवालों की चीख निकल गई। शोर सुनकर आसपास के लोग जमा हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौका मुआयना करके साक्ष्य जुटाए। घरवालों से बात करके जानकारी ली। पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है। घटना लहरपुर थाना क्षेत्र के मोहल्ला बेहटी की है। शुक्रवार-शनिवार की मध्य रात्रि आशीष पुत्र संजय चौरसिया (22 वर्ष) व उसकी पत्नी नैंशी वर्मा (20 वर्ष) ने एक ही दुपट्टे से फंदा लगाकर जान दे दी। दोनों के शव कमरे की छत पर लगे कुंडे से लटकते मिले। कमरा अंदर से बंद था। सुबह दरवाजा न खुलने पर परिजनों को चिंता हुई। इस पर किसी तरह दरवाजा खोला। अंदर देखा तो दोनों फंदे पर लटके थे। परिजनों ने आनन फानन शवों को नीचे उतारा। इसकी सूचना पुलिस को दी।

कानपुर में गजब का खेल! बिना टेंडर हो गया आधे से ज्यादा निर्माण, 9 अधिकारियों को नोटिस

कानपुर, 22 मार्च (एजेंसियां)। यूपी के कानपुर में एक हैरतअंगेज मामला सामने आया है। शहर में निर्माण का टेंडर पास भी नहीं हुआ, सामग्री का टेंडर भी पास नहीं हुआ लेकिन आधे से ज्यादा निर्माण भी हो गया। ऐसे में सीएम योगी भी रविवार को कानपुर आने वाले है तो 9 लोगों को एक साथ कारण बताओ नोटिस जारी कर दिया गया है। इसमें प्रधान, सचिव और सहायक विकास अधिकारी शामिल हैं। कानपुर के कई ग्राम पंचायत में अंत्येष्टि स्थल का निर्माण होना था, जिसमें सरगांव, पतारा और भीतरगांव शामिल है। डीएम जितेंद्र प्रताप सिंह को शिकायत मिली थी कि इन तीनों जगहों पर अंत्येष्टि स्थल के निर्माण और सामग्री के लिए टेंडर प्रक्रिया हुई भी नहीं और आधे से ज्यादा निर्माण हो भी गया है। इसके बाद डीएम ने जब रिपोर्ट तलब की तो हड़कंप मच गया। रिपोर्ट में पता चला कि तीनों ही जगह तकरीबन 50 प्रतिशत का निर्माण पूरा हो चुका, जबकि टेंडर प्रक्रिया अभी भी पूरी नहीं हुई है। सरकार से अंत्येष्टि स्थल के निर्माण के लिए पैसा तो आया लेकिन टेंडर प्रक्रिया पूरी होने से पहले ही आधा निर्माण हो गया। सीएम योगी रविवार को कानपुर आने वाले हैं, जिसमें वो समीक्षा बैठक लेने के साथ मेट्रो, कन्वेंशन सेंटर आदि का निरीक्षण भी कर सकते हैं। ऐसे में अंत्येष्टि स्थल का यह खेल सामने आने पर अधिकारियों ने बड़ी कार्यवाही करते हुए 9 लोगों को कारण बताओ नोटिस जारी कर दिया है।

'शाही मस्जिद ईदगाह के नाम से कोई संपत्ति वक्फ बोर्ड में दर्ज नहीं'

मथुरा, 22 मार्च (एजेंसियां)। श्रीकृष्ण जन्मस्थान और शाही मस्जिद ईदगाह को लेकर न्यायालय में चल रहे विवाद को लेकर नया मामला सामने आया है। श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुक्ति न्यास का दावा है कि श्रीकृष्ण जन्मभूमि की ढाई एकड़ भूमि पर बनी शाही मस्जिद ईदगाह के नाम से कोई भी संपत्ति वक्फ बोर्ड में दर्ज नहीं है। न्यास को यह जानकारी सर्वे कमिश्नर वक्फ बोर्ड लखनऊ ने सूचना का अधिकार में दी है। मथुरा जिले के साथ ही पूर्व में जिले में तहसील रहे सादाबाद को मिलाकर 825 संपत्तियां वक्फ में दर्ज हैं। कुछ संपत्तियों का रकबा दर्ज नहीं है, बाकी का रकबा करीब 351 एकड़ है। न्यास ने संपत्तियों की जांच के लिए राजस्व परिषद लखनऊ और सीएम योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखा है। महेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि 18 अगस्त 1990 को जिले की वक्फ संपत्तियों का गजट उत्तर प्रदेश सरकार ने कराया था, जो 27 मई 1987 की उस अधिसूचना पर आधारित था, जिसे मुस्लिम वक्फ विभाग ने जारी किया था। तब हाथरस की सादाबाद तहसील मथुरा जिले में थी।

सरकार ने कराया था गजट

सादाबाद तहसील और जिले की पांचों तहसीलों को मिलकर सरकार ने जो गजट कराया, उन संपत्तियों में शाही ईदगाह मस्जिद डीग गेट के नाम से कोई भी संपत्ति वक्फ बोर्ड में दर्ज नहीं है। हालांकि ये सभी संपत्तियां कब्रिस्तान, मस्जिद, दरगाह और इमामबाड़ा के नाम से हैं।

सीएम को लिखा जांच के लिए पत्र

कई संपत्तियां ऐसी हैं, जिनका रकबा तक भी नहीं खोला गया है,सिर्फ उनकी चौहद्दी ही का उल्लेख वक्फ संपत्तियों में किया गया है। एक-एक गांव में वक्फ बोर्ड की कई संपत्तियां हैं। इनमें देवसेरस, हथिया, विशंभरा, दौलतपुर, शाहपुर, कोसीकलां, खावल, जाबरा, कराहारी, मांट शामिल है। उन्होंने बताया कि सैन्य और छावनी क्षेत्र में एक मस्जिद की भूमि का जिक्र वर्ग फीट में किया गया है तो दूसरी की चौहद्दी को दर्शाया गया। इन संपत्तियों की जांच के लिए राजस्व परिषद उत्तर प्रदेश और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखा गया है।

कोर्ट में करेंगे प्रस्तुत, महेंद्र प्रताप सिंह ने कहा

महेंद्र प्रताप सिंह का कहना है कि श्री कृष्ण जन्मभूमि मंदिर की जमीन कब्जाने और वहां मस्जिद निर्माण कराने के कई साक्ष्य हैं। सर्वे कमिश्नर वक्फ बोर्ड से जो जानकारी मिली है, उसके अनुसार शाही ईदगाह मस्जिद के नाम से कोई वक्फ बोर्ड की संपत्ति नहीं है। हम इसे कोर्ट में प्रस्तुत करेंगे।

तारिक हमीद कर्रा ने बीजेपी पर साधा निशाना कांग्रेस ने स्टेटहुड के लिए आंदोनल का किया ऐलान

जम्मू,22 मार्च (एजेंसियां)। कश्मीर को स्टेट का दर्जा जल्द बहाल कराने के लिए प्रदेश कांग्रेस कमेटी (जेकेपीसीसी) ने 24 मार्च 2025 से 6 दिवसीय आंदोलन का ऐलान किया है। इसका मकसद स्टेटहुड का दर्जा दिलाने के लिए केंद्र सरकार और उमर अब्दुल्ला सरकार पर दबाव बनाना है। जेकेपीसीसी ने इस आंदोलन की शुरुआत 'हमारी रियासत-हमारा हक' के नाम करेगी। जेकेपीसीसी की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि हम जम्मू और कश्मीर को राज्य का दर्जा जल्द बहाल करने के लिए आंदोलन को तेज करेंगे। जेकेपीसीसी के अध्यक्ष तारिक हमीद कर्रा ले कहा कि हम 24 मार्च से जम्मू शहर में छह दिवसीय 'हमारी रियासत-हमारा हक' आंदोलन शुरू करेंगे। जेकेपीसीसी के अध्यक्ष तारिक हमीद कर्रा ने कहा ने पार्टी के नेताओं ने इस आंदोलन को तेज करने की तैयारियों की समीक्षा की है। कांग्रेस का आंदोलन 24 मार्च से 29 मार्च 2025 तक चलेगा। इसमें चरणबद्ध तरीके से क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर शाम के मार्च लोग शामिल होंगे।

तारिक हमीद कर्रा ने एआईसीसी के जय बापू, जय भीम, जय संविधान के अभियान को आगे बढ़ाते हुए कहा, 'कांग्रेस राज्य के लिए अपना संघर्ष जारी रखेगी, जो जम्मू और कश्मीर में प्रत्येक नागरिक का अधिकार और मांग है। यह आंदोलन आम लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी में आने वाली समस्याओं को भी उजागर करने का काम करेगी। जेकेपीसीसी अध्यक्ष तारिक हमीद कर्रा ने कहा कि नेताओं की बैठक में राज्य के दर्जे के आंदोलन को तेज करने का फैसला लिया गया। साथ ही पिछले एक दशक में बीजेपी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार और उपराज्यपाल के प्रशासन के कुशासन के बारे में भी चिंता जताई। जम्मू और कश्मीर कांग्रेस के नेताओं का कहना है कि जम्मू कआम लोगों को कई तरह की मुश्किलें झेलनी पड़ी हैं।

दिल्ली में महिलाओं को कब मिलेंगे 2500 रुपये?

'बैंक ऑफ जुमला' का पोस्टर लेकर आतिशी का बड़ा ऐलान

नई दिल्ली,22 मार्च (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी के नेता और दिल्ली विधानसभा में विपक्ष की नेता आतिशी के साथ-साथ सौरभ भारद्वाज ने आज (22 मार्च) कालकाजी स्थित गोविंदपुरी मेट्रो स्टेशन के बाहर महिला कार्यकर्ताओं के साथ विरोध प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन भारतीय जनता पार्टी की ओर से चुनाव से पहले महिलाओं को हर महीने 2500 रुपये देने के वादे को पूरा न करने के खिलाफ किया गया। प्रदर्शनकारियों ने अपने हाथों में एक प्रतीकात्मक चेक लिया हुआ था, जिस पर 'बैंक ऑफ जुमला' लिखा था और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तस्वीर लगी थी। आप कार्यकर्ताओं का कहना है कि बीजेपी ने चुनावी रैलियों में महिलाओं को हर महीने 2500 रुपये देने का वादा किया था, लेकिन सरकार बनने के बाद भी इस पर कोई अमल नहीं हुआ।

आतिशी ने क्या कहा?

आतिशी ने बीजेपी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खुद चुनावी रैलियों में महिलाओं को हर महीने 2500 रुपये देने की घोषणा की थी। बीजेपी ने दावा किया था कि उनकी सरकार बनते ही पहली कैबिनेट बैठक में इस पर मुहर लग जाएगी। लेकिन, अब तक महिलाओं को यह राशि नहीं मिली। यह बीजेपी के जुमलों का एक और उदाहरण है। उन्होंने आगे कहा कि सोमवार से शुरू होने वाले दिल्ली विधानसभा के बजट सत्र में भी आप इस मुद्दे को प्रमुखता से उठाएगी ताकि महिलाओं को उनका अधिकार मिल सके।

सौरभ भारद्वाज का बीजेपी पर निशाना

आप के वरिष्ठ नेता सौरभ भारद्वाज ने कहा, यह बीजेपी का वादा था, हमारा नहीं। उन्होंने खुद कहा था कि सरकार बनते ही 2500 रुपये महिलाओं को दिए जाएंगे, लेकिन हमेशा की तरह यह भी एक जुमला साबित हुआ। हम जनता को बीजेपी के इस वादे की याद दिलाने के लिए सड़कों पर उतरे हैं।

मंत्री प्रवेश वर्मा के आदेश पर भी दी प्रतिक्रिया

दिल्ली सरकार के अधिकारों को लेकर चल रही खींचतान पर सौरभ भारद्वाज ने कहा, मंत्री परवेश वर्मा ने हाल ही में एक अधिकारी को सस्पेंड करने का आदेश दिया था, लेकिन उन्हें यह तक नहीं पता कि संशोधित नियमों के अनुसार कोई भी मंत्री इस तरह से अधिकारी को सस्पेंड नहीं कर सकता। पहले जब हम यह बात कह रहे थे, तब बीजेपी हम पर सवाल उठाती थी। अब उन्हें खुद समझ आने लगा है कि दिल्ली की चुनी हुई सरकार के पास अधिकार नहीं हैं।

नागपुर दंगों में एक मकान और 62 गाड़ियों को हुआ था नुकसान

सरकार ने किया मुआवजे का ऐलान

नागपुर,22 मार्च (एजेंसियां)। नागपुर क्षेत्र में हुए दंगों के बाद सरकार ने पंचनामा और मुआवजे की प्रक्रिया शुरू कर दी है। पंचनामा रिपोर्ट के मुताबिक, दंगे में कुल 62 वाहनों को नुकसान हुआ था जिनमें 36 कारें, 22 दोपहिया वाहन, 2 क्रेन और 2 तीन पहिया वाहन शामिल हैं। इसके अलावा एक मकान को भी नुकसान पहुंचा था। महाराष्ट्र के राजस्व मंत्री और नागपुर के प्रभारी मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने पंचनामा शुरू करने का आदेश दिया था, जिसके बाद नागपुर के जिलाधिकारी ने इस प्रक्रिया को लागू किया। जिला प्रशासन ने इसके साथ ही मुआवजा वितरण की प्रक्रिया शुरू कर दी है और जिन लोगों के वाहनों का पूरी तरह से नुकसान हुआ है, उन्हें 50,000 का मुआवजा मिलेगा। इसके अलावा जिन गाड़ियों को कम नुकसान हुआ है, उनके लिए 10,000 का मुआवजा निर्धारित किया गया है। जो लोग बीमा का लाभ उठा चुके हैं, उन्हें मुआवजा नहीं दिया जाएगा। दंगे के दौरान जिनकी संपत्तियों को नुकसान हुआ, उनके पंचनामा की प्रक्रिया अब शुरू की जा चुकी है। प्रशासनिक कर्मचारी और अधिकारी घर-घर जाकर नुकसान का आकलन कर रहे हैं और सभी का लेखा-जोखा तैयार कर रहे हैं। बता दें कि नागपुर में हिंसा इस अफवाह के बाद फैली कि औरंगजेब की कब्र हटाने के लिए एक दक्षिणपंथी संगठन द्वारा किए गए प्रदर्शन के दौरान पवित्र आयत लिखी चादर जलाई गई थी। हिंसा के इस मामले में अब तक कुल 105 लोग पकड़े गए हैं। पुलिस के मुताबिक, नागपुर हिंसा के सिलसिले में 10 किशोर भी हिरासत में लिए गए हैं।

अपने ही जाल में फंसी मंत्री जयकुमार गोरे पर आरोप लगाने वाली महिला, चौंका देगा पूरा मामला!

मुंबई,22 मार्च (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के ग्रामीण विकास मंत्री जयकुमार गोरे पर उत्पीड़न के आरोप लगाने वाली महिला अपने ही काले जाल में फंस गई है। उसे पुलिस ने जबरन वसूली के आरोप में गिरफ्तार किया है। यह गिरफ्तारी महाराष्ट्र के सतारा जिले से की गई। पुलिस के अनुसार, महिला को एक करोड़ रुपये की फिरौती लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा गया। इस गिरफ्तारी का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल है, जिसमें महिला को कैश के बंडल के साथ देखा जा सकता है। 2017 में मंत्री जयकुमार गोरे पर एक महिला ने उत्पीड़न और अश्लील तस्वीरें भेजने के आरोप लगाए थे। इस मामले में गोरे को अदालत ने 2019 में बरी कर दिया था। अदालत ने जांच के दौरान जब्त किए गए सभी सबूतों को नष्ट करने का भी आदेश दिया था। अब पुलिस के मुताबिक, उसी महिला ने मंत्री से इस मामले को निपटाने के लिए 3 करोड़ रुपये की मांग की थी। पुलिस ने महिला को तब गिरफ्तार किया जब वह एक करोड़ रुपये की राशि स्वीकार कर रही थी। इस मामले ने राजनीतिक रंग ले लिया है। विपक्षी दलों ने मंत्री गोरे से इस्तीफे की मांग की है और इस पूरे घटनाक्रम की निष्पक्ष जांच की अपील की है। विपक्षी नेताओं का सवाल है कि यदि मंत्री निर्दोष थे तो फिरौती की रकम किस उद्देश्य से दी जा रही थी? मंत्री जयकुमार गोरे ने अपने ऊपर लगे सभी आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है। उन्होंने कहा कि वह 2019 में ही इस मामले से मुक्त हो चुके हैं और अदालत ने उन्हें निर्दोष करार दिया था। उन्होंने विपक्ष पर राजनीतिक षड्यंत्र का आरोप लगाते हुए कहा कि यह उनकी छवि खराब करने की कोशिश है। फिलहाल, पुलिस महिला से पूछताछ कर रही है और इस पूरे घटनाक्रम की जांच जारी है। यह देखा जाना बाकी है कि इस मामले में और कौन-कौन शामिल हैं और आगे क्या कार्रवाई की जाएगी।

दिनभर नाइटगाउन पहन कर रहो

पति की इस डिमांड से परेशान पत्नी थाने पहुंची, सुनाई आपबीती

अहमदाबाद,22 मार्च (एजेंसियां)। गुजरात के अहमदाबाद से एक अजीब मामला सामने आया है, जहां एक महिला ने थाने में अपने ही पति के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। यहां जुहापुरा की रहने वाली 21 वर्षीय महिला ने अपने पति और ससुराल वालों के खिलाफ उत्पीड़न की शिकायत दर्ज कराई है। महिला ने अपने पति पर आरोप लगाया कि उसका पति उसे हर समय नाइट गाउन पहनने के लिए मजबूर करता है। महिला की मई 2023 में शादी हुई थी। उसने अपने ससुराल वालों पर भी आरोप लगाया है कि उसके ससुराल वाले उसे प्रताड़ित करते हैं। उसके ससुराल वाले उसके साथ गाली-गलौज करते हैं। महिला ने आरोप लगाया कि उसके ससुराल वाले ही डिसाइड करते हैं कि उसे क्या कपड़े पहनने हैं। वह अपनी मर्जी से कुछ भी नहीं कर सकती। पति से परेशान होकर ही वह अपने ससुराल वालों के पास गई थी, लेकिन उन्होंने पति को समझाने की बजाय उसी के साथ गलत व्यवहार किया। महिला ने बताया कि उसका पति एक डॉक्टर है, जो शादी के बाद से ही शराब पीने का आदी हो गया था। जब महिला उसे शराब पीने से मना करती तो वह गाली-गलौज करने लगता। जब महिला ने अपने ससुराल वालों को उसके व्यवहार के बारे में बताया, तो उन्होंने भी पति का ही साथ दिया और महिला के साथ बुरा व्यवहार करना शुरू कर दिया। महिला ने ये भी बताया कि उसका पति तय करता था कि उसे कब सोना है और कब जागना है।

कॉलेज में एडमिशन के नाम पर छात्रों को ठगता था गिरोह, पुलिस ने चार को किया गिरफ्तार

मुंबई,22 मार्च (एजेंसियां)। महाराष्ट्र सीईटी एग्जाम सहित राज्य सरकार द्वारा ली जाने वाली अन्य परीक्षाओं में धांधली कर विद्यार्थियों को गुमराह करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ हुआ है। मुंबई पुलिस की क्राइम ब्रांच ने विद्यार्थियों को गुमराह करने के मामले में चार आरोपियों को दिल्ली से गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए ये सभी आरोपी हाईली एजुकेटेड हैं। प्राथमिक रूप से मिली जानकारी के मुताबिक महाराष्ट्र सीईटी सेल यानी कि एमबीबीए के लिए ली जाने वाली परीक्षाओं के संदर्भ में मुंबई के बड़े-बड़े कॉलेज में एडमिशन दिलाने की लालच दिखाकर लगभग 72 विद्यार्थियों से इन आरोपियों ने संपर्क किया था। इसके साथ ही इन्होंने बड़े कॉलेज में एडमिशन दिलाने के एवज में 15 से 20 लाख रूपए की डिमांड की थी।

छात्रों से मांगते थे 15-20 लाख रुपये

जांच में यह भी पता चला है कि जिस संस्था द्वारा यह एग्जाम कंडक्ट किया जाता है, उन्होंने मुंबई के आजाद मैदान पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में कहा गया कि अलग-अलग विद्यार्थियों ने उनसे संपर्क किया और बताया कि उन्हें कई सारी कॉल रिसीव किए। उनसे बड़े कॉलेज में एडमिशन दिलाने के लिए 15 से 20 लाख रुपए मांगे गए हैं।

स्टेट सीईटी सेल ने भी इस मामले में एक आंतरिक कमेटी का गठन किया और जांच की। जांच के बाद मुंबई के आजाद मैदान पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई गई। उनकी शिकायत के आधार पर क्राइम ब्रांच की टीम ने कार्रवाई की। इस मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

हाईली एजुकेटेड हैं सभी आरोपी

दिलचस्प बात यह है कि गिरफ्तार किए गए चारों आरोपी बड़ी-बड़ी संस्थाओं में पढ़ाई कर रहे हैं। गिरफ्तार आरोपियों में दो एनआईटी दिल्ली थर्ड ईयर के स्टूडेंट हैं, जबकि एक यूपीएससी की तैयारी कर रहा है। वहीं एक अन्य बायोलॉजी में ग्रेजुएट है। ये आरोपी दिल्ली से महाराष्ट्र, गुजरात, बिहार, राजस्थान एवं अन्य राज्यों के पीड़ितों को व्हाट्सएप के माध्यम से ऑडियो/वीडियो कॉल करते थे। ये आरोपी विद्यार्थियों को एमएचसीईटी परीक्षा में परसेंटाइल बढ़ाने का लालच देते थे और उन्हें गुमराह करते थे। आरोपियों को क्राइम ब्रांच की टीम ने दिल्ली से गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों के पास से कुल 5 एप्पल मोबाइल फोन, 1 एप्पल मैकबुक, 1 ब्लूटूथ हेडफोन, 64 जीबी का 1 पेन ड्राइव जब्त किया गया है।

जम्मू में एआईआईएमएस विजयपुर के ऊपर मंडराता दिखा ड्रोन, सीसीटीवी फुटेज खंगालने में जुटी पुलिस

जम्मू,22 मार्च (एजेंसियां)। जम्मू के जिला सांबा स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एआईआईएमएस) विजयपुर के ऊपर गुरुवार बीती रात एक संदिग्ध ड्रोन मंडराता हुआ देखा गया। संस्थान के छात्रों ने सबसे पहले ड्रोन को उड़ते हुए देखा, जो बाद में परिसर में स्थित एक रिहायशी इमारत की छत पर उतर गया। छात्रों ने तुरंत पुलिस को इसकी सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने ड्रोन को बरामद कर लिया और उसे जांच के लिए अपने कब्जे में ले लिया है। पुलिस अधिकारियों ने पुष्टि की है कि ड्रोन की गहन जांच की जा रही है।

अब तक यह साफ नहीं हो पाया है कि ड्रोन किसी सुरक्षा खतरे का कारण बना या फिर इसका इस्तेमाल अवैध निगरानी के लिए किया जा रहा था। पुलिस ने ड्रोन के मॉडल, उसकी रेंज या उसके संभावित स्रोत के बारे में कोई जानकारी साझा नहीं की है। घटना को लेकर पुलिस प्रवक्ता ने मीडिया को बताया कि ड्रोन को जब्त कर लिया गया है और इसकी उड़ान के उद्देश्य और इससे जुड़े लोगों का पता लगाने के लिए विस्तृत जांच जारी है। इस घटना के बाद एआईआईएमएस परिसर की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है, क्योंकि यह एक संवेदनशील संस्थान है। पुलिस अधिकारी सीसीटीवी फुटेज खंगाल रहे हैं और प्रत्यक्षदर्शियों से पूछताछ कर रहे हैं।

फिलहाल, जांच में आगे की जानकारी मिलने पर पुलिस द्वारा अपडेट साझा किया जाएगा। सुरक्षा एजेंसियां यह भी जांच कर रही हैं कि क्या ड्रोन का इस्तेमाल निगरानी या किसी अन्य संदिग्ध गतिविधि के लिए किया जा रहा था। इससे पहले दिन जम्मू में पुलिस ने जिले में आतंकवाद समर्थकों के खिलाफ सख्त कदम अपनाया। उधमपुर पुलिस ने एक कट्टर आतंकवादी सहयोगी को हिरासत में लेकर जम्मू-कश्मीर पब्लिक सेफ्टी एक्ट (पीएसए) के तहत जेल भेज दिया।

भाजपा नेता ने पत्नी और तीन बच्चों को मारी गोली, बेटे-बेटी की मौत, दो गंभीर

सहारनपुर, 22 मार्च (एजेंसियां)। सहारनपुर जनपद के गंगोह में सांगाखेड़ा ने एक भाजपा नेता ने पत्नी और तीन बच्चों को गोली मार दी। हमले में चारों गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां बेटे शिवांश और बेटी श्रद्धा ने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। बताया गया कि भाजपा जिला कार्यसमीति के सदस्य योगेश रोहिला ने अपनी पत्नी पत्नी नेहा (32), शिवांश (4), देवांश (7), श्रद्धा (8) को गोली मार दी। चारों गंभीर रूप से घायल हो गए। गोली की आवाज सुनकर व शोर सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया। भाजपा नेता ने घर के भीतर ही इस वारदात को अंजाम दिया। बताया गया कि चारों के सिर में गोली मारी गई है। हालांकि आरोपी भाजपा नेता को पुलिस ने मौके से ही गिरफ्तार कर लिया है। यह भी जानकारी मिली है कि भाजपा नेता कुछ दिनों से मानसिक रूप से स्वस्थ नहीं चल रहा था। उसके पास लाइसेंसी पिस्टल बताई गई है जिससे उसने पत्नी और बच्चों को गोली मारी है। सभी का अस्पताल में उपचार चल रहा है। पुलिस आरोपी को थाने ले गई है। मौके पर जांच पड़ताल की जा रही है। घायल बेटे शिवांश और बेटी श्रद्धा की अस्पताल में मौत हो गई है जबकि पत्नी और एक बेटा अस्पताल में जिंदगी और मौत से जूझ रहे हैं। बताया गया कि भाजपा नेता के मानसिक रोग का उपचार करा रहा है

नागपुर हिंसा के बाद अजीत पवार का बड़ा बयान कहा- मुस्लिमों को डराने वालों की खैर नहीं

मुंबई,22 मार्च (एजेंसियां)। 17 मार्च को महाराष्ट्र के नागपुर में हुई हिंसा की चर्चा अभी तक नहीं थमी है। एनआईए इस पूरे मामले की जांच कर रही है। इसी कड़ी में महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम अजीत पवार ने मामले पर चुप्पी तोड़ी है। अजीत पवार का कहना है कि मुस्लिम समुदाय को डराने वालों और राज्य में सांप्रदायिक हिंसा फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। वहीं अब बीजेपी सांसद मनोज तिवारी ने भी इस मामले पर बड़ा बयान दिया है।

मनोज तिवारी ने क्या कहा?

मनोज तिवारी का कहना है कि हमारी पार्टी का स्टैंड है। मैं आपको बता रहा हूं, हमारी पार्टी कभी डिसक्रिमिनेशन धर्म के आधार पर नही करती है। हम सबका साथ सबका विकास वाले हैं। कुछ लोग हैं जो अपनी गलत बयानी से तरह का माहौल खराब करते हैं। भाजपा ऐसे लोग की बातों का उनका निजी बयान मानती है।

अजीत पवार का बयान

महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम और वित्त मंत्री अजीत पवार ने एक इफ्तार पार्टी के दौरान नागपुर हिंसा पर बयान दिया है। अजीत पवार ने कहा कि अगर कोई मुस्लिम भाईयों और बहनों को डराने की या राज्य में सांप्रादायिक हिंसा फैलाने की कोशिश करेगा, तो उसे बख्सा नहीं जाएगा।

औरंगजेब की कब्र पर मचा विवाद

अजीत पवार ने कहा कि आपका भाई अजीत पवार आपके साथ है। अगर किसी ने मुस्लिमों भाईयों के खिलाफ गलत कदम उठाने की हिम्मत की थी, तो इसका अंजाम बहुत बुरा होगा। अजीत पवार का यह बयान एक ऐसे समय में आया है, जब महाराष्ट्र में औरंगजेब की कब्र हटाने की मांग की जा रही है। बता दें कि नागपुर हिंसा के बाद एनआईए मामले की जांच कर रही है। पुलिस ने अब तक इस मामले में 105 से भी ज्यादा गिरफ्तारियां कर ली है, जिसमें हिंसा का मास्टरमाइंड फहीम खान भी शामिल है।

भारत में बांग्लादेशियों को बसाने वाले गिरोह का भंडाफोड़, पुलिस ने 8 लोगों को किया अरेस्ट

नई दिल्ली,22 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस ने बांग्लादेशियों को अवैध रूप से भारत में बसाने वाले गिरोह का भंडाफोड़ किया है। दिल्ली पुलिस ने इस मामले में 8 लोगों को गिरफ्तार किया है। इन लोगों पर आरोप है कि यह बांग्लादेशियों को हिंदुस्तान में अवैध रूप से बसाने के लिए पैसे लेकर मदद करते थे। पुलिस ने अवैध रूप से रह रहे तीन बांग्लादेशी नागरिकों को भी पकड़ा है। दिल्ली में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशियों पर लगातार शिकंजा कसा जा रहा है। कुछ दिन पहले दिल्ली पुलिस ने अलग-अलग इलाकों से 24 बांग्लादेशियों को पकड़ा था। पकड़े गए लोगों में चार महिलाएं और दो बच्चे भी शामिल थे। दिल्ली के अलावा देश के अन्य हिस्सों में भी अवैध रूप से रहे बांग्लादेशियों पर केल कसा जा रहा है। बीते दिनों मुंबई से भी कई बांग्लादेशियों को अरेस्ट किया गया था, जो अवैध रूप से रह रहे थे।

कल यानी दिल्ली के पीडब्ल्यूडी मंत्री प्रवेश वर्मा ने कहा कि चिल्ला गांव में निरीक्षण के दौरान स्थानीय निवासियों ने बताया कि सरकारी जमीन पर रोहिंग्या-बांग्लादेशियों ने अवैध कब्जा कर लिया है। यह पूरी तरह नामंजूर है! इसके लिए अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए हैं कि जल्द से जल्द इन अतिक्रमणों को हटाया जाए। दिल्ली में घुसपैठ और अवैध कब्जे बिलकुल बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे। दिल्ली पुलिस ने पिछले महीने भी पहाड़गंज इलाके में अवैध रूप से रह रहे 2 बांग्लादेशियों को गिरफ्तार और 1 नाबालिग़ को पकड़ा था। 21 बांग्लादेशी अप्रवासियों पर कार्रवाई की गई थी, जिनमें से 18 को निर्वासित कर दिया गया। उसके पास से 2 भारतीय पासपोर्ट, 2 बांग्लादेशी पासपोर्ट, 5 आधार कार्ड, 2 पैन कार्ड, 08 बैंक पासबुक व डेबिट कार्ड और 1 बांग्लादेशी शिक्षा बोर्ड की मार्क शीट बरामद की गई थी।

'फोन को कर लें बंद, नहीं जाने दिया जाएगा बाहर'

फर्जी आईबी अधिकारी बन ज्वेलरी शॉप से की लाखों की उगाही

मुंबई,22 मार्च (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के मुंबई जिले में लाखों रुपये की उगाही का मामला सामने आया है। खुद को इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) का अधिकारी बताकर एक ज्वेलरी शॉप से 11.50 लाख रुपये की उगाही की गई है। मुंबई के वीपी रोड पुलिस स्टेशन से मिली जानकारी मुताबिक, चार अज्ञात लोग मुंबई के भुलेश्वर में ज्वेलर्स के दुकान में घुसे थे। ज्वेलरी की दुकान में घुसने के बाद इन चारों ने खुद को आईबी अधिकारी बताया।

सबसे पहले फोन को कराया बंद

ज्वेलरी शॉप में पहुंचते ही फर्जी आईबी अधिकारियों ने यहां काम करने वाले कर्मचारियों को आदेश दिया कि सभी मोबाइल फोन बंद कर लें। किसी को भी शॉप से बाहर जाने से मना कर दिया। जालसाजों ने आरोप लगाया कि उनके पास दुकान में अवैध नकदी लेनदेन के सबूत हैं, जो उनके अनुसार एक गंभीर कानूनी अपराध है।

फर्जी आईबी अधिकारियों ने 25 लाख रुपये मांगे

फर्जी आईबी अधिकारी ने शॉप के मालिक से कानूनी कार्रवाई से बचने के लिए 25 लाख रुपये मांगे। जब जौहरी ने पूरी रकम देने में असमर्थता जताई तो उन्होंने उसे धमकाना शुरू कर दिया। कानूनी परेशानी के डर से वह 11.50 लाख रुपये देने के लिए तैयार हो गया।

लाखों रुपये की उगाही करने तुरंत बाद सभी आरोपी मौके से चले गए। फर्जी आईबी अधिकारियों ने कहा कि उन्हें अपने वरिष्ठ अधिकारियों को पैसे देने हैं, जब वे कुछ समय बाद वापस नहीं आए तो ज्वेलर शॉप के मालिक को एहसास हुआ कि उसके साथ धोखाधड़ी हुई है। उसने तुरंत नजदीकी मुंबई के वीपी रोड पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई।

पुलिस ने कई धाराओं में दर्ज किया मामला

वीपी रोड पुलिस ने 4 अज्ञात लोगों के खिलाफ बीएनएस की धारा 308(3), 332(सी), 333, 204 और 3(5) के तहत मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस अब आरोपियों को पकड़ने के लिए विशेष टीमों का गठन किया है।

पुलिस कस्टडी में भेजे गए आरोपी

गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान पवन सुधाकर चौधरी (उम्र 33), श्रीजीत गायकवाड़ (उम्र 32), सूर्यकांत शिवाजी शिंदे (उम्र 32)और किसान धोंडीबा शेलार (उम्र 53) के रूप में हुई है। पुलिस अब जांच कर रही है कि क्या आरोपी इसी तरह के जबरन वसूली के और अन्य मामलों में शामिल थे। पुलिस अधिकारी उनके आपराधिक रिकॉर्ड की भी जांच कर रहे हैं। यह भी पता लगा रहे हैं कि क्या उन्होंने इसी तरह के तरीके का इस्तेमाल करके अन्य पीड़ितों को ठगा है? पुलिस ने चारों आरोपियों को कोर्ट में पेश किया है। जहां कोर्ट ने चारों आरोपियों को पुलिस कस्टडी में भेज दिया है।

बिजली की 11केवी लाइन के चपेट में आए भाई-बहन हुई मौत; मवेशी भगाने गए थे दोनों

जबलपुर,22 मार्च (एजेंसियां)। यूपी के जबलपुर जिले के पाटन थाना क्षेत्र के सुरैया गांव में दिल दहला देने वाली घटना सामने आई। गांव के खेत पड़े 11 केवी बिजली के तार की चपेट में आने से दो मासूम भाई-बहन की दर्दनाक मौत हो गई। हादसे में एक अन्य बच्चा गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना के बाद गुस्साए परिजनों और ग्रामीणों ने शवों को सड़क पर रखकर चक्का जाम कर दिया, जिससे जबलपुर-दमोह मार्ग पर लंबा जाम लग गया। पूरी घटना सुरैया गांव की है। गांव के ही प्रधान परिवार के दो सगे भाई बहन 13 वर्षीय चांदनी प्रधान और 6 वर्षीय प्रशांत प्रधान शुक्रवार सुबह खेलते खेलते खेत में घुसे मवेशियों को भगाने गए थे। इसी दौरान उनका पैर खेत में टूटे पड़े 11 केवी हाईटेंशन लाइन के तार पर पड़ गया, जिससे दोनों को तेज करंट लगा और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, उनके साथ मौजूद 8 वर्षीय दिलीप भी करंट की चपेट में आ गया, जिसे ग्रामीणों ने तुरंत अस्पताल पहुंचाया।

पाटन के सरकारी अस्पताल में घायल बच्चे का इलाज चल रहा है। हादसे के बाद गांव में मातम पसर गया और गुस्साए परिजनों ने बिजली विभाग पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाया है। ग्रामीणों ने बताया कि दो दिन पहले से ही यह तार खेत में टूटा पड़ा था, जिसकी कई बार शिकायत की गई। हालांकि बिजली विभाग के कर्मचारियों ने इसे ठीक करने की जहमत नहीं उठाई। ऐसे में अगर समय रहते इसे दुरुस्त किया जाता, तो आज दो मासूमों की जान नहीं जाती। घटना से आक्रोशित परिजनों और ग्रामीणों ने दोनों बच्चों के शव को जबलपुर-दमोह रोड पर रखकर चक्काजाम कर दिया। प्रदर्शन कर रहे लोग बिजली विभाग के दोषी कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई और मुआवजे की मांग की। चक्का जाम के कारण सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई, जिससे यातायात पूरी तरह ठप हो गया।

तेरे लिये ही सात रंग के सपने चुने : सलिल चौधरी

अतुल कुमार

फिल्मी गीतों में आज भी पुराने गानों की धाक है , चैनलों पर आने वाले यंग सिंगर्स उन्हीं गानों को गा पापुलैरिटी पा रहे हैं तो श्रोता उनको सुन झूम रहे हैं सुनहरी यादों ,बातों और गानों को कौन भूलना चाहेगा? जिन गानों में जज़्बातों ,खयालों , रिश्तों और मोहब्बत की मिठास की बयार बसी हो , जिसमें ज़िंदगी के अफसाने बयां हो रहे हों और जो गाने दिलों को झुमा रहे हों कोई उनको कैसे भुला सकता है ?

उनकी लोकप्रियता को इसी से समझा जा सकता है कि 60 -65 साल पुराने गानों के रिमिक्स आज जम कर सुने जा रहे हैं तो श्रोता उनको बार बार सुनने की फरमाइश कर रहे हैं । रेडियों के युग में जिन गीतों की धूम होती वही गाने इंटर्नेट की दुनिया के सरताज गीत बन चैनलों की शोभा बडा रहे हैं । इन गानों को पांच जेनेरेशंस सुन चुकी हैं और यंग जेनेरेशन के लिये यह सिगनेचर सांग्स बने हैं । शायर गुलज़ार ने यूं ही नहीं लिखा " मैंने तेरे लिये ही सात रंग के सपने चुने , सुरीले सपने / कुछ हंसते कुछ गम के तेरी आंखों के साये चुराये रसीली यादों ने / छोटी छोटी यादों की हैं यादें बडी भूले नहीं बीती हुई एक छोटी घडी / जनम जनम से आंखें बिछाए तेरे लिये राहों में // पुराने गानों ने इसी मधुरता से अपनी रंगत को रौशन कर गाना प्रेमियों के दिलों में जगह बनायी ।

आज यह गाने दिलो दिमाग में ऐसे बसे हैं जैसे चंदन में पानी । इन्हीं के बूते संगीत निर्देशक शंकर जयकिशन ने राज कपूर ,एस डी बर्मन ने देवानंद नौशाद ने दिलीप कुमार और सलिल चौधरी ने आफ बीट फिल्मों को गवर्न किया । रेडियो के दौर में इन संगीत कारों के नाम अक्सर कानों में पडते। उसी सुनहरे वक्त में गानों की फरमाइशें झुमरी तलैया , कभी झुनझुनु और कभी झांसी से खतों के ज़रिये होतीं फरमाइशी गानों के चलते छोटी जगहों के गीतात्मक नाम सुनने का आनंद भी अलग होता । इस अपने पन से भरे आनंद को अब श्रीमान सर्च स्टेशनों ने हडप लिया है आन लाइन के चक्कर में वह मस्ती गुम गयी।

इन मशहूर गानों के एक रचयिता प्रसिद्ध संगीत निर्देशक सलिल चौधरी थे जिन्होंने अपने बेमिसाल गानों से गाना प्रेमियों का दिल जीता। यह उनका जन्म शताब्दी वर्ष है लेकिन उनकी संगीतबद्ध रचनाएं हृदय सम्राट बन गीतों के रूप में दिलों पर राज कर रही हैं । सलिल चौधरी उस पीढी से थे जिन्होंने अंग्रेज़ी शासन , विभाजन , युद्ध और अकाल की भयावहता को देखा अतः उनके लिये कविता और संगीत केवल मनोरंजन से कहीं बढ कर थे । फिल्म " दो बीघा ज़मीन ' को देख इसके लेखक सलिल चौधरी से प्रसिद्ध फिल्मकार विमल राय गले लग रो पडे और कहा आपने सिनेमा के पर्दे को जीत लिया । वह सशक्त लेखक , कवि ,नाटक कार और संगीतकार थे । स्वतंत्रता आंदोलन में युवाओं में जोश पैदा करने के लिये कई कविताएं लिखीं जिनसे प्रेरित हो युवा पीढी आज़ादी की लडाई में कूद पडी । हर संगीतकार अपनी स्टाइल , सौंदर्य और सुमधुरता को ला समय के साथ दुनिया भर में हो रहे प्रयोग और अपने आसपास के अनुभवों से संगीत की रचना करता है जैसे ओ पी नैयर ने घोडों की टापों को अपने संगीत का केंद्र बना अपने म्यूसिक को लाजवाब बनाया । उसी प्रकार सलिल चौधरी ने असमिया और बांगला लोक संगीत में पाश्चात्य संगीत को मिला

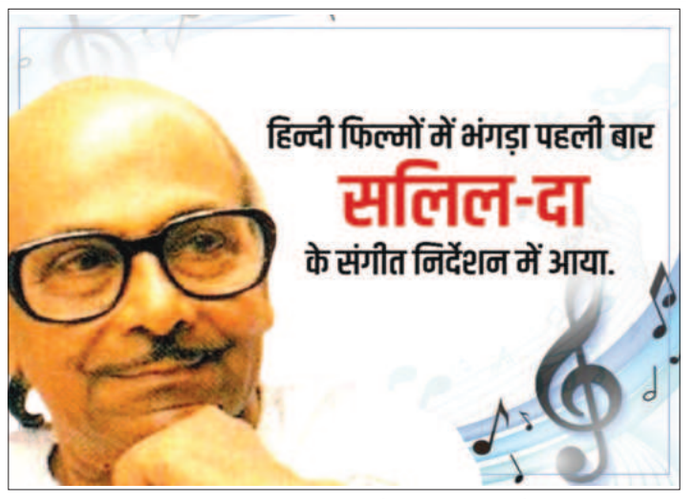

अनूठा संगीत रचा भावनात्मक ,रचनात्मक और लयात्मक पुट दे ऐसे गाने बनाये जो यादों को आबाद कर गये जैसे फिल्म " काबुलीवाला " में गायक मन्ना डे के गीत " ऐ मेरे प्यारे वतन,

ऐ मेरे बिछडे चमन , तुझ पे दिल कुर्बान " को बनाया इसके म्यूसिक को कैसे भुलाया जा सकता ! जो दर्द और आंसू तक ला देता है । इसी तरह फिल्म " मधुमति " के संगीत में असम के चायबगानों के लोकगीतों का उम्दा प्रयोग हुआ इसी फिल्म के गीत " दिल तडप तडप के कह रहा है " में हंगरी फाक ट्यून का इस्तेमाल कर श्रोताओं को मोहित किया। फिल्म " दो बीघा ज़मीन " के गीत " गंगा और जमुना की गहरी है धार , आगे या पीछे सबको जाना है पार , धरती कहे पुकार के , बीज बिछा ले प्यार के , मौसम बीता जाए "' से गानों को नया रूप दिया । फिल्म " आनंद " के गाने कहीं दूर जब दिन ढल जाए , सांझ की दुल्हन बदन चुराये ,चुपके से आये मेरे खयालों के आंगन में कोई सपनों के दीप जलाए, दीप जलाए " मुकेश के दिलकश अंदाज़ में गाये अफलातून गीत ने लोगों के मनों पर छाप छोडी । सोचिये ! क्या अब ऐसी पोएट्री , सिंगिंग और म्यूसिक सुनने मिलता हैं ? गानों का मतलब अब मटर गश्ती हो गया है भीडू । चाय बगान के मज़दूरों और कुलियों के साथ बैठ उनके दुख तकलीफों को सुन अपने नाटक , कविताएं और गीतों को लिखा । गाने भी ऐसे संगीत बद्ध किये कि श्रोताओं के दुख सुख के साथी बने । मिसाल के तौर पर फिल्म " मेरे अपने " के गाने " कोई होता जिसको अपना हम अपना कह लेते यारों मेरे अपने " आज की ज़िंदगियों के हालात पर यह नग्मा मौजूं बैठता है । चौधरी नाटकों की प्रसिद्ध संस्था इप्टा से जुडे थे उनकी नाटक मंडलियों के साथ गांव और शहरों में घूम घूम कर काम किया । फिल्म " रजनीगंधा " के गीत " रजनीगंधा फूल तुम्हारे , यूं ही महके प्रीत पिया की , मेरे अनुरागी मन में " को लोगों ने सराहा ।उनको स्नेह और आदर से सलिल दा कहते । साहित्यिक कृतियों पर आधारित फिल्मों के लिये जम कर संगीत दिया ।जिसमें रविंद्रनाथ टैगोर रचित " काबुलीवाला " शामिल है । सलिल चौधरी के फिल्म जीवन में उनकी जोडी गीतकार शैलेंद्र के साथ खूब जमी और सराही गयी । कवि गुलज़ार के साथ भी कई हिट गीत दिये । सुर सम्राज्ञी लता मंगेशकर के साथ उनकी म्यूसिक सज उठती उनके कर्णप्रिय गीत " दिल तडप तडप के कह रहा है " और " इतना न तू मुझ से प्यार बढा " को सुना जा सकता है । 13 भाषाओं की फिल्मों में म्यूसिक दिया और ख्याति पायी । मलयालम फिल्मों के अग्रणी म्यूसिक डायरेक्टर थे ओणम का पर्व उनके संगीत के बिना पूरा नहीं होता । लता मंगेशकर और मन्ना डे से मलयालम गीत गवा शोहरत व सराहना दिलवायी ।मलयालम में सलिल चौधरी का मान है । चार दशक लंबे कैरीयर में लगभग 75 हिंदी फिल्मों में संगीत दिया ।बंगाली में उनकी प्रेरणादायक और मौलिक कविता के लिये उनको प्रसिद्धी मिली ।

सितार बांसुरी और हार्मोनियम बजाने में माहिर थे । नयी नयी अलबेली धुनों ने उनको संगीताकाश का सितारा बनाया । 19 नवंबर 1925 को जन्मे इस महान मौसिकीकार ने गीत संगीत के जिस रसानंद को बिखेरा वह बेमिसाल और ऐतिहासिक है जो रूह में उतरा । धुनों के शुरुआती पल से ही उनकी सिग्नेचर स्टाइल पहचानी जा सकती है ।लिखी रचनाओं को संगीत में पिरोया न कि आज की तरह बनी हुई धुनों में शब्दों को फिट नहीं किया । इसलिये " तस्वीर तेरी दिल में जिस दिन से उतारी है " जैसे यादगार गीत सुनने को मिले । 5 सितंबर 1955 को दुनिया को अलविदा कहा । हिंदी फिल्मों के पुराने गाने आज क्यों ज़ुबान पर चढे हैं क्यों कि उनमे ज़िंदगी के वो तराने हैं जिससे जीवन उल्लासित होता है ।

तभी साइंस और कार्डियोलाजिस्ट दिल को बहलाने के लिये गीत संगीत सुनने को उपचार के रूप में भी बेहतर मानते हैं । दिल से लिखी ,रची और गायी रचनाएं ही गा सकती हैं " मैंने तेरे लिये ही सात रंग के सपने चुने ।

" यही सलिल चौधरी की मनोहारी विरासत है।

काव्य कुंज

राख हो क्या दहकते नहीं

संजीव ठाकुर, रायपुर

चल रही है हवा धड़कने नहीं
बुझी राख हो क्या दहकते नहीं।
पंछी कितने मासूम है वफाओं के
आजकल शहरों में चहकते नहीं।
है गुलाबी सा मिलन विरह काला
प्यार के रंग कभी बदलते नहीं।
नाजुकी भी आज सिरे से गायब है
फूल कागज के कभी महकते नहीं।
सुंदर कलियों फूलों का उपवन है
फिर भी परिंदे यहां चहकते नहीं।
न जाने संजीव ये कैसी सदी है
इश्क में रहकर दिल धड़कते नहीं।

सच और झूठ

डॉ डी डी देसाई

लहूलुहान पड़ा हैं...सच,
खून से लथपथ कमीज...
आरोप प्रत्यारोपों की ज़ख्म से
निरन्तर बहता लहू...
अपनी सच्चाई की साक्ष देता...सच।
अधमरा...मुरछित पड़ा दहलीज पर...
गुहार लगा रहा हैं...सच की।
किसने की ये हालत...?
कौन हैं इतना निर्दयी...?
बगल में सीना ताने खड़ा था झूट।
न संकोच.. न ही शरम...
और न ही लोकलाज की चिंता।
पुरे मोहल्ले में घसीट लाया था सच को..
ढिंढोरा पिट के आया था।
सच को झूठा साबित कर आया था।
आईने सा साफ क्यों नहीं होता सच ?
सच को सबूत की जरुरत क्यों होती हैं ?
झूट के साथ झूठे सबूतों की फ़ौज थी..
मुगलों की सेना की तरह...।
और सच असहाय.. मजबूर अकेला खड़ा था..
सांखल में कैद शंभु की तरह...,
नरसंहार के बाद सम्राट अशोक की तरह,
चक्रव्यूह में फँसे अभिमन्यु की तरह..।
आखिर कौन बचाएगा.. सच को...?
झूठ की चंगुल से.....।

बुरे दिल वाले

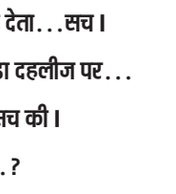

गजानन पाण्डेय

तू लुट जाएगा
मीठी बातों से
दिल का भेद जान लेते हैं
अपने मतलब के लिए
फिर इस्तेमाल करते हैं
मीठी छूरी से
दिल पर घाव करते हैं।
यही आज का चलन है
सफेद कपड़ों में
काले काम करते हैं
छल - कपट ही
उनका धर्म है
धन की खातिर
ईमान को गिरवी रखते हैं
बुरे दिल वाले
दिल में फरेब रखते हैं
ज़िंदगी को अपने कामों से
यूं ही बदनाम करते हैं।

अंतरिक्ष की परी सुनीता

नील गगन से घर लौटी है,
रचकर नव इतिहास।
अंतरिक्ष की परी सुनीता
अद्भुत है विश्वास।।
सारे जग को नाज, गर्व है,
लगता जैसे आज पर्व है,
उसके आंगन, घर आने से
लौटा है उल्लास।
रही गगन के आंगन कई दिन,
भू पर थे बेचैन कई मन,
नासा के अभियान सुनीता
काम किया है खास।
सब उल्लासित, आनंदित था,
एक झलक को हर व्यथित था,
आज सुबह जब, अमन खुशी की
घड़ियां आई पास।
नील गगन से घर लौटी है
रचकर नव इतिहास।।

- मुकेश अमन

पढाई

टी तारासिंह हैदराबाद

दिल का दर्द आँसू दे गया
सब ने धुतकारा , परेशान किया
ये दुनिया है बडी बेरहम, बेदर्दी
हमारा हाल किसी ने न सूनी
जब तक संभलते कुछ करने की
सब दरवाजे हुए बंद हम घबराये नही
मन मे ठान लिए थे कुछ करने की
किस्मत मे कुछ ओर ही लिखा था
दिन दूनी रात चौगुनी पढाई की
पढ-लिख लिए प्रतिस्पर्धा परीक्षा पास की
फल अच्छा मिला बडी कुर्सी मिली
रूतबा मिला मर्यादा मिला
ये सब महीमा है अच्छी पढाई का ।।

जल जीवन की मुख्य धार

जल जीवन की मुख्य धार,
बिन जल न चले संसार।
पृथ्वी पर तीन चौथाई जल है,
फिर भी जल संकट अपार।।
जल की एक एक बूंद कीमती ,
नादानी से हो रही कमी,
हर देश में बहती नदियां
फिर भी सूख रही है धरती,
मानव स्वयं इसका जिम्मेदार।
जल जीवन की मुख्य धार ।।

गीता अग्रवाल हैदराबाद

प्रकृति विपरित करते हम काम,
तूफ़ानों को देते अन्जाम,
जहाँ चाहें वहां करते तोड़ फोड़,
अनुचित हो रहे निर्माण,
वनों से ही है जल की फुहार।
जल जीवन की मुख्य धार।।
प्रकृति से स्वयं करते खिलवाड़,
प्रकृति रौद्र रूप की सहते लताड़,
मानव स्वयं को संकट में डाल,
अनावश्यक अनावृष्टि की झेलते मार,
खुद ही खुद के अत्याचार।
जल जीवन की मुख्य धार ।।
जल संचयन पर देना जोर,
जल बचाने से सुहानी भोर,
एक बूंद भी जल न हो बर्बाद,
देखे कल कल झरनों का शोर,
प्रकृति कर रही मनुहार।
जल जीवन की मुख्य धार ।।
जल का असली मूल्य पहचान,
बिन जल संसार न चलायमान,
60 प्रतिशत जल से बना शरीर,
बिन जल शरीर होए निष्प्राण,
जल से जीवन में आए बहार।
जल जीवन की मुख्य धार ।।

अवसाद का घेरा

मनीषा मंजरी दरभंगा

जब व्याकुलता चीखती है, तो भीड़ भी शमशान बन जाती है,
अपनी हीं साँसें स्वयं के लिए, अपमान बन जाती है।
सूरज अन्धकार की कालिमा सा बिखेर जाता है,
अपने नाम की पुकार, खुद के लिए अनजान बन जाती है।
बेड़ियाँ पगों में नहीं, मस्तिष्क पर घेरा डालती है,
शीतल पथ भी पथिक के लिए, अग्निस्नान बन जाती है।
बोझिल गुबार हृदय को, धड़कने से रोकता है,
यूँ अवसाद के दलदल से, स्वयं की पहचान बन जाती है।
जंगल ये कैसा जो, आदि और अंत से परे होता है,
कितना भी निकलना चाहूँ, मस्तिष्क स्वयं के लिए दरबान बन जाती है।
भय की कीलें व्यक्तित्व को, संवेदनशून्य बना डालती हैं,
अविश्वास की डोरी स्वयं हीं, बलवान बन जाती है।
आस्था का दीया कोने में, टिमटिमाता सा फिर मिलता है,
अश्रुओं में डूबी नैय्या तब, निगहबान बन जाती है।
क्रुद्ध तूफ़ान वीरान उस महल की, खिड़कियों को तोड़ता है,
आभास के छींटों में, ज़िन्दगी फिर से मूल्यवान बन जाती है।
भूत की जमीं पर वर्त्तमान की, फसल जब लहलहाती है,
शांत मन के अश्वारोही के लिए, एकांत भी वरदान बन जाती है।

बहुत दिनों से..

दर्शन सिंह हैदराबाद

पड़ोसी ने कहा मैं भी आऊंगा मॉर्निंग वॉक में
चलो एक से दो, सफ़र अच्छा रहेगा हाट में
सड़क के दोनों ओर सजी ऊंची ऊंची अट्टालिकाएं
मानसिकता हुई प्रभावित, बिना पलकें झपकाएं
संदेशा कल से नहीं मुलाकात,
शायद ट्रांसफर ,
चलो हुए बवंडर शांत
साथ थे सिर्फ सपने अपने
बहुत दिनों से कोई नया ज़ख्म नहीं मिला
लगता है, बहुत दूर निकल आएं हैं अपने
मस्तिष्क पर जोर डाला
स्मरण हो आया, हां हां यही पीपल
जिसके तले नित्य एकत्रित हो जाते थे
धूल से सनी चिट्ठियां,
बिना किसी झिझक के खोलते थे
नमक मिर्ची लगाकर
देर रात चर्चा परिचर्चा चलती थी
हर कोई स्पष्ट अपने में दहला
जिंदगी मस्ती में कटती थी
आज चबूतरा वीरान पड़ा था
न हो हल्ला ,अपने में खामोश पड़ा था
हां दृश्य कभी सामान्य तो कभी असामान्य दिखते
बहुत दिनों से...
जैसे ही चौखट से पांव बाहर निकालते हैं
अनावश्यक गले पड़ जाते हैं
यूं ही उल जलूल टॉपिक पर डिस्कशन
हां जाते जाते ऐसा इंजेक्शन
गहरा घाव कर जाते हैं
अभी मुलाकातों पर विराम
शायद कुटिया के अंदर ही सीमित मान्यवर की व्यस्तता
फायदा यह हुआ
सुंदर लगते थे सवेरे
बहुत दिनों से..

"रंग"

हेमंत सुराना, उदयपुर

अगर रंग ना होते,
तो होंठ गुलाबी कौन कहता
आंखें लाल देखकर,
शराबी कौन कहता
कौन कहता है की जुल्फे काली है,
कौन लिखता की घटाएं काजल है
इंद्रधनुष के खूबसूरत सात रंग ना होते,
लाल, हरे, नीले, रंगीन गुब्बारे ना होते
चमकता सूरज पीला ना होता,
सफेद रंग शांति का प्रतीक ना होता
फूलों के खिलने, मुरझाने की फिक्र ना होती,
हरे रंग से हरियाली ना झलकती
रंग बिरंगी तितलियां ना होती,
दिवाली पर आंगन में रंगोली ना होती
केसरिया बलिदान का निशान ना होता,
आसमान में नीला रंग कौन भरता
दुनिया है रंग बिरंगी,
रंगों से रंग जाओ सब
रंग खुशियों के भर दो अब,
रंग खुशियों के भर दो अब ।

माँ हंसवाहिनी

कुमुद बाला, हैदराबाद

छंद - सोरठा की जगजननी माँ ,
आप ही हैं कल्याणी
व्यक्तित्व-कवित्व-अतुलनीय माँ,
आप हैं मधुरिम वाणी
कमलवासिनी-हंसवाहिनी माँ ,
आप ही पुस्तक धारिणी
हो शीश पे सबके वरदहस्त माँ ,
सुखी रहे हर प्राणी।।
श्वेतवस्त्रधारिणी - वीणापाणि , आप सहृदया - विमला
आसन पुष्प कमल का माता , आप मानसी औ सबला
पुजारिन मेरी लेखनी माँ , आप विजया ,जया , अमला
पथ दर्शनी-पथ प्रशस्तिनी माँ , मन मानस जय तारिणी
हो शीश पे सबके वरदहस्त माँ , सुखी रहे हर प्राणी।।
आप ममता का सागर , बहती अविरल कई धाराएँ
हृदय निज ज्ञाना भंडार , भवसागर तारती आशाएँ
विनय मिले,सविनय मिले माँ , खिलें ज्ञान की शाखाएँ
गीता प्रेम की मिले दृष्टि माँ , यह इंसान निरीह अज्ञानी
हो शीश पे सबके वरदहस्त माँ , सुखी रहे हर प्राणी।।
हो जिह्वा पे सादर प्रस्तुति , वाणी में दिनकर ओज हो
उर में ऐसी प्रखर चेतना माँ , मैथिली सी द्योत हो
नवल सुमन ऐसा भाषा का , जिसमें गंगा का बोध हो
हो मनन-चिंतन-पठन-पाठन व ज्ञानावृष्टि माँ धारिणी
हो शीश पे सबके वरदहस्त माँ , सुखी रहे हर प्राणी।।
ब्रम्हपुत्री-शास्त्राणि-शास्त्रा माँ,अपार करुणा की समृद्धि
वेद - पुराण पुरोधा माँ , आप ही श्री लक्ष्मी ज्ञानवृद्धि
आपमें ब्रम्हांड ज्ञानसंचय कोष , योग - योगिनी सिद्धि
संगीत रचयिता, विश्व पूजिता , माँ आप हैं जगकल्याणी
हो शीश पे सबके वरदहस्त माँ , सुखी रहे हर प्राणी।।

स्वतंत्र वार्ता
काव्य कुंज ब्लॉग
AGA, Publications, Ltd,
396, Lower Tankbund,
Hyderabad-500080

वार्ता साप्ताहिकी
हैदराबाद, निज़ामाबाद, विशाखापट्टणम

सवालों के कटघरे में 'योर ऑनर'

अदालतों से संसद तक घर लगी आग की तपिश

दिल्ली हाई कोर्ट के सीनियर जस्टिस यशवंत वर्मा के घर कथित तौर पर बड़ी तादाद में कैश मिलने का मामला मीडिया में सामने आने के बाद हड़कंप मच गया है। सुप्रीम कोर्ट के कॉलेजियम ने कहा कि दिल्ली हाई कोर्ट ने इस मामले में इन-हाउस जांच शुरू कर दी है। मीडिया में खबरें आई हैं कि होली की छुट्टियों पर जस्टिस वर्मा के सरकारी बंगले में आग लग गई थी। उस वक्त जस्टिस और उनका परिवार घर पर नहीं थे। उन्होंने फायर ब्रिगेड को जानकारी दी। बताया गया कि आग बुझाने के दौरान घर से बड़ी तादाद में 'बेहिसाब कैश' मिला। खबर सामने आने के बाद जस्टिस वर्मा छुट्टी पर रहे।

दिल्ली हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस देवेंद्र कुमार उपाध्याय की अगुआई वाली बेंच के सामने वकील समुदाय ने इस घटना का जिक्र करते हुए चिंता जताई और भविष्य में ऐसी घटनाओं से बचने के लिए कड़े कदम उठाने की मांग की। इस पर हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस ने कहा कि हमें पता है कि घटना से हर कोई तकलीफ में है। जस्टिस यशवंत वर्मा का ट्रांसफर इलाहाबाद हाई कोर्ट किए जाने के प्रस्ताव पर वहां के बार असोसिएशन में विरोध शुरू हो गया है। बार असोसिएशन ने कहा,'इलाहाबाद हाई कोर्ट कोई कूड़ादान नहीं है कि भ्रष्टाचार के आरोपितों को वहां न्याय देने के लिए भेजा जाए।' बार असोसिएशन की मांग है कि जस्टिस वर्मा को तब तक न्यायिक कामकाज से अलग रखा जाए, जब तक उनके खिलाफ जांच पूरी न हो जाए। यह मामला ज्यूडिशियल सिस्टम की पारदर्शिता और विश्वसनीयता पर गंभीर संकट खड़ा करने वाला है। एसोसिएशन ने इस मामले में 24 मार्च को जनरल हाउस की बैठक भी बुलाई है।

जस्टिस के घर बेहिसाब कैश मिलने का मामला राज्यसभा में गूंजा। कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने यह मुद्दा उठाया। इस पर सभापति जगदीप धनखड़ ने कहा कि यह बड़ी चिंता की बात है कि इस घटना की जानकारी तुरंत सामने नहीं आई। ऐसा किसी नेता के साथ होता है, तो वह तुरंत निशाने पर आ जाता है। इसलिए ऐसा सिस्टमेटिक रिस्पॉन्स जरूरी है, जो पारदर्शी, जवाबदेह और प्रभावी हो।

कौन हैं हाई कोर्ट के जस्टिस यशवंत वर्मा

जस्टिस यशवंत वर्मा को अक्टूबर 2021 में दिल्ली हाई कोर्ट का जस्टिस नियुक्त किया गया था। दिल्ली हाई कोर्ट की वेबसाइट पर उपलब्ध जानकारी के मुताबिक, जस्टिस वर्मा ने 11 अक्टूबर, 2021 को दिल्ली हाई कोर्ट के जज के रूप में नियुक्त होने से पहले एक फरवरी 2016 को इलाहाबाद हाई कोर्ट के स्थायी जज के रूप में शपथ ली थी। उनका आठ अगस्त 1992 को एक वकील के रूप में रजिस्ट्रेशन हुआ था।

सीजेआई संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाले सुप्रीम कोर्ट के कोलेजियम ने जस्टिस वर्मा को दिल्ली हाई कोर्ट से इलाहाबाद हाई कोर्ट में ट्रांसफर करने का प्रस्ताव रखा था, जिसके बारे में शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट से सफाई भी आई। जस्टिस वर्मा को 13 अक्टूबर 2014 को इलाहाबाद हाई कोर्ट का अडिशनल जज नियुक्त किया गया था। उन्होंने दिल्ली यूनिवर्सिटी के हंसराज कॉलेज से बी.कॉम (ऑनर्स) की पढ़ाई की और मध्य प्रदेश के रीवा विश्वविद्यालय से एल.एल.बी. की डिग्री हासिल की।

जस्टिस यशवंत वर्मा ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय में एक वकील के रूप में कॉर्पोरेट कानूनों, टैक्सेशन और कानून की संबद्ध शाखाओं के अलावा संवैधानिक, श्रम और औद्योगिक मामलों में पैरवी की। वह 2006 से अपनी पदोन्नति तक इलाहाबाद हाई कोर्ट के विशेष वकील भी रहे। इसके अलावा 2012 से अगस्त 2013 तक उत्तर प्रदेश सरकार के मुख्य स्थायी वकील रहे, जब उन्हें सीनियर एडवोकेट के रूप में नामित किया गया।

सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस रहे दीपक मिश्रा को हटाने के लिए प्रस्ताव लाने के लिए दिए गए नोटिस को तत्कालीन उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू ने खारिज कर दिया था। वहीं 1993 में जस्टिस वी. रामास्वामी के खिलाफ जब प्रस्ताव लाया गया था, तब वह लोकसभा में पास नहीं हो पाया था।

जस्टिस रामास्वामी के लिए सीनियर एडवोकेट कपिल सिब्बल संसद में पेश हुए थे। इसी तरह जस्टिस पीडी दिनाकरण के मामले में पहल हुई थी, लेकिन तभी दिनाकरण ने इस्तीफा दे दिया था। वहीं हाई कोर्ट के जस्टिस सौमित्र सेन के खिलाफ जब प्रस्ताव आया तो कार्यवाही पूरी होने से पहले ही उन्होंने इस्तीफा दे दिया था। इस तरह देखा जाए तो भारतीय इतिहास में आज तक किसी भी जस्टिस को ऐसे हटाया नहीं जा सका।

सीबीआई की एफआईआर में भी जुड़ा है जज साहब का नाम

दिल्ली हाईकोर्ट के जस्टिस यशवंत वर्मा चर्चा में हैं। उनके दिल्ली स्थित घर पर आग लग गई थी, जिसे बुझाने के बाद कथित तौर पर वहां से भारी तादाद में कैश बरामद हुआ। लेकिन अब जस्टिस वर्मा से जुड़ा एक और मामला सामने आ रहा है। इस मामले में उनका नाम बकायदा सीबीआई की एफआईआर में दर्ज किया गया था। यह मामला सिम्भावली शुगर मिल से जुड़ा है।

आरोप है कि इस मिल ने बैंकों को धोखा दिया था। इस मामले में चौंकाने वाली बात यह है कि जस्टिस यशवंत वर्मा 13 अक्टूबर 2014 को इलाहाबाद हाई कोर्ट के जज बनने से पहले सिम्भावली शुगर्स में नॉन-एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर थे। सिम्भावली शुगर्स का खाता साल 2012 में एनपीए यानी नॉन परफॉर्मिंग एसेट घोषित कर दिया गया था।

सीबीआई ने 22 फरवरी 2018 को भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत एक एफआईआर दर्ज की थी। इसके पांच दिन बाद, प्रवर्तन निदेशालय ईडी ने 27 फरवरी 2018 को मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट के तहत एक ईसीआईआर दर्ज की। ये FIR ओरिएंटल बैंक ऑफ कॉमर्स की शिकायत पर दर्ज की गई थी। ओबीसी ने सिम्भावली शुगर्स को 150 करोड़ रुपये का लोन दिया था। बैंक ने सीबीआई से शिकायत की थी कि चीनी मिल ने किसानों की मदद करने के नाम पर लोन लिया, लेकिन बेईमानी से काम किया। बाद में ओबीसी का पंजाब नेशनल बैंक में विलय हो गया।

इलाहाबाद हाई कोर्ट के दो फैसलों में इस FIR का जिक्र किया गया था। ये फैसले उन आरोपियों से जुड़े थे, जिन्होंने CBI की FIR को रद्द करने या अग्रिम जमानत के लिए अर्जी दी थी। पिछले साल मार्च में सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के एक फैसले को पलट दिया था। इलाहाबाद HC ने SBI के नेतृत्व वाले बैंकों के समूह के सिम्भावली शुगर्स को दिए गए लोन की सीबीआई जांच का आदेश दिया था। एससी ने कहा था कि एचसी ने गलती की है, क्योंकि जांच की कोई जरूरत नहीं थी। हालांकि, एससी ने ये भी कहा था कि अधिकारी कानून के मुताबिक धोखाधड़ी के लिए कार्रवाई कर सकते हैं।

सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने सिम्भावली शुगर्स के खिलाफ एसबीआई की दिवालियापन की कार्यवाही को रद्द करने से भी इनकार कर दिया था। एससी ने CBI के सिम्भावली के किए गए समझौते के प्रस्ताव को खारिज करने के फैसले को सही ठहराया था। SC ने कहा था कि बैंक के फैसले में कोई गलती नहीं निकाली जा सकती। जस्टिस यशवंत वर्मा का नाम पहले ही एक चीनी मिल से जुड़े विवाद में सामने आया था और अब उनके घर से कैश मिलने की बात सामने आ रही है। जज का नाम सीबीआई की एफआईआर में आने को भी गंभीर बताया जा रहा है।

कॉलेजियम प्रणाली दोषपूर्ण है हरीश साल्वे ने क्यों उठाए सवाल

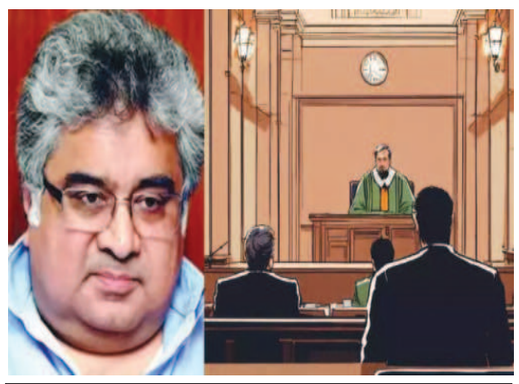

कॉलेजियम प्रणाली पर सीनियर एडवोकेट हरीश साल्वे ने उठाए सवाल

भारत के पूर्व सॉलिसिटर जनरल और वरिष्ठ अधिवक्ता हरीश साल्वे ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने अधिक पारदर्शिता को बढ़ावा देने के लिए न्यायिक नियुक्ति की प्रणाली में व्यापक बदलाव का आह्वान किया। उन्होंने यह भी कहा कि न्यायपालिका के खिलाफ लगाए गए लांछन और अपुष्ट आरोप जनता की आस्था को हिला देते हैं और अंततः लोकतंत्र को नुकसान पहुंचाते हैं। दिल्ली हाई कोर्ट के जस्टिस यशवंत वर्मा से जुड़े प्रकरण को चेतावनी बताते हुए उन्होंने कहा कि आज हमारे पास न्यायिक नियुक्ति की जो प्रणाली है, वह निष्क्रिय है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, पिछले सप्ताह जब अग्निशमन विभाग की एक गाड़ी जस्टिस वर्मा के आवास पर आग बुझाने गई थी, तो वहां भारी मात्रा में नकदी बरामद हुई थी। उन्होंने ताजा विवाद को बदलाव की याद दिलाते हुए कहा, 'हमें चर्चा फिर से शुरू करने की जरूरत है... यह अस्तित्व का संकट है। आपको इस संस्था को बचाना होगा।'

साल्वे ने विधानमंडल, विशेषकर संसद सदस्यों से, न्यायिक नियुक्तियों के लिए एक सटीक और अधिक पारदर्शी प्रणाली के लिए सामूहिक रूप से सुझाव देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा, 'मैं देखता हूं कि जिन 500 लोगों को हमने वोट देकर सत्ता में भेजा है, उन्हें अपने राजनीतिक मतभेदों को एक तरफ रखना होगा। यह एक ऐसा क्षेत्र है, जिसमें उन्हें एक साथ बैठकर विचार-विमर्श करना होगा, संसद में भेजे गए 500 लोगों के सामूहिक विवेक से एक ढांचा तैयार करना होगा।' उन्होंने न्यायपालिका के खिलाफ लगाए गए आरोपों की भी आलोचना की और कहा कि इससे लोगों की प्रतिष्ठा को अपूरणीय क्षति पहुंच रही है।

उन्होंने अपुष्ट रिपोर्टिंग के खिलाफ सावधानी बरतने का संकेत देते हुए कहा, 'हम बहुत ही अशांत और अलग समय में रह रहे हैं। आज, यह 1960, 70 और 80 का दशक नहीं है, जब खबरें सामने आने में कई हफ्ते लग जाते थे। आज, यह सोशल मीडिया का युग है। कोई घटना होती है। इसे वीडियो में कैद कर लिया जाता है और 15 मिनट में जारी कर दिया जाता है। दुनिया जानती है कि 15 मिनट पहले आपके घर में क्या हुआ था।'

कॉलेजियम प्रणाली क्या है?

1993 में बनाई गई वर्तमान कॉलेजियम प्रणाली में भारत के मुख्य न्यायाधीश सहित वरिष्ठ न्यायाधीशों का एक समूह शामिल है, जो उच्च न्यायपालिका में न्यायाधीशों की नियुक्ति और स्थानांतरण पर निर्णय लेता है। इन चिंताओं को दूर करने के प्रयास में, सरकार ने राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग (एनजेएसी) का प्रस्ताव रखा, जिसका उद्देश्य कॉलेजियम प्रणाली को गैर-न्यायिक सदस्यों वाले निकाय से बदलना था, लेकिन अंततः 2014 में सर्वोच्च न्यायालय ने इसे खारिज कर दिया।

डिजिटल दुनिया में हम डेटा के सिवाय कुछ नहीं

हमेशा की तरह इस गुरुवार को भी मैं अपनी दूधवाला फ्लाइट (अल सुबह) पर बोर्डिंग के लिए तैयार था। चूंकि उनींदा महसूस हो रहा था, तो कॉफी पीने का मन हुआ। कॉफी शॉप की कतार में मेरे आगे तीन लोग खड़े हुए थे। मैं अपनी बारी का इंतजार कर रहा था।

दो लोगों ने यूपीआई से पैसा दिया और एक शख्स ने कार्ड से भुगतान किया। फिर मेरी बारी आई। मैंने एक कॉफी का ऑर्डर दिया। वह कॉफी बनाने के लिए चला गया क्योंकि मेरे पीछे कोई भी नहीं था। ज्यों ही कॉफी आई, मैंने उसे नकद पैसे दिए। पहले तो नकद पैसे लेने में उसने ना-नुकुर की।

काउंटर पर मौजूद शख्स ने पूछा, 'क्या आपके पास यूपीआई नहीं है?' जब मैंने कहा कि ऐसे छोटी खरीदारी के लिए मैं हमेशा कैश देना पसंद करता हूं। तो वो मेरी बात से संतुष्ट नहीं दिखा। उसने पूछा, कम से कम कार्ड से भुगतान कर दीजिए। उसकी इस बात से मेरे अवचेतन मन में शक पैदा हुआ कि कुछ तो गड़बड़-झाला है। और मैंने फिर कहा, मैं बुजुर्ग आदमी हूं और मुझे कोई भी कार्ड नहीं देता। कृपया कैश ले लें। और फिर तब उसने बेमन से अपनी बिलिंग मशीन को कैश के लिए पंच किया और मुझसे पूछा "कृपया मुझे अपना बोर्डिंग पास दीजिए।

तब मुझे जल्दी से समझ में आया कि उसे किसी बात की परवाह नहीं थी, वो बस मेरी निजी जानकारी चाह रहा था।सख्त लहजे में मैंने उससे पूछा, 'भारत में कब से सिर्फ एक कप कॉफी खरीदने के लिए अपना नाम और पता देने की जरूरत पड़ने लगी? अगर कॉफी नहीं देना चाहते हो, तो कोई बात नहीं। लेकिन मैं अपनी कोई भी जानकारी देने से इंकार करता हूं। मैं जानता हूं कि तुम या तुम्हारे मालिक इस तरह जमा किए हर नाम या डेटा को मोटी रकम लेकर बेच देते हो।' इससे वह थोड़ा नरम पड़ गया और मुझे बिल देकर कहा, 'सर, हम भला क्यों आपकी जानकारी लेना चाहेंगे, यह तो एयरपोर्ट अथॉरिटी हैं जो जोर देते हैं कि हमें हर सेल से ज्यादा से ज्यादा यात्री जानकारी जुटाने की आवश्यकता है। इसलिए हम डिजिटल भुगतान पर जोर देते हैं, और हमें तो पता भी नहीं कि वे इस जानकारी का क्या करते हैं।'आधुनिक दौर में डिजिटल भुगतान एक नए अवतार में आ चुका है। सालों पहले मैं डिजिटल लेनदेन का विकल्प भी रखता था, क्योंकि इससे गरीब लोग किसी मकसद से पैसे जमा कर सकते थे। एक बार मैंने पूर्वी दिल्ली के स्वास्थ्य विहार में मोहन चाट भंडार पर दो यूपीआई स्कैनिंग बोर्ड देखे। जब मैंने उससे पूछा कि वह दो यूपीआई बैंक डीटेल क्यों रखता है। तो उसने तपाक से जवाब दिया, 'सर, बाएं हाथ वाले स्कैनर पर आने वाले पैसों को मैं इस्तेमाल नहीं करता। वह पैसा मैं अपनी बहन की शादी के लिए जमा कर रहा हूं और यह तब तक चलता रहेगा, जब तक मेरी दोनों बहनों की शादी नहीं हो जाती। जबकि दाएं हाथ पर रखे स्कैनर पर आने वाले पैसों का इस्तेमाल मैं रोजमर्रा के खर्चों और बिजनेस में रोज लगने वाले सामान खरीदने के लिए करता हूं।' उसकी बात सुनकर, मेरे साथ मौजूद मेरे मित्र ने उस यूपीआई पर बिल का भुगतान किया, जो उसने अपनी बहन की शादी के लिए खास रखा हुआ था। यह सुनकर मैं हिल गया क्योंकि कम से कम डिजिटल पेमेंट जैसी कोई एक चीज तो है, जिसने कमजोर आर्थिक वर्ग के लोगों को किसी उद्देश्य से बचत करने के लिए प्रेरित किया है। मेरी हमेशा से इच्छा थी कि वापस जाकर उससे पूछूं कि "शादी कैसी रही और क्या इससे शादी के लिए बाहरी लोगों से पैसे उधार लेने की जरूरत पड़ी या नहीं।' लेकिन मुझे वहां दोबारा जाने का मौका ही नहीं मिला। हर छोटे से छोटे बिजनेस जैसे कि वह चाट भंडार वाला यूपीआई स्वीकार करते हैं, लेकिन जरूरी नहीं कि वो हमारी जानकारी बेच ही रहे हों। पर एयरपोर्ट पर होने वाले ऐसे अनुभव हमें डरा रहे हैं। फंडा यह है कि यह अलग बहस का मुद्दा है कि ग्राहकों की हर छोटी से छोटी जानकारी जुटाना कितना नैतिक है या नहीं। तब तक हम ये याद रखें कि हम केवल डेटा हैं, जो कहीं न कहीं इस्तेमाल होने के लिए हैं।

एन.रघुरामन

ट्रंप की गलती से अमेरिका का बर्बाद होना तय!

अमेरिका हमेशा से एक 'मेल्टिंग पॉट' रहा है। इसका मतलब है, यहां अलग-अलग देशों से लोग आकर मिल-जुल कर रहते हैं। यहां के संसाधन और मौके प्रतिभाशाली लोगों को आकर्षित करते हैं। यहां मेहनत करने वालों को सफलता मिलती है। एक ऑस्ट्रियाई बॉडीबिल्डर यहां आकर बड़ा एक्टर बना और कैलिफोर्निया का गवर्नर भी रहा। क्या ऐसा किसी और देश में हो सकता है? यही तो 'अमेरिकन ड्रीम' है। मगर, नए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आने के साथ अब अमेरिका में सब कुछ बदल गया है। ट्रंप समर्थक अब भारतीयों समेत सभी इमिग्रेंट्स यानी बाहर से आकर बसने वाले लोगों के खिलाफ हैं। वे चाहते हैं कि अमेरिका में बाहर से लोगों का आना बंद हो जाए। वे इमिग्रेशन को नौकरी कम होने, कम सैलरी और अपराध बढ़ने का कारण मानते हैं। आइए-समझते हैं कि ट्रंप की किन-किन नीतियों से अमेरिका किस तरह से बर्बाद हो रहा है। किस वजह से भारतीयों की बददुआ अमेरिका को लग रही है?

ट्रंप की किस कार्रवाई से आहत हुए भारतीय

अमेरिका में मूल अमेरिकी केवल 2% हैं। बाकी 98 फीसदी लोग कहीं न कहीं से आकर बसे हैं। डोनाल्ड ट्रंप के पिता जर्मन थे। मेलानिया स्लोवेनिया से हैं। वहीं जेडी वेंस स्कॉट्स-आयरिश हैं और उनकी पत्नी भारतीय हैं। राष्ट्रपति चुनाव के दौरान ट्रंप ने इमिग्रेशन को बड़ा मुद्दा बनाया। चुनाव जीतते ही उन्होंने इमिग्रेंट्स के खिलाफ कार्रवाई की। इसमें सैकड़ों भारतीय भी प्रभावित हुए। कुछ फ्लाइट्स अमृतसर भी आईं। कुछ ऐसे इमिग्रेंट्स जिनके पास कोई कागजात नहीं थे, उन्हें खूंखार ग्वांतानामो बे के मिलिट्री बेस में रखा गया। इन भारतीयों समेत बाहरी प्रवासियों की ट्रंप को बददुआ लगी होगी।

ग्रीन कार्ड होल्डर्स और H-1B वीजा पर काम करने वालों का भविष्य भी खतरे में है। यहां तक कि घूमने आने वाले टूरिस्ट्स को भी परेशान किया जा रहा है। ट्रंप ने जन्मजात नागरिकता में भी बदलाव चाहते हैं। यह मामला अब अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट में है।

घटेगी सैलरी और मंदी की ओर जाएगा देश

अमेरिका अब उन लोगों के लिए कम आकर्षक होगा जो बहुत पढ़े-लिखे हैं और जिनके पास खास टैलेंट है। सॉफ्टवेयर और AI (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) जैसी फील्ड्स में अमेरिकी कंपनियों को अपना काम दूसरे देशों में भेजना पड़ेगा। इससे अमेरिका में नौकरियां कम हो जाएंगी। इमिग्रेंट्स के बिना अमेरिका में काम करने वालों की कमी हो जाएगी। इससे सैलरी और कीमतें बढ़ जाएंगी। चीजों की डिमांड भी कम हो जाएगी। यह सब मिलकर देश को मंदी की ओर ले जा सकता है।

अमेरिका में टैरिफ लगाना भी पड़ सकता है भारी

अमेरिका में लोग खूब खरीदारी करते हैं, क्योंकि वहां कीमतें कम हैं और कंपनियों को मुनाफा भी अच्छा होता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि सरकार टैक्स कम लगाती है। 2022 में अमेरिका में बाहर से आने वाले सामान पर टैक्स (import tariff) सिर्फ 1.5% था। ऑस्ट्रेलिया, यूरोपियन यूनियन (EU) और कनाडा में तो इससे भी कम टैक्स था। अमेरिका दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। उसका मुकाबला करने वाला चीन 3% से ज्यादा टैक्स लेता है। भारत में तो ये टैक्स 11.5% है। ऐसे में अमेरिका को खरीदारी का अड्डा माना जाता है।

टैरिफ और टैक्स में क्या हुआ बदलाव

ट्रंप मनमर्जी से टैक्स लगा देते हैं। अगर टैक्स ज्यादा होगा, तो अमेरिका में बाहर से आने वाली चीजें महंगी हो जाएंगी। जो चीजें देश में बनती हैं, उनके दाम भी बढ़ जाएंगे। अभी तो ये टैक्स सिर्फ कुछ चीजों पर ही लगा है, जैसे कार और स्टील। कहीं 10% तो कहीं 25%। मगर बाद में कीमतें बढ़ेंगी। 2 अप्रैल से अगर अमेरिका किसी देश से आने वाले सामान पर टैक्स लगाएगा, तो वो देश भी अमेरिका से जाने वाले सामान पर टैक्स लगाएगा। इससे हर चीज महंगी हो सकती है।

दुनिया भर में व्यापार एक मशीन की तरह चलता है। अचानक टैक्स लगाने से मशीन में अड़चन आ जाएगी। इसीलिए जब टैक्स की बात होती है, तो शेयर बाजार में हलचल मच जाती है। ट्रंप का मानना है कि टैक्स लगने से कंपनियां अमेरिका में ही फैक्ट्री लगाएंगी। हालांकि, इसमें कई साल लगेंगे। चीन से कम कीमत पर मुकाबला करना तो और भी मुश्किल है। सबसे ज्यादा नुकसान अमेरिका के लोगों को होगा, क्योंकि उन्हें चीजें महंगी मिलेंगी। अगर कीमतें बढ़ने से लोग कम चीजें खरीदेंगे, तो देश में मंदी भी आ सकती है।

क्लाइमेट चेंज से हटना भी बड़ी गलती

1970 के दशक में जब जलवायु परिवर्तन पर ध्यान देना शुरू हुआ, तब से अमेरिका ने इसमें बहुत बड़ी भूमिका निभाई है। अमेरिका ने 1970 में ' इनवायरमेंट प्रोटेक्शन एजेंसी बनाकर दुनिया को राह दिखाई। उसने 'Clean Air Act' जैसे कानून बनाए। जलवायु पर ज़रूरी रिसर्च में आगे रहा। 'UNFCCC' के ज़रिए अंतर्राष्ट्रीय सहयोग का एक नक्शा बनाया, जिससे 2015 में 'पेरिस एग्रीमेंट' पर बात बनी। मगर ट्रंप ने इस पेरिस समझौते से अमेरिका को अलग कर दिया।

ट्रंप की इस नीति का असर अमेरिका और कनाडा के 4 करोड़ से ज्यादा लोगों के पीने के पानी की क्वालिटी पर पड़ेगा। लोग खराब पानी पीने को मजबूर होंगे। 'डोगी' ने ईपीए के वकीलों को हटा दिया है, जिससे कारखानों से निकलने वाले गंदे पानी को रोकने वाला कोई नहीं है। अमेरिकी शहरों और प्राकृतिक जगहों पर फिर से धुंधला आसमान, गंदी नदियां, जहरीला कचरा और कारखानों का गंदा पानी दिखाई देगा। इससे जलवायु संकट और गहराएगा। गर्मी की लहरें, आग और बाढ़ आएँगी, जिससे अमेरिकियों की सेहत, रोज़गार, शहरों, बुनियादी ढांचे, पेड़-पौधों और जानवरों पर बुरा असर पड़ेगा।

द्वितीय विश्व युद्ध के बाद जीआई बिल के जरिये सैनिकों को कॉलेज भेजा गया था। आज भी मध्यम वर्ग और पहली पीढ़ी के छात्र कॉलेज जाना एक बड़ी उपलब्धि मानते हैं। अमेरिकी सरकारें हमेशा से उच्च शिक्षा को समर्थन देती आई हैं। इससे रिसर्च में आगे रहने, काम करने की क्षमता बढ़ने और लोगों के अपने घर होने जैसे फायदे होते हैं। मगर ट्रंप विश्वविद्यालयों को पहले जैसा सम्मान नहीं देते। उन्हें कम फंड दिए जा रहे हैं।

रिसर्च में पिछड़ सकता है अमेरिका

ट्रंप की यूनिवर्सिटी के प्रति उपेक्षा के भाव से छात्रों को कम स्कॉलरशिप मिलेंगी और रिसर्च कम होगा। टीचरों को बड़ी क्लास में पढ़ाना होगा। अगर विश्वविद्यालयों का महत्व कम हो गया, तो रिसर्च और डेवलपमेंट से लेकर नए कारोबार तक, हर चीज में अमेरिका पिछड़ सकता है। अच्छे कॉलेजों में एडमिशन मिलना, अमेरिका में अमीरी और जन्म के आधार पर बनने वाले 'नकली अभिजात वर्ग' को रोकने का एक तरीका रहा है। अगर ये तरीका कमजोर पड़ गया, तो समाज में बराबरी लाना मुश्किल हो जाएगा।

साइंस पर ट्रंप टेढ़ी नजर क्यों है

अमेरिका हमेशा से विज्ञान, तकनीक और शिक्षा को आगे बढ़ाने में विश्वास रखता है। इससे देश तरक्की करता है, लोगों का जीवन बेहतर होता है और भविष्य उज्ज्वल होता है। लेकिन आजकल वैज्ञानिक खोजों और रिसर्च के माहौल पर खतरा मंडरा रहा है। ट्रंप ने DEI (Diversity, Equity, and Inclusion) की समीक्षा के लिए सभी संघीय फंडिंग रोक दी। इसका असर वैज्ञानिक रिसर्च के लिए अच्छे लोगों की भर्ती पर पड़ा। दो स्वतंत्र वैज्ञानिक समीक्षा बोर्ड को भी भंग कर दिया गया।

ईपीए अपने वैज्ञानिक अनुसंधान कार्यालय को बंद करने की योजना बना रहा है। EPA 1,000 से ज़्यादा वैज्ञानिकों और कर्मचारियों को नौकरी से निकालने वाला है।

ये लोग वैज्ञानिक आधार तैयार करने में मदद करते हैं। सभी वीज़ा कार्यक्रमों का मूल्यांकन किया जा रहा है। इससे STEM (Science, Technology, Engineering, and Mathematics) के क्षेत्र में काम करने वाले लोगों पर सीधा असर पड़ेगा। विज्ञान पर ध्यान केंद्रित करने वाले संघीय रिसर्च और शैक्षणिक कार्यक्रमों के बजट में कटौती की जा रही है। अमेरिका में विज्ञान और तकनीक को आगे बढ़ाने के प्रयासों को झटका लग रहा है। फंडिंग में कटौती और संस्थानों को बंद करने से रिसर्च और विकास पर बुरा असर पड़ रहा है। इससे देश की तरक्की और लोगों के जीवन में सुधार की गति धीमी हो सकती है।

खतरनाक प्रदूषण का नया फंडा

डॉ टी महादेव राव

भैया! मैने इस बीच पाया है कि एक नया किंतु खतरनाक प्रदूषण फैला हुआ है जो लोगों में उनकी जानकारी के बिना प्रवेश कर तहलका मचा रहा है। छोटू! टीवी समाचारों के एंकरों की तरह वायु प्रदूषण के लिए इतने सारे विशेषण लगाओगे तब भी रोचकता पैदा नहीं कर पाओगे। शीत काल है तो धुआं, धूल, वाहनों और फैक्ट्रियों के अवशिष्ट भरे धुएं से सारा वातावरण वायु प्रदूषित हो जाता है, सभी जानते हैं। तभी न हम लोग मास्क पहने घूम रहे हैं।

भैया! आपको मेरी बीवी रूपा की तरह सब्र बिल्कुल नहीं। मैं भूमिका बढ़िया बाँधूंगा सोचकर शुरू होता हूं तो आप हवा निकाल देते हैं।

तू जानता है मैं भी रूपा की तरह बकवास सुनने का आदी नहीं हूं। आपको आज के भारतीय संस्कारों का पता नहीं है। तभी आप इतने बेसब्र हुए जा रहे हैं। संस्कार क्या बदल गए सारे परिवर्तनों के साथ? एक समय था जब धर्म निरपेक्षता और साम्यवाद हमारे विचारों का हिस्सा थीं और हम बड़े मजे में थे। अब तो सारी सोच संकीर्ण हो गई। हम अपने साए से भी डरने लगे। सारे विचार बौने हो गए।

वही कहना चाह रहा था मैं। विचारों का प्रदूषण। इतना बढ़ गया है कि यह जल, वायु, ध्वनि प्रदूषणों से अधिक बलवान हो उठा है। अंग्रेजी में ब्रेन वाश शब्द इस वैचारिक प्रदूषण के लिए सही बैठता है। पहले हम एक थे सारे। अब मजहबों में, कुनबों में, मोहल्लों में, पूजा स्थलों में बंट गए। यह प्रदूषित विचारों का तूफान खतरा है मानव जीवन के लिए। तो ऐसे बोलना छोटू। इसके साथ राजनीतिक विष मिलकर लोगों को दिशाहीन और संकीर्ण बना रहा है। बड़े बड़े नेताओं को यह मुगालता हो गया है कि उन्होंने जो बांटने की नीति अपनाई है, वही उनका विजय रहस्य है।

बस लंबे समय से उसी पथ पर अग्रसर हुए जा रहे हैं। छोटा हो या बड़ा, हर नेता बस संविधान के दो शब्दों धर्मनिरपेक्षता और साम्यवाद से भय खा रहे हैं। उन्हें भूत बताकर विपक्ष को गरिया रहे हैं। इस तरह अनजाने में जनता अपना ब्रेन वाश करवा रही है। भेड़ों की तरह बस झुंड में चली जा रही है। मुफ्त की रेवड़ियां खाकर जिए जा रही है।

और जन मानस ब्रेन वाश यानी दिमाग धोवन से बचें तब न सोच पाएंगे नया या जो मूल सोच है उसे सुरक्षित रख पाएंगे। सारा कुछ अपनी अनर्गल और बरगलाती संवेदनशील बातों से राजनीतिक ज़हर सारे प्रदूषणों का बाप साबित हो रहा है। इससे बचने की जरूरत है भैया!

नशेड़ियों की तरह हर बात में हां में हां मिलाना और बेवजह डर से जब तक अपने आप को अलग नहीं कर लिया जाएगा और व्यापक और वैज्ञानिक दृष्टिकोण जब तक नहीं अपनाया जायेगा, बदलाव नहीं हो सकता।

श्रीकृष्ण की सीख- बड़ों का आशीर्वाद लेकर काम शुरू करें

महाभारत युद्ध शुरू होने से ठीक पहले युधिष्ठिर कौरव सेना की ओर जाने लगे तो सभी पांडव डर गए थे

महाभारत युद्ध शुरू होने वाला था। कौरव और पांडवों की सेनाएं आमने-सामने खड़ी थीं। युद्ध शुरू होने से ठीक पहले पांडवों के बड़े भाई युधिष्ठिर ने अपने अस्त्र-शस्त्र रथ पर रख दिए। युधिष्ठिर अपने रथ से नीचे उतरे और पैदल ही कौरव सेना की ओर चल दिए।

युधिष्ठिर को कौरव पक्ष की ओर जाते देखकर भीम और अर्जुन ने पूछा कि भैया आप कहां जा रहे हैं?

युधिष्ठिर ने भीम-अर्जुन की बात सुनी, लेकिन कोई जवाब नहीं दिया। सभी पांडव डर गए और सभी को ऐसा लगने लगा कि कहीं युधिष्ठिर कौरवों के सामने समर्पण न कर दें। भीम-अर्जुन ने श्रीकृष्ण से कहा कि आप भैया को रोकिए, कहीं भैया युद्ध से पहले ही आत्म समर्पण न कर दें। कौरव सेना के लोग भी आपस में बात करने लगे कि धिक्कार है युधिष्ठिर पर, अभी तो युद्ध शुरू भी नहीं हुआ और ये समर्पण करने आ रहे हैं। कोई समझ नहीं पा रहा था कि युधिष्ठिर आखिर क्या करने वाले हैं?

श्रीकृष्ण ने अर्जुन से कहा कि मैं जानता हूं, भैया क्या करने जा रहे हैं, आप सभी कुछ देर धैर्य रखें, विचलित न हों।

युधिष्ठिर कौरव पक्ष में भीष्म पितामह के सामने पहुंच गए और हाथ जोड़कर खड़े हो गए। दूर से देखने पर सभी को ऐसा लग रहा था कि युधिष्ठिर ने भीष्म पितामह के सामने आत्मसमर्पण कर दिया है। युद्ध से पहले ही पराजय स्वीकार कर ली है, लेकिन सच्चाई ये नहीं थी।

दरअसल युधिष्ठिर ने हाथ जोड़कर भीष्म से कहा था कि पितामह आज्ञा दीजिए ताकि हम आपके विरुद्ध युद्ध कर सके। भीष्म पितामह युधिष्ठिर की इस बात से बहुत प्रसन्न हुए।

भीष्म ने प्रसन्न होकर कहा कि अगर तुमने आज्ञा नहीं मांगी होती तो मैं क्रोधित हो जाता, लेकिन तुम आज्ञा मांग रहे हो, इससे मैं बहुत खुश हूं। मैं तुम्हें विजयश्री का आशीर्वाद देता हूं।

दूसरी ओर श्रीकृष्ण ने पांडवों को समझाया कि शास्त्रों में लिखा है- जब भी कोई बड़ा काम करो तो सबसे पहले घर के बड़ों का आशीर्वाद और अनुमति लेनी चाहिए। तभी विजय मिलती है। युधिष्ठिर यही काम करने गए हैं।

भीष्म के बाद युधिष्ठिर द्रोणाचार्य के पास पहुंचे और उन्हें प्रणाम करके युद्ध करने की अनुमित मांगी। द्रोणाचार्य ने कहा कि मैं बहुत प्रसन्न हूं और मैं तुम्हें आशीर्वाद देता हूं कि तुम्हारी विजय हो।

प्रसंग की सीख

इस किस्से से हमें दो सीख मिलती है। पहली, ये कि हम जब भी कोई बड़ा काम शुरू करें तो सबसे पहले घर के बड़ों का आशीर्वाद लेना चाहिए। दूसरी सीख ये है कि कभी भी जो दिखाई दे रहा है, उसे सच न मानें। जब तक पूरी बात नहीं मालूम होती है, तब तक किसी नतीजे पर नहीं पहुंचना चाहिए।

चैत्र अमावस्या पर राशि अनुसार किन चीजों का करें दान?

हिन्दू धर्म में चैत्र अमावस्या का विशेष महत्व है। यह दिन पितरों को समर्पित है और इस दिन किए गए कर्म पितरों को शांति प्रदान करते हैं। चैत्र अमावस्या पर पितरों का तर्पण करना बहुत शुभ माना जाता है। ऐसा माना जाता है कि इस दिन तर्पण करने से पितरों को मोक्ष की प्राप्ति होती है। इस दिन लोग अपने पूर्वजों को जल, तिल, और अन्न अर्पित करते हैं। चैत्र अमावस्या के दिन दान-पुण्य करने से विशेष लाभ मिलता है। इसलिए दिन लोग गरीब और जरूरतमंद लोगों को भोजन, वस्त्र, और धन दान करते हैं। इस दिन अगर राशि अनुसार कुछ चीजों का दान किया जाए तो साल भर पितृ देवता प्रसन्न रहते है। आइए उज्जैन के आचार्य आनंद भारद्वाज से जानते इस दिन 12 राशियों के लिए कौनसा दान शुभ।

कब मनाई जाएगी चैत्र अमावस्या

वैदिक पंचांग के अनुसार, चैत्र अमावस्या या भूतड़ी अमावस्या तिथि 28 मार्च को रात 07 बजकर 55 मिनट से शुरू होगी और अगले दिन यानी 29 मार्च की शाम 04 बजकर 27 मिनट पर इसका समापन होगा। ऐसे में उदया तिथि के अनुसार, 29 मार्च को चैत्र अमावस्या मनाई जाएगी।

राशि अनुसार करे इन चीजों का दान

मेष राशि– मेष राशि के जातकों को चैत्र अमावस्या पर गेहूं का दान करना शुभ फल देने वाला है।

वृषभ राशि – वृषभ राशि के जातक चैत्र अमावस्या के दिन अगर पर सफेद वस्त्र का दान करें।तो साल भर पितरो का आशीर्वाद बना रहेगा

कर्क राशि – कर्क राशि के जातक चैत्र अमावस्या पर चावल या सफ़ेद वस्त्रो का दान करना चाहिए

सिंह राशि – सिंह राशि के जातक चैत्र अमावस्या पर गेहूं और मूंग दाल का दान करने से पितृ दोष से मुक्ति मिल सकती है।

कन्या राशि– कन्या राशि के जातक चैत्र अमावस्या पर हरी सब्जी के साथ हरे फलो का दान करना बेहद लाभकारी है।

तुला राशि – तुला राशि के जातकों के लिए चैत्र अमावस्या पर चूड़ा और चीनी का दान करना शुभ होगा।

वृश्चिक राशि – इस राशि के जातक चैत्र अमावस्या पर लाल रंग के वस्त्र का दान करना अति शुभ होगा।

धनु राशि – धनु राशि के जातक चैत्र अमावस्या पर जौ, पके केले, घी का दान करने से साल भर पितरो का आशीर्वाद बना रहेगा।

मकर राशि – मकर राशि के जातक चैत्र अमावस्या पर काले तिल का दान करना अत्यंत शुभ माना गया है।

कुंभ राशि– कुंभ राशि के जातक पितरो का आशीर्वाद पाने के लिए चैत्र अमावस्या पर चमड़े के जूते और चप्पल का दान करना चाहिए।

मीन राशि – मीन राशि वाले चैत्र अमावस्या के दिन पीले या नीले रंग के कपड़े का दान करने से पितृ महाराज प्रसन्न होंगे।

पितृ दोष से मुक्ति दिलाने से लेकर आपकी किस्मत बदल सकता है एक चुटकी नमक

वैदिक ज्योतिष में नमक सिर्फ खाने का एक साधारण पदार्थ नहीं है, बल्कि इसका आध्यात्मिक और ज्योतिषीय महत्व भी है। अगर घर में नकारात्मक शक्तियां होती हैं, तो हर काम बिगड़ने लगता है, परिवार के लोग बार-बार बीमार पड़ते हैं साथ ही आर्थिक समस्याएं भी बढ़ने लगती हैं। ऐसे में घर में रखा नमक आपकी बहुत मदद कर सकता है क्योंकि यह सभी नकारात्मक शक्तियों को दूर कर देता है। अगर नमक को सही तरीके से इस्तेमाल किया जाए, तो न सिर्फ नकारात्मक ऊर्जा खत्म होती है, बल्कि जीवन की कई समस्याओं से भी राहत मिलती है।

नमक के चमत्कारी उपाय

घर में समृद्धि के लिए: जिस डिब्बे में नमक रखते हैं, उसमें दो-चार लौंग डाल दें। इससे घर में बरकत बनी रहेगी और भोजन कभी कम नहीं पड़ेगा।

नकारात्मक ऊर्जा दूर करने के लिए: घर में पोछा लगाते समय पानी में थोड़ा सा नमक मिला लें। इससे नकारात्मक ऊर्जा खत्म होगी और तनाव दूर रहेगा।

बीमारी से राहत के लिए: लंबे समय से बीमार व्यक्ति के सिरहाने कांच की कटोरी में थोड़ा सा नमक रखें और हर कुछ दिनों में पुराने नमक को बहते पानी में प्रवाहित कर दें।

पितृ दोष से मुक्ति के लिए: अमावस्या के दिन नमक का दान करने से पितरों की आत्मा को शांति मिलती है। यदि संभव हो तो अनाज और सब्जियों के साथ नमक भी दान करें।

बार-बार लग रही नजर तो करें ये उपाय

अगर आपको या छोटे बच्चों को बार-बार नजर लगती है, तो सेंधा नमक और थोड़ी सी राई मिलाकर एक मिश्रण बना लें। जिसे नजर लगी हो, उसके सिर से एंटी-क्लॉकवाइज सात बार घुमाएं। फिर इसे फ्लश में बहा दें या किसी नदी में प्रवाहित कर दें। यह उपाय तुरंत असर करता है और नजर दोष को समाप्त कर देता है।

वास्तु दोष दूर करने के लिए

अगर आपके घर में कोई वास्तु दोष है तो एक कांच के कंटेनर में सेंधा नमक भरकर बाथरूम में रख दें। यह घर की नकारात्मक ऊर्जा को सोख लेगा। हर 7-10 दिन में इसे बदलें और पुराने नमक को घर से बाहर फेंक दें।

बुरे सपने आते हैं?

अगर आपको रात में बुरे सपने आते हैं, तो सोते समय तकिए के नीचे नमक का एक टुकड़ा रख लें। इससे अच्छी नींद आएगी और नकारात्मक ऊर्जा दूर होगी।

भारत का एकमात्र ऐसा माता मंदिर जहां दो भैरव की स्थापना

सूर्य की किरणें करती है चरण स्पर्श

अनोखी संरचना मंदिर की प्राचीनता और इसकी दिव्यता को दर्शाती है।

सूर्य किरणें करती हैं माता को नमन

मंदिर प्रांगण में मां महामाया के सामने समलेश्वरी माता की स्थापना की गई है। मान्यता के अनुसार, चैत्र और क्वार नवरात्रि से 15 दिन पूर्व सूर्योदय के समय सूर्य की किरणें समलेश्वरी माता के चरणों को स्पर्श करती हैं और सूर्यास्त के समय ये किरणें मां महामाया को नमन करती हुई दिखाई देती हैं। यह दृश्य मंदिर की अद्भुत आध्यात्मिक ऊर्जा को प्रमाणित करता है।मंदिर परिसर में स्थित स्वयंभू हवन कुंड का उल्लेख भी विशेष रूप से किया जाता है। मान्यता है कि एक बार तेज बारिश के दौरान यहां बिजली गिरने से गड्ढा बन गया, जिसे बाद में हवन कुंड का रूप दे दिया गया। नवरात्रि के दौरान विशेष हवन इसी पवित्र कुंड में किया जाता है।

11 वीं शताब्दी का ऐतिहासिक मंदिर

महामाया मंदिर 11वीं शताब्दी में है यवंशी राजाओं द्वारा निर्मित किया गया था। इसकी भव्य वास्तुकला और धार्मिक मान्यताएं इसे छत्तीसगढ़ के प्रमुख शक्ति पीठों में शामिल करती हैं। मंदिर परिसर में विभिन्न देवी-देवताओं के विग्रह स्थापित हैं, जो इसकी धार्मिक महत्ता को और बढ़ाते हैं।

नवरात्रि में विशेष आयोजन

चैत्र नवरात्रि के दौरान महामाया मंदिर में विशेष अनुष्ठान, हवन और भव्य आरती का आयोजन किया जाता है। इस दौरान भक्तों की विशाल भीड़ मंदिर में माता के दर्शन और आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए उमड़ती है। महामाया मंदिर न केवल श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र है, बल्कि इसकी पौराणिकता और ऐतिहासिकता इसे छत्तीसगढ़ के सबसे प्राचीन और महत्वपूर्ण मंदिरों में शामिल करती है।

राजधानी स्थित महामाया मंदिर की ऐतिहासिक और पौराणिक मान्यताएं इसे छत्तीसगढ़ के सबसे महत्वपूर्ण शक्ति स्थलों में से एक बनाती हैं। देवी पुराण के अनुसार, महामाया मां को महाकाली, महालक्ष्मी और महासरस्वती के रूप में पूजा जाता है। मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष व्यास तिवारी बताते हैं कि मंदिर के गर्भगृह में स्थापित विग्रहों का क्रम अलग है। यहां महाकाली बीच में, महालक्ष्मी और महासरस्वती उनके दोनों ओर स्थापित हैं।

महामाया मंदिर की सबसे अनूठी विशेषता यह है कि पूरे भारत में यह एकमात्र देवी मंदिर है। जहां दो भैरव, बटुक भैरव और काल भैरव की स्थापना की गई है। यह इस मंदिर की पौराणिकता और प्रामाणिकता को दर्शाता है।

तीनों विग्रहों के तिरछे होने का रहस्य

मंदिर में स्थित महाकाली, महालक्ष्मी और महासरस्वती के विग्रहों की संरचना तिरछी है। दर्शनार्थियों को एक साथ तीनों विग्रहों के दर्शन नहीं होते है। बल्कि केवल दो ही देवी के दर्शन होते हैं। यह

क्या आप भी खाते हैं जूठा या बासी खाना? आज ही सुधार लें ये आदत

आपने कई बार देखा होगा कि कुछ महिलाएं बचा हुआ खाना फेंकने की बजाय खुद खा लेती हैं, लेकिन ज्योतिष शास्त्र में इसे बहुत गलत माना गया है। ज्योतिष आचार्य कहते हैं कि हमें कभी भी किसी का जूठा खाना नहीं खाना चाहिए।

झारखंड की राजधानी रांची के ज्योतिष आचार्य संतोष कुमार चौबे ऐसा करने से व्यक्ति का औरा खराब होता है और वह दूसरे की नकारात्मक ऊर्जा को अपने ऊपर ले लेता है।

ऐसा करने से आपका राहु ग्रह खराब होता है। राहु के खराब होने से मन में बेवजह के नकारात्मक विचार, उलझन और टेंशन बढ़ जाती है।

सब कुछ होते हुए भी आप हमेशा परेशान रहेंगे और खुद ही अपनी समस्याओं का जाल बुनेंगे। जब आप जूठा खाना खाते हैं, तो आप किसी और की नकारात्मक ऊर्जा को अपने भीतर ले लेते हैं।

इससे आपका औरा खराब होता है और नजर जल्दी लगती है। आपकी पॉजिटिव एनर्जी भी खराब हो जाती है, जिससे डिप्रेशन और चिंता जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

ऐसी संतान का जन्म बनाता है धनवान ! आपस में जुड़ी होती है माता-पिता और बच्चे की कुंडली

क्या सभी लोगों की जन्म कुंडली एक जैसी होती है? क्या उनके जीवन में घटनाएं और चुनौतियां एक जैसी आती हैं? नहीं, हर व्यक्ति की कुंडली अलग होती है और जीवन में घटनाएं भी अलग-अलग होती हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि माता-पिता की कुंडली का संतान की कुंडली से गहरा संबंध होता है? दरअसल, माता-पिता के ग्रहों की स्थिति यह तय करती है कि संतान उनके जीवन में सुख और समृद्धि लेकर आएगी या चुनौतियां।

माता-पिता और संतान का त्रिकोण

माता-पिता और संतान के जन्म चार्ट आपस में जुड़े होते हैं। जैसे ही कोई संतान जन्म लेती है, माता-पिता के जीवन में भी बदलाव आने लगते हैं। कुछ माता-पिता कहते हैं कि उनके बच्चे के जन्म के बाद उनके जीवन में सुख-समृद्धि बढ़ गई, उनका घर-परिवार फलने-फूलने लगा। वहीं, कुछ माता-पिता को लगता है कि बच्चे के जन्म के बाद उनकी परेशानियां बढ़ गईं, नौकरी चली गई, दुर्घटनाएं होने लगीं।

यह क्यों होता है?

हर आत्मा अपने पिछले जन्मों के कर्मों का हिसाब लेकर आती है। अगर माता-पिता के कर्म किसी आत्मा के साथ जुड़े होते हैं, तो उनके जीवन में भी उस संतान के आने से बदलाव आता है। कभी-कभी संतान की कुंडली माता-पिता की कुंडली के ग्रहों से मेल नहीं खाती, जिससे संघर्ष और परेशानियां बढ़ जाती हैं।

संतान की कुंडली में ग्रहों का प्रभाव

सूर्यः पिता का कारक होता है। अगर किसी संतान की कुंडली में सूर्य आठवें या बारहवें घर में हो, तो पिता को संघर्ष, आर्थिक नुकसान या नौकरी में परेशानी हो सकती है।

चंद्रमाः माता का कारक होता है। अगर चंद्रमा कमजोर हो, तो माता को मानसिक तनाव या स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं हो सकती हैं।

केतुः पुत्र का कारक होता है। केतु माता-पिता की कुंडली में खराब स्थिति में हो, तो पुत्र को जीवन में अनेक संघर्षों का सामना करना पड़ सकता है।

बुधः पुत्री का कारक होता है। अगर माता-पिता की कुंडली में बुध कमजोर हो, तो उनकी बेटियों को शिक्षा, विवाह या करियर में बाधाएं आ सकती हैं।

कुंडली के संतुलन का महत्व

अगर माता-पिता की कुंडली में केतु और बुध को ठीक कर लिया जाए, तो संतान की समस्याएं भी अपने आप कम होने लगती हैं। इसके लिए ज्योतिषीय उपाय किए जा सकते हैं। आइए जानते हैं उपाय।

केतु के दोष को दूर करने के लिएः गणपति पूजा, केतु मंत्र जप, घर में वास्तु दोष का निवारण।

शार्प माइंडेड होते हैं इस लेटर के जातक इनकी लव लाइफ भी होती है बेहद रोमांटिक

H नाम वाले लोगों का स्वभाव

H अक्षर से जिन लोगों का नाम शुरू होता है, वे आमतौर पर बेहद मिलनसार होते हैं। ऐसे लोग अपनी नेचुरल अट्रेक्शन और सिम्लीसिटी के कारण दूसरों से जल्दी जुड़ जाते हैं। उनकी इस क्षमता से उन्हें नए दोस्त बनाने और सोशल रिलेशन बनाने में कोई परेशानी नहीं होती। H नाम वाले लोग अपने रिश्तों को सम्मान देते हैं और उनका ध्यान रखते हैं।

H नाम वाले लोग लव लाइफ में कैसे होते हैं?

H नाम वाले लोगों का रोमांटिक जीवन भी बहुत खास होता है। इनका व्यक्तित्व बहुत आकर्षक और रोमांटिक होता है। वे अपने पार्टनर को हमेशा स्पेशल महसूस करवाने की कोशिश करते हैं। इनकी सबसे बड़ी खूबी यह होती है कि ये अपने पार्टनर के रूठने पर उन्हें बहुत अच्छे से मनाते हैं और रिश्ते में खुशियां बनाए रखते हैं। यह लोग अपने प्रेम संबंधों को पूरी तरह से समझने और निभाने में माहिर होते हैं। **H नाम वाले लोग दिमागी तौर पर कैसे होते हैं?**

H अक्षर से नाम वाले लोग मानसिक रूप से बहुत तेज होते हैं। उनकी मेमोरी अच्छी होती है और वे जो कुछ भी सीखते हैं या पढ़ते हैं, उसे लंबे समय तक याद रखते हैं। उनका दिमाग बहुत जल्दी चीजों को पकड़ने की क्षमता रखता है, जिससे वे किसी भी कार्य में जल्दी और प्रभावी तरीके से सफलता प्राप्त कर सकते हैं। यह लोग अपनी पढ़ाई में भी अच्छे परिणाम प्राप्त करते हैं।

H नाम वाले लोग कैसा काम करते हैं?

H नाम वाले लोग अपने कार्यों में ईमानदारी और समर्पण दिखाते हैं। ये अपनी मेहनत और लगन से किसी भी काम को अच्छे से कर लेते हैं। उनका कार्यक्षेत्र चाहे जो भी हो, वे उसमें सफलता प्राप्त करने के लिए हमेशा अपने कर्तव्यों का पालन करते हैं। यही कारण है कि वे जो भी काम करते हैं, उसमें उन्हें सफलता मिलती है।

जिंदगी जीने के तरीके को लेकर तमन्ना भाटिया का बड़ा खुलासा

बोलीं- मैं काफी पर्सनल हूं

बॉलीवुड अभिनेत्री तमन्ना भाटिया और उनके कथित बॉयफ्रेंड विजय वर्मा को लेकर ब्रेकअप की अफवाहों के बीच अब अभिनेत्री ने अपनी निजी जिंदगी जीने के तरीकों के बारे में खुलकर बात की और बताया की उनका निजी जीवन उनके लिए काफी पर्सनल है।

बॉलीवुड अभिनेत्री तमन्ना भाटिया अपनी खूबसूरती और बेबाकी के लिए जानी जाती हैं। अपने कथित बॉयफ्रेंड विजय वर्मा से ब्रेकअप की अफवाहों के बाद अब तमन्ना भाटिया ने अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर कुछ खुलासे किए हैं, जो उनके लिए काफी निजी तौर पर मायने रखते हैं। कथित तौर पर तमन्ना भाटिया और विजय वर्मा के बारे में यही खबरें आ रही थीं कि वे कुछ समय तक एक-दूसरे के साथ रिश्ते में रहने के बाद अब अलग हो गए हैं। हालांकि, अभी तक दोनों में से किसी ने भी इस बात की पुष्टि नहीं की है। लोगों का कहना है कि तमन्ना शादी करना चाहती थीं, लेकिन विजय अपने करियर पर ध्यान देना चाहते थे।

न्यूज 18 की एक खबर के मुताबिक, तमन्ना ने हाल ही में अपनी निजी जिंदगी के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि वह अपनी निजी बातों को सबसे छुपाकर रखती हैं और केवल वही बताती हैं, जो उन्हें ठीक लगता है। जब उनसे पूछा गया कि वह अपनी निजी जिंदगी को कैसे छुपाती हैं, तो उन्होंने कहा कि उन्हें लोगों से मिलना-जुलना पसंद है। वह एयरपोर्ट पर भी फैंस के साथ खुशी-खुशी तस्वीरें खिंचवातीं हैं। उनका कहना है कि उन्होंने यह काम चुना है और उन्हें लोगों के बीच रहना अच्छा लगता है।

तमन्ना को अजनबियों से बात करना भी पसंद है। उनका मानना है कि इससे उन्हें गहरी बातचीत करने का मौका मिलता है। वह कहती हैं कि वह अपनी जिंदगी के बारे में जितना बताना चाहती हैं, उतना ही बताती हैं और उन्हें इससे कोई परेशानी नहीं है।

तमन्ना ने 2005 में फिल्म 'चांद सा रोशन चेहरा' से अपने करियर की शुरुआत की थी। उनका कहना है कि हर अच्छे-बुरे पल ने उन्हें कुछ सिखाया और आगे बढ़ने में मदद की है।

शनाया कपूर ने साझा की फिल्म 'आंखों की गुस्ताखियां' के सेट से तस्वीर

विक्रांत भी आए नजर

फिल्मी दुनिया में कदम रखने को तैयार शनाया कपूर सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। वो आए दिन अपनी तस्वीरें अपने फैंस के साथ साझा करती रहती हैं। अब अभिनेत्री ने एक बार फिर अपनी एक फिल्म के सेट से एक तस्वीर साझा की है।

बॉलीवुड में एंट्री को तैयार एक और स्टारकिड शनाया कपूर, जो अभिनेता संजय कपूर की बेटी हैं और अनिल कपूर की भतीजी हैं। हालांकि, शनाया कपूर का डेब्यू अभी तक बॉलीवुड में हुआ भी नहीं है, लेकिन उनके पास सिर्फ एक नहीं बल्कि कई फिल्में हैं। जिनमें से किसी का टीजर जारी हो चुका है, तो किसी की शूटिंग पूरी हो चुकी है, जबकि किसी की शूटिंग चल रही है। बॉलीवुड में एंट्री से पहले शनाया सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। अब शनाया ने अपनी फिल्म 'आंखो की गुस्ताखियां' की शूटिंग के दौरान की एक थ्रोबैक फोटो अपने इंस्टाग्राम पर साझा की है।

विक्रांत के साथ साइकिल पर बैठी नजर आईं शनाया

शनाया कपूर की फिल्म 'आंखों की गुस्ताखियां' लगातार चर्चा में बनी हुई है। शनाया अक्सर ही फिल्म की थ्रोबैक फोटोज अपने फैंस के साथ इंस्टाग्राम पर साझा करती रहती हैं। अब शनाया ने एक बार फिर फिल्म के सेट से एक पुरानी तस्वीर साझा की है। इस तस्वीर में शनाया फिल्म 'आंखों की गुस्ताखियां' के अपने लीड एक्टर विक्रांत मेसी के साथ एक साइकिल पर बैठी नजर आ रही हैं। इस तस्वीर में शनाया महरून कलर की जींस और ब्लैक जैकेट में नजर आ रही हैं, जबकि शनाया के पीछे साइकिल पर बैठे विक्रांत ब्लू जींस और ब्लैक जैकेट में नजर आ रहे हैं। विक्रांत अपनी पीठ पर एक बैग भी टांगे हुए हैं। तस्वीर को साझा करते हुए शनाया ने कैप्शन दिया है, "फ्रोजेन मेमोरीज" कुछ इमोजी के साथ शनाया कपूर ने हैशटैग में शॉर्ट में आंखों की गुस्ताखियां भी लिखा है।

'आंखों की गुस्ताखियां' की शूटिंग हो चुकी है पूरी

शनाया अपनी फिल्म 'आंखों की गुस्ताखियां' की शूटिंग पूरी कर चुकी हैं, जिसकी जानकारी उन्होंने एक इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए दी थी। हालांकि, फिल्म कब रिलीज होगी इसके बारे में अभी कोई जानकारी नहीं है। शनाया अक्सर ही फिल्म से जुड़ी तस्वीरें अपने सोशल मीडिया पर साझा करती रहती हैं।

इन फिल्मों में भी नजर आएंगी शनाया

आंखों की गुस्ताखियां के अलावा शनाया के खाते में दो और फिल्में भी हैं। जिनमें एक बेजॉय नांबियार द्वारा निर्देशित 'तू या मैं' है जिसका टीजर पिछले दिनों रिलीज हुआ था। इसके अलावा शनाया निर्देशक शुजात सौदागर की एक फिल्म में भी नजर आएंगी, जिसकी शूटिंग शुरू हो चुकी है। हालांकि, फिल्म का टाइटल अभी तक तय नहीं है।

अक्षय कुमार से लेकर शिल्पा शेट्टी तक इन सितारों ने बदले अपने नाम

इंडस्ट्री में खूब कमाया नाम

बॉलीवुड के कई सितारों ने बॉलीवुड में एंट्री करने से पहले अपने नाम बदले हैं। इन लोगों ने या तो अपनी किस्मत पर भरोसा करके ऐसा किया या फिर इन्होंने इंडस्ट्री में खुद को अलग दिखाने की वजह से ऐसा किया। अक्षय कुमार से लेकर शिल्पा शेट्टी तक कई मशहूर हस्तियों ने इंडस्ट्री में कदम रखने से पहले अपने नए नाम हासिल किए।

अक्षय कुमार

अक्षय कुमार का नाम पहले राजीव हरी ओम बिरला था। लेकिन उन्होंने 1987 में आई फिल्म 'आज' में अदाकारी करने के बाद अपना नाम बदल लिया।

कियारा आडवाणी

कियारा आडवाणी ने 2014 में एक्टिंग में डेब्यू करने से पहले ही अपना नाम आलिया से कियारा कर लिया। बॉलीवुड में पहले से ही आलिया नाम का एक मशहूर चेहरा था।

अजय देवगन

अजय देवगन का असली नाम विशाल वीर देवगन था। अजय देवगन ने इसलिए अपना नाम बदल लिया, ताकि लोगों को उनके नाम में कोई कंफ्यूजन न हो क्योंकि जिस वक्त अजय देवगन इंडस्ट्री में कदम रखने जा रहे थे उसी वक्त विशाल नाम का एक दूसरा कलाकार इंडस्ट्री में एंट्री करने वाला था।

शिल्पा शेट्टी

शिल्पा शेट्टी ने एक ज्योतिषि की बात मानी इसलिए उन्होंने अपना नाम बदल लिया। शिल्पा शेट्टी कुंद्रा का नाम पहले अश्विनी शेट्टी था। शिल्पा ने मॉडलिंग और एक्टिंग में नाम कमाने के लिए ऐसा किया।

टाइगर श्रॉफ

टाइगर श्रॉफ का नाम पहले हेमंत श्रॉफ था। लोग उन्हें प्यार से टाइगर बुलाते थे। जब उन्होंने बॉलीवुड में कदम रखा तो उन्होंने अपने उपनाम को असली नाम के तौर पर अपना लिया।

अभिनेताओं का बॉडी ट्रांसफॉर्मेशन देख चौंक गए फैंस

किरदार में ढलने के लिए की हदें पार

बॉलीवुड में कई अभिनेता ऐसे हैं जो अपने किरदार में ढलने के लिए जीतोड़ मेहनत करते हैं। अपने किरदार को जीवंत बनाने के लिए वो किसी भी हद तक गुजर जाते हैं। जानते हैं कुछ ऐसे एक्टर्स के बारे में जिन्होंने अपने किरदार के लिए किया गजब बॉडी ट्रांसफॉर्मेशन।

अभिनेता रणदीप हुड्डा इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'जाट' को लेकर चर्चाओं में बने हुए हैं। फिल्म में उनका खूंखार लुक लोगों में उत्साह बढ़ा रहा है। तो वहीं फिल्म में अपने लुक के लिए रणदीप हुड्डा ने काफी मेहनत की है। उन्होंने अपने वजन को बढ़ाने से लेकर अपनी आवाज पर भी काफी मेहनत की है। इसी का नतीजा है कि रणदीप हुड्डा का लुक सामने आते ही इसे लेकर लोगों में उत्साह काफी बढ़ गया है। वैसे ये पहली बार नहीं है जब किसी एक्टर ने अपने किरदार के लिए काफी मेहनत की हो और फिजिकल ट्रांसफॉर्मेशन किया हो। इससे पहले खुद रणदीप हुड्डा से लेकर बॉलीवुड के कई अभिनेताओं ने अपने किरदार के लिए गजब का जज्बा दिखाया है और फिजिकल ट्रांसफॉर्मेशन किया है। जानते हैं कुछ ऐसे ही अभिनेता और उनके किरदारों के बारे में।

रणदीप हुड्डा (सरबजीत और वीर सावरकर)

जाट के रणतुंगा के किरदार से पहले भी रणदीप हुड्डा फिल्म 'सरबजीत' और 'वीर सावरकर' के अपने किरदार के लिए गजब का फिजिकल ट्रांसफॉर्मेशन कर चुके हैं। साल 2016 में आई फिल्म 'सरबजीत' में रणदीप हुड्डा ने पाकिस्तान में बंद एक भारतीय व्यकित का किरदार निभाया था, जो गलती से बॉर्डर पार करके पाकिस्तान चला जाता है और उसे वहां पकड़ लिया जाता है। जिसके बाद जासूस समझकर उसे जेल में डाल दिया जाता है। फिल्म सच्ची घटना पर आधारित थी। इस फिल्म में दुबला दिखने के लिए रणदीप हुड्डा ने अपना 18 किलो वजन कम किया था, वो भी एक महीने के अंदर। रिपोर्ट्स के मुताबिक, रणदीप ने सिर्फ 28 दिनों में 18 किलो वजन कम किया था। इस दौरान उनकी डाइट से कैलोरी और कार्बोहाइड्रेट वाले फूड्स बिल्कुल कम कर दिया गया था। वो सिर्फ प्रोटीन डाइट पर ध्यान देते थे। अपने गजब ट्रांसफॉर्मेशन से रणदीप ने सभी को हैरान कर दिया था। ये उनके करियर की सबसे बेहतरीन परफॉर्मेंस में से एक मानी जाती है।

सरबजीत जैसा ही ट्रांसफॉर्मेशन रणदीप हुड्डा ने 2024 में आई फिल्म 'वीर सावरकर' में भी किया था। इस फिल्म में सावरकर के काला पानी की सजा के दौरान दुबले होने के दृश्य को अच्छे से दिखाने के लिए रणदीप हुड्डा ने अपना काफी वजन कम किया था। रिपोर्ट्स की मानें तो उन्होंने 20-25 किलो तक वजन इस फिल्म के लिए कम किया था।

आमिर खान (दंगल)

बॉलीवुड के मिस्टर परफेक्शनिस्ट कहे जाने वाले आमिर खान अपने किरदार को बिल्कुल परफेक्ट रखना चाहते हैं। आमिर अपने हर किरदार के लिए पूरी शिद्दत से मेहनत करते हैं। उन्होंने कई फिल्मों में गजब ट्रांसफॉर्मेशन किया है। इसी तरह साल 2016 में आई फिल्म 'दंगल' के लिए तो आमिर ने अपने ट्रांसफॉर्मेशन से हर किसी को हैरान कर दिया था। फिल्म में पहले बुजुर्ग और मोटा दिखने के लिए उन्होंने 30 किलो से भी अधिक वजन बढ़ाया था और 97 किलो के आसपास हो गए थे। इसके लिए आमिर ने जंक फूड से लेकर स्वीट तक को अपनी डाइट में शामिल किया था। इसके बाद इसी फिल्म के दूसरे भाग के लिए जिसमें उन्हें खुद रेसलर दिखना था, उन्होंने अपने वजन को फिर से कम किया था। रिपोर्ट्स की मानें तो आमिर ने सिर्फ 3 महीने में तकरीबन 37 किलो तक वजन कम किया था और 6 पैक एब्स बनाए थे। आमिर का ये ट्रांसफॉर्मेशन देखकर हर कोई हैरान रह गया था।

राजकुमार राव (ट्रैप्ड और बोस)

राजकुमार राव को अपने किरदार को बखूबी निभाने के लिए और उसमें ढल जाने के लिए जाना जाता है। 2016 में आई फिल्म 'ट्रैप्ड' के लिए राजकुमार राव ने सिर्फ 22 दिनों में अपना 13 किलो तक वजन कम किया था। किरदार के भूखा-पैसा दिखने के लिए राजकुमार राव ने ये ट्रांसफॉर्मेशन किया था। इसके लिए वो पूरा-पूरा दिन सिर्फ एक गाजर और एक ग्लास ब्लैक कॉफी पीकर रहते थे।

इसके बाद राजकुमार राव ने फिल्म 'बोसः डेड/अलाइव' के लिए नेताजी सुभाषचंद्र बोस के किरदार में ढलने के लिए 11 से 13 किलो तक वजन बढ़ाया था।

विक्की कौशल (छावा)

साल 2025 के पहली ब्लॉकबस्टर फिल्म 'छावा' अपनी रिलीज के लगभग एक महीने बाद भी बॉक्स ऑफिस पर अपना राज कर रही है। इस ऐतिहासिक फिल्म के लिए अभिनेता विक्की कौशल ने काफी मेहनत की है। छत्रपति संभाजी महाराज के किरदार में ढलने के लिए विक्की कौशल ने अपना फिजिकल ट्रासफॉर्मेशन करने के साथ-साथ घुड़सवारी और तलवारबाजी जैसे कौशल भी सीखे हैं। इस किरदार के लिए विक्की कौशल ने अपने वजन को 25 किलो तक वजन बढ़ाया है। जिसके लिए उन्होंने अपने शरीर पर काफी काम किया। फिल्म के लिए उन्होंने अपने वजन को 100 किलो तक पहुंचाया है। विक्की की ये मेहनत रंग लाई और फिल्म बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर साबित हुई।

सनी देओल की फिल्म को नहीं मिल रहे खरीदार

विशाल राणा के बनाए 'प्रोजेक्ट' में छंगाणी का भारी निवेश

दूसरी भारतीय भाषाओं की रीमेक के तौर पर बनी तमाम हिंदी फिल्मों के एक के बाद एक टिकट खिड़की पर धराशायी होने के चलते कभी जूनियर हीमैन के तौर पर चर्चित रहे पूर्व सांसद और अभिनेता सनी देओल की साल भर पहले पूरी हो चुकी फिल्म 'सफर' संकट में हैं। फिल्म की शूटिंग पूरी होने की खबर 'अमर उजाला' ने बीते साल जनवरी में प्रकाशित की थी, तब फिल्म के निर्माताओं ने जानकारी दी थी कि यह फिल्म बेहद लोकप्रिय रही मराठी फीचर फिल्म 'प्रवास' की हिंदी रीमेक है। शशांक उदापुरकर के निर्देशन में बनी इस फिल्म में निर्माता ओम छंगाणी ने काफी मोटी रकम का निवेश किया है।

सनी देओल के करीबी मित्र विशाल राणा ने ये पूरा प्रोजेक्ट बनाया है और इस फिल्म के आखिरी शेड्यूल की शूटिंग सनी देओल ने फिल्म 'गदर 2' के सुपरहिट होने के तुरंत बाद की थी। साल 2024 के जनवरी महीने में सनी देओल की फिल्म 'सफर' की टीम ने कड़ाके की ठंड में बर्फीली हवाओं और घने कोहरे के बीच चंडीगढ़ के पास पांच दिनों की आउटडोर शूटिंग की थी और उसके बाद पूरी टीम मनाली की घनी बर्फ में शून्य से 20 डिग्रीसेल्सियस नीचे तापमान में भी शूटिंग करते नजर आई थी। इस शेड्यूल के बाद फिल्म की शूटिंग पूरी हो जाने का भी एलान किया गया था। फिल्म में सनी देओल के साथ सिमरन बग्गा मुख्य भूमिका में हैं और फिल्म के निर्माता इस फिल्म को रिलीज करने के लिए मुंबई के तमाम फिल्म प्रोडक्शन घरानों से मुलाकातें करते रहे हैं। ये फिल्म चूंकि एक्शन फिल्म नहीं है और बॉक्स ऑफिस पर इन दिनों एक्शन के अलावा और कुछ दर्शक पसंद ही नहीं कर रहे हैं।

पत्नी की दिल की बात जानते हैं विक्की कौशल

कैटरीना मानती हैं उन्हें अच्छा लिसनर

कैटरीना कैफ ने एक इवेंट के दौरान अपने पति और बॉलीवुड अभिनेता विक्की कौशल की जमकर तारीफ की और बताया कि कैसे उन्होंने उनके करियर और निजी विकास में उनकी मदद करते आए हैं। कैटरीना कैफ और विक्की कौशल बॉलीवुड के पसंदीदा कपल्स में से एक हैं। हाल ही में एक इवेंट के दौरान कैटरीना ने विक्की की जमकर तारीफ की और उन्हें अच्छा लिसनर भी बताया। साथ ही कैटरीना ने बताया की कैसे उनकी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ में विक्की ने उनकी कई बार मदद की है। कैटरीना और विक्की ना सिर्फ अपनी स्टार पावर के लिए मशहूर हैं, बल्कि एक-दूसरे का खुलकर समर्थन करने के लिए भी जाने जाते हैं। हाल ही में कैटरीना ने अपने रिश्ते के बारे में बताया कि विक्की उनकी इच्छाओं का कितना ध्यान रखते हैं। दरअसल, कैटरीना ने अपने ब्यूटी ब्रांड की मीटिंग के दौरान कहा कि विक्की उन्हें पूरा स्पेस देते हैं और बेहतर सुनने वाला बनने में भी उनकी सहायता करते हैं। कैटरीना ने बताया की उनके ब्यूटी ब्रांड की ज्यादातर मीटिंग उनके घर पर ही होती हैं और अब विक्की को इसकी आदत हो गई है। फिला 2025 में कैटरीना ने बताया, जब भी के ब्यूटी ब्रांड की मीटिंग होती है, तो सभी बड़े फैसले घर पर ही होते हैं। विक्की पूछते हैं, 'आज क्या प्लान है?' अगर मैं कहती हूं कि मीटिंग है, तो वे कहते हैं, 'ठीक है, तो मैं पूरे दिन बाहर रहता हूं।' इस तरह विक्की उन्हें बिना किसी परेशानी के काम करने का मौका देते हैं। कैटरीना ने यह भी कहा कि विक्की ने उन्हें शादी के शुरुआती दिनों में धीरे से समझाया था कि दूसरों को सुनना कितना जरूरी है। कैटरीना ने हंसते हुए कहा, विक्की कहते थे, 'मुझे भी बोलने दो।' अब वे मुझे भी बोलने का पूरा मौका देते हैं। 2021 में कैटरीना और विक्की ने शादी की थी। इसके बाद से ही यह कपल फैंस के पसंदीदा कपल्स की लिस्ट में शुमार हो गया। शादी के बाद दोनों ही अपने करियर में व्यस्त हैं।

पाकिस्तान पर क्यों मेहरबान है चीन? ऐसे लुटा रहा 43000 करोड़ का 'प्यार'

नई दिल्ली, 22 मार्च (एजेंसियां)।भारत के दो पड़ोसी देश चीन और पाकिस्तान के बीच एक बार फिर 'प्यार' बढ़ रहा है। तभी तो चीन एक के बाद एक कई ऐसे गिफ्ट और सामान पाकिस्तान को दे रहा है, जिसका इस्तेमाल पाकिस्तान भारत के खिलाफ कर सकता है। इन सामानों की टोटल कॉस्ट या कहें डील प्राइस करीब 5 अरब डॉलर (करीब 43,000 करोड़ भारतीय रुपये) होने वाली है। चीन ने हाल में पाकिस्तान को दूसरी 'हैंगोर-क्लास' पनडुब्बी हैंडओवर की है। ये अरब सागर और हिंद महासागर में पाकिस्तान की सैन्य ताकत को बढ़ाने का काम करेगी। इसमें आधुनिक हथियार और सेंसर टेक्नोलॉजी लगाई गई है।

5 अरब डॉलर की डील

चीन और पाकिस्तान के बीच इस तरह की 8 पनडुब्बी के लिए 5 अरब डॉलर की एक डील है। अभी इसमें से दूसरी पनडुब्बी ही पाकिस्तान को डिलीवर हुई है। इसे चीन के वुहान में लॉन्च किया गया। पाकिस्तान के बलूचिस्तान में ग्वादर पोर्ट के पास चीन अपनी रणनीतिक पकड़ को मजबूत कर रहा है। यहीं पर चीन-पाकिस्तान इकोनॉमिक कॉरिडोर का एक पॉइंट पहुंचता है। चीन का पाकिस्तान को ये सपोर्ट सिर्फ पनडुब्बी तक सीमित नहीं है।

चीन लुटा रहा पाकिस्तान पर 'प्यार'

अगर चीन और पाकिस्तान के रिश्तों को देखें, तो चीन लंबे समय से पाकिस्तान पर अपना 'प्यार' लुटा रहा है। पाकिस्तान की सेना में अब चीन से आए हथियारों की संख्या लगातार बढ़ रही है। साल 2019 से 2023 के बीच पाकिस्तान ने जितने भी हथियारों का इंपोर्ट किया, उसमें से 81 प्रतिशत चीन से आए। चीन से पाकिस्तान पहुंचने वाले हथियारों की संख्या इससे पिछले 5 साल के मुकाबले इस दौरान 74 प्रतिशत बढ़ी है।स्टॉकहोम पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट की एक खबर के मुताबिक पाकिस्तान के हथियारों के कुल इंपोर्ट में चीन की हिस्सेदारी अब 63 प्रतिशत पहुंच चुकी है। ईटी की खबर के मुताबिक ये रकम करीब 5.3 अरब डॉलर के आसपास होती है। चीन के पाकिस्तान को दिए जाने वाले इस सपोर्ट भारत की सुरक्षा को लेकर खतरा बढ़ सकता है। वहीं ये दक्षिण एशिया रीजन में शांति के प्रयासों के लिए भी एक धक्के के समान है।

सिर्फ 6% परिवारों को पीने लायक पानी

नई दिल्ली,22 मार्च (एजेंसियां)। शहरी भारत में सुरक्षित पेयजल की उपलब्धता गंभीर चुनौती बनी हुई है। एक सर्वे के अनुसार, केवल 6% शहरी भारतीय परिवारों को सीधे उनके स्थानीय निकायों से पीने लायक पानी मिलता है। वहीं, 30% इसे अच्छा तो मानते हैं। लेकिन, पीने योग्य नहीं। इसके चलते 62% परिवार फिल्टर जैसे प्यूरीफायर और आरओ सिस्टम का उपयोग करते हैं। नीति आयोग का अनुमान है कि 2030 तक 60 करोड़ लोग जल संकट का सामना करेंगे। सरकार के जल जीवन मिशन ने ग्रामीण क्षेत्रों में 78% से अधिक घरों तक नल के पानी की पहुंच का विस्तार किया है, लेकिन शहरी क्षेत्र अभी भी पीछे हैं। एक सरकारी सर्वे 'पेय जल सर्वेक्षण' में पाया गया कि 4,000 शहरों में से केवल 46 शहर ही स्वीकार्य जल गुणवत्ता मानकों को पूरा करते हैं। आज जब पूरी दुनिया में वश्वि जल दविस मनाया जा रहा है तो उसमें ये आंकड़े काफी महत्वपूर्ण हैं। शहरी भारत में पीने योग्य पानी की समस्या गंभीर है। लोकलसर्किल्स के एक सर्वे में पाया गया कि केवल 6% शहरी परिवारों को नल का पानी पीने योग्य मिलता है। 30% परिवार पानी की गुणवत्ता को अच्छा मानते हैं, लेकिन पीने योग्य नहीं मानते हैं। सर्वे में यह भी पाया गया कि 62% शहरी भारतीय परिवार किसी न किसी प्रकार के आधुनिक फिल्टर का इस्तेमाल करते हैं। 12% परिवारों के पास अभी भी पाइप से पानी की सुविधा नहीं है। केवल 30% परिवार अपने स्थानीय निकाय से आने वाले पानी की गुणवत्ता को अच्छा मानते हैं, जबकि 21% इसे खराब और 7% बहुत खराब मानते हैं।सरकार ने जल जीवन मिशन शुरू किया है। इसका उद्देश्य सभी ग्रामीण परिवारों को सुरक्षित और पर्याप्त पेयजल उपलब्ध कराना है। अक्टूबर 2024 तक 78% ग्रामीण परिवारों के पास नल के पानी के कनेक्शन हैं। हालांकि, पीने योग्य पानी सुनिश्चित करना अभी भी एक बड़ी चिंता है। चेन्नई में दूषित पानी से हुई मौतों ने इस मुद्दे को उजागर किया।नीति आयोग की रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में जल संकट गंभीर है।

इस हफ्ते सोना महंगा हुआ, चांदी में रही गिरावट

सोना 1,326 बढ़कर 88,169 पर पहुंचा, चांदी 98,322 प्रति किलो बिक रही

नई दिल्ली, 22 मार्च (एजेंसियां)। इस हफ्ते सोने के दामों में बढ़त देखने को मिली है। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट के अनुसार पिछले शनिवार यानी 15 मार्च को सोना 86,843 रुपए पर था, जो अब (22 मार्च) 88,169 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है। यानी इस हफ्ते इसकी कीमत 1,326 रुपए बढ़ी है। वहीं चांदी की बात करें तो इसकी कीमत में इस हफ्ते गिरावट रही। पिछले शनिवार को चांदी 98,322 रुपए पर थी, जो अब 97,620 रुपए प्रति किलोग्राम पर आ गई है। इस तरह इस हफ्ते इसकी कीमत 702 रुपए कम हुई है। वहीं इसी हफ्ते 17 मार्च को चांदी ने 1,00,400 रुपए और 20 मार्च को सोने ने 88,761 रुपए का ऑल टाइम हाई बनाया था।

महानगरों में सोने की कीमत

दिल्ली : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 82,450 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 89,980 रुपए है।

मुंबई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 82,300 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 89,780 रुपए है।

कोलकाता : 10 ग्राम 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 82,300 रुपए और 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 89,780 रुपए है।

चेन्नई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 82,300 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 89,780 रुपए है।

भोपाल : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 82,350 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 89,880 रुपए है।

हैदराबाद : सोने(गोल्ड) का रेट 24 कैरेट के लिए 90,220 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट के लिए 82,700 रुपये है।

इस साल अब तक 12,007 रुपए महंगा हो चुका है सोना

इस साल यानी 1 जनवरी से अब तक 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 76,162 रुपए से 12,007 रुपए बढ़कर 88,169 रुपए पर पहुंच गया है। वहीं, चांदी का भाव भी 86,017 रुपए प्रति किलो से 11,603 रुपए बढ़कर 97,620 रुपए पर पहुंच गया है। वहीं पिछले साल यानी 2024 में सोना 12,810 रुपए महंगा हुआ था।

क्या क्रेडिट कार्ड बंद करने पर खराब होता है सिबिल स्कोर? बैंक वाले नहीं बताते सच

नई दिल्ली, 22 मार्च (एजेंसियां)।आज के समय में क्रेडिट स्कोर फाइनेंशियल स्टेबिलिटी का एक महत्वपूर्ण मानदंड बन चुका है। लोग इसे बनाए रखने के लिए सतर्क रहते हैं, लेकिन कई बार अनजाने में ऐसे फैसले ले लेते हैं, जो उनके क्रेडिट स्कोर पर नेगेटिव असर डाल सकता है। इनमें से एक है पुराने क्रेडिट कार्ड या लोन खातों को बंद करना। यह निर्णय कई बार नुकसानदायक साबित हो सकता है, क्योंकि यह आपकी क्रेडिट हिस्ट्री और क्रेडिट स्कोर को प्रभावित करता है। आइए, विस्तार से समझते हैं कि पुराने क्रेडिट खातों को बंद करने के क्या प्रभाव हो सकते हैं।

क्रेडिट हिस्ट्री पर प्रभाव

क्रेडिट स्कोर की कैलकुलेशन में क्रेडिट हिस्ट्री की लंबाई महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। जब आप कोई पुराना क्रेडिट कार्ड या ऋण खाता बंद करते हैं, तो उसकी क्रेडिट रिपोर्ट में उपस्थिति धीरे-धीरे समाप्त हो जाती है। इससे आपकी कुल क्रेडिट हिस्ट्री की अवधि कम हो सकती है, जिससे स्कोर में गिरावट आ सकती है। लंबी और अच्छी क्रेडिट हिस्ट्री को बनाए रखना भविष्य में लोन या क्रेडिट कार्ड प्राप्त करने में मदद करता है।

क्रेडिट उपयोग अनुपात पर प्रभाव

क्रेडिट उपयोग अनुपात आपकी कुल क्रेडिट सीमा के मुकाबले आपके उपयोग की गई क्रेडिट राशि को दर्शाता है। विशेषज्ञों के अनुसार, इस अनुपात को 30% से कम रखना बेहतर होता है। उदाहरण के लिए, यदि आपकी कुल क्रेडिट सीमा

1,00,000 रुपए है और आप 30,000 रुपए तक खर्च करते हैं, तो आपका अनुपात संतुलित रहेगा, लेकिन यदि आप एक पुराना क्रेडिट कार्ड बंद कर देते हैं और आपकी कुल सीमा 50,000 रुपए रह जाती है, तो आपका अनुपात बढ़कर 60% हो सकता है, जिससे क्रेडिट स्कोर पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

अस्थायी रूप से स्कोर में गिरावट

पुराने क्रेडिट खातों को बंद करने से कई बार क्रेडिट स्कोर में अस्थायी गिरावट देखी जाती है। यदि हाल ही में नए खाते खोले गए हैं, तो यह संकेत दे सकता है कि व्यक्ति को वित्तीय अस्थिरता है, जिससे ऋणदाताओं का भरोसा कम हो सकता है।

क्रेडिट स्कोर बेहतर रखने के लिए ये करें

अगर क्रेडिट कार्ड बंद करना जरूरी हो, तो पहले उसकी उपयोगिता और शुल्क की समीक्षा करें। कोई नया कार्ड लेने के बाद ही पुराना बंद करें ताकि क्रेडिट स्कोर पर कम प्रभाव पड़े। कम इस्तेमाल वाले कार्ड को भी समय-समय पर उपयोग में लाएं ताकि वह निष्क्रिय न हो जाए। इस प्रकार, पुराने खातों को बंद करने से पहले इनके प्रभावों को समझना आवश्यक है ताकि आपका क्रेडिट स्कोर मजबूत बना रहे।

'एलन मस्क ने टेस्ला की प्रतिष्ठा नष्ट कर दी'

कंपनी के निवेशक ने की नया सीईओ चुनने की मांग

वाशिंगटन, 22 मार्च (एजेंसियां)। टेस्ला में लंबे समय से निवेश कर रहे रॉस गेरबर ने सार्वजनिक रूप से एलन मस्क से सीईओ के पद से इस्तीफा देने की मांग की है। गेरबल का तर्क है कि विशेष रूप से व्हाइट हाउस में ट्रंप की भूमिका के कारण उनका ध्यान बंट रहा है, जो कंपनी को संकट की ओर ले जा रहा है। गेरबर कावासाकी वेल्थ मैनेजमेंट के सीईओ गेरबर ने स्काई न्यूज से कहा, इसमें कोई संदेह नहीं है कि वे (मस्क) सरकार में अपने काम के प्रति प्रतिबद्ध हैं। यहीं वह अपना समय बिता रहे हैं। वह टेस्ला नहीं चला रहे हैं। मुझे लगता है कि टेस्ला को एक नए सीईओ की जरूरत है। व्यवसाय को बहुत लंबे समय तक नजरअंदाज किया गया है। एक दशक से ज्यादा समय से गेरबर कावासाकी ने मस्क के नेतृत्व में टेस्ला में निवेश किया है। टेस्ला के सबसे बड़े शेयरधारकों में से न होने के बावजूद- फरवरी 2025 तक उनके पास कंपनी के 262,352 शेयर हैं। उनका फर्म 2023 से लगातार टेस्ला में अपनी हिस्सेदारी कम कर रही है। कंपनी के बोर्ड में बदलाव के मुखर समर्थक रॉस गेरबर ने मस्क की आलोचना करना शुरू कर दिया है। मस्क के व्हाइट हाउस की गतिविधियों में शामिल होने के बाद उनका विरोध और बढ़ गया है। उन्होंने आउटलेट से कहा, टेस्ला बहुत सारे महत्वपूर्ण काम कर रहा है, इसलिए या तो एलन को टेस्ला में वापस आ जाना चाहिए और टेस्ला का सीईओ बन जाना चाहिए और अपनी अन्य व्यस्तताएं छोड़ देनी चाहिए या फिर उन्हें सरकार पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए और वह काम करते रहना चाहिए जो वह कर रहे हैं, लेकिन टेस्ला के लिए एक उपयुक्त सीईओ ढूंढना चाहिए। टेस्ला के शेयरों में गिरावट जारी है। पिछले पांच दिनों में शेयरों पांच प्रतिशत की गिरावट आई है। दिसंबर के शिखर से कंपनी के शेयर 50 प्रतिशत से ज्यादा टूट चुके हैं। ऐसे में, गेरबर का कहना है कि नेतृत्व परिवर्तन आवश्यक है। उन्होंने आगे तर्क दिया कि ट्विटर (अब एक्स) के साथ मस्क की भागीदारी के समय से उनका ध्यान भटक गया है और टेस्ला को इससे एक नकारात्मक प्रचार मिला है। उन्होंने कहा, कंपनी की प्रतिष्ठा एलन मस्क ने नष्ट कर दी है। बिक्री घट रही है, इसलिए हां, यह एक संकट का समय है। आप सचमुच बाजार में सबसे अच्छा उत्पाद नहीं बेच सकते क्योंकि सीईओ का ध्यान भटका हुआ है।

1 अप्रैल से ऐसे बदल जाएगा आपका टैक्स स्ट्रक्चर, न्यू रिजीम कैसे बनेगी फायदे का सौदा

नई दिल्ली, 22 मार्च (एजेंसियां)। 1 अप्रैल 2025 से देशभर में नया टैक्स स्ट्रक्चर लागू हो जाएगा। इसके बाद 12 लाख तक की सैलरी पाने वालों को इनकम टैक्स की टेंशन खत्म हो जाएगी, लेकिन इसके लिए उन्हें न्यू टैक्स रिजीम का चुनाव करना होगा। अब सवाल उठता है कि जिनकी सैलरी 12 लाख रुपए से ज्यादा है और उन्होंने न्यू टैक्स रिजीम का चुनाव किया हुआ है तो उन्हें इसका फायदा होगा या नुकसान। इसके साथ ही दूसरा सवाल ये उठता है, जिन्होंने ओल्ड टैक्स रिजीम चुनी है और उनकी सैलरी 12 लाख से ज्यादा है तो उन्हें फायदा होगा या नुकसान? अगर आपके भी ऐसे ही सवाल है और आप अभी तक ओल्ड टैक्स रिजीम और न्यू टैक्स रिजीम में अंतर नहीं समझ सके हैं तो परेशान होने की जरूरत नहीं है। ओल्ड टैक्स रिजीम से न्यू टैक्स रिजीम में स्विच करने वाले यूजर्स को पहले जरूर जान लेना चाहिए कि, उनके लिए न्यू टैक्स रिजीम बेहतर रहेगी या फिर ओल्ड टैक्स रिजीम में फायदा होगा। आपको बता दे ओल्ड टैक्स रिजीम में 80c, एनपीएस, एचआरए, 80 टीटीए और स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम के लिए धारा 80डी में छूट मिलती है, जबकि न्यू टैक्स रिजीम में कुछ ही छूट मिलती है, जिसमें एनपीएस में नियोक्ता के योगदान के लिए धारा 80सीसीडी (2) के तहत कटौती। साथ ही टेलीफोन और परिवहन के लिए मिलने वाले अमाउंट पर टैक्स में छूट मिलती है। उदाहरण के लिए वर्तमान में एक कर्मचारी की सीटीसी25 लाख रुपए है और जिसने आयकर बचाने के लिए हमेशा ओल्ड टैक्स रिजीम का चुनाव किया है, 1 अप्रैल, 2025 से न्यू टैक्स रिजीम में आयकर स्लैब बदलने वाले हैं। वर्तमान में एक कर्मचारी की सीटीसी 25 लाख रुपए है और जिसने आयकर बचाने के लिए हमेशा ओल्ड टैक्स रिजीम का चुनाव किया है, 1 अप्रैल, 2025 से न्यू टैक्स रिजीम में आयकर स्लैब बदलने वाले हैं। ऐसे में अब उसे न्यू और ओल्ड टैक्स रिजीम में से किसमें फायदा होगा। 25 लाख रुपए के सीटीसी का अलग-अलग ब्यौरा दिखाते हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि एनपीएस खाते में नियोक्ता का योगदान अलग-अलग होता है। पुरानी कर व्यवस्था में, धारा 80सीसीडी (2) के तहत मूल वेतन का 10% तक की कटौती की अनुमति है, जबकि नई कर व्यवस्था में इसे 14% पर सेट किया गया है।

हाउसिंग लोन के साथ हो रहा खेल

जबरन इंश्योरेंस थोपने की यह ठगी समझिए

नई दिल्ली,22 मार्च (एजेंसियां)। नेशनल हाउसिंग बैंक ने घर के लिए लोन देने वाली हाउसिंग फाइनेंस कंपनियों को जमकर फटकार लगाई है। ये कंपनियां घर के लोन के साथ बीमा पॉलिसी बेच (मिस-सेलिंग) रही हैं। एनएचबी ने इन कंपनियों को साफ-साफ हिदायत दी है कि लोन के साथ बीमा पॉलिसी जबरदस्ती ना थोपें। लोगों को पॉलिसी की शर्तें अच्छे से बताने का कहा है। लोगों ने कई तरह की शिकायतें की हैं। लोन के साथ जो बीमा पॉलिसी बेची जा रही थीं, उनकी शर्तें लोगों को पता ही नहीं थीं। कई मामलों में तो बीमा की अवधि लोन की अवधि से भी कम थी।एनएचबी ने देखा कि कई हाउसिंग फाइनेंस कंपनियों के पास बीमा बेचने के लिए बोर्ड से मंजूरी प्राप्त नीतियां ही नहीं थीं। ये कंपनियां एक ही शख्स

को कई तरह के बीमा बेच रही थीं। इनमें टर्म लाइफ इंश्योरेंस, बिल्डिंग इंश्योरेंस, क्रिटिकल इलनेस कवरेज, हॉस्पिटलाइजेशन बेनिफिट्स और डिसेबिलिटी इंश्योरेंस जैसे बीमे शामिल हैं। एनएचबी ने नोटिस किया कि कुछ बीमा तो लोन लेने वालों के लिए जरूरी ही नहीं थे।एनएचबी ने पाया कि कई बार तो ग्राहकों से बीमा देने से पहले मंजूरी ही नहीं ली गई। और जब मंजूरी ली भी गई, तो कई बार प्रीमियम की रकम और पॉलिसी की शर्तें मंजूरी के फॉर्म में साफ-साफ नहीं लिखी हुई थीं। जनवरी में एनएचबी ने एचएफसी के सीईओ को पहले ही आगाह कर दिया था। एनएचबी की चिंता है कि इन फाइनेंस कंपनियों की कुल कमाई में बीमा से होने वाली कमाई का हिस्सा बहुत ज्यादा है। इकॉनमिक टाइम्स के पास एनएचबी के लेटर में एचएफसी की जांच के दौरान मिली कमियों के बारे में बताया गया है। इनमें सबसे बड़ी कमी है लोगों को लोन के साथ बीमा पॉलिसी बेचने का गलत तरीका (मिस-सेलिंग) है। दरअसल, जनवरी में एनएचबी के अधिकारियों और एचएफसी के सीईओ की मीटिंग हुई थी। उसमें एनएचबी ने चिंता जताई थी कि ये कंपनियां बीमा बेचकर बहुत अधिक पैसा कमा रही हैं। कुछ मामलों में तो बीमा की अवधि लोन की अवधि से भी कम थी।

इससे साफ हुआ कि बीमा कवरेज देने के लिए नहीं, सिर्फ ज्यादा बीमा बेचने के लिए बेचा जा रहा है।

रुपया-डॉलर खेलते रहे लुका-छिपी! इधर हो गया 'तेल में खेल'

नई दिल्ली, 22 मार्च (एजेंसियां)। रुपया और डॉलर के बीच इन दिनों उतार-चढ़ाव का दौर देखा जा रहा है। एक तरह से कहें तो दोनों के बीच 'लुका-छिपी' चल रही है। ज्यादातर समय रुपया ही डॉलर को मात देता आ रहा है। इस बीच असली खेल तेल में हुआ है, जहां भारत का इंपोर्ट लगातार बढ़ रहा है। इस समय डॉलर रुपया के आगे कमजोर स्थिति में बना हुआ है। जबकि रुपया की दहाड़ मजबूत हो रही है। इस हफ्ते के 6 दिन में रुपया लगातार स्ट्रॉन्ग बना रहा है और इसमें 1.5 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। शुक्रवार को डॉलर के मुकाबले रुपया 36 पैसे बढ़कर करीब 86 रुपये पर बंद हुआ। गुरुवार को भी रुपया तगड़ी स्थिति में रहा था। जनवरी से अब तक डॉलर की स्थिति को देखें, तब डॉलर इंडेक्स 110 के लेवल पर पहुंच गया था, जिसमें तब से अब तक 5 से 6 प्रतिशत की गिरावट देखने को मिल चुकी है। डॉलर का कमजोर होना एक तरह से अमेरिका के लिए भी बेहतर स्थिति होगी। इससे अमेरिका को अपना ट्रेड डेफिसिट कम करने में मदद मिलेगी, जो बीते 4 साल से लगातार एक ट्रिलियन डॉलर से अधिक बना हुआ है.

तेल में ऐसे हुआ खेल

बढ़ती इकोनॉमी के साथ भारत की ऊर्जा जरूरतें भी बढ़ रही हैं। ऐसे में देश के अंदर तेल का इंपोर्ट भी बढ़ रहा है। भारत में कच्चे तेल का उत्पादन पहले से बढ़ा है, इसके बावजूद तेल आयात पर उसकी निर्भरता बढ़ रही है। वित्त वर्ष 2024-25 के शुरुआती 11 महीनों में ही भारत की तेल आयात पर निर्भरता बढ़कर 88.2 प्रतिशत पर पहुंच गई है. इसका मतलब ये है कि भारत ने अपनी जरूरत का इतना तेल आयात किया है.पिछले वित्त वर्ष 2023-24 में अप्रैल-फरवरी के बीच तेल की आयात पर निर्भरता 87.7 प्रतिशत था. ऐसे में जब चालू वित्त वर्ष खत्म होगा यानी मार्च के खत्म होने तक भारत की तेल आयात पर निर्भरता अपने अब तक के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच सकती है. भारत का कच्चा तेल आयात फरवरी तक 21.99 करोड़ टन रहा है, जो वित्त वर्ष 2023-24 की अप्रैल-फरवरी अवधि यानी 11 महीने के दौरान 21.34 करोड़ टन था.

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

१ बुध सूर्य राहु १२ शुक्र ११ | गुरु २ | मंगल ३ | ९ चंद्र | १० | ४ केतु ६ | ५ | ७ | ८

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-2081
शक संवत- 1946 सूर्य • उत्तरायण • ऋतु • बसंत
महावीर निर्वाण संवत -2051, हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000
भोग्य कलि वर्ष-426875
कलियुग संवत -5125 वर्ष,
कल्पारंभ संवत -1972949125
सृष्टि ग्रहारंभ संवत-1955885125
सूर्योदय - 06-22
सूर्यास्त - 18-23

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य-	मीन	मे	मीन....	05-56 बजे
चंद्र-	धनु	मे	मेष---	07-30 बजे
मंगल	मिथुन	मे	वृष---	09-16 बजे
बुध-	मीन	मे	मिथुन..	11-16 बजे
गुरु-	वृष	मे	कर्क....	13-28 बजे
शुक्र-	मीन	मे	सिंह---	15-40 बजे
शनि-	कुंभ	मे	कन्या---	17-48 बजे
राहु-	मीन	मे	तुला----	19-52 बजे
केतु-	कन्या	मे	वृश्चिक...	22-02 बजे
			धनु......	00-15 बजे
			मकर....	02-22 बजे
			कुंभ....	04-12 बजे

दिशाशूल - पश्चिम - पान खाकर घर से निकले
तिथि- नवमी 05-38 तक उपरान्त दशमीं
मास - चैत्र कृष्ण ,रविवार 23 March
नक्षत्र - पूर्वाषाढ़ा 04-18 तक उपरान्त उत्तराषाढ़ा
योग - वरियान 17-58 तक उप परिघ
करण- तैतिल 17-37 तक उप गर
विशेष:-
व्रत -त्योहार - शुक्रोदय पूर्व

विशेष:- राशिफल गृहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 16:55 से 18:26 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो. 9247132654, 9167555710

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
उत्पात	06:22 - 07:50	अशुभ	शुभ	18:23 - 19:55	शुभ
चंचल	07:50 - 09:21	शुभ	अमृत	19:55 - 21:24	शुभ
लाभ.	09:21 - 10:52	शुभ	चंचल	21:24 - 22:53	शुभ
अमृत.	10:52 - 12:23	शुभ	रोग	22:53 - 00:22	अशुभ
काल.	12:23 - 13:54	अशुभ	काल.	00:22 - 01:51	अशुभ
शुभ.	13:54 - 15:25	शुभ	लाभ	01:51 - 03:20	शुभ
रोग.	15:25 - 16:55	अशुभ	उत्पात	03:20 - 28:49	अशुभ
उत्पात	16:55 - 18:23	अशुभ	शुभ	04:49 - 06:22	शुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,
कुछ समय से अपने कार्यालय में आप काफी अच्छा काम कर रहे है और ये खूबी आज आपको अपने मालिक की नजरो में काफी ऊपर उठाएगी। पदोन्नति भी आपका इतंजार कर रही है परन्तु आपके सहकर्मियों की द्वेष एवं जलन आपका मन ख़राब कर सकती है। ये आपके लिए एक मुश्किल चुनौती की तरह है और आपको इस बात का ध्यान रखना है की ये चीज़ आपके मन और मस्तिस्क पर बुरा प्रभाव न डाले।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
काम के प्रयोजन के लिए आप यात्रा कर सकते है। विदेश यात्रा का भी योग है। आपकी कंपनी आपको दूसरे देश में भेज सकती हैं , या कार्य प्रयोजनों के लिए आपके वीजा को मंजूरी आज मिल सकती है। हालांकि अगर आप पहले से ही अपने कैरियर के लिए एक विदेशी देश में तैनात हैं , तो निकट भविष्य में अपने गृहनगर या देश में लौटने की उम्मीद कम है।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
आज के दिन अप्रत्याशित धन की प्राप्ति के योग है। आज का दिन लॉटरी और सट्टा बाजार के लिए भी लाभप्रद है परन्तु ये धन लाभ कई तरह की जिम्मेदारियां भी साथ लायेगा जिसे आपको नजरअंदाज नहीं करना है। आपको इस पैसे के संबंध में आज एक महत्वपूर्ण काम का निर्वहन करना पड़ सकता है। इस अप्रत्याशित उपहार के वजह से आज आप कुछ हलकी फुलकी खरीदारी भी कर सकते है।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
आज आप सकारात्मक ऊर्जा से भरे हुए हैं और आज आपके हैरान होने की संभावना है , क्यों की आपके प्रबंधन कौशल की वजह से आप पाएंगे की अपने कितना कुछ पाया है। आपके सारे बकाया कार्य पूर्ण हो जाएंगे और मुश्किल परियोजनाओं के रास्ते में जो रुकावट थी , वो पूरी तरह से खत्म हो जाएंगी। आप न केवल आसानी से अपने सभी कार्यो का बोझ खत्म करने में सक्षम होंगे बल्कि अपने उत्साह के साथ आप आसपास हर किसी को प्रभावित करने में भी सक्षम होंगे।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
आप उस पैसे के साथ काफी लापरवाह है जो आपने अपनी जरूरत के लिए बचाया है , लेकिन आपको भविष्य में अपनी वित्तीय सुरक्षा के लिए , अपनी असाधारण आदतों को नियंत्रित करना होगा। आप अपने निवेश के बारे में एक विशेषज्ञ से परामर्श करें जो आपको धन के बारे में उचित परामर्श दे सके जिससे धन की वृद्धि हो।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
अपने स्वयं के वित्त एवं धन का नियंत्रण लेना आप के लिए अब बहुत महत्वपूर्ण है और आप इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत से डरते नहीं हैं। आज आप बहुत संगठित और अनुशासित हैं और आप बहुत ही व्यावहारिक तरीके से अपने कार्य क्षेत्र और कैरियर के मुद्दों से निपटने के लिए तैयार हैं। आज आप अपने अच्छे काम शुरू करे और एक बहुत ही कम समय के भीतर आप अपने वित्त एवं धन के सकारात्मक परिणाम को महसूस करेंगे।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
आप धोखाधड़ी के शिकार हो सकते है। आज का दिन किसी भी बड़े निवेश या खरीद के लिए उपयुक्त नहीं है। आज धन के मामलो में किसी भी अनजान व्यक्ति पर भरोसा न करे अन्यथा आपको काफी वित्तीय नुकसान उठाना पड़ सकता है , फिर भी सही समय पर पर्याप्त विवेक के साथ आसानी से आप अपने धन की रक्षा कर सकते हैं। आज यात्रा के लिए न कोई योजना बनाये और न ही कोई भुगतान करें।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
धन से संबंधित कुछ समस्याए आ सकती है। आपको ये समझना होगा की कौन सा खर्च जरुरी और गैर जरुरी है अन्यथा आपको वित्तीय संकट से गुजरना पड़ सकता है। अगर आप अपनी आय बढ़ाना चाहते है तो आपको कुछ नवीनतम प्रोद्योगिकी का समावेश करना होगा और वो आप पर निर्भर करेगा की आप उसका कितना फायदा उठा सकते है क्यों की वह आपके मेहनत और उस प्रोद्योगिकी के आज के समय में महत्व पर भी निर्भर करेगा।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
कुछ समय से आप झूठ बोल रहे है। आज आप आय के नए तरीकों का लाभ उठाने के लिए अपने निर्णय में नयापन ला सकते हैं। आप में अपनी ताक़त या कुर्सी का आनंद लेने के लिए दीवानापन रहेगा और वह काफी सशक्त होगा। आपकी वित्तीय स्थिति किसी भी अन्य दिन की तरह सामान्य रहेगी।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
आज का दिन विपणन के लिए बहुत ही कारगर साबित हो सकता है जो की आपके व्यसाय को आगे की और ले जा सकता है। ये जरुरी है की आप विपणन नीतिया बनाते हुए न्यायसंगत निर्णय ले ताकि आप बेहतर नीतिया बना सके। अगर आज आपने कोई कार्यशाला या सार्वजनिक समारोह अपने व्यसाय को आगे ले जाने के लिए रखा हुआ है तो वो काफी अछा रहेगा।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
जो लोग सेवा क्षेत्र में हैं , वे अपनी आय में बढ़ोतरी की उम्मीद कर सकते हैं हालाँकि अगर ऐसा नहीं होता है , तो आप खुलकर अपने विचारो को आवाज दे और ये सुनिश्चित रखे की इसे सुना जायेगा। काम का बोझ जो दिन के मध्य में ऊँचा रहेगा परन्तु उम्मीद है कि दिन के अंत तक वह कम होगा। आप अपने एक सुरक्षित भविष्य के लिए एक बीमा पॉलिसी में खुद को पंजीकृत कर सकते हैं।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
आप अपने करियर में जो कुछ भी चाहते थे , वह सब कुछ आज आपके रास्ते में आएगा। चाहे वह प्रसिद्धि, ताक़त , पैसा या पद हो , आप अब सब कुछ पाने के लिए एक आदर्श स्थिति में हैं। बस कड़ी मेहनत करते रहे और अन्य लोगों की राय का सम्मान करे और जो भी आपने अपनी इच्छा शक्ति के बलबूते किया है , वो सब आपका होगा। ये समय अपने कठिन परिश्रम के फल का आनंद लेने का समय है।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

सीजीएमएससी में 411 करोड़ का स्कैम, एमडी, जीएम सहित 5 अरेस्ट

5 लाख की मशीन 17 लाख में खरीदी, ईओडब्ल्यू को 7 दिन की मिली रिमांड

रायपुर, 22 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ सीजीएमएससी में 411 करोड़ घोटाला मामले में 5 अधिकारियों वसंत कौशिक (महाप्रबंधक), डॉ. अनिल परसाई (डिप्टी डायरेक्टर, हेल्थ डिपार्टमेंट), शिरौंद्र रावटिया, कमलकांत पाटनवार और दीपक बांधे को 7 दिन की ईओडब्ल्यू की रिमांड पर सौंपा गया है। 28 मार्च तक पांचों आरोपी ईओडब्ल्यू की रिमांड पर रहेंगे। रायपुर की स्पेशल कोर्ट में सभी को आज पेश किया गया। इन सभी अधिकारियों को पूछताछ के लिए शुक्रवार को ईओडब्ल्यू दफ्तर बुलाया गया था। जिसके बाद उन्हें देर शाम गिरफ्तार किया गया था। अफसरों ने 8 रुपए का ट्यूब 2,352 में और 5 लाख की मशीन 17 लाख में खरीदी थी।

दरअसल, सीजीएमएससी घोटाले में अधिकारियों और कारोबारियों ने सरकार को 411 करोड़ रुपए का कर्जदार बना दिया। आईएएस, आईएफएस समेत अफसरों ने मिलीभगत कर सिर्फ 27 दिनों में 750 करोड़ रुपए की खरीदी कर ली। इस केस में मोक्षित कॉर्पोरेशन के डायरेक्टर शशांक चोपड़ा ईओडब्ल्यू की रिमांड पर है।

सीजीएमएससी के अधिकारी, मोक्षित कार्पोरेशन, रिकॉर्ड्स और मेडिकेयर सिस्टम, श्री शारदा इंडस्ट्रीज और सीबी कार्पोरेशन ने 8 रुपए में मिलने वाला ईडीटीए ट्यूब 2,352 रुपए और 5 लाख वाली सीबीएस मशीन 17 लाख में खरीदी। मेडिकल सर्विसेज कॉर्पोरेशन ने 300 करोड़ रुपए के रीएजेंट भी खरीदा।

दरअसल, दिसंबर 2024 में पूर्व गृहमंत्री ननकीराम कंवर ने दिल्ली में पीएमओ, केंद्रीय गृहमंत्री कार्यालय, सीबीआई और ईडी मुख्यालय जाकर सीजीएमएससी में घोटाले की शिकायत की थी। ननकीराम कंवर की शिकायत के बाद केंद्र से ईओडब्ल्यू को निर्देश मिला। इसके बाद ईओडब्ल्यू की टीम ने 5 लोगों के खिलाफ नामजद एफआईआर दर्ज की।

ईओडब्ल्यू की जांच होने के बाद श्री शारदा इंडस्ट्रीज प्रबंधन ने अपनी फर्म को बंद कर दिया है। कंपनी की साइट पर उसका स्टेट टेंपरेरी बंद बता रहा है। ईओडब्ल्यू के अनुसार आर.के नाम का कारोबारी इस कंपनी का संचालक है। यह कंपनी ग्राम तर्रा, तहसील धरसींवा रायपुर में स्थित है।

कंपनी संचालक को जांच के दायरे में लाया गया है। यह कंपनी 1 जुलाई 2017 को जीएसटी के दायरे में आई थी। कंपनी ने 5 जून 2024 को अपना अंतिम टैक्स जमा किया है।

इसके मुताबिक सीजीएमएससी के अधिकारियों ने मोक्षित कार्पोरेशन को 27 दिन में 750 करोड़ का कारोबार दिया। मेडिकल किट समेत अन्य मशीनों की आवश्यकता नहीं थी। इसके बावजूद सिंडिकेट की तरह काम किया गया।

मोक्षित कार्पोरेशन और श्री शारदा इंडस्ट्रीज ने कार्टेल बनाकर सीजीएमएससी में दवा सप्लाई के लिए टेंडर कोड किया। सीजीएमएससी के तत्कालीन अधिकारियों ने भी कंपनी के मनमुताबिक टेंडर की शर्त रखी, ताकि दूसरी कंपनी कॉम्पिटिशन में ना आ सके। कंपनियां शर्तें पूरी न कर सके और टेंडर की रेस से बाहर हो जाए।

दूसरी कंपनी टेंडर रेस से बाहर होने और सीजीएमएससी के अधिकारियों से डायरेक्ट सपोर्ट मिलने के कारण मोक्षित कॉर्पोरेशन और श्री शारदा इंडस्ट्रीज को ही टेंडर मिला। इसका सीधा फायदा उनके टर्न ओवर में होता था। ईओडब्ल्यू ने सरकार से इन अफसरों से पूछताछ की मंजूरी मांगी है, जिसमें 2 से पूछताछ हो गई है।

27 जनवरी को ईओडब्ल्यू की टीम ने की छापेमारी

दरअसल, 27 जनवरी को ईओडब्ल्यू की टीम ने रायपुर और दुर्ग में मोक्षित कॉर्पोरेशन के ठिकानों पर छापेमारी की थी। इसके अलावा हरियाणा के पंचकुला में करीब 8 टीम ने दबिश थी। टीम ने शशांक के भाई, उनके रिश्तेदारों के घर और दफ्तरों में रेड कर दस्तावेज जब्त किए हैं।

इसके साथ ही ईओडब्ल्यू-एसीबी ने छापे के दौरान सप्लायर मोक्षित कॉर्पोरेशन के एमडी शशांक गुप्ता के बंगले, फैक्ट्री और पार्टनरों समेत 16 ठिकानों से बड़ी संख्या में दस्तावेज जब्त किए हैं। ईओडब्ल्यू की टीम एमडी के रिश्तेदारों और दोस्तों के घरों के साथ सीजीएमएससी के दफ्तर में भी जांच करने पहुंची थी।

वहीं, रीएजेंट सप्लाई से संबंधित दस्तावेज भी जब्त किए गए हैं। जरूरत न होते हुए भी कांग्रेस शासन काल में जनवरी 2022 से 31 अक्टूबर 2023 तक अरबों रुपए की खरीदी की है। इतना स्टॉक खरीद लिया गया था कि सीजीएमएससी और सभी बड़े अस्पतालों के गोदाम फुल हो गए। इसके बाद सीजीएमएससी की ओर से मोक्षित कॉर्पोरेशन प्राइवेट लिमिटेड से 300 करोड़ रुपए के रीएजेंट क्रय कर राज्य के 200 से भी ज्यादा प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में भेज दिया गया, जबकि उन स्वास्थ्य केन्द्रों में रीएजेंट को उपयोग करने वाली सीबीएस मशीन ही नहीं थी। रीएजेंट की एक्सपायरी मात्र 2-3 माह की बची हुई थी और रीएजेंट खराब न हो, इसलिए छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विसेज कॉरपोरेशन 600 फ्रिज खरीदने की भी तैयारी में लगी थी। रीएजेंट ऐसे हेल्थ सेंटरों में भेज दिया गया, जहां न लैब थी न तकनीशियन थे।

छत्तीसगढ़ के साहित्यकार विनोद शुक्ल को ज्ञानपीठ

प्रदेश से किसी साहित्यकार को पहली बार सम्मान मिलेगा, 'नौकर की कमीज' पर बन चुकी है फिल्म

रायपुर, 22 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के रायपुर के रहने वाले हिंदी के शीर्ष कवि-कथाकार विनोद कुमार शुक्ल को इस साल का ज्ञानपीठ पुरस्कार दिया जाएगा। इसकी घोषणा आज (शनिवार) नई दिल्ली में ज्ञानपीठ चयन समिति ने की है। छत्तीसगढ़ से किसी साहित्यकार को पहली बार ज्ञानपीठ पुरस्कार मिलेगा।

विनोद कुमार शुक्ल को 59वां ज्ञानपीठ पुरस्कार मिलेगा। यह हिन्दी के 12वें साहित्यकार हैं, जिन्हें इस पुरस्कार से नवाजा जा रहा है। सुप्रसिद्ध कथाकार और ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित प्रतिभा राय की अध्यक्षता में चयन किया गया है।

सुप्रसिद्ध कथाकार और ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित प्रतिभा राय की अध्यक्षता में प्रवर परिषद की बैठक में निर्णय लिया गया। चयन समिति में माधव कौशिक, दामोदर मावजो, प्रभा वर्मा, डॉ. अनामिका, डॉ. ए. कृष्णा राव, प्रफुल शिलेदार, डॉ. जानकी प्रसाद शर्मा और ज्ञानपीठ के निदेशक मधुसूदन आनन्द शामिल थे। दरअसल, 1 जनवरी 1937 को राजनांदगांव में जन्मे विनोद कुमार शुक्ल पिछले 50 साल से लेखन कर रहे हैं। विनोद कुमार शुक्ल की पहली कविता

संग्रह 'लगभग जय हिंद' 1971 में प्रकाशित हुई थी। उनकी कहानी संग्रह पेड़ पर कमरा और महाविद्यालय भी बहुचर्चित है। विनोद शुक्ल के उपन्यास नौकर की कमीज, खिलेगा तो देखेंगे, दीवार में एक खिड़की रहती थी हिंदी के श्रेष्ठ उपन्यासों में शुमार हैं। उनके उपन्यास 'नौकर की कमीज' पर जाने-माने फिल्मकार मणिकौल ने एक फिल्म भी बनाई थी। विनोद कुमार शुक्ल कविता और उपन्यास लेखन के लिए गजानन माधव मुक्तिबोध फेलोशिप, रजा पुरस्कार, वीरसिंह देव पुरस्कार, सृजनभारती सम्मान, रघुवीर सहाय स्मृति पुरस्कार, दयावती मोदी कवि शिखर सम्मान, भवानीप्रसाद मिश्र पुरस्कार, मैथिलीशरण गुप्त सम्मान, पं. सुन्दरलाल शर्मा पुरस्कार जैसे कई पुरस्कारों से सम्मानित हो चुके हैं।

हाल के वर्षों में उन्हें मातृभूमि बुक ऑफ द ईयर अवॉर्ड भी दिया गया है। पिछले ही साल उन्हें पेन अमेरिका ने अंतर्राष्ट्रीय ख्याति के लिए नाबोकॉव अवॉर्ड से सम्मानित किया था। एशिया में इस सम्मान को पाने वाले वे पहले साहित्यकार हैं। इसी तरह लगभग जयहिंद, वह आदमी चला गया नया गरम कोट पहनकर विचार की तरह, सब कुछ होना बचा रहेगा, अतिरिक्त नहीं, कविता से लंबी कविता, आकाश धरती को खटखटाता है, जैसे कविता संग्रह की कविताओं को भी दुनिया भर में सराहा गया है। बच्चों के लिए लिखे गए हरे पत्ते के रंग की पतरंगी और कहीं खो गया नाम का लड़का जैसी रचनाओं को भी पाठकों ने हाथों-हाथ लिया है। दुनिया भर की भाषाओं में उनकी किताबों के अनुवाद हो चुके हैं। ज्ञानपीठ पुरस्कार भारतीय ज्ञानपीठ न्यास की तरफ से भारतीय साहित्य के लिए दिया जाने वाला सर्वोच्च पुरस्कार है। भारत का कोई भी नागरिक जो 8वीं अनुसूची में बताई गई 22 भाषाओं में से किसी भाषा में लिखता हो, इस पुरस्कार के योग्य है। पुरस्कार में 11 लाख रुपए, प्रशस्तिपत्र और वाग्देवी की कांस्य प्रतिमा दी जाती है। 1965 में 1 लाख रुपए की पुरस्कार राशि से शुरू हुए इस पुरस्कार को 2005 में 7 लाख रुपए कर दिया गया।

राहुल गांधी से मीटिंग से पहले बदले गए 11 जिलाध्यक्ष

छत्तीसगढ़ के 10 जिलों में नियुक्ति, बेमेतरा में आशीष, दुर्ग ग्रामीण में राकेश को जिम्मेदारी

रायपुर, 22 मार्च (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी देशभर के कांग्रेस जिला अध्यक्षों से मुलाकात कर सीधे बातचीत करने वाले हैं। इसके पहले छत्तीसगढ़ में कांग्रेस ने 10 जिलों में 11 नए जिला अध्यक्षों की नियुक्ति की है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से मंजूरी के बाद कांग्रेस महासचिव के.सी. वेणुगोपाल ने लिस्ट जारी की है।

राहुल से मीटिंग के लिए जिला अध्यक्षों को 3 चरणों में बुलाया गया है। पहली मीटिंग 27 मार्च को, दूसरी मीटिंग 30 मार्च को और तीसरी मीटिंग 3 अप्रैल को है। राहुल गांधी छत्तीसगढ़ के सभी जिला अध्यक्षों से 3 अप्रैल को बातचीत करेंगे।

पार्टी के नेताओं के मुताबिक कांग्रेस में इंदिरा गांधी के बाद ऐसा पहली बार हो रहा है, जब सभी जिला अध्यक्षों का गांधी परिवार के किसी सदस्य से सीधा संवाद होगा। लिस्ट के जारी होने के बाद अब संभावना है कि प्रदेश में और भी पदाधिकारियों की नियुक्तियां की जा सकती हैं।

हाल ही में छत्तीसगढ़ कांग्रेस प्रभारी सचिन पायलट ने भी संकेत दिए थे कि जल्द ही संगठन में कई नियुक्तियां की जाएंगी। उन्होंने कहा था कि बूथ से लेकर प्रदेश स्तर तक खाली पदों को भरा जाएगा और निष्क्रिय पदाधिकारियों को हटाया जाएगा।

इससे पहले, नगरीय निकाय चुनाव से पहले मुंगेली, बस्तर ग्रामीण और रायगढ़ ग्रामीण में नए जिला अध्यक्षों की नियुक्ति की गई थी। अब 11 और जिलों में नए अध्यक्ष बनाए जाने के बाद कांग्रेस का प्रदेश संगठन नए स्वरूप में तैयार हो रहा है।

कांग्रेस के लिए यह बदलाव 2029 की तैयारियों की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। 3 अप्रैल को राहुल गांधी का संवाद प्रदेश संगठन को मजबूती देने के लिए बेहद अहम रहेगा। अब देखना होगा कि अगले कुछ दिनों में और कौन-कौन से जिलों में बदलाव किए जाते हैं।

महुआ पेड़ के नीचे हुई मां काली की पूजा

जामताड़ा में 107 साल पुरानी परंपरा, 7 गांवों से जुटाई जाती है पूजा सामग्री

जामताड़ा, 22 मार्च (एजेंसियां)। जामताड़ा के मिहिजाम में स्थित ग्राम रक्षा काली मंदिर में शनिवार को विशेष पूजा का आयोजन किया गया। महुआ पेड़ के नीचे मंदिर में गर्भगृह पूजा और बलिदान की रस्म अदा की गई। इस दौरान मंदिर परिसर श्रद्धालुओं से भरा रहा। यह मंदिर 1916 में बढ़ई समाज के लोगों ने बनाया था। तब से यहां नियमित पूजा और बलिदान की परंपरा चली आ रही है। मान्यता है कि क्षेत्र में फैली संक्रामक बीमारियों से बचाव के लिए लोगों ने मां काली की शरण ली थी।

पूजा की तैयारी दो दिन पहले से

शुरू हो जाती है। बढ़ई समाज की महिलाएं सात गांवों में जाकर पूजा सामग्री एकत्र करती हैं। इसे स्थानीय भाषा में 'मांगन' कहा जाता है। अनाज, अगरबत्ती, दूध और दाल जैसी सामग्री को मां काली को प्रसाद के रूप में चढ़ाया जाता है। नगर पालिका अध्यक्ष कमल गुप्ता और काजू शर्मा ने मंदिर के इतिहास के बारे में बताया। 1916 में मिहिजाम में एक जानलेवा बीमारी फैली थी। उस समय स्थानीय निवासी जग्गू मिस्त्री को सपने में मां काली ने दर्शन दिए। उन्होंने कालितल्ला में महुआ पेड़ के नीचे पूजा करने का आदेश दिया। इसके बाद बढ़ई समाज और स्थानीय लोगों ने मिलकर एक छोटा मंदिर बनाया। तब से यहां पूजा की परंपरा अखंड रूप से चल रही है। पूजा में बकरे, मुर्गे और कबूतर की बलि देने की भी प्राचीन परंपरा है। इस बार भी दर्जनों बकरों की बलि दी गई। क्षेत्र के बढ़ई समाज के अलावा अन्य समाज के लोग भी बड़ी संख्या में पूजा में शामिल हुए।

कार पलटने से तीन की मौत

असंतुलित होकर गाड़ी पानी भरे तालाब में गिरी, दो बुजुर्ग और एक महिला की गई जान

चाईबासा, 22 मार्च (एजेंसियां)। झारखंड के पश्चिमी सिंहभूम जिले में शुक्रवार की देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ है। ओडिशा से शादी समारोह से लौट रही बोलेरो के मझगांव थाना क्षेत्र में पलटने से तीन लोगों की मौत हो गई।

मृतकों में चतरीसाई के रमेश पिंगुवा (62), गांगी पिंगुवा (72) और सरगरिया के चरण हेम्ब्रम (45) शामिल है। पुलिस ने शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए चाईबासा स्थित सदर अस्पताल भेज दिया है।

गांगी पिंगुवा की बेटी की शादी ओडिशा के क्योंझर थाना झोंपरा में हुई थी। शादी से वापस लौटते समय तीनों जिस गाड़ी में सवार थे, वो खराब हो गई। इसके बाद उन्होंने ओडिशा में एक बोलेरो बुक की और उसी से घर वापस लौट रहे थे। इसी बीच बोलेरो मझगांव थाना क्षेत्र में दुर्घटनाग्रस्त हो गई।

इधर, थाना प्रभारी धीरज कुमार यादव के अनुसार, यह हादसा शुक्रवार रात करीब 12 से 1 बजे के बीच हुआ। मझगांव-जैंतगढ़ मुख्य सड़क पर आसनपाठ पंचायत के गाड़ासाई डोंगाबुराय में तीखे मोड़ पर बोलेरो असंतुलित होकर पलट गई और सड़क से नीचे पानी भरे तालाब में गिर गई।

सौरभ शर्मा हत्याकांड का खुलासा

पैसों के बंटवारे में हुए विवाद पर दोस्तों ने ही किया था मर्डर, स्कूल में मिली थी लाश

जमशेदपुर, 22 मार्च (एजेंसियां)। जमशेदपुर के उलीडीह थाना क्षेत्र में एक सरकारी स्कूल परिसर में गुरुवार की रात हुई सौरभ शर्मा की हत्या का मामला पुलिस ने सुलझा लिया है। सिटी एसपी कुमार शिवाशीष ने बताया कि पैसों के बंटवारे को लेकर हुए विवाद में सौरभ के ही दो साथियों ने उसकी हत्या कर दी थी। पुलिस ने इस मामले में विक्की सिंह और सूरज बंदरा को गिरफ्तार किया है। जांच में पता चला कि तीनों ने मिलकर एक आपराधिक घटना को अंजाम दिया था। इससे मिली बड़ी रकम के बंटवारे को लेकर विवाद हुआ था। घटना वाले दिन आरोपियों ने सौरभ के साथ स्कूल परिसर में शराब पी। इसी दौरान विवाद बढ़ा और दोनों आरोपियों ने बियर की बोतल तोड़ कर सौरभ का गला रेत दिया। वारदात के बाद दोनों फरार हो गए। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 24 घंटे के भीतर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि वे यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि इस हत्याकांड में और कौन-कौन शामिल हो सकता है।

एक साथ दिखाई दिए नेता प्रतिपक्ष और सीएम

चरणदास मंहत ने कहा- विपरीत परिस्थिति से निकलकर मुख्यमंत्री बने हैं साय

रायपुर, 22 मार्च (एजेंसियां)। हम सभी के बीच मतभेद हो सकते है लेकिन मनभेद नहीं होना चाहिए और छत्तीसगढ़ विधानसभा के सदस्यों में यह बात हमेशा से कायम है। छत्तीसगढ़ का विकास हमारा मूल उद्देश्य है और जनप्रतिनिधि के रूप में हमें प्रदेशवासियों के हित में सदैव समर्पित होकर काम करना है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने छत्तीसगढ़ विधानसभा के सदस्यों के लिए भारतीय प्रबंध संस्थान रायपुर में आयोजित दो दिवसीय पब्लिक लीडरशिप प्रोग्राम के शुभारंभ सत्र को संबोधित करते हुए यह बात कही। बड़ी बात ये थे की इस कार्यक्रम में नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत और सीएम साय एक साथ दिखाई दिए।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने मन की बात कार्यक्रम में हमेशा सीखते रहने की बात करते है और निश्चित रूप से सीखने की कोई उम्र नहीं होती है। यहां कई ऐसे

विधायक मौजूद है, जिनका जनप्रतिनिधि के रूप में लंबा अनुभव है, लेकिन वे भी इस कार्यक्रम को लेकर बहुत अधिक उत्साहित है। साय ने कहा कि आप सभी सदस्यों की मौजूदगी यह साबित करती है कि छत्तीसगढ़ के विकास को लेकर आप कितने चिंतित भी है और उत्साहित भी है। साय ने कहा कि जनप्रतिनिधि के रूप में आमजनों से आपका व्यवहार सबसे बड़ी पूंजी है और यह लोगों के मन में आपके और संसदीय व्यवस्था के प्रति विश्वास को अधिक मजबूत करेगा।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि यह पब्लिक लीडरशिप प्रोग्राम नवीन समाधानों को साझा करने का मजबूत मंच है और विकसित छत्तीसगढ़ 2047 के लक्ष्य को पाने में यह उपयोगी और सार्थक सिद्ध होगा। मुख्यमंत्री ने छत्तीसगढ़ शासन द्वारा सुशासन की संकल्पना को स्थापित करने के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी साझा की। उन्होंने कहा कि ई ऑफिस की व्यवस्था से प्रशासनिक दक्षता के साथ-साथ पारदर्शिता भी बढ़ी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि हमें प्रदेश को आगे ले जाना है तो सभी प्रकार की चुनौतियों से निपटने के लिए समान रूप से तैयार रहना होगा। उन्होंने सार्वजनिक हित में तकनीक के सदुपयोग पर विशेष जोर दिया।

विधानसभा अध्यक्ष डॉ रमन सिंह ने लीडरशिप प्रोग्राम को संबोधित करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ विधानसभा के बजट सत्र में सभी सदस्य लगभग 1 महीने तक सक्रियता के साथ शामिल रहे और इसके तुरंत बाद इस दो दिवसीय आयोजन में आप सभी की उपस्थिति प्रशंसनीय है। उन्होंने कहा आप लोग सोच रहे होंगे कि जीतने के बाद हमारा प्रशिक्षण क्यों? जीतने के बाद हमारी जिम्मेदारी और भूमिका बढ़ जाती है, इसलिए हमें लगातार सीखते रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमें केवल अपने क्षेत्र के लिए नहीं बल्कि छत्तीसगढ़ की बेहतरी के लिए कार्य करना है।

झारखंड में ईद को लेकर खास अलर्ट

स्पेशल ब्रांच ने डीसी-एसपी को भेजा पत्र, ट्रैफिक-सुरक्षा,सोशल मीडिया पर नजर समेत 4 पॉइंट पर फोकस

रांची, 22 मार्च (एजेंसियां)। झारखंड में पर्व-त्योहार के दौरान इस साल उपद्रव की 7 घटनाएं हुई हैं। इसमें से केवल सरस्वती पूजा के दिन ही 4 घटनाएं हुई। झारखंड पुलिस अब ईद को ध्यान में रखते हुए विशेष सतर्कता बरत रही है।

झारखंड पुलिस के स्पेशल ब्रांच ने आगामी ईद को देखते हुए विशेष अलर्ट जारी किया है। स्पेशल ब्रांच की ओर से सभी जिले के डीसी और एसपी को पत्र लिखा है। इस पत्र में स्पेशल ब्रांच ने 4 प्वाइंट्स पर जिलों को अलर्ट रहने और तैयारी रखने को कहा है। राज्य में 31 मार्च को ईद मनाई जा सकती है। हांलाकि चांद दिखने के अनुसार तारीख में बदलाव हो सकता है। पर ईद को लेकर अलर्ट जारी है। स्पेशल ब्रांच की ओर से भेजे गए लेटर में कहा गया है कि 28 मार्च को सामूहिक नमाज राज्य के अलग-अलग जगहों पर पढ़ी जाती है। इस दौरान जो बड़ी समस्या आती है वह ट्रैफिक होती है।

इसके अतिरिक्त सुरक्षा को लेकर परेशानी आती है। त्योहार के लिए यह दिन काफी खास होता है, ऐसे में इस मौके पर विशेष निगरानी और सतर्कता बरतने की जरूरत है। त्योहार के दौरान भीड़ जमा होती है। असामाजिक तत्व भी सक्रिय हो जाते हैं। ऐसे में विशेष ध्यान रखने की जरूरत है।

स्पेशल ब्रांच ने जिन बिंदुओं पर विशेष सतर्कता बरतने को कहा है, उसमें मस्जिदों के आसपास ट्रैफिक, सोशल मीडिया पर निगरानी, असामाजिक तत्वों पर नजर रखने और शांति समिति की बैठक शामिल है। कहा गया है कि किसी भी तरह की अनहोनी से निपटने के लिए मस्जिदों के आसपास पुलिस और ट्रैफिक पुलिस को प्रतिनियुक्त करने की जरूरत है।

सस्पेंड आईएएस रानू साहू की अग्रिम जमानत खारिज

एसीबी-ईओडब्ल्यू की गिरफ्तारी से बचने हाईकोर्ट में लगाई थी 2 अर्जी, केजरीवाल-सिसोदिया केस का दिया था हवाला

बिलासपुर, 22 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ की चर्चित आईएएस अफसर रहीं रानू साहू को फिर हाईकोर्ट से राहत नहीं मिली है। उनकी ओर से लगाई दो अग्रिम जमानत याचिका को शुक्रवार को खारिज कर दिया गया। जस्टिस नरेंद्र कुमार व्यास की बेंच ने मामले की सुनवाई के दौरान कहा कि, आरोपी अफसर के खिलाफ जांच एजेंसी के पास पर्याप्त सबूत हैं।

दरअसल, निलंबित आईएएस रानू साहू रायपुर सेंट्रल जेल में बंद है। उनके खिलाफ एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) और आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने

दो अलग-अलग एफआईआर की है। इन मामलों में भी उन्हें गिरफ्तारी की आशंका लग रही है। इससे बचने के लिए उसने अग्रिम जमानत अर्जियां लगाई थी। इसके लिए केजरीवाल और सिसोदिया केस का हवाला भी दिया गया।

रानू साहू कोल, डीएमएफ घोटाले के अलावा आय से अधिक संपत्ति में भी आरोपी है। इसमें 2015 से 2022 के बीच उसने 3.93 करोड़ रुपए की बेमानी संपत्तियां अर्जित की है। ऐसे में आरोपी अग्रिम जमानत की शर्तें पूरी नहीं करता। अपराध की गंभीरता और गवाहों से छेड़छाड़ की संभावना है। एसीबी और ईओडब्ल्यू में दर्ज शिकायत के अनुसार, रानू साहू पर आरोप है कि उसने अपने और परिवार के सदस्यों के नाम से आय से अधिक संपत्ति अर्जित की है। उसने कोयला कारोबारी सूर्यकांत तिवारी के कोयला लेवी सिंडिकेट की मदद की। यह सिंडिकेट कोयला डिलीवरी ऑर्डर पर परमिट जारी करने के लिए हर टन 25 रुपए की अवैध वसूली करता था। शिकायत में कहा गया कि, 2015 से अक्टूबर 2022 तक आवेदक और उसके परिवार ने 24 अचल संपत्तियां खरीदीं। 2011 से 2022 तक उसे वेतन के रूप में 92 लाख रुपए मिले। जबकि उसने 3.93 करोड़ रुपए की संपत्तियां खरीदी। इस आधार पर भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धाराओं में एफआईआर दर्ज की गई। इसके अलावा एक अन्य मामला भी दर्ज कराया गया है। रानू साहू की तरफ से हाईकोर्ट में दलील दी गई कि, उसे साजिश के तहत फंसाया गया है।

मंईयां सम्मान योजना के लिए महिलाओं में झड़प

धनबाद सीओ कार्यालय में कतार में खड़ीं दो महिलाएं आपस में भिड़ीं, चप्पल से पीटा

धनबाद, 22 मार्च (एजेंसियां)। धनबाद अंचल कार्यालय में मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के लाभ के लिए शनिवार को महिलाओं के बीच झड़प हो गई। कतार में लगने और पहले काम करवाने को लेकर दो महिलाएं आपस में उलझ गईं। एक महिला ने दूसरी महिला की चप्पल से पिटाई कर दी। इस दौरान, पुलिसकर्मी और लोगों ने बीच-बचाव कर मामला शांत कराया।

इससे पहले भी जनवरी में धनबाद अंचल कार्यालय में महिलाओं ने योजना का लाभ न मिलने के कारण जोरदार प्रदर्शन किया था। उन्होंने 'झारखंड

मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना' का पोस्टर फाड़कर आग लगा दी थी और अधिकारियों के खिलाफ नारेबाजी की थी।

इन घटनाओं से स्पष्ट है कि योजना के क्रियान्वयन में देरी और प्रक्रियागत समस्याओं के कारण महिलाओं में असंतोष बढ़ रहा है। दरअसल, आवेदन करने के बाद भी कई महिलाओं को योजना की राशि नहीं मिल रही है। इसलिए वो आवेदन में की गई त्रुटि को सुधारने के लिए सीओ ऑफिस पहुंच रही हैं। दरअसल, हेमंत सरकार में महिलाओं को सम्मान देने के लिए सरकार मंईयां सम्मान योजना लेकर आई है। इस योजना के तहत योग्य लाभुक के खाते में 2500 रु प्रतिमाह दिया जा रहा है, लेकिन आज भी कई ऐसी महिलाए इस योजना के लाभ से वंचित है। उनके खाते में राशि कब आएगी, यह जानने के लिए धनबाद सीओ कार्यालय पर महिलाओं की भीड़ जुट रही है।

सोमवार, बुधवार और शनिवार को सीओ कार्यालय में आवेदनों के जांच के लिए दिन निर्धारित की गई है। महिलाएं सुबह से ही कार्यालय पहुंच रही हैं।

अमेरिका के पैरों तले जमीन खिसकाने की तैयारी

एफ-35 स्टील्थ फाइटर को ठुकराकर राफेल खरीद सकता है कनाडा, ट्रंप का बदला कैसा होगा?

वॉशिंगटन, 22 मार्च (एजेंसियां)। डोनाल्ड ट्रंप की विदेश नीति का असर अमेरिका के हथियार बाजार पर पड़ रहा है। कई देश अब अमेरिका से दो-दो हाथ करने के मूड में आ गये हैं, जिसमें सबसे ऊपर फिलहाल कनाडा दिख रहा है। एफ-35 लाइटिंग II स्टील्थ फाइटर बनाने वाली अमेरिकी कंपनी लॉकहीड मार्टिन अमेरिकी जियो-पॉलिटिकल तूफान के केन्द्र में है। लॉकहीड मार्टिन फिलहाल कनाडा के साथ एफ-35 फाइटर जेट डील को बचाने के लिए संघर्ष कर रही है। रिपोर्ट के मुताबिक लॉकहीड मार्टिन ने सौदा बचाने के लिए कनाडा को नया ऑफर दिया है। कनाडाई अखबार द ग्लोब एंड मेल ने सूत्रों के हवाले से बताया है कि पांचवीं पीढ़ी के एफ-35 लाइटनिंग II स्टील्थ विमान बनाने वाली लॉकहीड मार्टिन ने कनाडा से वादा किया है, कि अगर वह 88 एफ-35ए फाइटर खरीदने के लिए प्रतिबद्ध रहता है तो वह देश में और ज्यादा नौकरियां पैदा करेगा।

हालांकि हम दावों की पुष्टि नहीं कर रहे हैं लेकिन यूरेशियन टाइम्स की रिपोर्ट में कहा गया है कि अगर ये सच है तो लॉकहीड मार्टिन की कोशिश रोजगार पैदा करना, जो कनाडा की एक प्रमुख नीति है, उसका फायदा डील को बचाने में कर रही है। आपको बता दें कि कनाडा की प्रमुख डिफेंस नीति में कनाडाई अर्थव्यवस्था में अत्यधिक नौकरियां पैदा करना और आर्थिक विकास के लिए रक्षा खरीद का फायदा उठाना है। लॉकहीड मार्टिन एफ-35 डील को बचाने की उस वक्त कोशिश कर रही है जब ट्रंप ने कनाडा के खिलाफ भारी-भरकम टैरिफ की घोषणा कर उसे नाराज कर दिया है। कनाडा और अमेरिका के संबंधों में खटास आ गई है।

एफ-35 लड़ाकू विमान को झटके पर झटका

डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति बनने के बाद एफ-35 फाइटर जेट को लगातार झटकों का सामना करना पड़ रहा है। इससे पहले जर्मनी ने भी 'किल स्विच' की चिंताओं का हवाला देकर एफ-35 फाइटर जेट सौदे की जांच का सुझाव दे चुका है। देशों को आशंका है कि एफ-35 लड़ाकू विमान में ऐसी टेक्नोलॉजी है, जिसका इस्तेमाल कर अमेरिका कभी भी फाइटर जेट को रोक सकता है। यानि एफ-35 खरीदने के बाद भी उसका कंट्रोल अमेरिका के पास होगा। वहीं पुर्तगाल पहले ही जियो-पॉलिटिकल परिस्थितियों का हवाला देकर एफ-35 फाइटर जेट खरीदने से इनकार कर चुका है। और कनाडा ने कह दिया है कि वो एफ-35 फाइटर जेट के विकल्पों की तलाश करेगा और यूरोपीय फाइटर जेट की तलाश करेगा।

ऑर्डर कैंसिल होने के डर से लॉकहीड मार्टिन ने संयुक्त कार्यक्रम कार्यालय (जेपीओ) के साथ मिलकर हाल ही में बयान जारी किया है। जिसमें एफ-35 में किल स्विच होने की बात को अफवाह बताकर खारिज कर दिया। लेकिन अगर कनाडाई मीडिया के दावे सही हैं तो ये लॉकहीड मार्टिन की हताशा को दिखाता है।

कनाडा ने साल 2023 में अमेरिका को 88 पांचवीं पीढ़ी के एफ-35ए लड़ाकू विमानों को खरीदने के लिए ऑर्डर दिया था। जिनमें से 16 फाइटर जेट्स के पहले सेट की डिलीवरी अगले साल की शुरूआत में होने वाली है। लेकिन ट्रंप प्रशासन के साथ बढ़ते तनाव के बाद कनाडा ने लड़ाकू विमानों की खरीददारी को लेकर पुनर्विचार करने का फैसला किया है। कनाडा डिफेंस मिनिस्ट्री ने पहले कहा था कि डील को रद्द नहीं किया गया है लेकिन इसने जोर देकर कहा है कि जरूरतों के मुताबिक फैसला लिया जा सकता है। कनाडा के नये प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने कहा है कि हमार पास कनाडाई सुरक्षा बलों के सर्वोत्तम हितों के लिए दो विकल्प है। रिपोर्ट के मुताबिक कनाडा एफ-35 डील को रद्द करते हुए यूरोपीय विकल्पों की तलाश कर रहा है। स्वीडिश एसएएबी ग्रिपेन-ई को प्राथमिकता दिए जाने की संभावना है। कनाडा ने जब एफ-35 के साथ डील किया था उस वक्त साब ग्रिपेन को नाकामी हाथ लगी थी और निराश एसएएबी ने कनाडा पर अनुचित व्यवहार करने का आरोप लगाया था।

अमेरिका से 5 लाख शरणार्थी निकाले जाएंगे

ट्रम्प प्रशासन ने 24 अप्रैल तक की मोहलत दी

वाशिंगटन, 22 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिकी प्रशासन ने 5 लाख से ज्यादा लोगों की कानूनी सुरक्षा छीनने का ऐलान किया है। होमलैंड सिक्योरिटी विभाग के मुताबिक क्यूबा, हैती, निकारागुआ और वेनेजुएला के 5 लाख 32 हजार नागरिकों का कानूनी दर्जा 24 अप्रैल को खत्म हो जाएगा। यह फैसला उन लोगों पर लागू होगा जो अक्टूबर 2022 के बाद अमेरिका आए थे। ये सभी लोग ह्यूमैनिटेरियन पैरोल प्रोग्राम के तहत अमेरिका आए थे। यह कानूनी तरीका लंबे समय से उन लोगों को अस्थायी रूप से अमेरिका में रहने की इजाजत देता था, जिनके देशों में युद्ध या राजनीतिक अस्थिरता थी। ट्रम्प ने दूसरी बार राष्ट्रपति पद की शपथ लेने के बाद पहले ही दिन एग्जीक्यूटिव ऑर्डर जारी कर ह्यूमैनिटेरियन पैरोल प्रोग्राम को खत्म कर दिया था। उनका मानना था कि इसका गलत इस्तेमाल हो रहा था।

टेस्ला कार तोड़ने वालों को जेल भेजेंगे ट्रम्प

कहा- ये कैपिटल हिल दंगे से भी बदतर, दोषियों को सजा के लिए खतरनाक अल-सल्वाडोर भेजा जाएगा

वॉशिंगटन, 22 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने शुक्रवार को टेस्ला की कारों में तोड़फोड़ करने वालों को चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि जो भी लोग ऐसा करते हुए पकड़े जाएंगे, उन्हें अल-सल्वाडोर की जेल में भेज दिया जाना चाहिए।

ट्रम्प ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल ट्रुथ पर लिखा- मैं उन बीमार आतंकी गुर्दों को 20 साल की जेल की सजा मिलते हुए देखना चाहता हूं, जो टेस्ला की संपत्तियों को नुकसान पहुंचा रहे हैं। शायद उन्हें अल-सल्वाडोर की कुख्यात जेल में सजा दी जाएगी।

एक और पोस्ट में ट्रम्प ने लिखा- हम आपको ढूंढ़ रहे हैं। ट्रम्प ने कहा कि टेस्ला को नुकसान पहुंचाने की कोशिश एक आतंकी काम है, जो 6 जनवरी 2021 को यूएस कैपिटल हिल (संसद) में हुए घातक दंगे से भी बदतर है। अल सल्वाडोर में दुनिया की सबसे बड़ी और खतरनाक जेल है। अल साल्वाडोर के राष्ट्रपति नायब बुकेले ने अपराधियों को डराने के लिए इस जेल को साल 2023 में बनवाया था। यहां 40 हजार कैदियों को रखा जा सकता है। इस जेल को 'आतंकवादी बंदी केंद्र (सीईसीओटी)' के नाम से जाना जाता है। अमेरिका और अल सल्वाडोर के बीच फरवरी में करार हुआ था। इसके मुताबिक अल सल्वाडोर पैसे लेकर अमेरिका के खतरनाक अपराधियों को जेल में रखेगा।

ट्रम्प के बयान से पहले अमेरिकी अटॉर्नी जनरल पाम बॉन्डी ने भी गुरुवार को चेतावनी दी थी। उन्होंने कहा था कि अब अमेरिका में अपराध करने वाले दिन खत्म हो चुके हैं। अगर आप टेस्ला की संपत्तियों को नुकसान पहुंचाएंगे तो आपको सलाखों के पीछे डाल दिया जाएगा। उन लोगों को भी गंभीर परिणाम भुगतना होगा, जो पर्दे के पीछे से इन अपराधियों को सपोर्ट कर रहे हैं और फंडिंग कर रहे हैं। अमेरिका में ट्रम्प सरकार बनने के बाद से टेस्ला की कारों पर लगातार हमले हो रहे हैं। कंपनी के सीईओ इलॉन मस्क ने इसकी निंदा करते हुए इसे 'आतंकवाद' बताया। उन्होंने इस तरह की हिंसा को बढ़ावा देने के लिए वामपंथी नेताओं की आलोचना की है। ट्रम्प ने 11 मार्च को लाल रंग की 'टेस्ला मॉडल एस' कार खरीदकर उनका समर्थन किया था। इस दौरान उन्होंने कहा था कि ये कार बहुत ही खूबसूरत है और उन्होंने ये बिना किसी डिस्काउंट के पूरी कीमत (80 हजार डॉलर) में खरीदी है। ट्रम्प ने कार को टेस्ट नहीं किया और साफ किया कि वह टेस्ला नहीं चलाएंगे, क्योंकि उन्हें ड्राइव करने की इजाजत नहीं है, लेकिन वह व्हाइट हाउस में अपने कर्मचारियों को इसका चलाने देंगे।

संसद में सरकार बोली- चीन का अवैध कब्जा स्वीकार नहीं

लद्दाख में उसने 2 नए कस्बे बना लिए, हमने डिप्लोमैटिक स्तर पर विरोध जताया

नई दिल्ली, 22 मार्च (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने शुक्रवार को संसद में बताया कि भारत को चीन के दो नए काउंटी (कस्बे) बनाने की जानकारी मिली है, जिसका कुछ हिस्सा लद्दाख में आता है। सरकार ने कहा कि इसका डिप्लोमेटिक तरीके से कड़ा विरोध दर्ज कराया गया है।

विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित जवाब में कहा, भारतीय जमीन पर चीन के अवैध कब्जे को कभी स्वीकार नहीं किया गया है। नए काउंटी बनाने से न तो इस इलाके पर भारत की स्थिति पर कोई असर पड़ेगा और न ही इससे चीन के अवैध और जबरन कब्जे को कोई वैधता मिलेगी।

चीन ने दिसंबर में दो नई काउंटी बनाने का ऐलान किया था

चीन ने पिछले साल दिसंबर में होतान प्रांत में दो नई काउंटी हेआन और हेकांग बनाने का ऐलान किया था। तब भारत ने साफ-साफ कहा था इन काउंटियों में मौजूद कुछ इलाके भारत के केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख का हिस्सा हैं और चीन का दावा पूरी तरह से अवैध है। तब चीन ने ब्रह्मपुत्र नदी पर एक डैम बनाने की भी घोषणा की थी। इस पर भी भारत ने आपत्ति जताई थी।

मंत्री बोले- सीमा के करीब इन्फ्रास्ट्रक्चर पर फोकस

विदेश मंत्रालय से पूछा गया था कि क्या 'सरकार को होतान प्रांत में चीन के दो काउंटी बनाने की जानकारी है, जिनमें लद्दाख से जुड़े भारतीय इलाके भी शामिल हैं? अगर हां तो सरकार ने इस मुद्दे का हल निकालने के लिए क्या रणनीतिक और कूटनीतिक उपाय किए हैं?'

इसके जवाब में विदेश राज्य मंत्री ने कहा कि भारत सरकार को इसकी जानकारी है। सरकार यह जानती है कि चीन सीमा के नजदीक बुनियादी ढांचे का विकास कर रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार सीमा के नजदीक वाले इलाके में बुनियादी ढांचे में सुधार पर खास ध्यान दे रही है, ताकि इन इलाकों में विकास तेज हो सके और साथ ही भारत की सामरिक और सुरक्षा जरूरतों को भी पूरा किया जा सके।

विदेश राज्य मंत्री ने कहा कि पिछले दशक (2014-2024) में सीमा के पास के इलाकों में इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलप करने के लिए बजट आवंटन में इजाफा हुआ है।

उन्होंने कहा कि अकेले सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) ने पिछले दशक की तुलना में तीन गुना ज्यादा खर्च किया है। उन्होंने कहा कि सड़क नेटवर्क, पुलों और सुरंगों की संख्या में पहले के तुलना में काफी ज्यादा इजाफा हुआ है। इससे स्थानीय आबादी को कनेक्टिविटी देने और सैनिकों को बेहतर रसद पहुंचाने में मदद मिली है। मंत्री ने कहा कि सरकार भारत की सुरक्षा पर असर डालने वाले सभी घटनाओं पर हमेशा नजर रखती है और अपनी संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा के लिए सभी आवश्यक उपाय करती है।

डॉक्टर बोले- मरने वाले हो लेकिन एआई ने बचा ली जान

वॉशिंगटन, 22 मार्च (एजेंसियां)। यह कहानी है एक ऐसे शख्स की, जिनकी जान एक गंभीर बीमारी लेने वाली थी, मगर आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (एआई) की मदद से हुए इलाज ने उसकी जान बचा ली। तकरीबन एक साल पहले यूएसए के जोसेफ कोट्स की हालत इतनी खराब थी कि डॉक्टरों ने उनसे सिर्फ एक सवाल किया था कि क्या वह अपने घर पर मरना चाहेंगे या अस्पताल में? लेकिन एक एआई मॉडल ने थेरपी और दवाइयों का ऐसा फॉर्म्युला तैयार किया, जिसके इस्तेमाल ने कोट्स को नई जिंदगी दी। 37 साल के कोट्स वॉशिंगटन के रेंटन में रहते हैं। कुछ महीनों पहले वह मुश्किल से होश में थे। महीनों से वह पोयम्स सिंड्रोम नाम के ब्लड डिसऑर्डर से जूझ रहे थे। इस बीमारी ने उनके हाथ-पैर सुन्न कर दिए, दिल फैला दिया और किडनी को लगभग बंद कर दिया था। हर कुछ दिनों में उनके पेट से लीटरों पानी निकाला जाता था। हालत इतनी बिगड़ चुकी थी कि स्टेम सेल ट्रांसप्लांट जैसा इलाज भी असंभव हो चुका था।

न्यू यॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक कोट्स कहते हैं कि मैंने हार मान ली थी। मुझे लगा मौत बस अब नजदीक है, लेकिन मेरी गर्लफ्रेंड तारा थियोबाल्ड ने हार नहीं मानी। उन्होंने फिलाडेल्फिया के डॉक्टर डेविड फेजेनबॉम को एक ई-मेल भेजा।

एआई मॉडल ने खोजा फॉर्म्युला

डॉक्टर फेजेनबॉम से तारा की मुलाकात एक रेयर डिजीज समिट में हुई थी। अगले ही दिन डॉ. फेजेनबॉम ने जवाब दिया। उन्होंने कोट्स को कीमोथेरपी, इम्यूनोथेरपी और स्टेरॉइड्स का एक अनोखा मिश्रण आजमाने का सुझाव दिया। यह ऐसा फॉर्म्युला था, जिसे पहले कभी कोट्स की बीमारी के इलाज के लिए इस्तेमाल नहीं किया गया था। सिर्फ एक हफ्ते में कोट्स की तबीयत में सुधार होने लगा। चार महीने बाद वह स्टेम सेल ट्रांसप्लांट के लिए तैयार हो गए और अब वह पूरी तरह ठीक हो रहे हैं। यह चमत्कारी इलाज किसी डॉक्टर का सोचा हुआ नहीं था, बल्कि इसे एक एआई मॉडल ने खोजा था।

अमेरिका ने अर्जेंटीना के पूर्व राष्ट्रपति पर लगाया यात्रा प्रतिबंध

भ्रष्टाचार में शामिल होने का आरोप

ब्यूनस आयर्स, 22 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिका के विदेश विभाग ने अर्जेंटीना की पूर्व राष्ट्रपति क्रिस्टीना फर्नांडीज पद पर रहते हुए 'बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार' में संलिप्त होने का आरोप लगाते हुए देश में प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया है। विदेश विभाग ने फर्नांडीज के योजना मंत्री जूलियो मिगुएल डी विडो और उनके परिवार के लोगों पर भी यात्रा प्रतिबंध लगा दिया है।

विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने शुक्रवार को जारी एक बयान में कहा कि किर्चनर और डी विडो ने सार्वजनिक निर्माण अनुबंधों से जुड़ी कई योजनाओं में रिश्वतखोरी को अंजाम देकर और उनसे वित्तीय लाभ उठाया।

उन्होंने अपने पदों का दुरुपयोग किया, जिसके परिणामस्वरूप अर्जेंटीना सरकार से लाखों डॉलर की चोरी हुई। उन्होंने कहा कि कई अदालतों ने दोनों को भ्रष्टाचार के आरोपों में दोषी ठहराया है। फर्नांडीज हाल के वर्षों में दक्षिण अमेरिकी देश में एक प्रमुख राजनीतिक शख्सियत रहे हैं।

लंदन का हीथ्रो एयरपोर्ट 18 घंटे बाद खुला

ब्रिटिश एयरवेज का विमान लैंड हुआ, बंद से 1300 फ्लाइट्स प्रभावित, पावर स्टेशन में लग गई थी आग

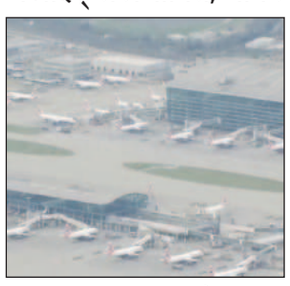

लंदन, 22 मार्च (एजेंसियां)। ब्रिटेन की राजधानी लंदन में हीथ्रो एयरपोर्ट 18 घंटे बाद खुल गया। ब्रिटिश एयरवेज की फ्लाइट यहां पर लैंड हुई। दरअसल एयरपोर्ट के पास एक इलेक्ट्रिकल सबस्टेशन में गुरुवार रात आग लग गई थी। जिससे एयरपोर्ट का ऑपरेशन बंद करना पड़ा था। बंद के चलते 1350 फ्लाइट्स सस्पेंड हुई, जिनसे 2 लाख 91 हजार पैसेंजर्स प्रभावित हुए। आग वेस्ट लंदन के हेस में लगी थी। इस वजह से 5 हजार से ज्यादा घरों की बिजली गुल हुई। ब्रिटेन की काउंटर टेररिज्म पुलिस इस मामले की जांच कर रही है। पुलिस ये पता लगाने की कोशिश कर रही है कि सबस्टेशन पर लगी आग के पीछे किसी का कोई गलत इरादा तो नहीं था।

10 दिन पहले जर्मनी के सभी एयरपोर्ट्स में फ्लाइट्स ठप हुई थीं

9 मार्च को जर्मनी के सभी एयरपोर्ट्स के कर्मचारियों ने एक दिन की हड़ताल बुलाई थी। इसकी वजह से सोमवार (भारतीय समयानुसार) को पूरे देश की हवाई यात्रा ठप हो गई। हड़ताल से पूरे देश में 13 प्रमुख एयरपोर्ट पर 3400 उड़ानें रद्द की गईं, जिनमें फ्रैंकफर्ट और म्यूनिख जैसे प्रमुख एयरपोर्ट्स भी शामिल हैं। इसके चलते 5 लाख से ज्यादा यात्री प्रभावित हुए।

देश की 25 लाख सरकारी कर्मचारियों वाली वेरडी यूनियन ने सैलरी बढ़ाने की मांग लेकर इस हड़ताल का ऐलान किया था। जर्मनी के समय के मुताबिक ये हड़ताल 10 मार्च से शुरू होनी थी, लेकिन इसे तय समय से एक दिन पहले ही शुरू कर दिया गया।

अमेरिका में हमास समर्थक भारतीयों पर एक्शन के बाद गाइडलाइन

भारत बोला- अमेरिकी कानून मानें स्टूडेंट, अब तक एक छात्रा डिपोर्ट, रिसर्चर गिरफ्तार

नई दिल्ली, 22 मार्च (एजेंसियां)। भारत सरकार ने अमेरिका में पढ़ रहे भारतीय छात्रों के लिए गाइडलाइन जारी की है। सरकार ने कहा है कि छात्र अमेरिकी कानूनों का पालन करें। दरअसल, अमेरिकी सरकार विदेश नीति का विरोध करने वाले छात्र कार्यकर्ताओं पर कार्रवाई कर रही है। इसे देखते हुए सरकार ने ये गाइडलाइन जारी की है। बीते दिनों एक भारतीय छात्र बदर खान सूरी को हमास का प्रोपेगैंडा फैलाने और इजराइल का विरोध करने के चलते गिरफ्तार किया गया था। वहीं, एक स्टूडेंट रंजनी श्रीनिवासन के फिलिस्तीन समर्थक रैली में शामिल होने के चलते उसका वीजा रद किया गया था। इसके बाद उसने खुद को डिपोर्ट कर लिया था। भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया था कि दोनों ही स्टूडेंट्स ने मदद के लिए अमेरिका में भारतीय दूतावास से संपर्क नहीं किया था।

जायसवाल ने कहा कि सूरी को गिरफ्तार किए जाने को लेकर न तो अमेरिकी सरकार ने न ही खुद सूरी ने भारत सरकार से संपर्क किया। इसकी जानकारी हमें मीडिया रिपोर्ट्स से मिली है। उन्होंने कहा कि रंजनी श्रीनिवासन के मामले में भी हमें मीडिया रिपोर्ट्स से पता चला कि वो अमेरिका छोड़कर कनाडा चली गई हैं। जायसवाल ने कहा कि अमेरिकी यूनिवर्सिटीज में पढ़ने वाले भारतीय छात्रों की संख्या तेजी से बढ़ी रही है और भारत सरकार अमेरिका के साथ शैक्षिक रिश्तों को मजबूत करना चाहता है। अगर किसी भारतीय छात्र को कोई परेशानी हो तो भारतीय दूतावास उनकी मदद और सुरक्षा के लिए मौजूद है। अमेरिका के इमिग्रेशन अधिकारियों ने सोमवार रात भारतीय छात्र बदर खान सूरी को वर्जीनिया से गिरफ्तार किया था। सूरी पर अमेरिका में हमास के समर्थन में प्रोपेगैंडा फैलाने और संगठन से जुड़ी आतंकी से रिश्ता रखने का आरोप है।

सूरी स्टूडेंट एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत अमेरिका की जॉर्जटाउन यूनिवर्सिटी का छात्र है। वह सेंटर फॉर मुस्लिम-क्रिश्चियन अंडरस्टैंडिंग में पोस्ट डॉक्टोरल फैलो के रूप में पढ़ाई कर रहा है। अमेरिकी गृह सुरक्षा विभाग में सहायक सचिव ट्रिशिया मैकलॉघलिन ने X पर पोस्ट कर आरोप लगाया कि सूरी सक्रिय तौर पर हमास का प्रचार कर रहा था।

भारत के समर्थन से अवामी लीग की वापसी की कोशिश

हसीना विरोधी छात्र नेताओं और सैन्य नेतृत्व में गुप्त मुलाकात से बांग्लादेश में हड़कंप

ढाका, 22 मार्च (एजेंसियां)। बांग्लादेश में एक बार अस्थिरता की तरफ बढ़ता दिखाई दे रहा है। ढाका में शेख हसीना के खिलाफ आंदोलन का नेतृत्व करने वाले छात्र नेताओं और बांग्लादेश की सेना के बीच तनाव खुलकर सामने आया है। हसीना विरोधी आंदोलन में अहम भूमिका निभाने वाले नाहिद इस्लाम की नई गठित नेशनल सिटिजेन पार्टी (एनसीपी) के नेताओं ने सैन्य नेतृत्व पर गंभीर आरोप लगाया है। शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग को नए नाम के तहत फिर से लॉन्च करने की जरूरत बताई। छात्र नेताओं के आरोप ऐसे समय सामने आए हैं, जब सेना की तैनाती ढाका में बढ़ाई गई है।

इसके पहले गुरुवार को बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस ने कहा कि अवामी लीग पर प्रतिबंध लगाने की कोई योजना नहीं है, लेकिन इसके नेतृत्व में शामिल व्यक्तियों पर 'मानवता के खिलाफ अपराध' के लिए मुकदमा चलाया जाएगा। इसके एक दिन बाद शुक्रवार को एनसीपी नेता हसनत अब्दुल्ला ने एक फेसबुक पोस्ट लिखकर सैन्य नेतृत्व के खिलाफ आरोप लगाया और कहा कि अवामी लीग की वापसी की कोशिश की जा रही है।

पोस्ट में अब्दुल्ला ने 11 मार्च को कैंटोनमेंट क्षेत्र में सैन्य अधिकारियों के साथ एक गुप्त बैठक का जिक्र किया और कहा कि इस दौरान उनके और दो अन्य लोगों के सामने अवामी लीग के सदस्यों साबर हुसैन चौधरी, शिरीन शर्मिन चौधरी और फजले नूर तपोश के नेतृत्व में एक परिष्कृत अवामी लीग का प्रस्ताव रखा गया था।

न्यूक्लियर हथियार से दुनिया को खतरा

ज्ञान देने वाला यूरोपीय देश खुद बनाएगा एटम बम, अमेरिका ने हाथ हटाया तो पैरों तले खिसकी जमीन?

वॉरसा, 22 मार्च (एजेंसियां)। पोलैंड की राजधानी वॉरसा कई महत्वपूर्ण अंतर्राष्ट्रीय संधियों का गवाह रहा है। अमेरिका के खिलाफ रूस ने वॉरसा में ही पूर्व जर्मनी, पैलोंड, हंगरी, रोमानिया जैसे देशों के साथ 1955 में महत्वपूर्ण संधि किया था। वॉरशा हमेशा से यूरोप में काफी महत्वपूर्ण भूमिका रखता आया है क्योंकि इसकी सीमा रूस से लगती है। लेकिन अब पोलैंड खुद का परमाणु बम बना सकता है। यूरोपीय देश जो सालों से दूसरे देशों को परमाणु बमों से होने वाले खतरों को लेकर ज्ञान देते आए थे, उनके ऊपर से अमेरिका ने जैसे ही हाथ हटाया, उनके पैरों तले जमीन खिसक गई, उनके सिर से आसमान सरक गया। उनकी सारी नैतिकता वाली बातें धरी की धरी रह गईं और अब यूरोपीय देशों में परमाणु बमों के निर्माण को लेकर जोरशोर से चर्चाएं होने लगी हैं। फ्रांस पहले ही यूरोपीय देशों में परमाणु बमों की तैनाती का आह्वान कर चुका है और जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज फ्रांस के प्रस्ताव का समर्थन कर चुके हैं।

हालांकि परमाणु बम बनाना काफी मुश्किल काम है, लेकिन अमेरिका ने जबसे यूरोप की सुरक्षा से खुद को अलग किया है। पोलैंड के प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क ने देश की संसद को संबोधित करते हुए कहा है कि पोलैंड को परमाणु और आधुनिक अपरंपरागत हथियारों सहित सबसे एडवांस क्षमताओं को हासिल करने की कोशिश करनी चाहिए। उन्होंने इसे एक गंभीर रेस करार दिया और कहा कि यह युद्ध के लिए नहीं, बल्कि सुरक्षा के लिए रेस होगी। यानी पोलैंड अब खुद का परमाणु बम विकसित करने की दिशा में काम शुरू कर सकता है। ये बताता है कि यूरोपीय देश, एशियाई देशों को ज्ञान देने में कितने आगे रहते हैं, लेकिन खुद के पैरों में कांटा भी चुभता है तो सारी नैतिकता की हवा निकल जाती है।

रिपोर्ट के मुताबिक डोनाल्ड ट्रंप की नीतियों से यूरोप का विश्वास अमेरिका के ऊपर से हिल गया है। जबकि चीन और रूस जैसे देश लगातार अपने परमाणु जखीरे का विस्तार कर रहे हैं।

नाइजर में जिहादी हमले में कम से कम 44 नागरिकों की मौत

इस्लामिक स्टेट ने ली हमले की जिम्मेदारी

डाकार, 22 मार्च (एजेंसियां)। अफ्रीकी देश नाइजर के पश्चिमी हिस्से में एक गांव पर जिहादी समूह द्वारा किए गए एक हमले में कम से कम 44 नागरिकों की मौत हो गई है। यह हमला शुक्रवार दोपहर फंबिता गांव में हुआ, जो कोकोरोउ की ग्रामीण इलाके में स्थित है और माली तथा बुर्किना फासो की सीमा के करीब है। मंत्रालय ने अपने बयान में इस हमले के लिए इस्लामिक स्टेट इन द ग्रेट सहारा (ईआईजीएस) को जिम्मेदार ठहराया है। मंत्रालय की ओर से जारी बयान में कहा गया, दोपहर करीब 2 बजे जब मुस्लिम उपासक शुक्रवार की नमाज अदा कर रहे थे, तब भारी हथियारों से लैस आतंकियों ने मस्जिद को घेर लिया और अत्यधिक क्रूरता से नरसंहार को अंजाम दिया। इसके अलावा बंदूकधारियों ने एक बाजार और कई घरों में आग लगा दी और फिर मौके से फरार हो गए।

मंत्रालय के अनुसार, इस हमले में अब तक कम से कम 44 नागरिकों की मौत हो चुकी है, जबकि 13 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। सरकार ने तीन दिन के राष्ट्रीय शोक की घोषणा की है। नाइजर, बुर्किना फासो और माली पिछले एक दशक से जिहादी समूहों के खिलाफ संघर्ष झेल रहे हैं। जिनमें अल-कायदा और इस्लामिक स्टेट से जुड़े संगठन शामिल हैं। हाल के वर्षों में इन तीनों देशों में सैन्य तख्तापलट के बाद सत्तारूढ़ जुंटाओं ने फ्रांसीसी सेना को निष्कासित कर दिया और सुरक्षा सहायता के लिए रूस की भाड़े की सेना को रखा है। इन देशों ने सहेल राज्यों के गठबंधन के रूप में एक नया सुरक्षा गठबंधन बनाने का वादा किया है।

खुलेंगे 50 प्राथमिक स्कूल

सीएम भजनलाल की घोषणा के बाद हरकत में शिक्षा विभाग

बीकानेर, 22 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान के वित्त एवं विनियोग विधेयक चर्चा में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की ओर से राज्य में 50 नए प्राथमिक विद्यालय खोलने की घोषणा के बाद शिक्षा विभाग हरकत में आ गया है। निदेशक (प्रारंभिक शिक्षा) ने सभी प्रारंभिक शिक्षा के जिला शिक्षा अधिकारी मुख्यालयों को पत्र भेजा है, जिसमें उनके जिले में खोले जाने वाले राजकीय प्राथमिक विद्यालय के स्थानों की सूची भेजते हुए प्रस्ताव मांगे हैं।

जिला शिक्षा अधिकारियों को प्रस्ताव भेजने के निर्देश

जिला शिक्षा अधिकारियों को नए प्राथमिक विद्यालय खोलने के लिए भेजे गए दिशा-निर्देशों की पालना करते हुए प्रस्ताव भेजने को कहा गया है। इन प्रस्तावों में जिन स्थानों पर नए प्राथमिक विद्यालय खोले जाने हैं, वहां 6 से 11 वर्ष की आयु के बच्चों की संख्या, स्थान तथा राजस्व ग्राम का नाम हिंदी के साथ अंग्रेजी में भी लिखने को कहा है। जिन स्थानों पर नए विद्यालय खोले जाने हैं, वे 41 जिलों के अनुसार होंगे।

एसओजी ने पेपर लीक मामले में कांग्रेस नेता को किया गिरफ्तार

राजनीतिक रसूख के चलते 4 साल तक बचता रहा आरोपी; अब होंगे बड़े खुलासे

जयपुर, 22 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान में वनरक्षक भर्ती परीक्षा 2020 के पेपर लीक मामले में SOG ने बड़ी कार्रवाई करते हुए कांग्रेस नेता नरेश देव सहारण को गिरफ्तार कर लिया है। बीते SOG की टीम ने बाड़मेर स्थित उनके मकान पर छापा मारकर उन्हें हिरासत में लिया और पूछताछ के लिए जोधपुर ले गई। बताया जा रहा है कि एसओजी नरेश को गिरफ्तार कर जयपुर ला रही है, हालांकि इस संबंध में अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

बता दें, नरेश देव सहारण बाड़मेर पीजी कॉलेज में एनएसयूआई से छात्रसंघ अध्यक्ष रह चुके हैं। वहीं, कांग्रेस सरकार में मनोनीत पार्षद भी बनाया गया था। नरेश पेपर लीक मामले में चार साल से पुलिस की कार्रवाई से बचता रहा, लेकिन अब एसओजी के हत्थे चढ़ा है।

बताते चलें कि एसओजी ने करीब एक महीने पहले इस मामले में मुख्य आरोपी हरीश सारण उर्फ हीराराम सारण को इंदौर से गिरफ्तार किया था। जांच के दौरान ही कांग्रेस नेता नरेश देव सहारण का नाम भी सामने आया था। लेकिन, राजनीतिक रसूख के चलते आरोपी अब तक कार्रवाई से बचता रहा।

पेपर लीक मामला कैसे सामने आया?

गौरतलब है कि वनरक्षक भर्ती परीक्षा 2020 का पेपर बाड़मेर से लीक हुआ था। मुख्य आरोपी हरीश सारण ने एसओजी की पूछताछ में कई खुलासे किए, जिसमें नरेश देव सहारण की भूमिका भी उजागर हुई। इस आधार पर एसओजी ने कार्रवाई कर सहारण को हिरासत में लिया।

चार साल तक कार्रवाई से बचता रहा आरोपी

नरेश देव सहारण का नाम पहले भी पेपर लीक मामले में आया था, लेकिन राजनीतिक संरक्षण की वजह से वह कानूनी कार्रवाई से बचता रहा। बताया जाता है कि पिछली सरकार में कांग्रेस नेता होने के चलते उन पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। मुख्य आरोपी की गिरफ्तारी के बाद एसओजी ने दबाव बढ़ाया और अब चार साल बाद उन पर शिकंजा कसा गया।

एसओजी की पूछताछ में जल्द होंगे बड़े खुलासे

एसओजी की टीम ने नरेश देव सहारण को हिरासत में लेकर जोधपुर ले जाकर पूछताछ की। अब उन्हें जयपुर ले जाने की सूचना है। हालांकि, इस संबंध में कोई आधिकारिक बयान अभी नहीं आया है। एसओजी की जांच के बाद यह साफ होगा कि नरेश देव सहारण की इस पेपर लीक में क्या भूमिका थी? क्या इस रैकेट में और भी बड़े राजनीतिक नाम शामिल हैं? इस मामले में आगे और किन लोगों की गिरफ्तारी संभव है?

एसआई पेपर लीक मामला: मास्टरमाइंड की साली जैसलमेर के रास्ते से फरार

फोन किया स्विच ऑफ; एसओजी तलाश में जुटी

जयपुर, 22 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान में SI भर्ती 2021 पेपर लीक मामले में बड़ा मोड़ आया है। जैसलमेर पुलिस लाइन में तैनात थानेदार प्रियंका गोस्वामी एसओजी के बुलावे पर जयपुर जाते हुए बीच रास्ते से फरार हो गई। प्रियंका गोस्वामी मास्टरमाइंड पोरव कालेर की सगी साली है। अब जैसलमेर पुलिस और एसओजी उसकी तलाश में जुटी हुई हैं।

दरअसल, राजस्थान पुलिस में तैनात थानेदार प्रियंका गोस्वामी को एसओजी ने 18 मार्च को पूछताछ के लिए नोटिस जारी किया था। 21 मार्च को वह जयपुर के लिए रवाना हुई, लेकिन रास्ते में ही लापता हो गई। बीच रास्ते में उसने अपना फोन स्विच ऑफ कर लिया। वह ना तो वह एसओजी कार्यालय पहुंची और ना ही जैसलमेर पुलिस लाइन में अपनी उपस्थिति दी। अब जैसलमेर पुलिस और SOG उसकी तलाश में जुटी हुई हैं।

मास्टरमाइंड पोरव कालेर से जुड़े तार

इसके बाद एसओजी के एडीजी वीके सिंह ने बताया कि SI भर्ती 2021 पेपर लीक मामले के मास्टरमाइंड पोरव कालेर से पूछताछ में यह खुलासा हुआ कि करीब 15 से 20 ट्रेनी एसआई को लीक हुआ पेपर पढ़ाया गया था। प्रियंका गोस्वामी की दोस्त मोनिका भी इस रैकेट का हिस्सा थी। एसओजी ने प्रियंका को पूछताछ के लिए बुलाया था, लेकिन वह फरार हो गई। अब एसओजी के निशाने पर 10 से ज्यादा ट्रेनी एसआई हैं, जिनसे पूछताछ की जाएगी।

एडीजी वीके सिंह ने कहा कि हमारे पास कई माध्यमों से शिकायतें आती हैं। उन्होंने कहा कि अगर कोई ट्रेनी एसआई सही तरीके से भर्ती हुआ है तो उसे जांच में सहयोग करना चाहिए। जो लोग फरार हो रहे हैं, वह खुद ही खुद को दोषी साबित कर रहे हैं। एसओजी की जांच के बाद दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

पेपर लीक में शामिल ट्रेनी एसआई भी रडार पर

बताते चलें कि एसओजी ने फिर से प्रदेशभर में पेपर लीक कर नकल से पास हुए ट्रेनी एसआई के खिलाफ एक्शन शुरू कर दिया है। अभी 10 से ज्यादा ट्रेनी एसआई की जांच चल रही है। एसओजी इन्हें एक-एक कर पकड़ने की रणनीति पर काम कर रही है। इनमें से कई को पूछताछ के लिए ऑफिस बुलाया गया है।

साथ ही जांच में यह खुलासा हुआ है कि एसआई भर्ती घोटाले में बड़े स्तर पर गड़बड़ी हुई थी। बाड़मेर, अजमेर, बीकानेर, जोधपुर पुलिस लाइन के कई ट्रेनी एसआई जांच के घेरे में हैं। इन जिलों में एसओजी का फोकस बढ़ा दिया गया है।

कांग्रेस नेता भी एसओजी की जांच में फंसे

इस मामले में बाड़मेर के कांग्रेस नेता नरेश देव सहारण को भी डिटेन किया गया है। सहारण को हिरासत में लेकर एसओजी कार्यालय में पूछताछ की जा रही है। अगर जांच में दोषी पाए गए तो उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। बताते चलें कि एसओजी ने करीब एक महीने पहले इस मामले में मुख्य आरोपी हरीश सारण उर्फ हीराराम सारण को इंदौर से गिरफ्तार किया था। जांच के दौरान ही कांग्रेस नेता नरेश देव सहारण का नाम भी सामने आया था। लेकिन, राजनीतिक रसूख के चलते आरोपी अब तक कार्रवाई से बचता रहा था।

भारत के लिए बोली पाकिस्तानी महिला हुमारा

जेआईसी से मिल गई हरी झंडी, कब भेजंगे पाकिस्तान?

श्री गंगानगर, 22 मार्च (एजेंसियां)। श्रीगंगानगर के अनूपगढ़ क्षेत्र में भारत-पाक अंतरराष्ट्रीय सीमा पार कर भारत में घुसपैठ करने वाली बलूच महिला हुमारा उर्फ अमारा को अब पाकिस्तान पुशबैक किया जाएगा। श्रीगंगानगर में संयुक्त पूछताछ केन्द्र में विभिन्न सुरक्षा एजेंसियों ने हुमारा से पूछताछ की।

पुलिस अधीक्षक गौरव यादव ने बताया कि जेआईसी में पूछताछ के दौरान हुमारा का कहना था कि भारत में महिलाओं के अधिकारों के लिए सुरक्षित जगह है।

ऐसे में पाकिस्तान में चल रहे माहौल को देखते हुए उसने बॉर्डर क्रॉस कर यहां आने का निर्णय किया था। वह पाकिस्तान नहीं जाना चाहती। एसपी ने बताया कि हुमारा का मनोचिकित्सक से मानसिक परीक्षण करवाने के साथ-साथ स्वास्थ्य परीक्षण करवाया गया।

वह अपने पति और ससुर की प्रताडना से परेशान होकर भारत आई। अब उसे वापस पाकिस्तान भेजने का निर्णय किया गया है।

बीएसएफ और सुरक्षा एजेंसियां पाकिस्तानी रेंजर्स से बातचीत करेगी। इसके बाद हुमारा को पुशबैक किया जाएगा फिर जल्द ही महिला की पाकिस्तान वापसी होगी। गौरतलब है कि हुमारा ने 17 मार्च को घुसपैठ की थी।

रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़े गए पावर ग्रिड कॉरपोरेशन के अधिकारी, सीबीआई ने अजमेर में की बड़ी कार्रवाई

अजमेर, 22 मार्च (एजेंसियां)। सीबीआई के अनुसार, यह रिश्वत निजी कंपनी द्वारा सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम की एक संविदा से जुड़े बिलों के प्रसंस्करण और पास कराने के लिए दी जा रही थी। इस मामले में अजमेर में तैनात वरिष्ठ महाप्रबंधक, उक्त निजी कंपनी, उसके चार प्रतिनिधियों और अन्य अज्ञात व्यक्तियों सहित कुल 06 आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था।

सीबीआई का जाल और कार्रवाई

सीबीआई की जांच में पता चला कि आरोपी अधिकारी कथित रूप

से निजी कंपनी के प्रतिनिधियों के साथ मिलीभगत कर कंपनी को अनुचित लाभ पहुंचा रहे थे। परस्पर बातचीत के बाद 19 मार्च 2025 को सीकर में रिश्वत की रकम सौंपने की योजना बनी। सीबीआई ने पहले से जाल बिछा रखा था और जैसे ही निजी कंपनी के डीजीएम ने वरिष्ठ महाप्रबंधक को 2.4 लाख रुपये सौंपे, सीबीआई ने दोनों को रंगे हाथों पकड़ लिया।

आवासीय परिसरों में तलाशी, डिजिटल साक्ष्य बरामद

गिरफ्तारी के बाद, सीबीआई ने सीकर, जयपुर और मोहाली में आरोपियों के आधिकारिक और आवासीय परिसरों पर छापेमारी की। इस दौरान कई आपत्तिजनक दस्तावेज और डिजिटल उपकरण बरामद किए गए हैं, जिनकी जांच जारी है। बता दें कि सीबीआई मामले की गहन जांच कर रही है और संभावना है कि इस मामले में और भी बड़े खुलासे हो सकते हैं। रिश्वतखोरी और भ्रष्टाचार के खिलाफ सरकार की सख्त नीति के तहत इस तरह की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

बीएसएफ इंटेलिजेंस ब्रांच की बड़ी कार्रवाई, 15 करोड़ रुपये की हेरोइन बरामद

श्रीगंगानगर, 22 मार्च (एजेंसियां)। सीमा सुरक्षा बल की इंटेलिजेंस ब्रांच ने एक और बड़ी सफलता हासिल करते हुए 15 करोड़ रुपये मूल्य की तीन किलोग्राम हेरोइन बरामद की। यह कार्रवाई सेक्टर हेडक्वार्टर बीकानेर की इंटेलिजेंस ब्रांच की पुख्ता सूचना के आधार पर की गई। इंटेलीजेंस ब्रांच की सूचना के बाद 12 केएनडी गांव के चक्र तीन केएनएम इलाके में बीएसएफ ने अपनी गश्त को और सख्त कर दिया। इससे तस्कर अपने मंसूबों में कामयाब नहीं हो सके।

विदुर भारद्वाज (डीआईजी इंटेलिजेंस, जोधपुर) के निर्देश पर उप समादेष्टा इंटेलिजेंस महेश चंद जाट, इंस्पेक्टर ताराचंद यादव, इंस्पेक्टर अजय कुमार पांडे, दीपक

कुमार और उनकी टीम ने पूरे इलाके में व्यापक सर्च अभियान चलाया। इसी अभियान के दौरान 12 केएनडी इलाके में एक पीले रंग के पैकेट में तीन किलोग्राम हेरोइन बरामद की गई, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 15 करोड़ रुपये बताई जा रही है।

बीएसएफ की इंटेलिजेंस ब्रांच की सूचना पर इस अभियान में बीएसएफ की 140वीं वाहिनी के कमांडेंट प्रभाकर सिंह, कार्यवाहक कंपनी कमांडर दीपक कुमार और उनकी टीम ने पुलिस रावलामंडी के साथ मिलकर पूरे इलाके की सघन तलाशी ली।

बीएसएफ इंटेलिजेंस ब्रांच के लिए 2025 में यह सबसे बड़ी हेरोइन बरामदगी मानी जा रही है।

युवाओं को नशे से बचाने की पहल

बीएसएफ इंटेलिजेंस ब्रांच बीकानेर बॉर्डर क्षेत्र में अत्यधिक सतर्कता से काम कर रही है, ताकि इस इलाके को नशे और अपराध मुक्त बनाया जा सके। उप कमांडेंट महेश चंद जाट समय-समय पर ग्रामीणों और युवाओं को जागरूक करने के लिए कार्यक्रम आयोजित कर रहे हैं, ताकि युवा पीढ़ी नशे के जाल में न फंसे और अपने उज्ज्वल भविष्य की ओर बढ़ सके।

पिछले अभियानों की सफलता

बीएसएफ इंटेलिजेंस ब्रांच की यह पहली बड़ी कार्रवाई नहीं है। इससे पहले भी कई सफलताएं हासिल की गई हैं। अप्रैल 2024: सीमा चौकी नेमीचंद के 23 केडी इलाके में एक पाकिस्तानी ड्रोन पकड़ा गया। जुलाई 2024: सीमा चौकी नेमीचंद के 23 केडी इलाके से दो किलोग्राम हेरोइन, एक मोटरसाइकिल और तस्कर हरदीप (निवासी समेजा कोठी) को पकड़ा गया। हालांकि, कुख्यात तस्कर चरणजीत उर्फ चन्नी अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया। अक्तूबर 2024: सीमा चौकी दीपवाला, अश्विनी इलाके से 2.2 किलोग्राम हेरोइन और एक पाकिस्तानी ड्रोन जब्त किया गया। अक्तूबर 2024: पबनी सीमा चौकी से 2.2 किलोग्राम हेरोइन की बरामदगी हुई।

15 लाख की अवैध मादक पदार्थ स्मैक बरामद

पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार; बाइक भी की जब्त

जालौर, 22 मार्च (एजेंसियां)। जिले में मादक पदार्थों की तस्करी पर नकेल कसने के लिए चलाए जा रहे 'ऑपरेशन भौकाल' के तहत सांचौर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 100 ग्राम अवैध स्मैक (मार्फिन) जब्त की है। पुलिस ने मौके से तस्करी में प्रयुक्त मोटरसाइकिल भी जब्त की और एक तस्कर को गिरफ्तार किया। जब्त किए गए मादक पदार्थ की अनुमानित कीमत 15 लाख रुपये आंकी गई है।

नाकाबंदी के दौरान पकड़ा गया तस्कर

पुलिस अधीक्षक ज्ञानचंद यादव के निर्देशन में और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आवड़दान रतनु व सहायक पुलिस अधीक्षक काम्बले शरण गोपीनाथ के पर्यवेक्षण में सांचौर थानाधिकारी देवेंद्र सिंह के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई। मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर हाडेचा-सांचौर मार्ग पर नाकाबंदी की गई थी। इस दौरान एक संदिग्ध मोटरसाइकिल को रोका गया, जिसकी तलाशी लेने पर आरोपी के पास से 100 ग्राम स्मैक बरामद हुई।

पुलिस ने मौके से अभियुक्त जयराम (25) पुत्र ओमप्रकाश विश्नोई, निवासी गोमी, थाना चितलवाना, जिला जालौर को गिरफ्तार किया। आरोपी द्वारा मोटरसाइकिल के जरिए मादक पदार्थ की तस्करी की जा रही थी, जिसे पुलिस ने जब्त कर लिया। आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/21 के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस मामले की गहराई से जांच कर रही है और यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि आरोपी के तार किन-किन लोगों से जुड़े हो सकते हैं।

जयपुर एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स की बड़ी कार्रवाई

20 हजार के इनामी बदमाश दिनेश बाबल को पकड़ा

जोधपुर, 22 मार्च (एजेंसियां)। एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स पुलिस मुख्यालय जयपुर की टीम ने गुरुवार को बड़ी कार्रवाई की है। प्रतापगढ़ जिले से 20 हजार के इनामी दिनेश बाबल पुत्र बाबूलाल बिश्नोई निवासी डोली कला थाना कल्याणपुर जिला बालोतरा को जोधपुर के चौपासनी थाना क्षेत्र से पकड़ प्रतापगढ़ जिले की छोटी सादड़ी थाना पुलिस को सौंप दिया है। मामले में पुलिस को करीब दो साल से आरोपी की तलाश थी।

अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स दिनेश एमएन ने बताया कि 24 मार्च 2023 को प्रतापगढ़ जिले की छोटी सादड़ी पुलिस कारूण्डा चौराहे पर नाकाबंदी कर रही थी। तभी तेज गति से आ रही दो स्कॉर्पियो में सवार बदमाश पुलिस पर फायरिंग करते हुए नाकाबंदी तोड़ भागने लगे। करीब एक किलोमीटर आगे सामने से एक ट्रक आने पर बदमाशों की गाड़ी एक होटल की दीवार से टकरा गई। एक स्कॉर्पियो से दो व्यक्ति उतरकर खेतों में भाग गए। दूसरी स्कॉर्पियो से निकल चालक और उसके साथी ने पुलिस पर फायर कर भागने की कोशिश की।

पुलिस ने जवाबी कार्रवाई कर दोनों बदमाशों गिरधारी राम निवासी बाड़मेर और उसके साथी रमेश कुमार विश्नोई निवासी जोधपुर के पैर में गोली मार दबोच लिया। पुलिस ने दोनों स्कॉर्पियो से 33 कट्टों में भरा 803 किलो डोडा चूरा, 20 किलो अफीम, दो पिस्टल और एक कारतूस जब्त किये थे। इस मामले में फरार आरोपी दिनेश बाबल की गिरफ्तारी पर आईजी रेंज बांसवाड़ा द्वारा 20 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था।

आसूचना और तकनीकी सहायता से टीम ने जोधपुर के चौपासनी थाना क्षेत्र में घेराबंदी कर आरोपी इनामी बदमाश दिनेश बाबल को दबोच लिया। जिसे बाद में छोटी सादड़ी थाना पुलिस को सुपुर्द कर दिया गया। आरोपी के विरुद्ध पूर्व में भी जोधपुर के थाना शास्त्री नगर और डांगियावास में आपराधिक प्रकरण दर्ज है।

झगड़ते-झगड़ते पत्नी ने काट दी पति की जुबान, अस्पताल में भर्ती

झालावाड़, 22 मार्च (एजेंसियां)। झालावाड़ के बकानी कस्बे में पति-पत्नी के झगड़े का एक भयानक मामला सामने आया। दोनों के बीच झगड़ा इस कदर बढ़ा कि गुस्साई पत्नी ने कहासुनी के दौरान अपने पति की जीभ को ब्लेड से काट दिया। घटना के बाद पत्नी ने खुद को कमरे में बंद कर लिया और दराती से हाथ की नस काट सुसाइड की कोशिश की। परिवार वालों के समझाने के कुछ देर बाद उसने कमरे का गेट खोला और बाहर आ गई। घायल पति को जिला अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। उसका उपचार लगातार जारी है। जानकारी में सामने आया है कि बकानी कस्बे के ज्योति नगर निवासी 25 वर्षीय कन्हैयालाल सेन की शादी सुनेल थाना क्षेत्र के कादर नगर निवासी 23 वर्षीय रवीना सेन के साथ फरवरी महीने में हुई थी। रवीना के पिता रवीना को ससुराल बकानी छोड़कर चले गए थे। रात को पति-पत्नी के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो गया। जिसके बाद पत्नी रवीना ने ब्लेड से पति कन्हैयालाल की जबान काट दी। घटन के बाद पत्नी को खुद को कमरे में बंद कर लिया और सुसाइड की कोशिश करने लगी।

पेपर लीक मामले में पत्नी के बाद अब पति हर्षवर्धन पटवारी पद से बर्खास्त, दौसा कलक्टर ने लिया बड़ा एक्शन

दौसा, 22 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान में पेपर लीक के मामलों पर सरकार गंभीर है। प्रदेश में पुलिस और प्रशासन की ओर से पेपर लीक करने वालों पर लगातार कार्रवाई जारी है। इसी कड़ी में अब पेपर लीक गैंग के हर्षवर्धन मीणा पर एक्शन लिया है। दौसा कलक्टर देवेन्द्र कुमार ने पटवारी हर्षवर्धन को राज्यसेवा से बर्खास्त कर दिया है। बता दें कि दौसा का सरगना हर्षवर्धन मीणा अभी जेल में बंद है। आरोपी के खिलाफ 6 से ज्यादा मुकदमे दर्ज है। जेईएन भर्ती परीक्षा 2020 में नकल कराने और डमी कैंडिडेट बिठाने के मामले में एसओजी की एसआईटी ने आरोपी हर्षवर्धन को पिछले साल नेपाल बॉर्डर से अरेस्ट किया था। तब से आरोपी जेल में है।

एसओजी-एटीएस के अतिरिक्त महानिदेशक वीके सिंह ने बताया कि पेपर लीक मामलों में राजस्थान सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति का असर दिख रहा है। पेपर लीक मामलों में लिप्त राज्यकर्मियों को बर्खास्त कर सरकार सख्त संदेश दे रही है। अब पटवारी भर्ती मामले में दौसा के सरगना हर्षवर्धन को राज्यसेवा से बर्खास्त किया गया है। एसआई भर्ती परीक्षा में लिप्त 86 राज्यकर्मियों को बर्खास्त एवं सेवा से हटाया किया जा चुका है। शेष 189 राज्यकर्मियों के विरूद्ध विभागीय जांच प्रक्रियाधीन हैं।

इससे पहले हर्षवर्धन मीणा की पत्नी सरिता मीणा को तत्कालीन भीलवाड़ा कलक्टर नमित मेहता ने बर्खास्त किया था। सरिता ने एसआई भर्ती परीक्षा 2021 में खुद की जगह डमी अभ्यर्थी बैठाकर परीक्षा उत्तीर्ण की थी।

बता दें कि पिछले साल दौसा व महुवा में एसओजी ने पेपर लीक के आरोपी हर्षवर्धन पटवारी के ठिकानों पर दबिश दी थी। इस दौरान पौने चार करोड़ से अधिक की सम्पत्ति चिह्नित की गई थी। यानी पटवारी हर्षवर्धन ने पेपर लीक कराकर करोड़ों की संपत्ति बनाई थी। इसके बाद एसओजी ने आरोपी हर्षवर्धन की 17 संदिग्ध संपत्तियों की लिस्ट जारी की थी। इनमें सबसे ज्यादा प्रोपर्टी 10 साल में खरीदी गई थी।

लिस्ट के अनुसार जयपुर जगतपुरा में बंगला करीब 65 लाख, गोवर्धन वाटिका में 1100 गज का प्लाट 65 लाख, 1000 गज का प्लाट 50 लाख व 200 गज का प्लाट 14 लाख, रोथड़ा महुवा में 250 वर्ग गज का प्लाट 18 लाख, सालिमपुर महुवा में मकान 10 लाख, महुवा टीकरी रोड पर चार दुकान 32 लाख, छोकरवाड़ा भुसावर भरतपुर में पौने दो बीघा जमीन 51 लाख, सालिमपुर महुवा में 18 बिस्वा जमीन 8.50 लाख, रेलवे स्टेशन लालसोट के पास 9 बीघा जमीन में हिस्सा करीब 50 लाख, भाई के नाम कार 10.70 लाख, टैंट व्यवसाय में हिस्सेदारी 9 लाख, बाइक 50 हजार, ट्रैक्टर 3.50 लाख, सोने-चांदी के जेवरात करीब 8 लाख के हैं।

राजभवन में बिहार स्थापना दिवस मनाया गया

हैदराबाद, 22 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा और राज्य की प्रथम महिला सुधा देव वर्मा ने हैदराबाद के राजभवन के दरबार हॉल में बिहार स्थापना दिवस (बिहार दिवस) के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। सभी प्रतिभागियों और आमंत्रितों को हार्दिक बधाई देते हुए राज्यपाल ने बिहार के दूरदर्शी नेताओं और लोगों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की, जिन्होंने राज्य के निर्माण और विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सभा को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने बिहार दिवस के समारोह में शामिल होने पर अपनी खुशी व्यक्त की, यह वह दिन है जब 22 मार्च, 1912 को बंगाल प्रेसीडेंसी से अलग होकर राज्य का निर्माण हुआ था। उन्होंने कहा कि भारत की स्वतंत्रता के बाद से बिहार गणतंत्र का अभिन्न अंग बना हुआ है और इसने देश की सांस्कृतिक, आध्यात्मिक, राजनीतिक और शैक्षिक विरासत में उल्लेखनीय योगदान दिया है। बिहार के गौरवशाली अतीत पर प्रकाश डालते हुए राज्यपाल ने सभ्यता के उद्गम स्थल के रूप में इसकी विशिष्टता को याद किया, जहां नालंदा और विक्रमशिला विश्वविद्यालय जैसे प्राचीन केंद्र फले-फूले और जहाँ भगवान बुद्ध ने बोधगया में बोधि वृक्ष के नीचे ज्ञान प्राप्त किया।

उन्होंने भारत के बौद्धिक और आध्यात्मिक परिदृश्य पर बिहार के स्थायी प्रभाव पर टिप्पणी की। यह कार्यक्रम 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' के तत्वावधान में आयोजित किया गया था, जो भारत सरकार की एक प्रमुख पहल है जिसका उद्देश्य राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान और आपसी प्रशंसा के माध्यम से राष्ट्रीय एकीकरण को बढ़ावा देना है। तेलंगाना में बिहार दिवस मनाना विविधता में एकता की इसी भावना का उदाहरण है। समारोह के हिस्से के रूप में, बिहार के राज्यपाल का एक वीडियो संदेश दिखाया गया, साथ ही बिहार रेजिमेंट के चार-सिंह प्रतीक पर एक लघु फिल्म और बिहार पर्यटन विभाग द्वारा राज्य की समृद्ध ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित करते हुए एक प्रस्तुति भी दी गई। शाम के सांस्कृतिक खंड में पारंपरिक नृत्य प्रदर्शन और विशेष कलात्मक प्रस्तुतियां शामिल थीं, जो बिहार के जीवंत लोकाचार को दर्शाती थीं। इस कार्यक्रम में कई प्रतिष्ठित गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया, जिनमें एम. दाना किशोर, राज्यपाल के प्रधान सचिव, मेजर जनरल अखिलेश कुमार, एसएम, जीओसी, ब्रिगेडियर संजय वी. कुलकर्णी, कमांडर, 47 इन्फैंट्री ब्रिगेड, राजभवन के वरिष्ठ अधिकारी और हैदराबाद में बसे बिहार राज्य के सम्मानित अतिथि शामिल थे।

महापौर और आयुक्त ने स्थायी समिति के नवनिर्वाचित सदस्यों को सम्मानित किया

स्थायी समिति ने 8 विषयों को मंजूरी दी

हैदराबाद, 22 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। शहर की मेयर गद्वाल विजयलक्ष्मी ने स्थायी समिति के सदस्यों से लोगों के लिए लाभकारी निर्णय लेने और शहर के विकास के लिए मिलकर काम करने का आग्रह किया। जीएचएमसी स्थायी समिति की बैठक शनिवार शाम को महापौर गद्वाल विजयलक्ष्मी की अध्यक्षता में हुई। इस अवसर पर महापौर गद्वाल विजयलक्ष्मी और आयुक्त इलमार्थी ने स्थायी समिति के नवनिर्वाचित सदस्यों को बधाई दी और सभी सदस्यों को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। इसके बाद स्थायी समिति के अधिकारियों एवं सदस्यों के लिए परिचय कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर महापौर गद्वाल विजयलक्ष्मी ने कहा कि स्थायी समिति अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने स्थायी समिति को नीति निर्णय लेने वाली समिति बताया तथा उनसे रचनात्मक और उपयोगी निर्णय लेने तथा शहर के विकास के लिए मिलकर काम करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि हमें स्वस्थ वातावरण में समिति की बैठकें आयोजित करनी चाहिए, सभी मुद्दों पर व्यापक चर्चा करनी चाहिए तथा मुद्दों के समाधान की दिशा में काम करना चाहिए। सदस्यों को स्थायी समिति के नियमों के बारे में समझाया गया। राज्य सरकार जीएचएमसी को पहले से कहीं अधिक भारी धनराशि दे रही है। जीएचएमसी की ओर से महापौर ने हैदराबाद को वैश्विक शहर के रूप में विकसित करने की सरकार की प्रतिबद्धता के लिए राज्य के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी को धन्यवाद दिया। इस बैठक में स्थायी समिति के सदस्य बोंथु श्रीदेवी, बनोथु सुजाता, सैयद मिनहाजुद्दीन, समीना बेगम, अब्दुल वाहेब, महालक्ष्मी रमन गौड़, मोहम्मद गौस उद्दीन, सी.एन. रेड्डी, वी. जगदीश्वर गौड़ और बुरुगड्डा पुष्पा नागेश ने भाग लिया। अतिरिक्त आयुक्त शिवकुमार नायडू, वेणुगोपाल रेड्डी, सत्यनारायण, वेणुगोपाल, पंकजा, गीता राधिका, रघु प्रसाद, चंद्रकांत रेड्डी, यादगिरी राव, सुभद्रा देवी, जोनल आयुक्त हेमंत केशव पाटिल, अनुराग जयंती, अपूर्व चौहान, उपेंद्र रेड्डी, वेंकन्ना, सीसीपी श्रीनिवास, सीई रत्नाकर, मुख्य अभियंता कोटेश्वर राव, मुख्य परीक्षक वेंकटेश्वर रेड्डी, संपदा अधिकारी उमा प्रकाश और अन्य ने भाग लिया। इसी क्रम में स्थायी समिति ने प्रत्येक गुरुवार को अपराह्न 3 बजे स्थायी समिति की बैठक आयोजित करने को मंजूरी दी, क्योंकि स्थायी समिति के सदस्यों का चुनाव पूरा हो चुका है। समिति ने मेडचल डिवीजन में एक नए फायर स्टेशन के निर्माण के लिए मेडचल-मलकाजगिरी जिले के अग्निशमन विभाग अधिकारी को अलवाल गांव में 0.11 एकड़ जमीन आवंटित करने के लिए निगम द्वारा एनओसी जारी करने को मंजूरी दी। जीएचएमसी के जनवरी माह के आय-व्यय का ब्यौरा सूचनार्थ समिति को प्रस्तुत किया गया। स्थायी समिति की मंजूरी से वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए एकमुश्त योजना के तहत 90 प्रतिशत बकाया ब्याज माफी के लिए सरकार से अनुमोदन प्राप्त करने की सिफारिश करते हुए समिति की मंजूरी। समिति ने कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) के तहत गुडीमलकापुर फूल मार्केट में स्थित कुमंदन बौली हेरिटेज स्ट्रक्चर (ऐतिहासिक बावड़ी) के जीर्णोद्धार और संरक्षण के लिए 18 महीने के पहले चरण के लिए खैतराबाद जोनल कमिश्नर और निर्माण एनजीओ संगठन के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने को मंजूरी दी। कुमंदन बौली हेरिटेज स्ट्रक्चर (ऐतिहासिक बावड़ी) के संरक्षण और विकास के लिए हैदराबाद के भारतीय विद्यालय की वित्तीय सहायता से यह परियोजना 1.50 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से चल रही है। चंद्रायनगुट्टा बंडलागुड़ा में प्रोग्रेस स्कूल से क्रिस्टल टाउन, डिलीवरी कूरियर सेवा तक तूफानी जल निकासी और वीडीसीसी सड़क के निर्माण के लिए 1000 करोड़ रुपये, समिति ने 2.95 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से निर्माण हेतु प्रशासनिक अनुमति को मंजूरी दी। सेरिलिंगमपल्ली मंडल के लिंगमपल्ली गांव में नल्लागंदला टैंक में सीवरेज डायवर्जन के लिए 1000 करोड़ रुपये। समिति ने 3.35 करोड़ रुपये की लागत वाली परियोजना के लिए निविदा आमंत्रित करने हेतु प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की। समिति ने सीएसआर के तहत सेरिलिंगमपल्ली क्षेत्र के कोंडापुर गांव में दाहिने तालाब के पुनरुद्धार के लिए इंफोसिस फाउंडेशन के सहयोग से छह महीने की अवधि के लिए झीलों के अतिरिक्त आयुक्त के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने को मंजूरी दी।

छात्र ने गणित प्रतियोगिता में जीता पुरस्कार

हैदराबाद, 22 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के एक छात्र ने दुनिया के सबसे तेज मानव कैलकुलेटर, नीलकंठ भानु द्वारा निर्मित गणित पुरस्कार जीता है। ग्रेशिन राकेश को अंतिम दौर में समय सीमा के भीतर 150 से अधिक प्रश्नों को सही ढंग से हल करने के लिए पुरस्कार मिला। राकेश ने कहा कि जब परिणाम घोषित किए गए तो मैं बहुत खुश था। मुझे पता था कि मैंने अच्छा प्रदर्शन किया है, लेकिन मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं चैंपियन बनूंगा।

इस प्रतियोगिता में भारत भर के 750 शहरों से 6,000 से अधिक छात्रों ने भाग लिया, जिनमें से केवल 300 से अधिक छात्र ही अंतिम दौर तक पहुंच सके। नीलकंठ भानु द्वारा स्थापित वैश्विक गणित शिक्षण मंच, भांजू द्वारा आयोजित इस प्रतियोगिता में छात्रों ने कड़ी प्रतिस्पर्धा की और 1.80 लाख प्रश्नों को हल किया, तथा अकेले अंतिम दौर में 45,000 से अधिक सही उत्तर दर्ज किए गए।

प्रतियोगिता के पीछे दिमाग, भानु (जिन्होंने 2020 मानसिक गणना विश्व चैम्पियनशिप में भारत के लिए स्वर्ण पदक भी जीता) ने कहा कि चैंपियन पैदा नहीं होते हैं, लेकिन उन्हें अनगिनत घंटों के अभ्यास के माध्यम से बनाया जाता है। उन्होंने कहा कि ये युवा प्रतिभागी, जो किसी खेल खिलाड़ी से कम नहीं हैं, पूरे भारत से इसमें शामिल हुए और उन्होंने 45,000 से अधिक गणित की समस्याओं को हल किया।

सिरपुर (टी) कांग्रेस नेता रवि श्रीनिवास को कारण बताओ नोटिस

कुमराम भीम आसिफाबाद, 22 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस पार्टी ने सिरपुर (टी) के कांग्रेस नेता रवि श्रीनिवास को पार्टी विरोधी गतिविधियों के आरोप में कारण बताओ नोटिस जारी किया है। अनुशासनात्मक कार्रवाई समिति के अध्यक्ष जी चिन्ना रेड्डी ने शुक्रवार को नोटिस जारी कर श्रीनिवास से एक सप्ताह के भीतर स्पष्टीकरण मांगा है।

नोटिस के अनुसार, श्रीनिवास पर हाल ही में हुए एमएलसी चुनावों में पार्टी के उम्मीदवार के खिलाफ काम करने के अलावा, एक मीडिया कॉन्फ्रेंस के दौरान जिला प्रभारी मंत्री डी. सीतक्का की आलोचना करने का आरोप है। वह डीसीसी नेतृत्व के खिलाफ हमला करने के लिए भी जांच के घेरे में हैं। श्रीनिवास को 28 मार्च तक अपना स्पष्टीकरण देने को कहा गया था, ऐसा न करने पर यह माना जाएगा कि उनके पास कोई स्पष्टीकरण नहीं है और पार्टी के संविधान के मानदंडों और प्रक्रिया के अनुसार उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। श्रीनिवास कथित तौर पर कांग्रेस द्वारा एमएलसी दांडे विट्ठल को महत्व दिए जाने से नाखुश थे।

सरकार ने तेलंगाना में 10,954 जीपीओ पदों के सृजन के आदेश जारी किए

हैदराबाद, 22 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने तेलंगाना के बेरोजगार युवाओं को खुशखबरी दी है। राज्य सरकार ने शनिवार को राजस्व विभाग के भीतर ग्राम पालन अधिकारी (जीपीओ) के लिए नए पदों को मंजूरी देने की घोषणा की। कुल 10,954 पदों को अधिकृत किया गया है, जिसमें पूर्व ग्राम राजस्व अधिकारियों (वीआरओ) और पूर्व ग्राम राजस्व सहायकों (वीआरए) में से चयन करके नियुक्तियां की जानी हैं।

घरों में बिजली मीटर लगाने की मांग को लेकर धरना

आदिलाबाद, 22 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। मावला मंडल केंद्र के कुमराम भीम कॉलोनी की आदिवासी महिलाओं ने शनिवार को गृह ज्योति योजना के तहत अपने घरों में बिजली के मीटर लगाने की मांग को लेकर कलेक्ट्रेट के सामने धरना दिया। महिलाओं ने बताया कि मीटर न होने के कारण उन्हें परेशानी हो रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस के कुछ नेता राजस्व अधिकारियों के साथ मिलीभगत करके उनकी कॉलोनी में सड़क, पेयजल और बिजली जैसी बुनियादी सुविधाओं के प्रावधान को रोक रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि वे काफी समय से सर्वे नंबर 72 में एक जमीन के टुकड़े पर रह रहे हैं।

महिलाओं ने कांग्रेस नेताओं पर गलत सूचना देकर मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी, मंत्री डी सीतक्का और अन्य को कॉलोनी का दौरा करने से रोकने का भी आरोप लगाया। आदिवासियों ने रेवंत रेड्डी, उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क और सीतक्का से भूमि के अधिकार जारी करने और मानवीय आधार पर बुनियादी सुविधाएं प्रदान करने के लिए कदम उठाने का आग्रह किया।

मेदक जिले में बारिश और ओलावृष्टि

संगारेड्डी, 22 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्ववर्ती मेदक जिले के कई हिस्सों में शुक्रवार रात और शनिवार को बारिश के साथ ओलावृष्टि हुई जिससे फसलों को नुकसान हुआ। तेज हवाओं के कारण बिजली के खंभे उखड़ गए, जिससे पूरे जिले में बिजली आपूर्ति बाधित हो गई। कई जगहों पर पेड़ भी उखड़ गए, जिससे यातायात बाधित हुआ।

चूंकि यासांगी धान, ज्वार और अन्य फसलें कटाई के लिए तैयार थीं, इसलिए अगले कुछ दिनों में और अधिक बारिश की आईएमडी की भविष्यवाणी ने किसानों को चिंतित कर दिया है। इस बीच, ट्रांस्को के अधिकारी बिजली आपूर्ति बहाल करने के लिए चौबीसों घंटे काम कर रहे हैं।

मेदक में बिजली का झटका लगने से किसान की मौत

मेदक, 22 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। वेल्दुर्थी मंडल के मंगलापुर गांव में शनिवार को बिजली के तार की चपेट में आने से एक किसान की मौत हो गई। अधिकारियों द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, गांव के 54 वर्षीय किसान गड्डे दशरथ अपने खेत में अपनी फसलों को पानी देने की तैयारी कर रहे थे, तभी उनका पैर गलती से बिजली के तार पर पड़ गया। यह झटका तुरंत लगा, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। स्थानीय पुलिस शिकायत मिलने पर दुर्घटना स्थल पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए तूप्रान के सरकारी अस्पताल में पहुंचाया। दशरथ के परिवार में उनकी पत्नी रुक्कम्मा, एक बेटा और एक बेटी हैं।

26 मार्च से 1 अप्रैल तक होने वाली परीक्षाओं के लिए एडमिट कार्ड जारी

हैदराबाद, 22 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) ने 26 मार्च से 1 अप्रैल तक होने वाली सीयूईटी पोस्ट ग्रेजुएशन परीक्षाओं के लिए एडमिट कार्ड जारी कर दिया है। एडमिट कार्ड इसकी आधिकारिक वेबसाइट से डाउनलोड किया जा सकता है। सीयूईटी पीजी 2025 परीक्षाएं 13 मार्च से 1 अप्रैल 2025 तक कंप्यूटर आधारित मोड में आयोजित की जाएंगी। अपने एडमिट कार्ड पर नाम, फोटो, हस्ताक्षर और परीक्षा केंद्र की जानकारी सहित सभी विवरणों को सत्यापित करें।

आसिफाबाद में चोरी के आरोप में बेरोजगार व्यक्ति गिरफ्तार

कुमराम भीम आसिफाबाद, 22 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। कागजनगर कस्बे में चोरी करने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने उसके पास से 86.6 ग्राम सोने के गहने, एक मोबाइल फोन और 12,000 रुपये जब्त किए।

कागजनगर कस्बे के इंस्पेक्टर पलनती राजेंद्रप्रसाद ने बताया कि बालाजीनगर के एक बेरोजगार व्यक्ति जंजीराला प्रदीप को हाल के दिनों में कस्बे के अलग-अलग इलाकों में हुई तीन चोरियों में उसकी भूमिका के लिए गिरफ्तार किया गया। उसे कस्बे में संदिग्ध तरीके से घूमते समय विशेष टीमों ने हिरासत में लिया। प्रदीप ने कथित तौर पर अपने रिश्तेदारों और अकेली महिलाओं के घरों को निशाना बनाने की बात कबूल की है।

कागजनगर पुलिस ने चोर को पकड़ा

सिरपुर कागजनगर/आसिफाबाद, 22 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। कागजनगर कस्बे के बालाजीनगर इलाके में पिछले 2 महीने में हुई तीन चोरियों के मामले में पुलिस ने कुमराम भीम आसिफाबाद एसपी डी.वी. श्रीनिवास राव के आदेश और कागजनगर डीपीओ बी. रामानुजम के निर्देश पर मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी, जंजीराला प्रदीप उम्र: 24 वर्ष, निवासी बालाजीनगर, कागजनगर, एक खाली घर में घुस कर चोरी की। पीड़ितों द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर कागजनगर टाउन इंस्पेक्टर पलनती राजेंद्र प्रसाद ने मामला दर्ज किया। विस्तृत जांच कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने कहा कि सीसीटीवी फुटेज ने मामले को सुलझाने में अहम भूमिका निभाई।

इस अवसर पर पुलिस ने लोगों को अपने घरों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सीसीटीवी कैमरे लगाने की सलाह दी है, क्योंकि चोरी रोकने में यह एक महत्वपूर्ण उपकरण है। उन्होंने कहा कि घर से निकलते समय कीमती आभूषण साथ ले जाएं या घर पर ही किसी के पास छोड़ दें। उन्होंने कहा कि संदिग्ध लोगों के प्रति सतर्क रहना जरूरी है। उन्होंने पुलिस से अपील की कि किसी भी संदिग्ध व्यक्ति के दिखने पर तुरंत उन्हें सूचित किया जाए।

चोरी के आरोप में एक व्यक्ति ने की आत्महत्या की कोशिश

महबूबाबाद, 22 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। एक व्यक्ति जिस पर उसके अपने रिश्तेदारों ने चोरी करने का आरोप लगाया था, कथित तौर पर खुद को आग लगाकर आत्महत्या करने की कोशिश में जल गया, कथित तौर पर वह चोर होने का कलंक सहन नहीं कर पाया। यह चौंकाने वाली घटना शनिवार को यहां के मकुला थांडा से सामने आई। रिपोर्ट के अनुसार बोडा रमेश पर उसके रिश्तेदारों द्वारा पुलिस में दर्ज कराई गई शिकायत में चोरी का आरोप लगाया गया था। अपमान सहन न कर पाने के कारण उसने खुद को घर में बंद कर लिया और आत्मदाह करने का प्रयास किया। हालांकि, पड़ोसियों ने घर से धुआं निकलता देखा और उसे बचा लिया। हालांकि, आग में घर का फर्नीचर जलकर खाक हो गया।

सनी यादव के खिलाफ लुकआउट नोटिस

सट्टेबाजी ऐप प्रमोशन मामला

सूर्यापेट, 22 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। सूर्यापेट पुलिस ने यूट्यूब इन्फ्लुएंसर और बाइक सवार सनी यादव के खिलाफ सट्टेबाजी ऐप प्रमोशन मामले में लुकआउट सर्कुलर जारी किया है। यह मामला 5 मार्च को सूर्यापेट जिले के नुथनकल पुलिस स्टेशन में दर्ज किया गया था। सूर्यापेट डीएसपी रवि के अनुसार सनी यादव फिलहाल विदेश में है। उन पर वाघा सीमा के ज़रिए पाकिस्तान में घुसने का संदेह था, जिसके कारण उन्हें नोटिस जारी किया गया। पुलिस ने कहा कि इमिग्रेशन अधिकारियों को यादव को भारत में प्रवेश करते ही तुरंत गिरफ़्तार करने के निर्देश दिए गए थे। यादव पर अपने सोशल मीडिया अकाउंट के जरिए सट्टेबाजी ऐप को बढ़ावा देने का आरोप है, जिसके परिणामस्वरूप कई लोगों को वित्तीय नुकसान हुआ है। इसके अलावा, उन्होंने कथित तौर पर इन प्रचारों से मुनाफ़ा कमाया था।

आरटीसी के एमडी वीसी सज्जनार के सोशल मीडिया पोस्ट से प्रेरित होकर राज्य पुलिस ने पहले ही इसी तरह की गतिविधियों में शामिल कई सोशल मीडिया प्रभावितों के खिलाफ मामले दर्ज कर लिए हैं। नुथांकल पुलिस स्टेशन में यादव के खिलाफ 111(2), 318(4), 46 आर/डब्ल्यू 61(2), बीएनएस 3, 4, टीएसजीए 66-सी, 66-डी और आईटीए 2000-2008 एक्ट समेत कई धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। इन घटनाक्रमों के मद्देनजर, रिपोर्टों से पता चलता है कि सनी यादव ने अग्रिम जमानत के लिए अदालत का दरवाजा खटखटाया है, जबकि पुलिस उसकी तलाश जारी रखे हुए है।

भाग्यनगर श्रीराम नवमी उत्सव समिति की बैठक संपन्न

हैदराबाद, 22 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। भाग्य नगर श्रीराम नवमी उत्सव समिति की बैठक हशमत गंज के प्रांगण में भगवंत राव की अध्यक्षता में की गई। इस वर्ष 6 अप्रैल को होने जा रही रामनवमी को मनाने के लिए सभी सदस्यों ने एक मत होकर कहा कि यह पर्व धूमधाम से आयोजित की जाएगी। इसके साथ-साथ सीताराम बाग मंदिर से जुलूस निकलेगा जो सुल्तान बाजार पर समाप्त होगा। महामंत्री गोविंद राठी ने सभी हिंदू भाई बहनों से अपील की है कि इस विशाल जुलूस में भाग लेकर उसे सफल बनाएं। बैठक में डॉक्टर भगवत राव, गोविंद राठी करोड़ीमल एम वेंकटम महेंद्र व्यास बाबू गुरु आदि उपस्थित रहे। महेंद्र व्यास के धन्यवाद से बैठक का समापन हुआ।

एनआरआई पर महिला से छेड़छाड़ का मामला

हैदराबाद, 22 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। जुबली हिल्स पुलिस ने एक अनिवासी भारतीय के खिलाफ मामला दर्ज किया है, जिस पर एक महिला पर शादी के लिए दबाव डालने और उसे यह बताकर उजागर करने की धमकी देने का आरोप है कि वह पहले दुबई में डांसर के रूप में काम करती थी और उनकी निजी तस्वीरें भी सार्वजनिक कर देगा। जुबली हिल्स में रहने वाली 38 वर्षीय विवाहित महिला छह साल पहले दुबई गई थी, जहां उसने दो साल तक एक पब में डांसर के तौर पर काम किया। उस समय संदिग्ध नौशाद अबुबकर की उससे मुलाकात हुई और दोनों दोस्त बन गए। जानकारी के अनुसार, दो साल बाद भारत लौटने के बाद नौशाद ने महिला को फोन पर परेशान करना शुरू कर दिया और उसे ब्लैकमेल करते हुए कहा कि वह उसके साथ उसकी तस्वीरें उसके पति को भेज देगा। परेशान विवाहिता एक बार दुबई गई और उससे मिली। उसने जोर देकर कहा कि वह उसकी तस्वीरें और वीडियो डिलीट कर दे और उसे डिलीट करवा दे। इस बीच, हाल ही में भारत आए अबू बकर ने महिला को फोन किया और उस पर दबाव बनाने लगा कि वह अपने पति और बच्चों को छोड़कर उसके साथ आ जाए, ताकि वे शादी कर सकें।

उसने उसे ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया और कहा कि अगर उसने उसकी बात नहीं मानी तो वह उसकी अंतरंग तस्वीरें सोशल मीडिया पर पोस्ट कर देगा।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग...

दक्षिण जनसंख्या...

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी इसी तरह का तरीका अपनाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने बताया कि दक्षिणी राज्य राष्ट्रीय खजाने में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं, लेकिन उन्हें तुलनात्मक रूप से कम आवंटन मिलता है। उन्होंने केंद्र की भाजपा सरकार पर 'जनसांख्यिकीय दंड' नीति लागू करने का आरोप लगाया। रेवंत रेड्डी ने कहा, जब से भारत ने 1971 में परिवार नियोजन को राष्ट्रीय प्राथमिकता के रूप में अपनाया है, तब से दक्षिणी भारत ने काफी प्रगति की है, इसके विपरीत, उत्तरी भारत के बड़े राज्य उतनी सफल नहीं हुए हैं। इसके अलावा, दक्षिणी राज्यों ने सबसे तेज़ आर्थिक विकास, अधिक जीडीपी, उच्च प्रति व्यक्ति आय, रोजगार सृजन, बेहतर बुनियादी ढांचा विकास, बेहतर शासन और बेहतर सामाजिक कल्याण का अनुभव किया है। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि अब समय आ गया है कि केंद्र दक्षिणी राज्यों और पंजाब के खिलाफ अपनी भेदभावपूर्ण नीतियों को बंद करे। इसी तरह, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि केंद्र को पिछले 50 वर्षों में राष्ट्र निर्माण में किए गए योगदान को स्वीकार करना चाहिए और पुरस्कृत करना चाहिए। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि तेलंगाना सरकार जल्द ही इस मामले में विधानसभा में एक प्रस्ताव पेश करेगी और उन्होंने अन्य सभी राज्य सरकारों से अपनी विधानसभाओं में इसका अनुसरण करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, मैं दक्षिणी राज्यों और पंजाब की अगली बैठक हैदराबाद में बुलाऊंगा, जहां हम अपने मुद्दे को आगे बढ़ाने की रणनीतियों पर चर्चा करेंगे। इसके अलावा, मैं विरोध को तेज करने के लिए सभी नेताओं के लिए एक सार्वजनिक बैठक की व्यवस्था करूंगा। बैठक में तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन, केरल के मुख्यमंत्री पेनाराय विजयन, पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान, कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार, बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव और विभिन्न राजनीतिक दलों के नेता भी मौजूद थे।

आल इंडिया ओल्ड टेम्पल रेनोवेशन ट्रस्ट के सहयोग से श्रीलंका में मंदिर प्रतिष्ठा महोत्सव में भाग लेते हुए ट्रस्ट के चेयरमैन आर.के. जैन, जसमत पटेल, नरसिम्हा राव, डॉ. हरिकुमार एवं अन्य।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

केएल राहुल 2 मैचों से बाहर रह सकते हैं

पत्नी अथिया शेट्टी मां बनने वाली हैं; दिल्ली ने 14 करोड़ में खरीदा था

मुंबई, 22 मार्च (एजेंसियां)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 सीजन भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार विकेटकीपर-बल्लेबाज केएल राहुल के लिए एक महत्वपूर्ण सीजन साबित हो सकता है। लखनऊ सुपर जायंट्स के साथ तीन साल के कार्यकाल के बाद राहुल ने इस फ्रैंचाइज़ी को छोड़ दिया है, जहां उनकी बल्लेबाजी कई बार आलोचना का केंद्र बनी। अब वह दिल्ली कैपिटल्स की टीम का हिस्सा बन गए हैं।

2025 के मेगा ऑक्शन में दिल्ली कैपिटल्स ने राहुल को 14 करोड़ रुपये में खरीदा। दिलचस्प बात यह है कि एलएसजी ने दिल्ली कैपिटल्स के पूर्व कप्तान ऋषभ पंत को 27 करोड़ रुपये में खरीदा। इस तरह, राहुल और पंत ने एक-दूसरे की टीमों को इंटरचेंज किया है।

दिल्ली कैपिटल्स और लखनऊ सुपर जायंट्स का मुकाबला होगा रोमांचक

आईपीएल 2025 के 18वें संस्करण में दिल्ली कैपिटल्स और लखनऊ सुपर जायंट्स एक-दूसरे के खिलाफ अपना पहला मैच खेलेंगे। यह मुकाबला 24 मार्च (सोमवार) को विशाखापत्तनम के डॉ. वाई.एस. राजशेखर रेड्डी एसीए-वीडीसीए क्रिकेट स्टेडियम में होगा। इस मैच में राहुल और पंत का एक-दूसरे के खिलाफ खेलना क्रिकेट प्रेमियों के लिए एक बड़ा आकर्षण होगा। हालांकि, राहुल के इस मैच में खेलने की संभावना कम है। ऑस्ट्रेलिया की महिला क्रिकेट टीम की कप्तान एलिसा हिली ने खुलासा किया कि राहुल सीजन के पहले दो मैच नहीं खेलेंगे। यह जानना दिलचस्प है कि हिली मिचेल स्टार्क की पत्नी हैं, जो इस सीजन में दिल्ली कैपिटल्स के लिए खेलेंगे।

राहुल के पहले दो मैच छूटने की संभावना

एलिसा हिली ने कहा कि हैरी ब्रुक नहीं खेलेंगे, इसलिए यह देखना दिलचस्प होगा कि उनकी जगह कौन खेलेगा। उनके पास केएल राहुल हैं, जो शायद पहले दो मैच नहीं खेलेंगे। मुझे लगता है कि वे अपने बच्चे के जन्म का इंतजार कर रहे हैं। लेकिन यह डायनामिक वाकई कूल है। उनके पास युवा खिलाड़ियों का पावर है, साथ ही केएल राहुल जैसा खिलाड़ी है जो टी20 क्रिकेट में पारी को संभाल सकता है। उन्हें देखना वाकई रोमांचक होगा।₹

राहुल अभी तक दिल्ली कैपिटल्स के कैंप में शामिल नहीं हुए हैं, जिससे हिली के दावे को और बल मिलता है। 32 वर्षीय राहुल को हाल ही में भारतीय टीम के सहायक कोच अभिषेक नायर के साथ मुंबई में प्रैक्टिस करते देखा गया। यह भी ध्यान देने योग्य है कि राहुल की पत्नी अथिया शेट्टी ने नवंबर 2023 में अपनी प्रेग्नेंसी की घोषणा की थी।

कप्तानी की जिम्मेदारी से मुक्त होंगे राहुल

आईपीएल 2025 सीजन 2019 के बाद पहली बार होगा जब राहुल बिना कप्तानी की जिम्मेदारी के खेलेंगे। एलएसजी का नेतृत्व करने से पहले, वह 2020 से 2021 तक पंजाब किंग्स के कप्तान भी रहे। इस सीजन में दिल्ली कैपिटल्स की कप्तानी अक्षर पटेल करेंगे, जबकि फाफ डु प्लेसिस को उप-कप्तान बनाया गया है। वहीं, एलएसजी की कप्तानी ऋषभ पंत संभालेंगे।

राहुल के लिए यह सीजन क्यों है महत्वपूर्ण?

केएल राहुल के लिए आईपीएल 2025 सीजन एक 'मेक-ऑर-ब्रेक' सीजन साबित हो सकता है। पिछले कुछ सीजन में उनकी बल्लेबाजी को लेकर आलोचनाएं होती रही हैं, और अब एक नई टीम के साथ उन्हें अपना प्रदर्शन सुधारने का मौका मिलेगा। दिल्ली कैपिटल्स की टीम में उनकी भूमिका न केवल टीम के लिए, बल्कि उनके करियर के लिए भी महत्वपूर्ण होगी। क्रिकेट प्रेमियों की नजरें राहुल के प्रदर्शन पर टिकी होंगी, क्योंकि वह एक बार फिर अपने खेल से सभी को प्रभावित करने की कोशिश करेंगे।

इरफान पठान पर गंभीर आरोप

क्या इस वजह से आईपीएल 2025 कमेंट्री पैनल से किया गया बाहर?

मुंबई, 22 मार्च (एजेंसियां)। क्रिकेट में खिलाड़ियों के साथ-साथ कमेंटेटर्स भी अपनी कमेंट्री के जरिए मैच के रोमांच बढ़ा देते हैं. आईपीएल 2025 के लिए भी एक बड़े कमेंट्री पैनल का ऐलान किया है. लेकिन इस बार पूर्व ऑलराउंडर इरफान पठान कमेंट्री पैनल का हिस्सा नहीं हैं. वह पिछले कई सालों से बतौर कमेंटेटर हर एक बड़े क्रिकेट इवेंट में नजर आ रहे हैं. लेकिन इस बार लिस्ट में उनका नाम ना देखकर हर कोई हैरान है. सभी के मन में एक ही सवाल है कि इस बार इरफान पठान आईपीएल में कमेंट्री क्यों नहीं करेंगे? इस पर एक चौंकाने वाली खबर सामने आई है.

कमेंट्री पैनल का हिस्सा क्यों नहीं हैं इरफान पठान?

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, कुछ भारतीय खिलाड़ियों के खिलाफ बोलने की वजह से इरफान पठान को कमेंट्री पैनल से बाहर रखा गया है. कुछ खिलाड़ियों ने पठान की कमेंट्री को लेकर शिकायत की थी. इस खिलाड़ियों ने आरोप लगाया था कि इरफान उन पर निजी कमेंट कर रहे हैं. माना जा रहा है कि बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के दौरान इरफान पठान ने कुछ खिलाड़ियों को लेकर जो बातें की थीं, उसी वजह से ऐसा हुआ है. वहीं, ये भी दावा किया गया है कि बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में उनकी कमेंट्री के बाद एक खिलाड़ी ने उन्हें फोन पर ब्लाक भी कर दिया था. इरफान पठान कुछ खिलाड़ियों के खिलाफ निजी एजेंडे के तहत बोल रहे थे, जो सिस्टम को बिल्कुल भी पसंद नहीं आया. इसके अलावा उनका एटिट्यूड भी एक बड़ी वजह माना जा रहा है. इस वजह से बीसीसीआई उनसे नाराज है. बता दें, ये पहला मौका नहीं है, इससे पहले संजय मांजरकर को भी खिलाड़ियों की शिकायत के बाद कमेंट्री पैनल से हटाया जा चुका है. वह कुछ सालों तक कमेंट्री पैनल का हिस्सा नहीं बन सके थे. हालांकि बाद में उनकी वापसी हो गई थी.

आईपीएल 2025 के लिए कमेंटेटर्स की लिस्ट

नेशनल फीड कमेंटेटर्स- आकाश चोपड़ा, संजय मांजरेकर, माइकल क्लार्क, सुनील गावस्कर, नवजोत सिंह सिद्धू, मैथ्यू हेडन, मार्क बाउचर, शिखर धवन, हरभजन सिंह, अनिल कुंबले, सुरेश रैना, आरपी सिंह, शेन वॉटसन, संजय बांगर, वरुण आरोन, प्रज्ञान ओझा, अजय जडेजा, वीरेंद्र सहवाग, केन विलियमसन, एबी डिविलियर्स, आरोन फिंच, रॉबिन उथप्पा, अंबाती रायडू, मोहम्मद कैफ, पीयूष चावला.

वर्ल्ड फीड कमेंटेटर्स- इयोन मोर्गन, शेन वॉटसन, माइकल क्लार्क, ग्रीम स्मिथ, हर्षा भोगले, निक नाइट, डैनी मॉरिसन, इयान बिशप, एलन विल्किंस, डैरेन गंगा, नताली जर्मनोस, रवि शास्त्री, सुनील गावस्कर, मैथ्यू हेडन, दीप दासगुप्ता, आरोन फिंच, वरुण आरोन, साइमन डूल, पॉमी एमबांग्वा, अंजुम चोपड़ा, कैटी मार्टिन, डब्लू वी रमन और मुरली कार्तिक.

मुक्केबाजी में विवाद पर आया आईओए अध्यक्ष पीटी उषा का बयान, कहा दुखी हूं

नई दिल्ली, 22 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष पीटी उषा ने खिलाड़ियों के विवादों में फंसने पर निराशा व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे मुद्दे उन पर नकारात्मक प्रभाव डालते हैं। भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) अधिकारियों के बीच आपसी झगड़े के कारण चल रही महिला राष्ट्रीय मुक्केबाजी चैंपियनशिप प्रभावित हुई है।

'बुरा लग रहा है'

टोक्यो ओलंपिक पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन सहित असम की टीम को कथित तौर पर राज्य इकाई के सचिव हेमंत कलिता द्वारा इस टूर्नामेंट का बहिष्कार करने के लिए मजबूर किया गया था। कलिता को हाल में महासंघ प्रमुख अजय सिंह द्वारा बीएफआई के महासचिव के पद से निलंबित कर दिया गया था। उषा ने चैंपियनशिप के मौके पर कहा, 'मुझे बुरा लग रहा है कि खिलाड़ियों को विवाद में घसीटा गया है।'

'चाहती थी खिलाड़ी आएं'

उन्होंने कहा, 'मैं चाहती थी कि खिलाड़ी यहां आएं और प्रतिस्पर्धा करें। मुझे खुशी है कि ऐसा हो रहा है। अब मुक्केबाजी लॉस एंजिल्स ओलंपिक का भी हिस्सा है।' प्रतियोगिता में उषा की उपस्थिति उल्लेखनीय थी क्योंकि उन्होंने पिछले महीने बीएफआई के कामकाज की देखरेख के लिए एक तदर्थ समिति नियुक्त की थी, जिस कदम पर बाद में अदालत ने रोक लगा दी थी। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि उनकी उपस्थिति केवल खिलाड़ियों के लाभ के लिए थी।

'ऐसा नहीं होना चाहिए था'

उन्होंने कहा, 'आमतौर पर मैं अंतिम समय के निमंत्रण स्वीकार नहीं करती, लेकिन मैं आई क्योंकि मैं चाहती थी कि यह प्रतियोगिता हो। मुक्केबाज लंबे समय से राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं या शिविरों से दूर रहे हैं। यह एक महत्वपूर्ण अवसर है, खासकर अब जब मुक्केबाजी की लॉस एंजिल्स ओलंपिक के लिए पुष्टि कर दी गई है, लेकिन मुझे उन खिलाड़ियों के लिए बुरा लगता है जो भाग नहीं ले सकी। ऐसा नहीं होना चाहिए था।'

कोवेंट्री को लेकर कही यह बात

उन्होंने कहा, 'यह हर जगह खिलाड़ियों के लिए मुश्किल है। मेरे पूरे जीवन में हमेशा बाधाएं और चुनौतियां रही हैं। लेकिन उन्हें अपनी स्पर्धा पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए, कुछ हासिल करने के लिए जुनून और समर्पण के साथ लड़ना चाहिए, चाहे कुछ भी हो जाए।' आईओए की पहली महिला अध्यक्ष उषा ने अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के प्रमुख के रूप में क्रिस्टी कोवेंट्री के चुनाव पर भी खुशी व्यक्त की। कोवेंट्री शीर्ष पद पाने वाली पहली महिला और पहली अफ्रीकी अधिकारी हैं।

2036 ओलंपिक को लेकर आशावादी

उन्होंने कहा, 'मैं पहली महिला अध्यक्ष को देखकर बहुत खुश हूं और उम्मीद करती हूं कि वह खेलों में महिलाओं की बेहतरी के लिए काम करेंगी। जहां तक मुझे पता है, वह डोपिंग के सख्त खिलाफ हैं और मुझे उम्मीद है कि वह इस दिशा में ठोस कदम उठाएंगी।' भारत 2036 ओलंपिक की मेजबानी करने का लक्ष्य बना रहा है और उषा आशावादी हैं। उन्होंने कहा, 'आईओसी में अब मेरे बहुत सारे दोस्त हैं और बहुत से लोग हमारा समर्थन कर रहे हैं। हम चाहते हैं कि ऐसा हो, यह प्रधानमंत्री का विजन है और मैं इसे हकीकत बनाने में मदद करने की पूरी कोशिश करूंगी।'

मेसी के बिना भी जीता अर्जेंटीना

विश्व कप के लिए क्वालिफाई करने से बस एक अंक दूर

मोंटेवीडियो, 22 मार्च (एजेंसियां)। अर्जेंटीना ने लियोनेल मेसी के बिना भी खेले गए दक्षिण अमेरिकी विश्व कप क्वालिफाइंग मैच में उरुग्वे को 1-0 से हरा दिया। अर्जेंटीना के लिए एकमात्र गोल थियागो अल्माडा ने 68वें मिनट में दागा जो कि निर्णायक साबित हुआ। इस जीत के साथ ही गत चैंपियन अर्जेंटीना अगले साल होने वाले विश्व कप में सीधा प्रवेश पाने से केवल एक अंक दूर रह गया है।

अर्जेंटीना दक्षिण अमेरिका क्वालिफाइंग में 13 मैचों के बाद 28 अंकों के साथ सबसे आगे बना हुआ है और अगर वह मंगलवार को ब्राजील के खिलाफ घरेलू धरती पर होने वाले मैच को ड्रॉ करने में सफल हो जाता है तो विश्व कप में अपनी जगह सुनिश्चित कर लेगा। इससे पहले जब फुटबॉल जगत की इन दो दिग्गज टीमों के बीच मुकाबला हुआ था तब अर्जेंटीना ने रियो डी जनेरियो के माराकाना स्टेडियम में 1-0 से जीत हासिल की थी। कोच लियोनेल स्कालोनी की टीम पहले से ही सातवें स्थान पर मौजूद बोलीविया से 15 अंक आगे है, जबकि प्रतियोगिता में अब केवल पांच दौर के मैच खेले जाने बाकी हैं। इससे पहले इक्वाडोर ने वेनेजुएला को 2-1 से हराया और दक्षिण अमेरिकी विश्व कप क्वालीफाइंग प्रतियोगिता की अंक तालिका में दूसरे स्थान पर पहुंच गया। ब्राजील 21 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर है। वह उरुग्वे और पराग्वे से एक अंक आगे है। कोलंबिया 19 अंकों के साथ छठे स्थान पर है। दक्षिण अमेरिकी क्वालीफाइंग में शीर्ष छह स्थान पर रहने वाली टीमों को अमेरिका, मैक्सिको और कनाडा में होने वाले विश्व कप में सीधा प्रवेश मिलेगा जबकि सातवें स्थान पर रहने वाली टीम अंतरराष्ट्रीय प्लेऑफ में खेलेगी।

आईओसी की नई अध्यक्ष कोवेंट्री के घर डकैती

माता-पिता को बंदूक दिखाकर बनाया बंधक, दो आरोपी गिरफ्तार

हरारे, 22 मार्च (एजेंसियां)। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) की नव निर्वाचित अध्यक्ष किर्स्टी कोवेंट्री के माता-पिता के हरार स्थित घर पर सशस्त्र डकैती डालने के आरोप में दो भाइयों को गिरफ्तार किया गया है। दोनों आरोपियों को जिम्बाब्वे की एक अदालत में पेश किया गया। इन दोनों पर कथित तौर पर कोवेंट्री के कुछ खेल संबंधी यादगार वस्तुएं चुराने का आरोप है। न्यूज एजेंसी एपी (एसोसिएटेड प्रेस) की रिपोर्ट्स के मुताबिक, डकैती 10 मार्च को हुई थी।

पुलिस के मुताबिक, जॉन और माइक नहोंगवे पर 90 हजार डॉलर के सामान चोरी करने तथा कोवेंट्री के माता-पिता को बंदूक की नोक पर बंधक बनाने का आरोप है। चोरी की गई वस्तुओं में आभूषण, आग्नेयास्त्र और जिम्बाब्वे की पूर्व ओलंपिक तैराक कोवेंट्री के करियर से जुड़ी कुछ स्मृति चिन्ह के साथ ही 15,000 अमेरिकी डॉलर की नकदी शामिल है।

पुलिस और कोवेंट्री के परिवार ने हालांकि यादगार वस्तुओं के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं दी, लेकिन स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, उन वस्तुओं में कोवेंट्री के कुछ ओलंपिक कपड़े शामिल थे। पुलिस ने बताया कि नहोंगवे भाइयों ने कोवेंट्री के माता-पिता को हरारे में अपने घर पर जूतों के फीतों से बांध दिया था। यह स्पष्ट नहीं है कि कोवेंट्री उस समय जिम्बाब्वे में थीं या नहीं।

41 वर्षीय कोवेंट्री को यूनान में आईओसी का नया अध्यक्ष चुना गया। कोवेंट्री को गुरुवार को आईओसी का 10वां अध्यक्ष चुना गया। उन्होंने विश्व एथलेटिक्स के प्रमुख सेबेस्टियन को और स्पेनिश खेल प्रशासक जुआन एंटोनियो समरंच जैसे अन्य लोगों को पीछे छोड़ दिया। कोवेंट्री आईओसी अध्यक्ष बनने वाली पहली अफ्रीकी बन गईं।

महान मुक्केबाज जॉर्ज फोरमैन का निधन

76 साल की उम्र में ली अंतिम सांस

खेल डेस्क, 22 मार्च (एजेंसियां)। पूर्व हैवीवेट चैंपियन जॉर्ज फोरमैन का निधन हो गया। उनके परिवार ने इंस्टाग्राम पर इसकी पुष्टि की। वह 76 वर्ष के थे। बयान में लिखा है- हमारा दिल टूट गया है। गहरे दुख के साथ हम अपने प्रिय जॉर्ज एडवर्ड फोरमैन सीनियर के निधन की घोषणा करते हैं। 21 मार्च, 2025 को वह हमें अलविदा कह गए। फोरमैन उन मुक्केबाजों में शामिल थे, जो निडर और बेबाक थे। उनके आंकड़े इसकी गवाही हैं। फोरमैन ने मुक्केबाजी के 81 मुकाबले खेले। इसमें से 76 में जीत हासिल की। इसमें से भी 68 मैच उन्होंने नॉकआउट से जीते। सिर्फ पांच मैचों में उन्हें हार मिली। फोरमैन ने 1968 मैक्सिको ओलंपिक में हेवीवेट श्रेणी में स्वर्ण पदक भी जीता था। वह फैंस के चहेते मुक्केबाजों में से एक रहे।

बयान में लिखा है, 'एक धर्मनिष्ठ उपदेशक, एक समर्पित पति, एक प्यार करने वाले पिता, एक मानवतावादी, एक ओलंपियन और दुनिया के दो बार के हैवीवेट चैंपियन। उन्होंने अटूट विश्वास, विनम्रता और उद्देश्य से चिह्नित जीवन जिया। उन्होंने सम्मान के साथ अपना जीवन जिया। वह अपने परिवार के लिए एक ताकत, अनुशासन, दृढ़ विश्वास थे। उन्होंने अपनी विरासत और अपने नाम को संरक्षित करने के लिए काफी संघर्ष किया। हम सभी से मिले प्यार और प्रार्थनाओं के लिए आभारी हैं। आप सभी से गोपनीयता की विनती करते हैं, क्योंकि हम एक ऐसे व्यक्ति के असाधारण जीवन का सम्मान करना चाहते हैं, जिसका हमने जीवनभर सम्मान और प्यार किया है।'

श्रेया घोषाल ने सुरीली आवाज से जीता फैंस का दिल

दिशा पाटनी ने मचाया धमाल

कोलकाता, 22 मार्च (एजेंसियां)। आईपीएल 2025 के उद्घाटन समारोह में दिशा अपने डांस मूव्स से दर्शकों का मन मोह लिया है। श्रेया घोषाल ने करीब 15 मिनट से अधिक समय तक प्रस्तुति दी और दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। श्रेया ने मां तुझे सलाम और वंदे मातरम के साथ अपनी प्रस्तुति का अंत किया। श्रेया इस दौरान ईडेन गार्डेंस पर फैंस का दिल जीतने में सफल रहीं। अब मंच पर बॉलीवुड अभिनेत्री दिशा पटानी आ गई हैं।

उद्घाटन समारोह जारी है और श्रेया घोषाल ने पुष्पा-2 के गानों से कोलकातावासियों को थिरकने पर मजबूर कर दिया है। ईडेन गार्डेंस उद्घाटन समारोह के दौरान रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। उद्घाटन समारोह में सबसे पहले बॉलीवुड की गायिका श्रेया घोषाल प्रस्तुति पेश कर रही हैं। श्रेया ने मेरे ढोलना... गाने से शुरुआत की है। आईपीएल के 18वें सत्र की शुरुआत हो गई है और ईडेन गार्डेंस पर रंगारंग आयोजन हो रहा है। श्रेया घोषाल की आवाज का जादू ईडेन गार्डेंस पर चल रहा है और उन्होंने अपनी मधुर आवाज से दर्शकों का मन मोह लिया है। मंच पर किंग खान यानी बॉलीवुड अभिनेता शाहरुख खान मौजूद हैं। समारोह की शुरुआत शाहरुख के भाषण से हो रही है। समारोह के लिए ईडेन गार्डेंस स्टेडियम खचाखच भरा हुआ है।

कोलकाता का ईडेन गार्डेंस आईपीएल 2025 की शुरुआत के लिए तैयार है और स्टेडियम दर्शकों से खचाखच भरा। समारोह जिसमें बॉलीवुड के स्टार अभिनेता और केकेआर के मालिक शाहरुख खान भी शामिल हैं।

उद्घाटन समारोह शुरू होने से पहले फैंस के लिए राहत की बारिश की संभावनाओं को देखते हुए पिच को कवर्स से ढका हुआ, फिर बाद में हटा दिया गया है।

केकेआर के पहले मैच से पूर्व टीम के मालिक शाहरुख ने संदेश दिया है। उन्होंने टीम से स्वस्थ और खुश रहने के लिए कहा है। केकेआर के आधिकारिक एक्स पेज पर वीडियो शेयर किया गया है जिसमें शाहरुख टीम के सदस्यों के साथ बात कर रहे हैं। इस दौरान केकेआर के नए कप्तान अजिंक्य रहाणे भी मौजूद हैं।

अमेरिका से फ्री में बैट लेकर भागा पाक क्रिकेटर!

खुद की ही नहीं, पूरे पाकिस्तान की कटाई नाक

खेल डेस्क, 22 मार्च (एजेंसियां)। पाकिस्तान क्रिकेट टीम का विवादों से पुराना नाता है। पाकिस्तान के क्रिकेटर अकसर विवादों में घिर रहते हैं, जिसकी वजह से सिर्फ पाकिस्तान में ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया में उनकी थू-थू होती है। अब एक ऐसा ही मामला सामने आया है, जिस पर यकीन करना थोड़ा मुश्किल है।

पाकिस्तान के एक पत्रकार ने दावा किया है कि पिछले साल टी-20 वर्ल्ड कप के दौरान एक पाकिस्तान क्रिकेटर ने अमेरिका के न्यू जर्सी के एक क्रिकेट स्टोर के मालिक से तीन बढ़िया क्वालिटी के बैट खरीदे और उसकी पेमेंट किए बगैर अपने देश लौट आया।

लापरवाही का आलम यह है कि इस पाकिस्तानी खिलाड़ी ने स्टोर मालिक को अब तक बैट के पैसे नहीं चुकाए हैं। पाकिस्तान के सीनियर जर्नलिस्ट वहीद खान के अनुसार, स्टोर मालिक ने पाकिस्तानी खिलाड़ी से संपर्क करने के कई प्रयास किए, लेकिन उसे उसके कॉल्स और मैसेज का अब तक कोई जवाब नहीं मिला है। जैसे ही इस घटना की खबर फैली, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अटकलों की बाढ़ आ गई है। बाबर आजम, मोहम्मद रिजवान, सैम अयूब और फखर जमान जैसे खिलाड़ी उस पाकिस्तानी टीम का हिस्सा थे और संभावना है कि वहीद उनमें से किसी एक का जिक्र कर रहे हों।

पाकिस्तान ने की ओछी हरकत, कप्तान रोहित शर्मा का उड़ाया मजाक, भारतीय फैंस ने लगा दी क्लास

नई दिल्ली, 22 मार्च (एजेंसियां)। पाकिस्तान क्रिकेट में समय-समय पर कुछ ऐसा होता रहता है, जिसकी वजह से उसका दुनियाभर में मजाक बनता है। अब एक बार फिर से ऐसा हुआ है, जहां एक वीडियो ने भारतीय फैंस को भड़का दिया है। यहां पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) की फ्रेंचाइजी मुल्तान सुल्तांस ने एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें पीएसएल के मैस्कॉट को पीएसएल ट्रॉफी के साथ खड़ा होते हुए दिखाया है। वीडियो में तभी पीछे से भारतीय कप्तान रोहित शर्मा की आवाज आती है, जिसमें वह कहते हुए दिखे कि ट्रॉफी जीतना आसान नहीं है।

वीडियो देख गुस्से में भारतीय फैंस

टीम की इस करतूत ने नए विवाद को जन्म दिया है। पीएसएल फ्रेंचाइजी के इस वीडियो ने भारतीय फैंस को गुस्से में भर दिया है, जहां वो जमकर अपनी भड़ास निकाल रहे हैं। कई फैंस का मानना है कि यह अनुचित और अनावश्यक है। यह घटना पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर ब्रैड हॉग से जुड़े इसी तरह के विवाद के कुछ समय बाद हुई है, जिन्होंने पाकिस्तानी बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान की इंग्लिश का मजाक बनाया गया था।

रोहित के बयान ने लूटी महफिल

बता दें कि चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के फाइनल में न्यूजीलैंड को हराने के बाद रोहित का एक दिल जीतने वाला बयान सामने आया था, जहां उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था कि हमसे पूछो इसको जीतने के लिए कितना वो (मेहनत) लगता है।

टीम को चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब जिताने के बाद रोहित अब आईपीएल 2025 में धमाल मचाते नजर आएंगे। उनकी टीम मुंबई इंडियंस को इस लीग का शुरुआती मैच 23 मार्च को पांच बार की चैम्पियन चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ खेलना है।

दावत-ए-इफ्तार का आयोजन : डिप्टी सीएम

मंत्री पोन्नम प्रभाकर व सरकार के सलाहकार शब्बीर अली के साथ रमजान उत्सव व्यवस्था की समीक्षा

हैदराबाद, 22 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने अधिकारियों को राज्य भर में दावत-ए-इफ्तार का भव्य आयोजन करने का निर्देश दिया है।

उन्होंने शनिवार को विधानसभा हॉल में मंत्री पोन्नम प्रभाकर और सरकार के सलाहकार शब्बीर अली के साथ इफ्तार रात्रिभोज और रमजान उत्सव की व्यवस्था की समीक्षा की। डिप्टी सीएम ने कहा कि हर साल आयोजित होने वाले इन कार्यक्रमों के लिए फंड की कोई कमी नहीं है। डिप्टी सीएम ने कहा कि अधिकारियों को भोजन की गुणवत्ता, प्रोटोकॉल और सुविधाओं से समझौता करने की कोई जरूरत नहीं है। अधिकारी व्यवस्थाओं में लापरवाही न बरतें और यह सुनिश्चित करें कि छोटी सी गलती की संभावना न रहे। कानून एवं व्यवस्था, बिजली एवं मीठा पानी बिना किसी समस्या के सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे व्यवस्थाओं में किसी भी संदेह या कठिनाइयों के बारे में संकोच न करें और इसे जिला प्रभारी मंत्री पोन्नम प्रभाकर या स्वयं के ध्यान में लाएं। उन्होंने बताया कि व्यवस्थाओं की प्रतिदिन समीक्षा व्यवस्था समिति के उपाध्यक्ष शासन के सलाहकार शब्बीर अली करेंगे।

बैठक में मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने कहा कि सरकार ने रमज़ान के पवित्र महीने में मुस्लिम भाइयों को बिना किसी असुविधा के सभी व्यवस्थाएं की हैं और कहा कि दावत-ए-इफ्तार की भी व्यवस्था की जाएगी। सरकार के सलाहकार और पूर्व मंत्री शब्बीर अली ने कहा कि हमारी सरकार दावत इफ्तार का आयोजन भव्य तरीके से करेगी। बैठक में सभी विभागों के अधिकारियों ने भाग लिया।

एडिशनल डीसीपी समेत छात्र की सड़क दुर्घटना में मौत

हैदराबाद, 22 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। शनिवार सुबह हयातनगर इलाके में लक्ष्मारेड्डीपालेम के पास एक सड़क दुर्घटना हुई। दुर्घटना में एडिशनल डीसीपी बॉबी की मौत हो गई। लक्ष्मारेड्डीपालेम के मैत्री कुटीर में रहने वाले बॉबी सुबह की सैर के लिए निकले थे। विजयवाड़ा राष्ट्रीय राजमार्ग पार करते समय उन्हें आरटीसी बस ने टक्कर मार दी। डीसीपी की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर घटना की जांच शुरू कर दी है। इसी तरह इस बीच, शहर के गच्चीबावली फ्लाईओवर पर सड़क दुर्घटना में दसवीं कक्षा की छात्रा की मौत हो गई। पता चला है कि टीएनजीओ कॉलोनी का एक युवक अपनी बहन को दसवीं कक्षा की परीक्षा दिलाने के लिए गच्चीबावली स्थित परीक्षा केंद्र पर ले गया था। परीक्षा के बाद वापस लौटते समय जब वे गच्चीबोवली फ्लाईओवर पर पहुंचे तो उनका दोपहिया वाहन अनियंत्रित होकर आरटीसी डबल डेकर बस के नीचे जा गिरा। नतीजतन, छात्रा की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसका भाई घायल हो गया। सूचना मिलने पर रायदुर्गम पुलिस मौके पर पहुंची और जानकारी जुटाई। घायल युवक को स्थानीय अस्पताल ले जाया गया। रायदुर्गम पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

परिसीमन से दक्षिणी राज्यों का भविष्य खतरे में : केटीआर

चेन्नई/हैदराबाद, 22 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिणी राज्यों के नेताओं और चेन्नई के मुख्यमंत्री द्वारा आयोजित परिसीमन सम्मेलन में एक सशक्त संबोधन में, बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के.टी. रामाराव ने दक्षिणी भारत में चल रही परिसीमन प्रक्रिया के संभावित नतीजों पर गंभीर चिंता व्यक्त की।

इसे दक्षिणी राज्यों के भविष्य के लिए खतरा बताते हुए, केटीआर ने चेतावनी दी कि मौजूदा नीति उनके आर्थिक योगदान, शासन की उपलब्धियों और लोकतांत्रिक प्रतिनिधित्व को कमजोर करने का जोखिम उठाती है, साथ ही उन्होंने केंद्र सरकार पर क्षेत्र के खिलाफ दशकों से भेदभाव जारी रखने का आरोप लगाया। सम्मेलन में दक्षिणी राज्यों के प्रमुख नेताओं ने भाग लिया, जिसका उद्देश्य परिसीमन के विवादास्पद मुद्दे को संबोधित करना था, जिसके बारे में केटीआर ने तर्क दिया कि यह केवल संसदीय प्रतिनिधित्व को समायोजित करने से परे है। उन्होंने चेतावनी दी कि इससे धन और राजकोषीय नियंत्रण का केंद्रीकरण हो सकता है, जिससे दक्षिणी राज्यों की प्रगति खतरे में पड़ सकती है। केटीआर ने जोर देकर कहा, भारत एक लोकतांत्रिक राष्ट्र है, लेकिन यह विविध पहचानों और संस्कृतियों का एक संघीय संघ भी है। हमें इसे नहीं भूलना चाहिए।

उन्होंने केंद्र सरकार से लोकतंत्र को सत्तावादी भीड़तंत्र में बदलने से बचने के लिए अपने दृष्टिकोण पर पुनर्विचार करने का आग्रह किया। केटीआर ने परिसीमन के संभावित परिणामों पर निराशा व्यक्त की और कहा कि जनसंख्या नियंत्रण और आर्थिक विकास में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले दक्षिणी राज्यों को अनुचित रूप से दंडित किया जा रहा है। उन्होंने कहा, दशकों से, दक्षिणी राज्यों को केंद्र से भेदभाव का सामना करना पड़ रहा है। मौजूदा परिसीमन प्रस्ताव न केवल हमारे संसदीय प्रतिनिधित्व को कम करेगा, बल्कि सभी क्षेत्रों में अन्याय भी करेगा। समाधान पेश करने के लिए, केटीआर ने बीआरएस की ओर से वैकल्पिक दृष्टिकोण प्रस्तुत किए। उन्होंने सुझाव दिया कि केवल जनसंख्या के आधार पर संसदीय सीटों को बढ़ाने के बजाय, केंद्र को शासन दक्षता में सुधार के लिए राज्य विधानसभाओं में विधायकों की सीटों को बढ़ाते हुए लोकसभा सीटों की मौजूदा संख्या को बनाए रखना चाहिए। वैकल्पिक रूप से, उन्होंने प्रस्ताव दिया कि परिसीमन में केवल जनसंख्या मीट्रिक के बजाय राज्य की आर्थिक प्रगति, प्रशासनिक दक्षता और विकासात्मक उपलब्धियों को भी शामिल किया जाना चाहिए। उन्होंने आग्रह किया, यदि केंद्र का लक्ष्य बेहतर शासन और प्रतिनिधित्व है, तो उसे ऐसे विकल्प तलाशने चाहिए जो राज्यों के बीच मतभेद न पैदा करें। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि दक्षिणी राज्य भारत की जीडीपी में 36 प्रतिशत का योगदान करते हैं, जबकि उनकी आबादी केवल 19 प्रतिशत है, जो एक क्रांतिकारी विचार है कि वे अपने आर्थिक उत्पादन के आधार पर संसद में आनुपातिक प्रतिनिधित्व के हकदार हैं। केटीआर ने केंद्र की तीखी आलोचना की। उन्होंने तर्क दिया कि जनसंख्या के आधार पर 50 वर्षों तक संसदीय सीटों को फ्रीज करना और अब जनसंख्या नियंत्रण में उनकी सफलता के लिए दक्षिणी राज्यों को दंडित करना घोर अन्याय है। उन्होंने जोर देकर कहा, दक्षिणी राज्य सजा के हकदार नहीं हैं, वे भारत के विकास में अपने योगदान के लिए प्रोत्साहन के हकदार हैं। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि मौजूदा परिसीमन नीति एक विभाजन पैदा करने का जोखिम उठाती है जहां विकसित राज्य हार जाते हैं जबकि पिछड़े क्षेत्र असमान रूप से लाभ उठाते हैं, एक ऐसा कदम जिसे उन्होंने भारत की महाशक्ति बनने की आकांक्षा के लिए हानिकारक बताया।

भुवनगिरी में तोड़फोड़ अभियान से किसान परेशान

भुवनगिरी, 22 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस और राजस्व अधिकारियों की एक संयुक्त टीम ने शनिवार सुबह भुवनगिरी जिले के वडापर्थी गांव मुख्य सड़क पर तोड़फोड़ अभियान चलाया, जिसके कारण विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया। सड़क किनारे किसानों द्वारा अपनी ज़मीन पर बनाए गए छोटे-छोटे शेड और घर ढहा दिए गए। उन्होंने सब्ज़ियां और दूसरी कृषि उपज बेचने के लिए छोटी-छोटी दुकानें बना रखी थीं। अधिकारियों ने कथित तौर पर बिना किसी पूर्व सूचना के उन्हें ढहा दिया और कहा कि वे नियमों का उल्लंघन करके बनाए गए थे। प्रभावित परिवारों ने सड़क पर विरोध प्रदर्शन किया।

ट्रेडिंग धोखाधड़ी का आरोपी यूपी से गिरफ्तार

1 करोड़ 22 लाख रुपये के ठगी का मामला

हैदराबाद, 22 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। साइबर क्राइम, हैदराबाद सिटी की टीम ने उत्तर प्रदेश से एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी अंकित अरोड़ा ट्रेडिंग धोखाधड़ी में शामिल है और आरोपी भारत भर में 23 मामलों में शामिल पाया गया है। पुलिस उपायुक्त, साइबर अपराध हैदराबाद शहर डी. कविता ने बताया कि सिकंदराबाद निवासी एक पीड़ित से एक शिकायत प्राप्त हुई, जिसमें कहा गया कि साइबर धोखेबाजों ने टेलीग्राम के माध्यम से उससे संपर्क किया और स्टॉक खरीदनेव बेचने के लिए मुफ्त ट्रेडिंग टिप्स देकर उसे निवेश करने के लिए राजी किया।

कुछ दिनों के बाद, उन्होंने उसे ट्रेडिंग में आगे के मार्गदर्शन और भारी मुनाफा कमाने के लिए धोखेबाजों द्वारा प्रदान किए गए ट्रेडिंग एप्लिकेशन पर पुनर्निर्देशित किया। शिकायतकर्ता ने उन पर विश्वास किया और 1,22,87,120 रुपए (एक करोड़ बाईस लाख अस्सी हजार बीस रुपये) की राशि हस्तांतरित कर दी। बाद में, जब वॉलेट में मुनाफे के प्रदर्शन के साथ जमा की गई कुल राशि बहुत अधिक थी, तो उसने आगे की निकासी की मांग की, जिसे उन्होंने विभिन्न कारणों से अस्वीकार कर दिया और वास्तव में उसे इस चेतावनी के साथ आगे जमा करने के लिए कहा कि, इनकार करने पर, सभी संचार बंद हो जाएंगे, और उपयोगकर्ता आईडी ब्लॉक कर दी जाएगी। इस संबंध में साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन, हैदराबाद में मामला दर्ज किया गया। उन्होंने बताया कि इस मामले में आरोपी अंकित अरोड़ा जो एक खाताधारक और खाता आपूर्तिकर्ता है और उसने फरार मुख्य आरोपी दीपक कुमार निवासी उत्तर प्रदेश को तीन खाते उपलब्ध कराए। आरोपी अंकित अरोड़ा ने कमीशन के आधार पर बैंक खाते उपलब्ध कराए। एनसीआरपी डेटा के अनुसार, यह पाया गया कि आरोपी का खाता पूरे भारत में 23 मामलों में शामिल है और उसके खाते से 6 करोड़ रुपये का लेनदेन किया गया।

आरोपियों ने संगठित समूह बनाया और ट्रेडिंग टिप्स देने के बहाने निर्दोष लोगों को ठगा। पुलिस निरीक्षक के. प्रसाद राव के नेतृत्व में टीम के सदस्य पीवी श्रीनिवास (एचसी), पीसी के ए. सतीश, एस. श्रीनिवास रेड्डी, जी. क्रांति, जी. राकेश, डी. शेखर और जे. वेंकटेश ने आर.जी. शिव मारुति, एसीपी, साइबर क्राइम पीएस, हैदराबाद की देखरेख में मामले का पता लगाया।

ठग ने दो व्यापारियों को दिया धोखा

सोना और अमेरिकी डॉलर लेकर फरार

हैदराबाद, 22 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। एक ठग शुक्रवार को दो व्यापारियों को धोखा देकर उनसे आधा किलोग्राम सोना और अमेरिकी डॉलर लेकर फरार हो गया। पुलिस के अनुसार, खुद को स्टीफन बताने वाले एक व्यक्ति ने नरसिंगी के स्वर्ण व्यापारी चंद्रशेखर और विदेशी मुद्रा विनिमय व्यवसाय से जुड़े रफी को फोन पर बताया कि वह सोना खरीदकर विदेशी मुद्रा विनिमय करने जा रहा है। उसने दोनों लोगों को गच्चीबोवली के एक होटल में आने को कहा।

गच्चीबोवली पुलिस ने बताया कि उस पर विश्वास करके चंद्रशेखर और रफी दोपहर के समय होटल आए। स्टीफन उन्हें होटल के एक कमरे में ले गया। सोना और विदेशी मुद्रा लेने के बाद ठग ने कहा कि वह कुछ ही मिनटों में नकदी लेकर वापस आएगा और भाग गया। दोनों लोग होटल के कमरे में उसका इंतजार करते रहे। काफी देर तक इंतजार करने के बाद उन्हें शक हुआ और उन्होंने होटल प्रबंधन से पूछताछ की। स्टीफन के बारे में कोई सुराग न मिलने पर उन्होंने गच्चीबावली पुलिस से संपर्क किया, जिसने प्रारंभिक जांच के बाद मामला दर्ज कर लिया।

उस्मानिया विश्वविद्यालय में छात्रों पर पुलिस की कार्रवाई जारी

हैदराबाद, 22 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। परिसर में विरोध प्रदर्शन पर प्रतिबंध लगाने वाले विश्वविद्यालय के परिपत्र को वापस लेने की मांग कर रहे उस्मानिया विश्वविद्यालय (ओयू) के छात्रों पर पुलिस की कार्रवाई शनिवार को भी जारी रही। बीआरएसवी सचिव जंगैया सहित कई छात्रों को स्थानीय पुलिस ने विश्वविद्यालय परिसर के छात्रावासों से उठा लिया। जंगैया ने इस अलोकतांत्रिक सर्कुलर को तत्काल वापस लेने की मांग की और इसे छात्रों के अधिकारों का उल्लंघन बताया। उन्होंने विश्वविद्यालय प्रशासन से सवाल करने वाले छात्रों को गिरफ्तार करने के लिए तेलंगाना कांग्रेस सरकार की आलोचना की।

उन्होंने कहा कि जब तक विश्वविद्यालय प्रशासन इस परिपत्र को वापस नहीं ले लेता, तब तक इसके खिलाफ लड़ाई जारी रहेगी। कांग्रेस के विधानसभा चुनाव घोषणापत्र पर प्रकाश डालते हुए, जिसमें छात्राओं के लिए इलेक्ट्रिक स्कूटर का वादा भी शामिल है, जनैया ने सभी वादों को तत्काल पूरा करने की मांग की।

बीआरएसवी सचिव ने बताया कि विश्वविद्यालय के छात्र बेहतर सुविधाओं की आवश्यकता पर चिंता जता रहे हैं, जिसमें परिसर में नए छात्रावास और पुस्तकालयों की स्थापना भी शामिल है। इसके अतिरिक्त, उन्होंने राज्य सरकार से बिना किसी देरी के लंबित शुल्क प्रतिपूर्ति जारी करने की मांग की। गिरफ्तार छात्रों में बीआरएसवी के बी नागराज यादव, वी रामकृष्ण और साई गौड़ तथा एआईएसएफ के नेल्ली सत्या और भगत शामिल थे, जिन्हें ओयू पुलिस स्टेशन में स्थानांतरित कर दिया गया।

ट्रैफिक पुलिस ने शराब पीकर गाड़ी चलाने के आरोप में 1099 लोगों को पकड़ा

हैदराबाद, 22 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद यातायात पुलिस ने पिछले सप्ताह शहर भर में शराब पीकर वाहन चलाने वालों की जांच के दौरान 1099 लोगों को पकड़ा। यातायात पुलिस की टीमों ने शहर के विभिन्न स्थानों पर चेक पोस्ट बनाकर 961 दोपहिया वाहन चालकों, 39 तिपहिया वाहन चालकों, 96 चार पहिया वाहन चालकों तथा तीन भारी वाहन चालकों को पकड़ा तथा उनके खिलाफ मामले दर्ज किए गए।

पकड़े गए लोगों में कुल 470 लोग 21 से 30 वर्ष की आयु के हैं, इसके बाद 331 लोग 31 से 40 वर्ष की आयु के हैं, जबकि 193 लोग 41 से 50 वर्ष की आयु के हैं। शराब पीकर गाड़ी चलाने की जांच के दौरान केवल एक महिला पकड़ी गई। पंद्रह लोगों में बीएसी स्तर 300 से अधिक दर्ज किया गया। यातायात पुलिस ने वाहनों को जब्त कर लिया और उल्लंघनकर्ताओं को अदालत में पेश होने को कहा।

सड़क दुर्घटना में 16 खेतिहर मजदूर घायल

पेद्दापल्ली, 22 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। शनिवार सुबह मंथनी मंडल के नागेपल्ली चौराहे पर हुई सड़क दुर्घटना में कम से कम 16 खेतिहर मजदूर घायल हो गए। यह घटना उस समय घटी जब पीड़ितों को ले जा रही एक ऑटोरिक्शा ट्रॉली, मंथनी-कटारम मुख्य सड़क पर नागेपल्ली के पास वाहन का स्टीयरिंग रॉड टूट जाने के कारण पलट गई। पुलिस के अनुसार, मंथनी मंडल के बट्टुपल्ली निवासी मजदूर मिर्च के खेतों में काम करने के लिए मल्लाराम जा रहे थे। घायल हुए 16 मजदूरों में से तीन महिलाएं (बोंदाला किस्टम्मा, अप्पाला शैलजा और अप्पाला वनिता) गंभीर रूप से घायल हो गईं। उन्हें इलाज के लिए करीमनगर अस्पताल ले जाया गया, जबकि शेष को गोदावरीखानी सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया। परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने घटना पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कलेक्टर से फोन पर बात की और दुर्घटना के बारे में जानकारी ली।

बिना योग्यता के चिकित्सा का अभ्यास करने के आरोप में एक गिरफ्तार

आदिलाबाद, 22 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। गुडीहाथनूर मंडल केंद्र में आवश्यक योग्यता के बिना चिकित्सा का अभ्यास करके एक महिला को बीमार करने के आरोप में शनिवार को एक ग्रामीण चिकित्सक को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने कहा कि गुड़ीहाथनूर मंडल मुख्यालय के सूर्यमशी दिलीप को तेलंगाना राज्य चिकित्सा व्यवसायी पंजीकरण अधिनियम और राष्ट्रीय चिकित्सा परिषद अधिनियम के मानदंडों का उल्लंघन करके गुड़ीहाथनूर मंडल केंद्र की पांच महीने की गर्भवती महिला को दवाएं लिखने के आरोप में गिरफ्तार किया गया।

इससे पहले, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों से मिली शिकायत के आधार पर दिलीप के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। पुलिस ने चेतावनी दी कि अवैध गतिविधियां करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

विहिप के संयुक्त सचिव ने बताया जान को खतरा

पुलिस में दर्ज कराई शिकायत

हैदराबाद, 22 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। विश्व हिन्दू परिषद के राज्य संयुक्त सचिव डॉ. रविनुथला शशिधर ने पुलिस से संपर्क कर आरोप लगाया कि कल रात कुछ लोग उनके घर में घुस आए और उनकी जान को खतरा है। वनस्थलीपुरम पुलिस को दी गई अपनी शिकायत में शशिधर ने आरोप लगाया है कि शुक्रवार रात करीब 1 बजे एक अज्ञात व्यक्ति उनके घर में घुस आया और इधर-उधर घूमने लगा। उन्होंने पुलिस को बताया कि उन्हें डर है कि कुछ लोग उन्हें नुकसान पहुंचाने की कोशिश कर रहे हैं। शिकायत के आधार पर पुलिस ने घर का दौरा किया और परिसर में लगे क्लोज सर्किट कैमरों की फुटेज की जांच की। वनस्थलीपुरम इंस्पेक्टर सीएच श्रीनिवास राव ने कहा कि फुटेज की जांच करने पर हमें परिसर में किसी के घुसने का पता नहीं चला। चूंकि शशिधर को संदेह है कि कोई व्यक्ति घर में घुसा था, इसलिए हमने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और जांच कर रहे हैं।

हैदराबाद में तेज आंधी-तूफान गर्मी से मिली राहत

हैदराबाद, 22 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। कई दिनों की भीषण गर्मी के बाद, शुक्रवार रात से शनिवार की सुबह तक हैदराबाद में कई स्थानों पर तेज आंधी के साथ ओले भी पड़े।

तेज लेकिन कम समय तक चले आंधी-तूफान ने हैदराबाद के लोगों को काफी राहत दी, जो लंबे समय से गर्मी की मार झेल रहे थे। तेलंगाना राज्य विकास योजना सोसाइटी (टीएसडीपीएस) के वर्षा आंकड़ों के आधार पर, शुक्रवार रात 8.30 बजे से शनिवार सुबह 7 बजे के बीच, हैदराबाद विश्वविद्यालय (सेरिलिंगमपल्ली मंडल) में 54.5 मिमी वर्षा हुई, इसके बाद मेडचल-मलकाजगिरी जिले के अल्लापुर, विवेकानंद नगर (कुकटपल्ली मंडल) में 508 मिमी वर्षा हुई।

टीएसडीपीएस के आंकड़ों के अनुसार, हैदराबाद के अन्य क्षेत्रों में प्राप्त वर्षा में माधापुर (48.8 मिमी), खैरताबाद (48.5 मिमी), राजेंद्रनगर (47.5 मिमी), गाचीबोवली (45.8 मिमी), कपरा (39.3 मिमी) और अलवाल (35.8 मिमी) शामिल हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, आंधी-तूफान के अलावा बंजारा हिल्स, मियापुर, तेलपुर, गाचीबोवली के कई इलाकों में भारी बारिश के साथ ओलावृष्टि भी हुई। औसतन, आंधी-तूफान का दौर एक क्षेत्र में 30 से 40 मिनट तक चलता है और फिर अपनी तीव्रता खो देता है।

बिजली आपूर्ति बाधित होने से कक्षा 10 के विद्यार्थियों को हुई परेशानी

मेदक, 22 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। बारिश के बाद बिजली आपूर्ति बाधित होने से कक्षा 10 के विद्यार्थियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा है। कई स्थानों पर बिजली आपूर्ति बाधित रही।

कक्षा 10 के छात्रों को चल रही परीक्षाओं की तैयारी करने में मुश्किल हो रही है क्योंकि शनिवार तक बिजली आपूर्ति नहीं थी। इसके बाद भी दोपहर तक बिजली आपूर्ति बाधित रही, जिससे छात्रों को चिलचिलाती गर्मी और कक्षाओं में पर्याप्त रोशनी की कमी के बीच बिना पंखे के परीक्षा देनी पड़ी। यह समस्या विशेष रूप से पपन्नापेट मंडल के विभिन्न परीक्षा केंद्रों में गंभीर थी। ट्रांसको अधिकारियों ने कथित तौर पर पपन्नापेट में छात्रों के अभिभावकों द्वारा की गई कॉल का जवाब नहीं दिया।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.